हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 मार्च, 2023

खण्ड–1, अंक–7

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 21 मार्च, 2023

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा
शिड्यूल्ड कास्ट्स कमीशन के चेयरमैन का अभिनंदन

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए
तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

सदस्यों की अनुपस्थिति के संबंध में सूचना देना

राज्य में भारी बरसात और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों की
स्पैशल गिरदावरी करवाने का मामला उठाना

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य एवं हरियाणा वक्फ बोर्ड
के प्रशासक का अभिनन्दन

मुकन्द लाल नैशनल कॉलेज, यमुनानगर के विद्यार्थियों तथा
अध्यापकगण का अभिनन्दन

होम्योपैथिक मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल,
सैक्टर–26, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का अभिनन्दन

सचिव द्वारा घोषणा

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के
व्यवहार के संबंध में मामला उठाना

दिनांक 21.03.2023 को सूचीबद्ध तारांकित प्रश्न संख्या 99 के जवाब (अनैक्श्चर सहित) की हार्ड कापी सदन में उपलब्ध करवाने का मामला उठाना

शून्यकाल में भाग लेने के लिए सदस्यों के नामों के संबंध में सूचना देना

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना

हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री का अभिनंदन

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना (पुनरारम्भ)

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ तथा वित्तमंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना

बैठक का स्थगन

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनराराम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनराराम्भ)

राजकीय महाविद्यालय उकलाना, जिला हिसार के विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण का अभिनन्दन

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनरारम्भ)

बैठक का समय बढ़ाना

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनरारम्भ)

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

नेवा पोर्टल के माध्यम से विधान सभा समितियों की रिपोट्र्स प्रस्तुत करना

(1) लोक लेखा समिति की 86वीं रिपोर्ट

(2) लोक लेखा समिति की 87वीं रिपोर्ट

(3) स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति की 18वीं रिपोर्ट

(4) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति की 46वीं रिपोर्ट

विधायी कार्य–

(क) विचार तथा पारित किये जाने वाले विधेयक

1. हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023

हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 को वापिस लेना

बैठक का समय बढ़ाना

विधायी कार्य (पुनरारम्भ)

2. हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023

(ख) पुरःस्थापित किये जाने वाला विधेयक

हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक, 2023

हरियाणा विधान सभा
मंगलवार, 21 मार्च, 2023

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 11:00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ज्ञान चंद गुप्ता) ने अध्यक्षता की।

———————————

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्रश्नकाल शुरू होता है।

पंचायतों के बैंक बैलेंस का ब्यौरा

***81. श्री बिशन लाल सैनीः** क्या विकास एवं पंचायत मंत्री कृपया बताएगें कि :–

(क) हरियाणा में पंचायतें कब भंग हुई थी तथा नव नियुक्त सरपंचों/पंचायतों को प्रभार कब सौंपा गया;

(ख) उक्त अवधि के दौरान किसी भी स्त्रोत से रादौर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के खण्ड रादौर की पंचायतों के खातों में गांववार कितनी राशि प्राप्त हुई तथा उन कार्यो के नाम क्या हैं जिन पर उक्त राशि खर्च की गई; तथा

(ग) नव नियुक्त सरपंचो को प्रभार सौंपने से पहले खण्ड रादौर की पंचायतों के खातों में जमा राशि का ब्यौरा क्या है?

विकास एवं पंचायत मंत्री (देवेन्द्र सिंह बबली): श्रीमान जी,

(क) हरियाणा में दिनांक 23.02.2021 को पंचायतों को भंग कर दिया गया था और दिनांक 14.12.2022 को नव नियुक्त सरपंचों/पंचायतों को प्रभार सौंपा गया था।

(ख) उक्त अवधि के दौरान रादौर विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र के खंड रादौर की पंचायतों को सभी स्त्रोतों से प्राप्त राशि का विवरण व कार्यों के नाम जिन पर उक्त राशि खर्च की गई है, संलग्नक ''ए'' पर रखा गया है।

(ग) नव नियुक्त सरपंचों को प्रभार सौंपने से पहले खण्ड रादौर की पंचायतों के खातों में जमा राशि का पंचायतवार ब्यौरा संलग्नक ''ए'' के कॉलम संख्या ''एच'' में दिया गया है

संलग्नक "ए"

A	B	C	D	E	F	G	H
Sr No.	**Name of Gram Panchayat**	**Date on GP was disolved**	**Date on Which the charge is handover to newly elected GP**	**Amount received by the gram panchayat during the Period (Amount in Rs.)**	**Name of work for which amount has been spent, During the Period**	**Expenditure (Amount in Rs.)**	**Detail of Bank Balance of the GP before the charge handover to the newly elected Sarpanches (Amount in Rs.)**
1	ALAHAR	23/02/2021	14.12.2022	4790710	1. COMPL. OF VYAMSHALA 2. PANCHAYAT SAMITI DUES, 3. CONST. OF STREET FROM H/O MANISH TO MAIN GALI, 4. FOGGING, 5. CONST. OF STREET FROM KHERA TO H/O KRISHAN AND ANGAN PUCCA OF GANGA SAGAR CHOPAL, 6 PIPE LINE REPAIR OF GRAY WATER, 7. HONORARIUM OF SWEEPER AND TUBWELL OPERATOR, 8 RIKSHA FOR SWEEPER, AND SANITATION MATERIAL, 9 DEMARCATION 10. CONST. OF OPEN YARD GROUND OF SHEED UDHAM SINGH, 11 PIPE LINE leakage repair	3665218	1125492
2	ALIPURA	23/02/2021	14.12.2022	2200000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. TiLING IN SCHOOL, 3. CONST. OF RASTA, 4. LAND LEVLING, 5. HONORARIUM OF MALI CUM CHOWKIDAR 6. DEMARCATION	1449500	750500
3	AMLOHA	23/02/2021	14.12.2022	1779142	1. Tileing of Anganwadi center Prangan 2. Const. of community centre 3. Expenses on Agriculture 4. Const. of Toilet in Panchyat Ghar 5. Const. of Drain and Expenses on Cleanage 6. Panchayat Samiti Dues 7. Red Cross dues 8. Bill of Elecricity 9. Library books 10. Cost of burial of dead animals 11 SBM Slogan in Panchayat Ghar, Angwanwadi Center and in school 12 Stationary Expenses in context of Swamitav Scheme 13. Spray roundup in village	766918	1012224

4	ANTAWA	23/02/2021	14.12.2022	3800000	1. LIBERARY BOOKS, 2 PANCHAYAT SAMITI DUES, 3. FOGING, 4. MOTOR REPAIR AND OTHER EQUIPEMENTS, 5. SOLID LIQUID WAST MANAGEMENT SYSTEM, 6 HONORARIUM OF SWEEPER, 7. HONORARIUM OF CHOWKIDAR, 8. CONST. OF STREET FROM RAM NIWAS TO JAI RAM HOUSE. 9 TILING IN PRIMERY SCHOOL 10 CONST. OF STREET FROM PWD ROAD TO GOVT. SCHOOL. 11 RANI LAXMI BAI KE ANGAN ME TILE, 12 CONST. OF STREET FROM H/O MAHIPAL TO H/O RAJPAL, AND MAHIPAL TO RAVIDAS MANDIR, 13 COUNSEL FEE, 14 DEMARCATION OF SHAMLAT LAND	3497863	302137
5	BAINDI	23/02/2021	14.12.2022	6931750	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. CONST. OF STREETS IN GRAM SABHA AREA FROM MAIN GALI TO VIKRAM KA GHER, MAIN ROAD TO H/O ALI SHER, KABRISTAN TO H/O NARESH, KABRISTAN PHIRNI TO H/O MEGH RAJ AND SUBHASH, 3. INSTALATION OF NEW TUBWELL IN PLOT NO. 13 OF SHAMILAT LAND 4. CONST. OF STREET FROM H/O JAGNSHER TO MAIN PHIRNI, CONST. OF STREET FROM H/O PURAN TO POND, CONST. OF STREET FROM KURDIA TO MAIN PHIRNI, REPAIR OF DRAINS FROM H/O NASHIR TO PARK, CONST. OF STREET FROM JANGSHER TO POND,5. IVERTER AND BETERY IN PRIMERY AND MIDDLE SCHOOL, HONORARIUM OF SWEEPER, SANITATION MATERIAL AND RIKSHWA, SANITION WORKS IN GP AREA, ELECTRICITY BILL	5931904	999846
6	BAKANA	23/02/2021	14.12.2022	5184443	1. Sanitation work 2. Panchayat Samiti Dues 3. Rennovation of Shamilat Land 4. Honorarium of Sweeper 5. Purchase of Rehdi 6. Repair of motor 7. Const.of Street and Drains in Gram Sabha Area	4547605	636838
7	BAPA	23/02/2021	14.12.2022	3288100	1. PANCHAYAT SAMITI DUES 2. CONST. OF RASTA FROM FIELD OF HARCHARAN SINGH TO RAJBIR AND SATPAL, 3 SWEEPER HONORARIUM 4. CONST. OF STREET FROM GOVT. SCHOOL TO BUBKA MOD. 5. CONST. OF RASTAFROM FIELD OF NAVRANG TO FIELD OF MADAN LAL, 6. DEMARCATION 7. ELECTRICITY SECURITY FOR TUBWELL 8. SWEEPER RIKSHA AND SANITATION MATERIAL 9. PIPE LINE IN SHAMLAT LAND 10. INSTALATION OF NEW TUBWELL IN SC PLOT IN SHAMILAT LAND, 11 RE-CONST.OF GURUDWARA GALI WITH DRAIN,	2786000	502100

8	BAPOLI	23/02/2021	14.12.2022	789074	1. SBM SLOGAN, 2. HAND PUMP NEAR H/O RAM LAL AND H/O SURENDER, 3. WATER PIPE LINE REPAIR 4. CHILD WALFARE DUES, 5. FOGING IN SABHA AREA. 6 PURCHASE OF RIKSHA REHDI, 7. REPAIR OF SUBMERSIBLE PUMP NEAR NAIB SINGH HOUSE	425144	363930
9	BARHERI	23/02/2021	14.12.2022	955459	Parchage of Riksha,Const. of Sokpit,foging in sabha area ,slogan of SBM in sabha area, 2. Parchage of Library books,Samiti dues, Purchage of cement,sanitaion, const.of culverts 3. Purchase of Engine , Repair of pipeline	742444	213015
10	BARSAN	23/02/2021	14.12.2022	1360600	1. PANCHYAT SAMITI DUES	954500	406100
11	BASANT PURA	23/02/2021	14.12.2022	230535	Const. of Street from h/o Ramchander to Bhangiram, Mehar Singh to Main Gali, 3. near Gurudwara, 4 Sanitaion Kit and Rikshwa	160139	70396
12	BHAGU MAJRA	23/02/2021	14.12.2022	348842	1. Library books 2. Repair of motor of public health 3. Repair of Pipeline leakage 4. Panchayat Samiti Dues 5. Rain harvesting system in Govt School	276310	72532
13	BHAGWANGARH	23/02/2021	14.12.2022	333798	Samiti Dues , repair of pipeline, Const of Streets in sabha area, repair of nala, motor repair of public health tubewell.	314064	19734
14	BUBKA	23/02/2021	14.12.2022	4285941	1. Const of Streets in sabha area 2. Panchayat Samiti dues 3. Purchaseof Rikshaw Rehdi, 4. Liabrary books 5. Sanitation work 6. Const.of new Pipeline in Panchayati land 7. Repair of old Pipeline in Panchayati land and Motor repair , Electricity security.	1973800	2312141
15	CHAMRORI	23/02/2021	14.12.2022	1956146	1. Community Hall Tile work in Bharat Gar 2. Samiti Dues 3. Repair of Pipeline, Sanitation, Laibrary books,Foging, Repair of riksha	1397880	558266
16	CHHARI	23/02/2021	14.12.2022	2520300	1. Panchayat Samiti Dues, 2. New RCC pipeline , 3. Tiles in SC Choupal, 4. const. of Street in sabha area	1768000	752300
17	DAULAT PUR	23/02/2021	14.12.2022	502137	1. Saniation work 2. Repair of leakage of pipeline 3. Library books 4. Panchayat Samiti dues	78000	424137
18	DHANUPURA	23/02/2021	14.12.2022	142174	Sanitation Kit and Rikshwa	25129	117045
19	DHOLI	23/02/2021	14.12.2022	1530830	1. Panchayat Samiti Dues, 2. Library books, 3. Paint of Gram Sachivayla 4. Inverter with battery in Gram Sachivalya. 5. Repair of motor of public health Tubwell	363073	1167757

20	DHOLRA	23/02/2021	14.12.2022	1321000	1. Panchayat Samiti dues, 2. Const. of streets . 3. Sanitation work 4. Foging in gram sabh area	1099287	221713
21	FATEH GARH	23/02/2021	14.12.2022	684000	1. Samiti Dues 2. Sanitation work, SBM Slogen writing ,Foging, const. of sockage , saniation in Village 3.white wash in Animal Hospitale , Const of Firni,Const of Street	592347	91653
22	GHESHPUR	23/02/2021	14.12.2022	552310	SWACHTA SLOGAN (SBM), 2 FOGGING, 3 REPAIR OF PIPELINE LEKEJ, 4 RIKSHAW AND SANITATION MATERIAL FOR SWEEPER, 5 MOTOR REPAIR OF PUBLIC HEALTH TUBWELL, 6 PAID TO UHBVNL FOR SHIFTING OF HIGH VOLTAGE WIRE FROM AMBEDKAR BHAWAN, 7. PANCHAYAT SAMITI DUES	177700	374610
23	GHILOUR	23/02/2021	14.12.2022	1243200	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. RIKSHA FOR SWEEPAR AND SANITATION EQUIPMENTS, 3. REPAIR OF PIPE LINE LEAKAGE IN MAGRA AND GHILOR, 4. MOTOR REPAIR OF PUBLIC HEALTH TUBWELL	127300	1115900
24	GUMTHALA	23/02/2021	14.12.2022	1468880	1. Const. of Street from h/o Mahboob to h/o Gurnam, 2. Const. of Street from h/o Rikhi Ram to H/o Seeta Ram, 3. Const. of Street from h/o Suleman to h/o S. Kumar, 4. Const. of Street from h/o Variyam to h/o Pritam, 5. Const. of Street from h/oRam Lal to h/o Seeta Ram, 6. Const. of Street from h/o Karmbir to h/o Sonu Ram	956859	512021
25	HARTAN	23/02/2021	14.12.2022	845000	CONST. OF COMMUNITY TOILETS IN HARTAN MAJRI, SBM),	104000	741000
26	HIRAN CHAPPAR	23/02/2021	14.12.2022	395470	const. of Street in SC BASTI, laibrary books , sweeper kits, samiti dues	384970	10500
27	ISMAILPUR	23/02/2021	14.12.2022	2211000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2 CONST. OF STREET 3. RIKSHA REHDI, 4. ELECTRICITY BILL, 5. LIBERARY BOOKS	1507400	703600
28	JATHLANA	23/02/2021	14.12.2022	3380529	1. CONST. OF STREET FROM BALMIKI CHOPAL TO MAIN PHIRNI, 2. RIKSHA FOR SWEEPAR, 3. CONST. OF STREET, 4. LAIBERARY BOOKS, 5. HONORARIUM OF SWEEPAR, 6. CONST. OF STREET, 7 LABOUR OF SHAMSHAN GHAT, 8 SANITATION WORK, 9. REPAIR OF PIPELINE LEAKAGE	3034179	346350
29	JHAGURI	23/02/2021	14.12.2022	386574	Rikshwa and Sanitation Kit	49420	337154
30	JHINVERHERI	23/02/2021	14.12.2022	367100	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2 REPAIR PUBLIC HEALTH TUBWELL LEAKAGE, 3 SANITION MATERIAL, 4. MOTOR REPAIR OF PUBLIC HEALTH TUBWELL, 5. SOKPIT KHADDE, 6. INVERTER BATERY IN GOVT. PRIMERY SCHOOL	249293	117807

31	JUBBAL	23/02/2021	14.12.2022	8221563	1. CONST. OF RASTA IN THE PARK, 2 MOTOR REPAIR, 3. TILE TRACING IN AGANWARI , 4. FOGGING, 5 MOTOR REPAIR, 6 REPAIR OF PIPE LINE LEAKEJ, 7. REHDI FOR SWEEPER 8. PIPE LINE AND MOTOR REPAIR 9. PANCHAYAT SAMITI DUES, 10 LIBERARY BOOKS	3429713	4791850
32	KANDROLI	23/02/2021	14.12.2022	7988544	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. CONST. OF PHIRNI, 3. MOTOR AND PIPELINE REPAIR, ELECTRICITY BILLS, 4. TILING IN PHIRNI, 5. HONORARIUM OF SWEEPERS, 6 PURCHASE OF MOTOR 7. ELECTRICITY CONECTION SECURITY	3766158	4222386
33	KANJNU	23/02/2021	14.12.2022	6357214	1. Samiti Dues 2. Honorarium of Chowkidar 3. Sanitation, Parchage of Riksha, Foging , Laibrary Books, pipeline repair, Const of Streets in sabha area, Const of Firni ,4. Tile Work in Ambedkar Bhawan, Instalation of PVC Pipeline	3684835	2672379
34	KARERA M.T.	23/02/2021	14.12.2022	4550001	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. CONST. OF SHED AND B/WALL 3. LIBERARY BOOKS, 4. ELECTRICITY BILL, 5. NALA REPAIR FROM H/O BALBIR TO DINESH SHARMA, AND PRIMERY SCHOOL TO BADA JOHAR, 6 SLOGAN SBM, 7. REPAIR OF HAND PUMPS, 8. SANITATION OF NALA AND NALI, 9 SOAK PIT GADDE 10. BORWELL IN SHAMLAT LAND, 11 BORWELL IN BAGWALI, 12 SAF SAFAI OF JOHARS 13 PAVER BLOCK STREET NEAR KHERA MANDIR, 14 FOGING, 15 CONST. OF STREET FROM H/O GANSYAM TO H/O AMAR, 16 CONST. OF STREET FROM H/O SATNA SAYAM TO H/O AMAR PAL 17. CHOWKIDAR ROOM AND TILING, GATE ETC. 18 PAVER BLOCK IN GOVT. SCHOOL 19. GATE NO. 1 KE AAGE PAVER BLOCK	3879960	670041
35	KARTARPUR	23/02/2021	14.12.2022	3046600	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2 CLEANING, FOGING, 3. SBM SLOGAN, 4. PIPE LINE REPAIR, 5 CYCLE REHDI AND SANITATION EQUIPMENTS, 6 LIBERARY BOOKS 7. MOTOR REPAIR, 8 AGRI PIPE LINE REPAIR	618046	2428554
36	KHAJURI	23/02/2021	14.12.2022	4061486	1. Deposit in Panchayat Samiti 2. Const.of PVC Street near Kheda 3. Electricity fitting in Community center 4. Tiles in prangan of Gram Sachivalya and Const.of Street in Govt School	2122180	1939306
37	KHERI LAKHA SINGH	23/02/2021	14.12.2022	141995	1. Sanitation Kit and Rikshwa 2. Motor Bainding	48808	93187
38	KHERKI BRAHMNAN	23/02/2021	14.12.2022	1009000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES 2. CONST. OF STREETS, 3. INTERLOCKING TILE IN SHAMSHAN GHAT 4. JCB FOR SANITATION AND REMOVEL OF ILLEGAL ENCROACHMENT,	924600	84400

39	KHURDBAN	23/02/2021	14.12.2022	3755412	1. PANCHAYAT SAMITI DUES 2. ELECTRICITY BILL, 3. HONORARIUM OF CHOWKIDAR, 4 Comletion OF AMBEDKAR BHAWAN, 5. CHILD WELFARE FUND 6. AGRICULTURE PIPE LINE REPAIR, 7. INSTALAMENT OF KACHRA VEHICLE, 8 TEEJ PROGRAM OF GOVT. 9. HIRD TRAINING PROGRAMME 9 ROOF TOP RAIN WATER HARVESTING SYSTEM 10. KASYAP AND AMBEDKAR BHAWAN TOILET AND PIPE FITTING 11. DOOR INSTALATION IN SCHOOL PASSI DERA 12. REPAIR OF CAMERA AND LIGHTS IN GRAM SACHIVALYA AND COMMUNITY CENTER, 13 DIESEL IN KACHRA VAN.	1809552	1945860
40	LAKSHI BANS	23/02/2021	14.12.2022	655340	1. Panchayat samiti Dues 2. Liabrary books 3. parchage of riksha, sanitation work 4. Electricity bill 5. Foging, 6. Honorarium sweepar, 7. Instalation PVC Pipe, 8. repair of pipe line and cleaning	613230	42110
41	LAL CHAPPAR	23/02/2021	14.12.2022	1088783	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. SOK PIT , 3 DEWATERING RAIN WATER FROM SCHOOL, 4. LIBERARY BOOKS, 5 RIKSHA REHDI	892360	196423
42	MADHU BANS	23/02/2021	14.12.2022	425272	Cleaning of village, repair ofpipeline,laibrary books, Purchage of riksha, samiti dues	244746	180526
43	MANDHAR	23/02/2021	14.12.2022	3318709	1. const. of streets in sabha area 2. electricity bill, 3. Panchayat Samiti Dues, 4. Liberary books, 5. honorarium of sweepar, 6. Demarcation, 7. Sanitation work 8. Const. of Balmiki Choupal	1267790	2050919
44	MANSOOR PUR	23/02/2021	14.12.2022	3748750	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. ELECTRICITY BILLS, 3. DIGGING OF POND, 4. LIBERARY BOOKS, 5. PRINTER	248750	3500000
45	MARUPUR	23/02/2021	14.12.2022	2325625	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2 SANITATION WORK, 3 RIKSHA REHDI, 4. FOGING, 5. AGRICULTURE ELECTRICITY BILL, 6. LIBERARY BOOKS 7. SANITION WORK. 8. CONST. OF STREET	1706325	619300
46	MASANA RANGRAN	23/02/2021	14.12.2022	384082	Purchase of New Motor and dewatering from Pond	160200	223882
47	MOHRI	23/02/2021	14.12.2022	1083253	Samiti dues, tubwell oparater honorarium, vakil fees , honorarium of sweeper, purchage of riksha, const. of street near shamshanghat, cleaning of village, repair of motor and pipeline	713659	369594
48	NACHRON	23/02/2021	14.12.2022	3600000	1. Panchayat Samiti dues, 2. Liabrary books, 3. Const. of streets, 4. Repair of motor and pipeline, 5. completion of knowledge centre, 6. Cleanage exp, 7. Panchayati land exp, 8. Part time sweeper	3550000	50000
49	NAGAL	23/02/2021	14.12.2022	2518805	1. Library exp 2. Panchayat Samiti Dues, 3. Honorarium of Part time sweeper, Cleaning in village Riksha rehdi	910706	1608099
50	NAGLA SADHAN	23/02/2021	14.12.2022	457250	1. PANCHAYAT SAMITI DUES,2. ELECTRICITY BILL, 3 MOTOR AND PIPE LINE REPAIR	132000	325250

51	PALAKA	23/02/2021	14.12.2022	2530377	1. Library books 2. Panchayat Samiti dues 3. Expenses in Panchayati Land 4. cleaning expenses 5. Instatllation of Sewerage 6. Const. of Street in sabha area	2366898	163479
52	PALEWALA	23/02/2021	14.12.2022	4068700	1.Const. of sewerage, 2, Completion of community hall, 3. Const. of streets, 4. Electricity Bills, 5. Panchayat Samiti dues	4061978	6722
53	PASSI DERA	23/02/2021	14.12.2022	107858	NIL	0	107858
54	POTLI	23/02/2021	14.12.2022	629831	Cleaning exp	29800	600031
55	PURANGARH	23/02/2021	14.12.2022	1474100	1. MOTOR REPAIR, 2. FOGGING, 3. CONST. OF SHAMSHAN GHAT RASTA,4 PANCHAYAT SAMITI DUES, 5 PIPE LINE LEAKEJ	607335	866765
56	RADAURI	23/02/2021	14.12.2022	2105035	1. Const. of streets, 2. Panchayat Samiti dues, 3. sanitation work, 4. Agricalture land tubewell and Repair of motor, 5. fogging in gram sabha area, 6. Rikash rhedi, 7. Library exp	1152347	952688
57	RAJHERI	23/02/2021	14.12.2022	4782841	1. Panchayat Samiti Dues 2. Foging , Sanitation, Purchage of Riksha 3. Const. of Street, Purchage of Door for Chopal, tile work on samsangat road, Const. of Street in Village, Cleaning in Village, agricalture land boring and Repair	2836602	1946239
58	RAPRI	23/02/2021	14.12.2022	2388462	1. Library exp 2. part time sweeper 3. HRDF transfer 4. const.of panchayat bhawan or ambedkar bhawan 5. public health pipe leakage 6. Deposit in Panchayat Samiti 7. ricksaw & kit 8. electrycity bill 9. agriculture pipeline repaire 10. Cleanage exp 11. const.of ambedkar bhawan	1558021	830441
59	RATTAN GARH	23/02/2021	14.12.2022	947100	Const. of Shed in BC Chopal, Const. of Street near School, Cleaning in Village, Repair of pipeline,	300000	647100
60	SADHURA	23/02/2021	14.12.2022	2789025	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. REPAIR OF STREET BALMIKI MANDIR wali, 3. RASTA OF SHAMSHAN GHAT AND PVC PIPE LINE, 4 NEAR H/O HARDEEP, 5. CONST. OF COMMUNITY TOILET, 6. COMPLETION OF VYAMSHALA, 7 SANITATION MATERIAL, 8. CONST. OF STREET NEAR H/O NARENDER TO MAIN GALI, 9. CONST. OF RAIN WATER HARVESTING SYSTEM IN GRAM SACHIVALYA, 10 CONST. OF STREET FROM MAIN ROAD TO JAI BHAGWAN, 11. DEMARCATION 12. CONST. OF STREET FROM MAIN PHIRNI TO H/O MAYA RAM, PURCHASE OF 1 ALMIRA, 14 AGRICALTURE PIPE LINE REPAIR,	2199552	589473

61	SAGRI	23/02/2021	14.12.2022	1900000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. FLOORING TILES OF COMMUNITY CENTER, 3. CONST. OF STREET IN FRONT OF COMMUNITY CENTRE, 4. CONST. OF STREETS IN GRAM SABHA AREA 5. LIBERARY BOOKS	1099700	800300
62	SANDHALA	23/02/2021	14.12.2022	800000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. CONST. OF SOK PIT , 3. RIKSHA REHDI, 4. LIBERARY BOOKS	543300	256700
63	SANDHALI	23/02/2021	14.12.2022	5269000	1. OLD AGE HOME KITCHEN TILE, PARKING AND ANGAN, HALL CAMPUS TILES 2. PANCHAYAT SAMITI DUES 3. SPREY OF ROUND UP, 4. LIBERARY BOOKS, 5. REMOVEL OF ENCROACHMENT CHARGES , 6. TILING IN SCHOOL, 7 FLOOR TILE IN SC CHOPAL, 8 TILE TRASING ON PHIRNI ON BOTH SIDES	5209000	60000
64	SANGI PUR	23/02/2021	14.12.2022	394171	NIL	0	394171
65	SATGOLI	23/02/2021	14.12.2022	283415	Cleaning in village, repair of pipeline and public health motor, laibrary books, Sweeper kit	93215	190200
66	SIKANDRA	23/02/2021	14.12.2022	987600	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. MOTOR OF PUBLIC HEALTH TUBWEL, 3. CONSTRUCTION OF SOKHTA LEAS PIT, 3. DEMARCATION, 4 SANITATION MATERIAL AND RIKSHA FOR SWEEPER, ELECTRICITY BILL, PIPE LINE LEAKAGE, FLOOR TILE OF COMMUNITY CENTER, GREEL, WHITE WASH, AGRICALTURE GOODS	841211	146389
67	SILLI KALAN	23/02/2021	14.12.2022	3390120	CONST. OF STREET FROM BARAT GHAR TO H/O HARI SINGH, 2 NEW MOTOR AND PIPE LINE LEAKAGE, 3. SANITATION WORK ON GANDHI JAINTI, 4. FOGGING, 5. PAVER BLOCK IN BARAT GHAR, 6. ROOF TOP RAIN WATER HARWESTING SYSTEM IN COMMUNITY CENTER, 7. CONST. OF PUBLIC TOILET, 8 PAYMENT OF ELECTRICITY BILLS, 9 RIKSHAW CYCLE FOR SWEEPER, 10 LIBERY FOR BOOKS, 11 PANCHAYAT SAMITI DUES, 12 NEW MOTOR	1594278	1795842
68	SILLI KHURD	23/02/2021	14.12.2022	126321	Sanitation Kit and Rikshwa	25129	101192
69	THASKA KHADER	23/02/2021	14.12.2022	1688957	1. Electricity connection of 3 Tubewell in Panchayati Land 2. Library exp 3. Cleaning exp 4. Completion of Ambedkar Bhawan 5. Panchayt Samiti dues	751366	937591
70	TOPRA KALAN	23/02/2021	14.12.2022	1042000	1. PANCHAYAT SAMITI DUES, 2. PVC PIPE LINE, 3. CONST. OF STREET FROM RAVIDAS MANDIR TO AAGYA RAM HOUSE AND MAIN ROAD TO PARK, AND JAL GHAR TAK, 4. REGISTRATION FEE OF AMBULANCE FEE, 5. 6 PVC PIPE LINE FROM RAM SWAROOP TO KULWANT, 7. CYCLE RIKSHA AND SANITATION ASSESORY, 8. SANITATION WORK IN ASHOKA PARK	918000	124000

71	UNHERI	23/02/2021	14.12.2022	2725509	**CONST. OF STREET FROM MAIN STREET TO H/O UDAY RAJ 2. MAIN STREET TO H/O USHA PANDIT, 3. MAIN STREET TO NANHA S/O JAGAT SINGH, 4. H/O MOHIT TO H/O LADDI , 5 H/O TELU TO MAHENDER, 6. MAIN STREET TO JOGINDER HOUSE, 7 PANCHAYAT SAMITI DUES, PIPELINE LEAKAGE, 8. ELECTRICITY BILL, 9. LIBERARY BOOKS,**	2709680	15829
			Total	**154953150**		**99027276**	**55925874**

श्री बिशन लाल सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि जो ब्योरा इन्होंने दिया है वह बिल्कुल ठीक दिया है। मैंने इसको पढ़ लिया है यह सही है लेकिन जब पंचायतें भंग हुई और उसके बाद जब नई पंचायतों ने चार्ज लिया उस दौरान जो पंचायतों का चार्ज था उसमें सैक्रेटरी और बी.डी.ओ. मालिक थे। वही सरपंच थे, वही अधिकारी थे, वही सब कुछ थे। उनमें कई पंचायतें ऐसी हैं अगर मैं सभी पंचायतों के बारे में कहूंगा तो प्रश्न ज्यादा बड़ा बन जाएगा। उसमें से मैं एक दो पंचायतों का जिक्र करना चाहूंगा। जैसे भगवान गढ़, नाचरोन, भागु माजरा की पंचायतें हैं। इनमें जो पुराना सरपंच था अर्थात पंचायतें भंग होने के बाद जो चला गया था। उसके चले जाने के बाद पंचायत में लाखों रुपये की इंकम हुई थी। चाहे वह जमीन से हुई है, चाहे वह सरकार ने भेजी है। जब नया सरपंच आया तो उससे पहले ही वे जितने पैसे थे उनमें से खर्चे के बाद कई जगह तो हजारों में बैलेंस रह गया। वह जो पैसा उस दौरान खर्च किया गया जबकि सरकार की तरफ से, मुख्यमंत्री जी की तरफ से प्रयास बहुत किये गये कि सरपंच 25 हजार से ज्यादा पैसे नहीं निकाल सकते हैं। इसमें कोई दौराय नहीं है कि इसके लिए कमेटी भी बनाई गई कि अगर पंचायत दो लाख रुपये से ज्यादा खर्च करेगी तो कमेटी की परमिशन लेनी पड़ेगी। उस कमेटी में एस.डी.एम. वगैरह थे लेकिन उसके बावजूद भी जो उस समय पर सरपंच बने हुए थे और बी.डी.ओ., सैक्रेटरी, जे.ई. वगैरह थे उन्होंने जो पैसा खर्च किया है उससे कहीं कोई विकास नहीं हुआ है अर्थात् मौके पर वह पैसा नहीं लगा है। उसमें अगर मैं गलत कह रहा हूं तो मुझे पकड़ लेना। कई पंचायतों में तो पैसे का बैलेंस जीरो है। वह पैसा कहां गया, कौन खा गया? इस बारे मैं आपको बताना चाहता हूं कि उस समय वहां जो बी.डी.ओ. लगा हुआ था। अब तो वह रिटायर होकर चला गया है। वह बी.डी.ओ. हमारे ब्लॉक की पंचायतों से कम से कम 10–15 करोड़ रुपया कमाकर गया है। आप बेशक उसकी इंक्वायरी करवा लीजिए। वह तो रिकॉर्ड ही बता देगा। इसमें तो

कुछ कहने की जरूरत ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि उनके खिलाफ क्या कार्यवाही होगी, कोई इंवेस्टीगेशन होगी या नहीं होगी।

श्री देवेन्द्र सिंह बबली : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को जो हमने पंचायतवार ब्योरा दिया है उसमें इन पंचायतों में टोटल पेमेंट 15,49,53,150 रुपये आई है चाहे वह किसी भी सोर्स से आए हों। उसमें चाहे पंचायतों की अपनी इंकम थी, चाहे सरकार की तरफ से भेजी गई थी। उसमें से 9,90,27,276 रुपये खर्च हुए हैं और 5,59,25,000 रुपये जब नई पंचायत आई उनको हैंडओवर किये गये थे जोकि अलग–अलग पंचायतों के अकाउंटों में अलग–अलग राशि थी। माननीय सदस्य ने जो कहा है और रिप्लाई में पंचायतों के काम का ब्योरा दिया गया है। उनमें किसी भी पंचायत के बारे में इनको कुछ ऐसा लगता है कि उस दौरान चाहे वह हमारे अधिकारियों द्वारा या पिछली पंचायतों में सरपंचों द्वारा कुछ ऐसा घपला किया गया है तो हम उसकी जांच भी करवाएंगे और उसकी इंक्वायरी भी करवाएंगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, माननीय सदस्य सरपंच की बात तो कह ही नहीं रहे हैं बल्कि वे तो यह बात कहना चाहते हैं कि जो बी.डी.पी.ओ., सैक्रेटरी या जे.ई. वगैरह उस समय इनके यहां कार्यरत थे, उन्होंने पैसा गलत ढंग से खर्च किया है। माननीय सदस्य सरपंचों की बात कह ही नहीं रहे हैं।

श्री देवेन्द्र सिंह बबलीः अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसी बात है तो जिन पंचायतों में अनियमिततायें हुई हैं, उनका नाम भी माननीय सदस्य को बताने का काम करना चाहिए। अगर इनको लगता है कि पैसे का दुरूपयोग हुआ है तो उसकी जांच कराने का आदेश देने का काम किया जायेगा। अगर माननीय सदस्य किसी पार्टिकुलर पंचायत का नाम बताना चाहते हैं या किसी अधिकारी का नाम बताना चाहते हैं, तो वह भी बता सकते हैं।

श्री बिशन लाल सैनीः अध्यक्ष महोदय, सारी तस्वीर सामने तो है। सरकार को इसकी इंक्वायरी करवाने का काम करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं तो उस समय के सभी

अधिकारियों की ही बात कर रहा हूँ और इनकी पोस्ट्स के बारे में भी मैंने अभी बता ही दिया है। मैं यह बात पूरे हरियाणा के लिए भी कह रहा हूँ। सरकार को पूरे हरियाणा में भी इस तरह की अनियमितताओं के संदर्भ में जांच कराने का काम करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आपको कम से कम माननीय सदस्य की उस बात के लिए एश्योरेंस देने का काम करना चाहिए जोकि अभी उन्होंने सदन में कही है। रादौर की पंचायतों के अंदर अगर कहीं पैसे का मिसयूज हुआ है या कोई और गलत काम हुआ है, उसके बारे में माननीय सदस्य ने ऑन द फ्लोर ऑफ द हाउस आरोप लगाने का काम किया है। अगर इस मामले की इंक्वायरी हो जाये तो मेरे ख्याल से यह एक तरह से पूरे हरियाणा की ही इंक्वायरी हो जायेगी।

श्री देवेन्द्र सिंह बबलीः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पहले भी जहां कही पर भी कोई अनियमितता सरकार के संज्ञान में आई है, पिछले समय में ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई करने का काम हमारी सरकार ने किया है। आज भी माननीय सदस्य का सवाल करप्शन को लेकर है। जैसाकि सब जानते हैं कि यह सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और यही नहीं हमारी सरकार जीरो टोलरेंस के साथ ही काम करना चाहती है, इस मुहिम में माननीय सदस्य भी अपना सहयोग करें और लिखित में ये सब बातें हमको दे दें तो निश्चित रूप से इस पूरे मामले की जांच कराने का काम किया जायेगा और जो कोई भी इस मामले में गिल्टी होगा, उससे पैसे की रिकवरी तो होगी ही साथ ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी काम किया जायेगा।

श्री बिशन लाल सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं इसी विषय से संबंधित एक और बात सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा। सरकार द्वारा ई–टैंडरिंग एक प्रणाली शुरू की गई है। मैं अपने मोबाइल से फोटो उतारकर लाया हूँ। ई–टैंडरिंग के बाद जो काम शुरू होते हैं, उनमें बहुत

ही घटिया सामग्री का प्रयोग ठेकेदारों द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ मिलकर किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री जी विकास कार्यों के लिए पैसे देने का काम कर रहे हैं। ये पैसे विकास कार्यों के लिए हमारे ब्लॉक में भी आए हैं। रास्तों के लिए भी लगभग 5 करोड़ रूपये आये हैं और दूसरे कार्यों के लिए भी 5 करोड़ रूपया दिया गया है। प्रश्न यह उठता है कि अगर इस 5 करोड़ रूपये की राशि में से सिर्फ अढ़ाई करोड़ रूपये ही विकास कार्यों पर खर्च हों तो फिर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा पैसे भेजने का क्या मतलब रह जाता है।

श्री अध्यक्षः सैनी साहब, माननीय मंत्री जी ने आपको एश्योर तो कर ही दिया है कि मामले की इंक्वायरी करवायेंगे। अतः आपको आश्वस्त हो जाना चाहिए। मंत्री जी, अगले विधान सभा सत्र की जो बैठक होगी, उसके अंदर यदि आपकी इंक्वायरी रिपोर्ट आ जायेगी तो ठीक रहेगा।

श्री देवेन्द्र सिंह बबलीः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य इस मामले की सारी डिटेल दे दें तो और ज्यादा अच्छा हो जायेगा।

श्री बिशन लाल सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैंने इस संदर्भ में पहले भी माननीय मंत्री जी को लिखकर दिया हुआ है।

श्री अध्यक्षः सैनी साहब, आप एक बार दोबारा से माननीय मंत्री जी को लिखकर दे दीजिए। हो सकता है कि पहले वाली लिखित शिकायत माननीय मंत्री जी के पास न पहुंची हो।

श्री बिशन लाल सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार नहीं दस बार माननीय मंत्री जी को लिखकर देने के लिए तैयार हूँ लेकिन इस मामले की पूरी तरह से इंक्वायरी होनी चाहिए।

श्री देवेन्द्र सिंह बबलीः अध्यक्ष महोदय, हम इस मामले में जांच के आदेश दे देते हैं जो भी इस मामले में लिप्त होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई करने का काम किया जायेगा।

सेवारत आई. ए. एस. तथा एच. सी. एस. अधिकारियों की कुल संख्या

***82. श्री राकेश दौलताबाद** : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगेः-

(क) हरियाणा सरकार द्वारा नवम्बर, 2014 से आज तक सिविल सेवाओं में कितने सुधार किए गए हैं ?

(ख) क्या विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/विभागों/ बोर्डो/निगमों में पदानुक्रम स्तरों को कम करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ग) उन लेटरल इंट्रेटस विषय विशेषज्ञों की संख्या कितनी है, जिन्होंने हरियाणा सरकार में श्रेणी-1 अधिकारी स्तर पर नवम्बर, 2014 से आज तक जॉइन किया;

(घ) हरियाणा सरकार में आज तक सेवारत आई.ए.एस. तथा एच.सी.एस अधिकारियों की कुल संख्या कितनी है;

(ङ) वर्तमान मे हरियाणा सरकार के कुल कितने आई.ए.एस. तथा एच.सी.एस अधिकारी केन्द्र सरकार तथा विदेशी ड्यूटी में प्रतिनियुक्ति पर हैं तथा उनके नाम क्या हैं तथा प्रतिनियुक्ति विभाग कौन से हैं; तथा

(च) हरियाणा सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा बोर्डों/निगमों/विभागों में सेवारत आई.ए.एस. तथा एच.सी.एस. अधिकारियों की कुल संख्या कितनी है तथा उसका ब्यौरा क्या है तथा सम्पर्क नम्बर क्या हैं ?

Chief Minister (Shri Manohar Lal): Sir, a statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

(a) The State Government frames policies to govern services conditions of HCS (Executive), HPS, HFS, HCS (Judicial), Group A, B, C, D officials from time to time, while the service conditions of all India Services (IAS, IPS, IFoS) are governed by Government of India. The Haryana Government has framed the Haryana Civil Services (General) Rules, 2016; Haryana Civil Services (Pay) Rules, 2016; Haryana Civil Services Rules (TA) Rules, 2016; Haryana Civil Services (Allowances) Rules, 2016; Haryana Civil Services (Leave) Rules, 2016; Haryana Civil Services (G.P.F) Rules, 2016; Haryana Civil Services (Pension) Rules 2016 and Haryana Civil Services (Government Employees Conduct) Rules, 2016 and Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 2016 to reform the civil services governed under Government of Haryana. Copies of the rules are published online. Government of Haryana has also issued the policy/guidelines regarding premature retirement on attaining the age of 50/55 years or on completion of 25 years of qualifying service to reform the civil services vide instructions vide No. 32/06/2018-4GS1 dated 05th February, 2019.

(b) The Government of Haryana examines and considers proposals received from time to time to determine the hierarchy levels in various Departments/ Boards/ Corporations, for which the State Government has formed a Rationalization Commission, Haryana vide order No. 62/68/2022-3HR1 dated 29.12.2022. The Commission may make recommendations for restructuring of various Government Departments, Boards and Corporations for rationalization of their staff strength.

(c) Sir, the Government of Haryana has various departments and subject matter experts are already working in different departments as consultants. Further, technical experts like Engineers, Architects, Doctors are hired at Class-I officer level and other levels through Haryana Public Service Commission and Haryana Staff Selection Commission or otherwise, as per applicable rules. Further, subject matter experts to head the Technical or specialist institutes are hired through selection committees formed from time to time. However, using the exact terms of "Lateral Entrants", no such terminology has been used to appoint personnel in the Haryana Government from November, 2014 till to date.

(d) As on date, total 166 IAS officers are serving in the State and 237 HCS (Executive Branch) officers are also serving in the State. Further, Haryana Public Service Commission has recommended 48 candidates for appointment to HCS (Executive Branch) for Register-B (direct recruitment) and appointment of these 48 candidates is under process.

(e) The 14 number of IAS officers are currently on deputation with Central Government and 2 IAS officers are with Union Territory, Chandigarh Administration. The 4 number of HCS (Executive Branch) officers are on deputation with Union Territory, Chandigarh Administration. The list of IAS officers who are on deputation with Central Government with names and deputation department is placed as Annexure-A. A list of HCS (Executive Branch) officers who are on deputation with Union Territory, Chandigarh Administration is placed as Annexure-B.

(f) The total 166 IAS officers are serving in various Ministries of Haryana Government and Boards/Corporations/Departments and a list of these 166 IAS officers alongwith their details and contact numbers is placed at Annexure-C. So far as HCS (Executive Branch) officers are concerned, the total 237 HCS (Executive Branch) officers are serving in various Ministries of Haryana Government and Boards/Corporations/Departments and a list of these 237 HCS (Executive Branch) officers alongwith their details and contact numbers is placed at Annexure-D.

ANNEXURE - A

LIST OF IAS OFFICERS ON DEPUTATION

Sr. No.	Nam Name S/Shri/Smt./K	Batch	Present Posting	Date of posting	Home Town
1.	Rajesh Khullar, IAS	1988	Executive Director, World Bank (HQ), Washington DC, USA.	26.10.2020	Chandigarh
2.	Vivek Joshi, IAS	1989	Registrar General and Census Commissioner under Ministry of Home Affairs in the rank and pay of Additional Secretary.	07.01.2019	Allahabad (U.P.)
3.	Shrikant Walgad, IAS	1991	Chief Vigilance Officer, Bharat Electronics Ltd. (BEL), Bangalore (Govt. of India).	03.04.2019	Bijapur (Karnataka)
4.	Abhilaksh Likhi, IAS	1991	Additional Secretary, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.	17.09.2018	Mohali (Punjab)
5.	Deepti Umashankar, IAS	1993	Additional Secretary, Department of Personnel & Training, Govt. of India.	31.05.2021	Mumbai
6.	Sukriti Likhi, IAS	1993	Additional Secretary, Department of Heavy Industry, Govt. of India, New Delhi	17.09.2018	Mohali (Punjab)
7.	Neerja Sekhar, IAS	1993	Additional Secretary, Ministry of Information and Broadcasting, GOI, New Delhi. (appointed as Addl. Secy. on 09.11.2020)	04.03.2020	Hyderabad (A.P.)
8.	Shyamal Misra, IAS	1996	Joint Secretary, Department of Home, Ministry of Home Affairs, Govt. of India. (Deputy Chairman, Tea Board on (11.08.2017 to 11.02.2018)	28.07.2017	Kanpur (U.P.)
9.	Rakesh Gupta, IAS	1997	Joint Secretary in the Ministry of Women & Child Development, GoI.	07.09.2021	Surat (Gujrat)
10.	Nitin Kumar Yadav, IAS	2000	Home Secretary, UT, Chandigarh Administration.	11.09.2021	Haryana
11.	Pankaj Yadav, IAS	2001	Joint Secretary, Agriculture & Farmers Welfare Department, Govt. of India.	20.10.2022	Etawah (U.P.)
12.	C. G. Rajini Kaanthan, IAS	2004	DCO/DCR, Tamil Nadu & Puducherry (Director level)	07.11.2016	Tamil Nadu

13.	Nikhil Gajraj, IAS	2008	Private Secretary to Hon'ble Minister for Skill Development & Entrepreneurship (Dr. Mahendra Nath Pandey) in the Ministry of Skill Development & Entrepreneurship.	26.08.2019	Jhunjhunu (Rajasthan)
14.	Sharandeep Kaur Brar, IAS	2009	Director of Census Operations (DCO)/Director of Citizen Registration (DCR), (Deputy Secretary level) Haryana	11.11.2021	Punjab
15.	Vinay Pratap Singh, IAS	2011	Deputy Commissioner, Chandigarh Administration, Chandigarh.	18.11.2021	Faridabad
16.	Vijay Kumar Siddappa Bhavikatti, IAS	2011	Central deputation on GOI-Director of Census Operations (DCO)/Director of Citizen Registration (DCR), for the State of Karnataka.	06.08.2019	Karnataka

ANNEXURE - B

HCS Officers on Deputation

Sr. No.	Name of the officer (S/Shri/Smt./K)	Date of Posting	Home Town
1.	Pradhuman Singh, HCS (2013)	24.02.2021	Hisar
2.	Sumeet Sihag, HCS (2016)	28.06.2022	Panchkula
3.	Sanyam Garg, HCS (2016)	29.07.2022	Bathinda (Punjab)
4.	Isha Kamboj, HCS (2016)	28.06.2022	Hisar

ANNEXURE - C

LIST OF IAS OFFICERS AND THEIR PRESENT POSTING

Sr. No.	Name of officer (S/Shri/Smt./K)	Batch	Present Posting	Date of posting	Home Town	Contact No.
1.	Sanjeev Kaushal, IAS	1986	Chief Secretary to Government, Haryana, General Administration, Personnel, Training, Parliamentary Affairs, Vigilance, Administrative Reforms Departments and Secretary Incharge of Plan Coordination.	01.12.2021	Sonepat	9216520200

2.	Rajesh Khullar, IAS	1988	**Executive Director, World Bank (HQ), Washington DC, USA.**	26.10.2020	Chandigarh	9501048080
3.	T.V.S.N. Prasad, IAS	1988	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Home, Jails, Criminal Investigation and Administration of Justice Departments. (ii) Nodal Officer for COVID-19 for coordination with all the stakeholders. (iii) Chief Resident Commissioner, Haryana Bhawan, New Delhi. (iv) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Cooperation Department.	03.08.2022 03.08.2022 07.05.2021 30.11.2021	Hyderabad (AP)	7042877882
4.	Vivek Joshi, IAS	1989	**Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance with effect form 01.11.2022.**	04.11.2022	Allahabad (U.P.)	9810190110
5.	Sudhir Rajpal, IAS	1990	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Printing & Stationery Department. (ii) Chief Executive Officer, Gurugram Metropolitan Development Authority, Gurugram. (iii) Chief Executive Officer, Faridabad Metropolitan Development Authority, Faridabad.	01.09.2022 04.02.2021 13.07.2022	Hisar	8283809882
6.	Dr. Sumita Misra, IAS	1990	Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Agriculture & Farmers Welfare Department.	31.03.2021	Lucknow (UP)	9478002727
7.	Ankur Gupta, IAS	1990	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, PW (B&R) and Architecture Department.	03.08.2022	Kurukshetra	8196900000

			(ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Civil Aviation Department.	03.08.2022		
8.	Anurag Rastogi, IAS	1990	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Finance and Planning Departments. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Excise and Taxation Department.	03.08.2022 30.11.2021	Moradabad (U.P.)	9872200093
9.	Anand Mohan Sharan, IAS	1990	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Industries & Commerce Department. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Information Technology, Electronics & Communication Department.	03.08.2022 03.08.2022	Delhi	9868100715
10.	Dr. Raja Sekhar Vundru, IAS	1990	Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Labour Department.	01.09.2021	Hyderabad (A.P.)	8826080278
11.	Ashok Khemka, IAS	1991	Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Archives Department.	09.01.2023	Kolkata (WB)	9872810038
12.	Vineet Garg, IAS	1991	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Forests & Wildlife Department. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Environment & Climate Change Department.	03.08.2022 03.08.2022	Chandigarh	9914421966
13.	Anil Malik, IAS	1991	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Housing for All Department. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana,	11.10.2021 03.08.2022	Panipat	9815836450

			Development & Panchayats Department.			
14.	Shrikant Walgad, IAS	1991	**Chief Vigilance Officer, Bharat Electronics Ltd. (BEL), Bangalore (Govt. of India).**	03.04.2019	Bijapur (Karnataka)	9501054111
15.	G. Anupama, IAS	1991	(i) Chief Administrator, Trade Fair Authority of Haryana, New Delhi. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Health & Family Welfare Department. (iii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Medical Education and Research Department.	08.01.2020 03.08.2022 01.09.2022	Hyderabad (A.P.)	9818184969
16.	Apoorva Kumar Singh, IAS	1991	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Public Health Engineering Department. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Mines & Geology Department. (iii) Advisor, Haryana Saraswati Heritage Board.	30.11.2021 01.09.2022 01.07.2022	Ghaziabad (U.P.)	9878288490
17.	Abhilaksh Likhi, IAS	1991	**Additional Secretary, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.**	17.09.2018	Mohali (Punjab)	8447174327
18.	Arun Kumar Gupta, IAS	1992	(i) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Urban Local Bodies Department. (ii) Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Town & Country Planning and Urban Estates Department.	01.09.2021 03.08.2022	Jind	9646940690

19.	V. Umashankar, IAS	1993	(i) Principal Secretary to Chief Minister, Haryana. (ii) Principal Secretary to Government, Haryana, Citizen Resources Information Department. (iii) Administrative Secretary Incharge of CM Window. (iv) Principal Secretary to Government, Haryana, Power Department. (v) Principal Secretary to Government, Haryana, New & Renewable Energy Department.	26.10.2020 22.01.2020 29.09.2021 01.09.2022 01.09.2022	Mumbai	9818600692
20.	Deepti Umashankar, IAS	1993	**Additional Secretary, Department of Personnel & Training, Govt. of India.**	31.05.2021	Mumbai	9871465599
21.	Sukriti Likhi, IAS	1993	**Additional Secretary, Department of Heavy Industry, Govt. of India, New Delhi**	17.09.2018	Mohali (Punjab)	9910903604
22.	Neerja Sekhar, IAS	1993	**Additional Secretary, Ministry of Information and Broadcasting, GOI, New Delhi.** (appointed as Addl. Secy. on 09.11.2020)	04.03.2020	Hyderabad (A.P.)	8130521122
23.	Anurag Agarwal, IAS	1994	(i) Chief Electoral Officer, Haryana and Principal Secretary to Government, Haryana, Elections Department. (ii) Principal Secretary to Government, Haryana, Information, Public Relations, Languages Department. (iii) Principal Secretary to Government, Haryana, Foreign Cooperation Department.	03.08.2019 01.09.2022 30.12.2022	Mathura (U.P.)	9779333866
24.	Vijayendra Kumar, IAS	1995	(i) Principal Secretary to Government, Haryana,	03.08.2022	Bhiwani	9779749080

			Higher Education Department. (ii) Principal Secretary to Government, Haryana, Technical Education Department. (iii) Chief Executive Officer, Haryana Saraswati Heritage Board. (iv) Principal Secretary to Government, Haryana, Sainik & Ardh Sainik Welfare Department.	03.08.2022 31.12.2019 01.09.2022		
25.	D. Suresh, IAS	1995	Resident Commissioner, Haryana Bhawan, New Delhi.	02.12.2022	Hyderabad (A.P.)	9717263333
26.	Shyamal Misra, IAS	1996	**Additional Secretary, Department of Home, Ministry of Home Affairs, Govt. of India.**	10.08.2022	Kanpur (U.P.)	9971157031
27.	Rakesh Gupta, IAS	1997	**Additional Secretary, President's Secretariat, GoI.**	07.09.2021	Surat (Gujrat)	9780999911
28.	Rajeev Ranjan, IAS	1998	(i) Principal Secretary to Government, Haryana, Social Justice & Empowerment Department. (ii) Principal Secretary to Government, Haryana, Welfare of Scheduled Castes & Backward Classes Department. (iii) Principal Secretary to Government, Haryana, Fisheries Department. (iv) Managing Director, Haryana Minerals Ltd., New Delhi.	03.08.2022 03.08.2022 02.12.2022 02.12.2022	Bihar Sharif (Bihar)	9780822200
29.	Nitin Kumar Yadav, IAS	2000	**Home Secretary, UT, Chandigarh Administration.**	11.09.2021	Gurugram	8558877888

30.	Pankaj Agarwal, IAS	2000	(i) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Department. (ii) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Irrigation & Water Resources Department. (iii) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Personnel Department.	03.08.2022 01.09.2022 18.11.2022	Dhanbad (Jharkhand)	8559020007
31.	Vikas Gupta, IAS	2001	(i) Managing Director, Haryana State Industrial & Infrastructure Development Corporation. (ii) Managing Director, Haryana, Financial Corporation. (iii) Chief Executive Officer, Haryana Parivar Pehchan Authority.	30.11.2021 30.11.2021 01.08.2021	Rajasthan	9467869888
32.	Pankaj Yadav, IAS	2001	**Joint Secretary, Agriculture & Farmers Welfare Department, Govt. of India.**	20.10.2022	Etawah (U.P.)	7839098072
33.	Vijay Singh Dahiya, IAS	2001	(i) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Youth Empowerment and Entrepreneurship Department. (ii) Member Secretary, Kurukshetra Development Board.	01.09.2022 24.11.2021	Bhiwani	8901514394
34.	Amneet P. Kumar, IAS	2001	(i) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Women & Child Development Department. (ii) Commissioner & Secretary to Government, Haryana, Animal Husbandry & Dairying Department.	03.08.2022 01.11.2022	Punjab	9464541741
35.	T.L. Satyaprakash, IAS	2002	(i) Director General, Town & Country Planning, Haryana and Secretary to	26.08.2022	Shimoga (Karnatka)	9501573604

			Government, Haryana, Town & Country Planning Department. (ii) Director General, Urban Estates, Haryana. (iii) CEO (Designate) of Drone Imaging & Information Systems of Haryana Ltd. (DRIISHYA). (iv) Managing Director, Haryana International Horticultural Marketing Corporation, Ganaur.	 26.08.2022 01.08.2021 01.09.2022		
36.	Mohammed Shayin, IAS	2002	(i) Managing Director, Haryana Power Generation Corporation Ltd. (ii) Director General, Supplies & Disposals, Haryana. (iii) Secretary to Government, Haryana, Power Department.	28.10.2020 15.09.2021 26.08.2022	Jaipur (Rajasthan)	8146111222
37.	Amit Kumar Agrawal, IAS	2003	(i) Additional Principal Secretary to Chief Minister, Haryana. (ii) Director General, Information, Public Relations & Languages, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Information, Public Relations & Languages Department. (iii) Project Director, Chief Minister's Good Governance Associates Programme. (iv) Secretary to Government, Haryana, Grievances Department. (v) Secretary to Government, Haryana, Art & Cultural Affairs Department.	26.10.2020 04.02.2021 20.07.2021 09.05.2022 12.12.2022	Jaipur (Rajasthan)	9416545444
38.	Ajit Balaji Joshi, IAS	2003	(i) Chief Administrator, Haryana Shaheri Vikas Pradhikaran, Panchkula.	04.02.2021	Solapur Maharastra	9416006665

			(ii) Chief Executive Officer, Panchkula Metropolitan Development Authority, Panchkula.	16.07.2021		
			(iii) Director General, Housing for All, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Housing Department.	07.05.2022		
			(iv) Chief Administrator, Housing Board, Haryana.	07.05.2022		
39.	Wazeer Singh Goyat, IAS	2003	(i) Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	22.05.2022	Jind	9992977777
			(ii) Managing Director, Haryana Land Reclamation & Development Corporation Ltd.	10.02.2022		
			(iii) Secretary, Haryana Human Rights Commission.	26.10.2020		
40.	Vikas Yadav, IAS	2003	(i) Commissioner, Faridabad Division, Faridabad.	26.08.2022	M/garh	9417789435
			(ii) Special Commissioner, Health & Nutrition, Mewat Area and Chairman, Mewat Development Agency, Nuh.	26.08.2022		
41.	Renu S. Phulia, IAS	2003	Commissioner, Ambala Division, Ambala.	01.09.2021	Bhiwani	9416011002
42.	Sanjay Joon, IAS	2003	(i) Director General, Development & Panchayats Haryana.	26.08.2022	Gurugram	9811201844
			(ii) Director General, Rural Development, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Rural Development Department.	26.08.2022		
			(iii) Secretary to Government, Haryana, Development & Panchayats Department.	26.08.2022		

43.	Ashima Brar, IAS	2004	**On Ex-India leave (05.09.2022 to 08.10.2023)**	05.09.2022	Gurugram	9478008777
44.	C. G. Rajini Kaanthan, IAS	2004	**DCO/DCR, Tamil Nadu & Puducherry (Director level)**	07.11.2016	Tamil Nadu	9416318333
45.	Phool Chand Meena, IAS	2004	(i) Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram. (ii) OSD, Gurugram Metropolitan Development Authority, Gurugram. (iii) District Municipal Commissioner, Gurugram.	01.01.2023 01.01.2023 15.02.2023	Rajasthan	9650246677
46.	A. Sreenivas, IAS	2004	(i) Managing Director, Haryana Dairy Development Cooperative Federation. (ii) Managing Director, HAFED. (iii) Managing Director, HARCO Bank.	07.02.2021 15.09.2021 01.02.2023	A.P.	9779409889
47.	Shekhar Vidyarthi, IAS	2004	(i) Director General, Industries & Commerce, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Industries & Commerce Department. (ii) Director General, Micro, Small & Medium Enterprises.	26.08.2022 26.08.2022	Himachal Padesh	8199011111
48.	Sanjeev Verma, IAS	2004	Commissioner, Rohtak Division, Rohtak.	02.12.2022	Y/Nagar	9416424777
49.	Jagdeep Singh, IAS	2004	Managing Director, Haryana Seeds Development Corporation.	02.12.2022	Bhiwani	9417260470
50.	Anita Yadav, IAS	2004	Additional Chief Executive Officer, Faridabad Metropolitan Development Authority, Faridabad.	01.08.2021	Delhi	8800540222
51.	Mandip Singh Brar, IAS	2005	**(on EL & Ex India Study Leave w.e.f. 19.09.2022 to 06.10.2023)**		Punjab	9466300663

52.	Saket Kumar, IAS	2005	(i) Commissioner, Karnal Division, Karnal. (ii) Director General, AYUSH, Haryana.	02.12.2022 05.12.2022	Jharkhand	9467445599
53.	Ramesh Chander Bidhan, IAS	2005	Commissioner, Gurugram Division, Gurugram.	26.08.2022	Jind	9416170542
54.	Geeta Bharti, IAS	2005	Commissioner, Hisar Division, Hisar.	02.09.2022	Hisar	9467417999
55.	A. Mona Sreenivas, IAS	2006	**(Ex-India Study Leave w.e.f. 12.09.2022 to 23.06.2023)**	05.09.2022	Chandigarh	7838505400
56.	J. Ganesan, IAS	2006	**(On study leave w.e.f. 04.07.2022 to 31.05.2023)**	05.07.2022	Tamil Nadu	9416025002
57.	Ashok Kumar Meena, IAS	2006	(i) Excise & Taxation Commissioner, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Excise & Taxation Department. (ii) Commissioner, Food & Drugs Administration, Haryana. (iii) Director General, Foreign Cooperation, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Foreign Cooperation Department.	26.08.2022 07.11.2022 15.02.2023	Karauli (Raja sthan)	8295666888
58.	Atul Kumar, IAS	2007	Secretary to Governor, Haryana.	08.02.2021	Gurugram	9667121789
59.	Khetmalis Makarand Pandurang, IAS	2007	(i) Deputy Principal Secretary to Chief Minister, Haryana. (ii) Chief Executive Officer, Haryana Kaushal Rozgar Nigam Ltd. Panchkula. (iii) Mission Director, Mukhya Mantri Antyodaya Parivaar Utthaan Yojna.	05.09.2022 27.08.2022 16.10.2022	Pune (Mahara-stra)	9914557788

			(iv) Director General, Social Justice, Empowerment, Welfare of Scheduled Castes & Backward Classes and Antyodaya (SEWA) and Secretary to Government, Haryana, Social Justice, Empowerment, Welfare of Scheduled Castes & Backward Classes and Antyodaya (SEWA) Department.	16.01.2023		
60.	Dusmanta Kumar Behera, IAS	2007	(i) Director General, Urban Local Bodies, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Urban Local Bodies Department and Mission Director, State Urban Livelihood Mission and State Urban Development Authority, Haryana. (ii) Director General, Fire Services, Haryana.	01.08.2021 26.08.2022	Odisha	8571929001
61.	Ravi Prakash Gupta, IAS	2007	Controller, Printing & Stationery, Haryana and Secretary to Government, Haryana, Printing & Stationery Department.	13.01.2023	Delhi	7587208755
62.	Chander Shekhar Khare, IAS	2008	**On Study Leave (w.e.f. 25.07.2022 to 18.05.2024)**	21.07.2022	Ambala	9991060444
63.	Anshaj Singh, IAS	2008	(i) Director, Secondary Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, School Education Department. (ii) State Project Director, Haryana School Shiksha Pariyojna Parishad.	05.07.2022 05.07.2022	Nalanda (Bihar)	8053121100
64.	Rajiv Rattan, IAS	2008	(i) Director, Higher Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Higher Education Department.	10.02.2022	Jalandhar (Punjab)	9996878700

			(ii) Managing Director, HARTRON. (iii) Nodal Officer CPGRAM PG Portal. (iv) Director, Archives, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Archives Department.	16.10.2022 16.10.2022 16.01.2023		
65.	Nikhil Gajraj, IAS	2008	**Private Secretary to Hon'ble Minister for Skill Development & Entrepreneurship (Dr. Mahendra Nath Pandey) in the Ministry of Skill Development & Entrepreneurship.**	26.08.2019	Jhunjhunu (Rajasthan)	9466100161
66.	Rippudaman Singh Dhillon, IAS	2008	(i) Managing Director, Haryana Backward Classes & Economically Weaker Sections Kalyan Nigam. (ii) Managing Director, Haryana Scheduled Castes, Finance & Development Corporation. (iii) Secretary, Haryana State Commission for Scheduled Castes.	26.08.2022 26.08.2022 01.01.2023	Ludhiana (Punjab)	9814004324
67.	Yash Garg, IAS	2009	(i) Secretary, Haryana Public Service Commission. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Information Technology, Electronics & Communication Department and Director, Information Technology, Electronics & Communication, Haryana.	08.02.2022 07.05.2022	Sonipat	9467214933
68.	Pankaj, IAS	2009	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Personnel, Training, Vigilance and Parliamentary Affairs Department, Director Training (Ex-officio).	26.08.2022	Firozabad (U.P.)	9050605267

			(ii) Inquiry Officer, Vigilance, Haryana. (iii) Director, Tourism, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Tourism Department.	26.08.2022 21.09.2022		
69.	Sharandeep Kaur Brar, IAS	2009	**Director of Census Operations (DCO)/Director of Citizen Registration (DCR), (Deputy Secretary level) Haryana.**	11.11.2021	Punjab	9417445533
70.	Mani Ram Sharma, IAS	2009	Special Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	16.10.2022	Rajasthan	9466875511
71.	Sujan Singh, IAS	2009	Labour Commissioner, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Labour Department.	01.11.2022	Gurugram	9671840000
72.	Ashok Kumar Garg, IAS	2009	Deputy Commissioner, Rewari.	07.05.2022	Jind	9996599922
73.	Monica Malik, IAS	2009	(i) Director, Women & Child Development Haryana and Special Secretary to Govt., Haryana, Women & Child Development Department. (ii) Secretary, Haryana State Commission for Protection of Child Rights. (iii) Managing Director, Haryana Women Development Corporation Ltd. (iv) Member Secretary, Haryana State Commission for Women.	01.11.2022 01.11.2022 01.11.2022 14.12.2017	Sonepat	9464543714
74.	Jaibir Singh Arya, IAS	2009	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Fisheries Department. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Animal Husbandry & Dairying Department.	26.08.2022 26.08.2022 01.09.2021	Hisar	9871100280

			(iii) Managing Director, CONFED.			
75.	Mukesh Kumar Ahuja, IAS	2009	(i) Chief Administrator, Haryana State Agricultural Marketing Board. (ii) Managing Director, Haryana Medical Services Corporation Ltd.	01.01.2023 01.01.2023	Fatehabad	9416089400
76.	Dr. Garima Mittal, IAS	2010	(i) Administrator, HSVP, Faridabad and Additional Director, Urban Estate, Faridabad. (ii) Additional Chief Executive Officer, Faridabad Metropolitan Development Authority, Faridabad. (iii) Chief Executive Officer, Faridabad City Transport Service Ltd.	26.08.2022 22.01.2020 07.04.2022	Delhi	8859335462
77.	Prabhjot Singh, IAS	2010	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Health Department and Mission Director, National Health Mission, Haryana. (ii) Chief Executive Officer, Ayushman Bharat Haryana Health Protection Authority. (iii) Director, Employment, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Employment Department. (iv) Director, Skill Development & Industrial Training, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Skill Development and Industrial Training Department.	22.01.2020 01.09.2022 01.01.2023 01.01.2023	Punjab	9992372288
78.	Rajnarayan Kaushik, IAS	2010	(i) Managing Director, Uttar Haryana Bijli Vitran Nigam Ltd.	01.01.2023	Jind	8295100880

			(ii) Managing Director, Haryana Vidyut Prasaran Nigam Ltd.	01.01.2023		
79.	Kulwant Kumar Kalson, IAS	2010	Special Secretary to Government, Haryana, Welfare of Scheduled Castes & Backward Classes Department.	20.05.2022	Bhiwani	9992372288
80.	Rajesh Jogpal, IAS	2010	Administrator, HSVP, Hisar and Additional Director, Urban Estate, Hisar.	04.06.2021	Bhiwani	9915770550
81.	Jitender Kumar-I, IAS	2010	Commissioner, Municipal Corporation, Faridabad.	26.08.2022	Sonepat	9999990095
82.	Hema Sharma, IAS	2010	Additional Chief Electoral Officer, Haryana. **(on CCL w.e.f. 27.09.2022 to 31.03.2023)**	11.10.2020	Karnal	9416935000
83.	Amit Khatri, IAS	2011	(i) Managing Director, Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam Ltd. (ii) Director, Archaeology & Museums Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Archaeology & Museums Department.	01.01.2023 01.01.2023	Delhi	8901241678
84.	Vinay Pratap Singh, IAS	2011	**Deputy Commissioner, Chandigarh Administration, Chandigarh.**	18.11.2021	Faridabad	9711505215
85.	Aditya Dahiya, IAS	2011	(i) Director, Medical Education & Research, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Medical Education & Research Department. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Human Resources Department. (iii) Special Secretary to Government, Haryana, Monitoring & Coordination Department. (iv) Special Secretary to Government, Haryana,	06.06.2022 26.07.2022 12.12.2022 12.12.2022	Sonipat	9671241140

			Administrative Reforms Department. (v) Secretary, Central Committee of Examinations.	 08.02.2023		
86.	Vijay Kumar Siddappa Bhavikatti, IAS	2011	**Central deputation on GOI- Director of Census Operations (DCO)/Director of Citizen Registration (DCR), for the State of Karnataka.**	06.08.2019	Karnataka	9449209885
87.	Mukul Kumar, IAS	2011	(i) Director, Food, Civil Supplies & Consumer Affairs, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Department. (ii) Director, Mines & Geology, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Mines & Geology Department. (iii) Director, Hospitality Haryana and Special Secretary to Government Haryana, Hospitality Department.	26.08.2022 26.08.2022 01.09.2022	Bhiwani	9417128100
88.	Naresh Kumar, IAS	2011	Deputy Commissioner, Bhiwani.	26.08.2022	Sonepat	9971795042
89.	Anju Chaudhry, IAS	2011	(i) Additional CEO, Gurugram Metropolitan Development Authority, Gurugram. (ii) CEO, Gurugram Metropolitan City Bus Limited, Gurugram.	26.08.2022 27.07.2020	Rohtak	9871725222
90.	Mahavir Kaushik, IAS	2011	(i) Director, Art & Cultural Affairs Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Art & Cultural Affairs Department. (ii) Deputy Commissioner, Panchkula.	23.02.2022 22.11.2021 22.12.2021	Jind	8968859000

			(iii) Chief Administrator, Shri Mata Mansa Devi Shrine Board, Panchkula.			
91.	Yash Pal, IAS	2011	Deputy Commissioner, Rohtak.	26.08.2022	M/Garh	9910094888
92.	Yashendra Singh, IAS	2011	(i) Transport Commissioner, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Transport Department. (ii) Chief Executive, Haryana Khadi and Village Industries Board.	01.01.2023 03.11.2022	Jind	9873100001
93.	Narhari Singh Banger, IAS	2011	Director, Agriculture, Haryana.	02.12.2022	Delhi	7733997736
94.	Pardeep Kumar, IAS	2011	(i) Director, Environment Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Environment & Climate Change Department. (ii) Member Secretary, Haryana State Pollution Control Board.	26.08.2022 26.08.2022	Sonepat	9466688550
95.	Dhirendra Khadgata, IAS	2012	(i) District Municipal Commissioner, Rohtak. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Rohtak. (iii) Administrator, HSVP, Rohtak and Additional Director, Urban Estate, Rohtak.	26.08.2022 26.08.2022 22.12.2022	Rajasthan	8684066666
96.	Dr. Priyanka Soni, IAS	2012	Deputy Commissioner, Ambala.	26.08.2022	Rajasthan	9466200266
97.	Amna Tasneem, IAS	2012	Director, Consolidation of Land Holdings & Land Records, Haryana, Special Officer (HQ) & Special LAO, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Revenue & Disaster Management Department.	08.05.2020	U.P.	9729993311
98.	Dr. Shaleen, IAS	2012	(i) Registrar, Cooperative Societies, Haryana. (ii) Managing Director, Haryana State	01.09.2022 14.07.2022	Jind	8607807272

			Warehousing Corporation Ltd. (iii) Advisor, Civil Aviation, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Civil Aviation Department.	 03.11.2022		
99.	Ajay Singh Tomer, IAS	2012	**Awaiting order of posting.**	15.02.2023	Delhi	7290976392
100.	Dharmender Singh, IAS	2012	Additional Resident Commissioner, Haryana Bhawan, New Delhi.	26.08.2022	Karnal	9953977555
101.	Ritu, IAS	2012	Special Secretary to Government, Haryana, Technical Education Department.	07.05.2022	Firozepur (Punjab)	9915171034
102.	Jai Krishan Abhir, IAS	2012	Deputy Commissioner, Mahendragarh.	07.05.2022	Rewari	9896088500
103.	Dharamvir Singh, IAS	2012	Administrator HSVP, Panchkula and Additional Director, Urban Estates, Panchkula.	26.08.2022	Jind	9466500500
104.	Ram Kumar Singh, IAS	2012	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Revenue & Disaster Management Department. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Irrigation & Water Resources Department and Managing Director, HSMITC.	07.05.2022 26.08.2022	Sonepat	9050002482
105.	Sushil Sarwan, IAS	2012	Deputy Commissioner, Panipat	04.06.2021	Panchkula	9551000001
106.	Manoj Kumar-I, IAS	2012	(i) Managing Director, Haryana State Federation of Cooperative Sugar Mills. (ii) Director, Sainik & Ardh Sainik Welfare Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Sainik & Ardh Sainik Welfare Department.	26.08.2022 01.09.2022	Bhiwani	7015935606

107.	Shakti Singh, IAS	2012	Deputy Commissioner, Jhajjar.	10.02.2022	Sonepat	9991350544
108.	Ajay Kumar, IAS	2013	Deputy Commissioner, Nuh and CEO, Mewat Development Agency, Nuh.	09.02.2022	Una (HP)	9991148989
109.	Sangeeta Tetarwal, IAS	2013	Deputy Commissioner, Kaithal.	21.05.2022	Rajasthan	7027200779
110.	Nishant Kumar Yadav, IAS	2013	Deputy Commissioner, Gurugram.	08.02.2022	Rajasthan	9717181736
111.	Pradeep Dahiya, IAS	2013	(i) District Municipal Commissioner, Hisar. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Hisar.	26.08.2022 26.08.2022	Sonipat	8930526526
112.	Parth Gupta, IAS	2013	Deputy Commissioner, Sirsa.	26.08.2022	Bihar	8800811227
113.	Mandeep Kaur, IAS	2013	(i) Director, Swarna Jayanti Haryana Institute for Fiscal Management. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	15.09.2021 20.05.2022	Punjab	9888711122
114.	Pratima Chaudhary, IAS	2013	Additional Controller, Civil Defence, Ambala.	30.10.2017	Jind	9896093926
115.	Virender Kumar Dahiya, IAS	2013	Director, Elementary Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, School Education Department.	15.02.2023	Sonepat	9872603090
116.	Anish Yadav, IAS	2014	(i) Deputy Commissioner, Karnal. (ii) Chief Executive Officer, Karnal Smart City Ltd. Karnal. (iii) Addl. CEO, Drone Imaging & Information Systems of Haryana Ltd. (DRIISHYA).	08.02.2022 08.02.2022 08.02.2022	Delhi	9650826268
117.	Manoj Kumar-II, IAS	2014	Deputy Commissioner, Jind.	09.02.2022	M/Garh	8221855533
118.	Munish Sharma, IAS	2014	**On Ex-India EL (w.e.f. 15.10.2022 to 31.01.2023)**	15.10.2022	Delhi	9650746944

119.	Rani Nagar, IAS	2014	Additional Secretary to Government, Haryana, Citizen Resources Information Department (CRID)	07.12.2020	U.P.	7060731081
120.	Vikram, IAS	2014	(i) Deputy Commissioner, Faridabad. (ii) Chief Executive Officer, Faridabad Smart City Ltd., Faridabad.	26.08.2022 07.02.2023	Gurugram	9899337344
121.	Monika Gupta, IAS	2014	(i) District Municipal Commissioner, Sonepat. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Sonepat.	26.08.2022 26.08.2022	Delhi	9999836430
122.	Mahavir Singh, IAS	2014	Secretary, Lokayukta, Haryana.	09.06.2022	M/garh	9417500199
123.	Jagdish Sharma, IAS	2014	Deputy Commissioner, Fatehabad.	26.08.2022	Bhiwani	9416058400
124.	Lalit Kumar, IAS	2014	Deputy Commissioner, Sonipat	04.06.2021	Ambala	9646006666
125.	Virender Lather, IAS	2014	(i) District Municipal Commissioner, Panchkula. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Panchkula.	26.08.2022 26.08.2022	Jhajjar	9416054628
126.	Mohd. Imran Raza, IAS	2015	Commissioner, Municipal Corporation, Manesar.	26.08.2022	Delhi	9634465326
127.	Prashant Panwar, IAS	2015	(i) District Municipal Commissioner, Ambala. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Ambala.	02.12.2022 02.12.2022	Delhi	9899151062
128.	Preeti, IAS	2015	Deputy Commissioner, Charkhi Dadri.	26.08.2022	Jhajjar	9468270858
129.	Uttam Singh, IAS	2015	Deputy Commissioner, Hisar.	26.08.2022	Rajasthan	9460123210
130.	Rahul Hooda, IAS	2015	Deputy Commissioner, Yamunanagar.	26.08.2022	Delhi	9810804949
131.	Neha Singh, IAS	2015	Deputy Commissioner, Palwal.	02.12.2022	Patna (Bihar)	9958856846
132.	Shantanu Sharma, IAS	2015	Deputy Commissioner, Kurukshetra.	26.08.2022	Jharkhand	9435813045

133.	Rahul Narwal, IAS	2016	Commissioner, Municipal Corporation, Panipat.	24.12.2022	Rohtak	9992904232
134.	Abhishek Meena, IAS	2016	(i) District Municipal Commissioner, Karnal. (ii) Commissioner, Municipal Corporation, Karnal. **(on EL from 21.02.2023 to 28.02.2023)**	15.02.2023 15.02.2023	Rajasthan	8826845025
135.	Dr. Vivek Bharti, IAS	2016	Additional Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	31.10.2022	Bhiwani	9416072079
136.	Dr. Harish Kumar Vashishth, IAS	2016	Additional Secretary to Government, Haryana, Home-II Department.	31.10.2022	Hisar	9416729191
137.	Dr. Jainder Singh Chhilar, IAS	2016	Additional Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	05.12.2022	Sonipat	8950317950
138.	Dr. Brahmjeet Singh Rangi, IAS	2016	Additional Secretary to Government, Haryana, Environment & Climate Change Department.	31.10.2022	Hisar	7027751994
139.	Sahil Gupta, IAS	2017	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Jind.	04.06.2021	Jhajjar	8708150552
140.	Swapnil Ravindra Patil, IAS	2017	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Rewari.	07.04.2022	Maharashtra	9867756677
141.	Vishram Kumar Meena, IAS	2017	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Gurugram.	14.06.2021	Rajasthan	8307250414
142.	Dr. Vaishali Sharma, IAS	2017	Additional Deputy Commissioner-Cum-District Citizen Resources Information Officer, Karnal.	07.04.2022	Uttar Pradesh	7558229960
143.	Akhil Pilani, IAS	2018	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Kurukshetra. (ii) Chief Executive Officer, Kurukshetra	01.09.2021 13.12.2022	Punjab	9873454855

			Development Board, Kurukshetra.			
144.	Aparajita, IAS	2018	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Faridabad and Special Officer, APZ, Faridabad.	26.08.2022	Uttar Pradesh	9911580864
145.	Ayush Sinha, IAS	2018	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer Yamunanagar. (ii) District Municipal Commissioner, Yamunanagar. (iii) Commissioner, Municipal Corporation, Yamunanagar.	08.05.2022 08.05.2022 08.05.2022	Himachal Pradesh	8800485054
146.	Sachin Gupta, IAS	2018	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Ambala.	03.09.2021	Sirsa	9711207297
147.	Ankita Choudhary, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Sonepat.	26.08.2022	Rohtak	9582837647
148.	Hitesh Kumar Meena, IAS	2019	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Palwal. (ii) District Municipal Commissioner, Palwal.	26.08.2022 01.11.2022	Rajasthan	8010858378
149.	Niraj, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Hisar.	26.08.2022	Delhi	7988042725
150.	Saloni Sharma, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Jhajjar. **(on Earned Leave from 21.01.2023 to 28.02.2023)**	26.08.2022	Rajasthan	7838990155

151.	Vaishali Singh, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Mahendragarh.	26.08.2022	Faridabad	9999927713
152.	Anand Kumar Sharma, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Sirsa.	02.12.2022	Uttar Pradesh	9953800477
153.	Dr. Balpreet Singh, IAS	2019	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Kaithal.	02.12.2022	Punjab	6283073575
154.	Renu Sogan, IAS	2019	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Nuh. (ii) District Municipal Commissioner, Nuh.	02.12.2022 02.12.2022	Gujrat	8320528187
155.	Pradeep Singh, IAS	2020	(i) Sub Divisional Officer (Civil), South Gurugram. (ii) CEO, Shri Mata Sheetla Devi Shrine Board, Gurugram.	01.01.2023 02.12.2022	Sonipat	9416484732
156.	Deepak Babulal Karwa, IAS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Loharu.	01.01.2023	Maharashtra	9320370551
157.	Pankaj, IAS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Jind.	09.10.2022	Rewari	9468266626
158.	C Jayasharadha, IAS	2020	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Naraingarh. (ii) CEO-Cum-Executive Director, Naraingarh Sugar Mills Ltd.	09.10.2022 09.10.2022	Tamil Nadu	9003214760
159.	Harshit Kumar, IAS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Mahendragarh.	09.10.2022	Delhi	9654598440
160.	Lakshit Sareen, IAS	2021	A.C.(U.T.), Nuh.	12.08.2022	Punjab	7814204032
161.	Narendra Kumar, IAS	2021	A.C.(U.T.), Hisar.	17.08.2022	Rajasthan	8860791630
162.	Nisha, IAS	2021	A.C.(U.T.), Ambala.	17.08.2022	Delhi	8527227331
163.	Sonu Bhatt, IAS	2021	A.C.(U.T.), Faridabad.	12.08.2022	Ambala	9650991374

164.	Vishwajeet Chaudhary, IAS	2021	A.C.(U.T.), Rohtak.	12.08.2022	Rajasthan	9718325091
165.	Vivek Arya, IAS	2021	A.C.(U.T.), Karnal.	12.08.2022	Charkhi Dadri	9728967103
166.	Yash Jaluka, IAS	2021	A.C.(U.T.), Sirsa.	12.08.2022	Jharkhand	8447622132

ANNEXURE - D

LIST OF HCS OFFICERS AND THEIR PRESENT POSTING

Sr. No.	Name S/Shri/Smt./K	Year of Joining	Present Posting	Date of Posting	Home Town	Contact No.
1	Vivek Padam Singh, HCS	1997	(i) Additional Director (Admn.), Sports and Youth Affairs, Haryana. (ii) Member Secretary, Haryana State Backward Classes Commission.	24.05.2022 01.03.2023	Jhajjar	9501956789
2	Veena Hooda, HCS	2002	Additional Deputy Commissioner, Panipat and District Citizen Resources Information Officer, Panipat.	12.08.2021	Jhajjar	9711188698
3	Surender Singh-I, HCS	2002	(i) Additional Director (Admn.), Food, Civil Supplies & Consumer Affairs, Haryana. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Food, Civil Supplies & Consumer Affairs Department.	09.10.2022 09.10.2022	Hisar	9599206272
4	Jagdeep Dhanda, HCS	2002	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Public Works (B&R) Department. (ii) Chief Executive Officer, Shivalik Development Agency, Ambala.	29.01.2020 03.09.2021	Jind	9781174747
5	Dr. Sarita Malik, HCS	2002	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Public Health Engineering Department. (ii) Secretary, State Information Commission, Haryana. **(On leave from 04.02.2023 to 26.03.2023)**	07.03.2020 08.11.2016	Chandigarh	9915777222

6	Kamlesh Kumar Bhadoo, HCS	2002	(i) Special Secretary to Government Haryana, Revenue & Disaster Management Department. (ii) Officer on Special Duty to Deputy Chief Minister, Haryana. **(on Ex-India EL w.e.f. 27.05.2023 to 16.07.2023)**	29.01.2020 27.07.2020	Rajasthan	9501455009
7	Dr. Munish Nagpal, HCS	2002	Special Secretary to Government, Haryana, Agriculture & Farmers Welfare Department.	08.05.2022	Hisar	9812220009
8	Kuldhir Singh, HCS	2002	District Municipal Commissioner, Kaithal.	04.09.2021	Kurukshetra	9467410026
9	Vatsal Vashist, HCS	2002	Chief Protocol Officer, Gurugram.	16.11.2020	Bhiwani	9212600003
10	Jag Niwas, HCS	2002	District Municipal Commissioner, Jhajjar.	17.09.2022	Bhiwani	9416296877
11	Mahabir Parsad, HCS	2002	Additional Director (Admn.), Elementary Education, Haryana.	08.05.2022	Chandigarh	9958060508
12	Mahender Pal, HCS	2002	Additional Deputy Commissioner, Rohtak, Special Officer, APZ, Rohtak.	31.12.2019	Rewari	7027559840
13	Mukesh Kumar, HCS	2002	Additional Transport Commissioner, Haryana.	08.02.2023	Sonepat	8059944333
14	Satpal Sharma, HCS	2002	Additional Director (Admn.), Secondary Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, School Education Department.	13.01.2023	Karnal	9464087288
15	Amar Deep Singh, HCS	2003	Additional Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	08.05.2022	Sirsa	9811710744
16	Sushil Kumar-I, HCS	2003	CEO, Zila Parishad, Sirsa and CEO, DRDA, Sirsa.	12.11.2021	Y/Nagar	9729068560
17	Varsha Khangwal, HCS	2004	Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Panchkula.	24.12.2022	Hisar	7056822222
18	Virender Singh Sehrawat, HCS	2004	Additional Director (Admn.), Urban Local Bodies, Haryana.	02.12.2022	Rohtak	9056551055
19	Ashima Sangwan, HCS	2004	Additional Director (Admn.), Haryana Institute of Public Administration (HIPA), Gurugram.	12.04.2022	Rohtak	9999868016

20	Satyender Duhan, HCS	2004	(i) Additional Director (Admn.), Rural Development, Haryana. (ii) Additional Director (Admn.), Development & Panchayats, Haryana.	17.09.2022 17.09.2022	Rohtak	9999640005
21	Manita Malik,HCS	2004	Additional Transport Commisioner, Haryana.	24.12.2022	Jind	9988210071
22	Satbir Singh, HCS	2004	(i) Additional Director (Admn.), Secondary Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, School Education Department. (ii) Additional Director (Admn.), Technical Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, Technical Education Department.	13.01.2023 13.01.2023	Kaithal	9416281580
23	Amrita Singh, HCS	2004	Additional Director (Administration and Mid-day Meals), Elementary Education, Haryana and Special Secretary to Government, Haryana, School Education Department.	12.10.2022	Chandigarh	9501796482
24	Yogesh Kumar, HCS	2004	(i) Secretary, HAFED, Panchkula. (ii) Additional Director (Admn.), Hospitality, Haryana.	27.12.2022 07.10.2022	Y/Nagar	7056622222
25	Vandana Disodia, HCS	2004	Additional Director (Admn.), AYUSH, Haryana.	01.01.2023	Chandigarh	9878139000
26	Dr. Subhita Dhaka, HCS	2004	District Municipal Commissioner, Rewari.	17.09.2022	Rohtak	9996788814
27	Jaideep Kumar, HCS	2004	Additional Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	08.04.2022	Bhiwani	9466930004
28	Samwartak Singh Khangwal, HCS	2004	Special Secretary to Government, Haryana, Secretariat Establishment.	07.04.2022	Bhiwani	8427774106
29	Anurag Dhalia, HCS	2004	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Charkhi Dadri.	08.05.2022 17.09.2022	Sirsa	9041234234

			(ii) District Municipal Commissioner, Mahendragarh.			
30	Yogesh Kumar Mehta, HCS	2004	(i) Special Secretary to Government, Haryana, Health Department. (ii) Special Secretary to Government, Haryana, Medical Education & Research Department. (iii) Nodal Officer of PM KISAN YOJNA and related work in Directorate of Agriculture and Farmers Welfare Department.	23.04.2018 20.12.2018 20.02.2019	Sirsa	9255997181
31	Naveen Kumar Ahuja, HCS	2004	(i) CEO, Zila Parishad, Yamunanagar and CEO, DRDA, Yamunanagar. (ii) Secretary, Baba Banda Singh Bahadur Lohgarh Foundation (Trust).	27.07.2020 06.12.2022	Kurukshetra	9416262600
32	Manisha Sharma, HCS	2011	Sub Divisional Officer (Civil), Punhana.	06.08.2021	Jind	8816835555
33	Kamal Preet Kaur, HCS	2011	CEO, Zila Parishad, Ambala and CEO, DRDA, Ambala.	17.09.2022	Patiala	8528455555
34	Amit Kumar-I, HCS	2011	(i) Estate Officer, HSVP, Faridabad. (ii) Land Acquisition Officer, Faridabad.	22.09.2021 04.05.2022	Jhajjar	9466130001
35	Pardeep Kumar-II, HCS	2011	CEO, Zila Parishad, Jhajjar & CEO, DRDA, Jhajjar.	15.09.2021	Rewari	9729996974
36	Dr. Sushil Kumar-II, HCS	2011	(i) CEO, Zila Parishad Sonepat and CEO, DRDA, Sonepat. (ii) Zonal Administrator, HSAMB, Karnal.	12.07.2022 12.07.2022	Panipat	9416662800
37	Anu, HCS	2011	CEO, Zila Parishad, Gurugram and CEO, DRDA, Gurugram.	27.07.2020	Jind	7840885511
38	Nishu Singal, HCS	2011	Additional Director, Micro, Small & Medium Enterprises, Haryana.	01.01.2023	Moga (Punjab)	8195800111
39	Virat, HCS	2011	Secretary, Haryana Staff Selection Commission.	12.07.2022	Rewari	9466072659
40	Vivek Chaudhary, HCS	2011	CEO, Zila Parishad, Panipat and CEO, DRDA, Panipat. **(on EL w.e.f. 06.01.2023 to 16.03.2023)**	27.07.2020	Rohtak	9996791773

41	Dalbir Singh, HCS	2011	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Meham. (ii) Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Meham.	19.07.2022 12.11.2021/12.07.2022	Jhajjar	8607583000
42	Ashwani Malik, HCS	2011	District Municipal Commissioner, Kurukshetra.	22.09.2022	Sonepat	8901163144
43	Narender Pal Malik, HCS	2011	Secretary, Haryana Real Estate Regulatory Authority (HRERA), Gurugram.	22.09.2022	Sonepat	9034433168
44	Shalini Chetal, HCS	2011	OSD, O/o Commissioner, Hisar Division, Hisar.	24.12.2022	New Delhi	9416028516
45	Reagan Kumar, HCS	2011	Member Secretary, Haryana Kesh Kala & Kaushal Vikas Board.	30.12.2021	Panipat	8800184088
46	Satish Yadav, HCS	2011	Sub Divisional Officer (Civil), Badshahpur.	26.02.2021	Rewari	9416347398
47	Pooja Chanwaria, HCS	2011	(i) Additional Director (Admn.) Social Justice & Empowerment, Haryana. (ii) Member Secretary, Haryana Scheduled Castes Commission.	08.05.2022 13.03.2023	Ambala	9996161696
48	Satish Kumar, HCS	2011	(i) Deputy Secretary, Haryana Public Service Commission. (ii) Additional Director (Admn.), Kalpana Chawla Government Medical College, Karnal.	09.02.2022 17.09.2022	Sonepat	8901245645
49	Rajesh Kumar-I, HCS	2011	**Under Suspension (w.e.f. 07.09.2022)**	28.10.2022	Jind	9810634277
50	Amarjit Singh, HCS	2011	Joint Secretary, Haryana Raj Bhavan.	04.01.2020	Rohtak	7087115050
51	Tirlok Chand, HCS	2011	Sub Divisional Officer (Civil)-cum-Additional Collector, Ballabgarh.	15.09.2021	Palwal	8570918662
52	Vivek Kalia, HCS	2011	(i) Additional Director (Admn.), Information, Public Relations & Languages, Haryana and Joint Secretary to Government, Haryana, Information, Public Relations & Languages Department. (ii) Additional Managing Director, HARTRON, Panchkula	24.12.2022 24.12.2022	Hisar	9971701212
53	Ajay Chopra, HCS	2011	(i) Additional Deputy Commissioner-cum-District Citizen Resources Information Officer, Fatehabad.	06.08.2021 06.08.2021	Rohtak	9991515001

			(ii) District Municipal Commissioner, Fatehabad.			
54	Tarun Kumar Pawaria, HCS	2011	(i) Joint Secretary to Government Haryana, General Administration Department. (ii) Joint Secretary to Government, Haryana, Foreign Cooperation Department.	06.08.2021 06.08.2021	Jind	9891332136
55	Manoj Khatri, HCS	2011	Joint Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	16.11.2018	Sonepat	9468359966
56	Gaurav Kumar, HCS	2011	(i) Additional Commissioner, Municipal Corporation, Karnal. (ii) CEO, Zila Parishad, Karnal and CEO, DRDA, Karnal.	09.05.2022 10.06.2022	Rohtak	7027186060
57	Sudhanshu Gautam, HCS	2013	Officer on Special Duty to Chief Minister, Haryana.	14.01.2021	Jind	9896056000
58	Dr. Shilpy Pattar Dutt, HCS	2013	Joint Director (Admn.), Women & Child Development Department.	13.03.2023	Panchkula	6280263213
59	Bharat Bhushan Gogia, HCS	2013	General Manager, Haryana Roadways, Rohtak.	17.09.2022	Gurugram	9811991947
60	Ekta Chopra, HCS	2013	General Manager, Haryana Roadways, Nuh.	12.11.2021	Jind	8130029918
61	Meenakshi Dahiya, HCS	2013	General Manager, Haryana Tourism Development Corporation.	08.04.2022	Sonepat	7508169999
62	Richa, HCS	2013	Additional Commissioner, Municipal Corporation, Panchkula.	24.12.2022	Jhajjar	9888361126
63	Radhika Singh, HCS	2013	(i) Joint Secretary to Government, Haryana, Home Department. (ii) Joint Secretary to Government, Haryana, Finance Department.	22.09.2022 07.02.2023	Faridabad	9888906701
64	Mamta, HCS	2013	Sub Divisional Officer (Civil), Panchkula.	21.12.2022	Chandigarh	9050013955
65	Kushal Kataria, HCS	2013	Additional Labour Commissioner, Gurugram.	17.09.2022	Delhi	9711754839
66	Rohit Yadav, HCS	2013	(i) CAO, Haryana Dairy Development Cooperative Federation Ltd.	28.12.2019 27.07.2020	Faridabad	9999599999

			(ii) Managing Director, Haryana Agro Industries Corporation.			
67	Vijender Hooda, HCS	2013	Additional Director (Admn.), Skill Development & Industrial Training, Haryana.	15.09.2021	Rohtak	9871500019
68	Girish Kumar, HCS	2013	District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Kaithal.	31.12.2021	Kurukshetra	9813028999
69	Gauri Midha, HCS	2013	Additional CEO, Faridabad Metropolitan Development Authority, Faridabad.	31.12.2021	H.P.	9992279973
70	Gaurav Antil, HCS	2013	Additional Commissioner, Municipal Corporation, Faridabad.	04.09.2021	Sonepat	8901453584
71	Meenaxee Raj, HCS	2013	(i) Vigilance Officer, HAFED. (ii) Additional Director (Admn.), Medical Education and Research Haryana.	23.01.2022 11.03.2022	Chandigarh	8901273731
72	Jagdeep Singh, HCS	2013	Zonal Administrator, HSAMB, Hisar.	23.01.2022	Jind	9728858867
73	Pradeep Ahlawat-I, HCS	2013	(i) Additional Director, State Transport, Haryana. (ii) Additional Director (Admn.), Town & Country Planning, Haryana. (iii) Joint Secretary to Government, Haryana, Town & Country Planning Department.	21.05.2022 21.05.2022 18.07.2022	Jhajjar	8607076054
74	Mahesh Kumar, HCS	2013	Additional Commissioner, Municipal Corporation, Rohtak.	27.07.2022	Sonepat	9729320497
75	Virender Chaudhary, HCS	2013	Secretary, Haryana State Agricultural Marketing Board, Panchkula.	17.09.2022	Jind	9416766035
76	Maj. (Retd.) Gayatri Ahlawat, HCS	2013	Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Rohtak.	17.09.2022	Jhajjar	8199899992
77	Ravinder Yadav, HCS	2013	Sub Divisional Officer (Civil), North Gurugram.	17.09.2022	M/Garh	9811699610
78	Nirmal Nagar, HCS	2013	(i) OSD O/o Commissioner, Ambala Division, Ambala. (ii) Administrator, Municipal Council, Ambala Sadar.	23.01.2023 23.01.2023	Jind	9416273111

79	Parshant, HCS	2013	Joint Director (Admn.), Agriculture and Farmers Welfare, Haryana.	22.09.2022	Sonepat	8826007284
80	Manish Kumar Lohan, HCS	2013	Additional Director (Admn.), Industries & Commerce, Haryana and Joint Secretary to Government, Haryana, Industries & Commerce Department	08.04.2022	Jind	9416717952
81	Ruchi Singh Bedi, HCS	2013	(i) Sub Divisional Officer (Civil) Kalka. (ii) Additional Mission Director, Mukhya Mantri Antyodaya Parivaar Utthaan Yojana (MMAPUY).	31.12.2021 12.04.2022	Mohali (Pb.)	9876929994
82	Dr. Pooja Bharti, HCS	2013	Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Karnal.	19.07.2022	Jind	8398960067
83	Gagandeep Singh-I, HCS	2013	(i) Additional Director (Admn.) Food and Drugs Administration, Haryana. (ii) CEO, Zila Parishad, Panchkula and CEO, DRDA, Panchkula.	22.09.2021 23.02.2022	Gurugram	9888850001
84	Pradhuman Singh, HCS	2013	**On deputation with U.T. Administration.**	24.02.2021	Hisar	9501155115
85	Dr. Kiran Singh, HCS	2013	District Municipal Commissioner, Sirsa.	12.07.2022	Kaithal	9466371964
86	Satish Kumar Singla, HCS	2014	Secretary, HSVP, Panchkula.	26.10.2020	Jind	9216200999
87	Paramjeet Chahal, HCS	2014	Sub Divisional Officer (Civil), Faridabad.	22.09.2021	Jind	9813568878
88	Jitender Kumar-II, HCS	2014	Joint Director (Admn.), HIPA, Gurugram.	24.06.2022	Narnaul	8901780111
89	Pankaj Kumar, HCS	2014	(i) Secretary, Haryana Agro Industries Corporation. (ii) Sub Divisional Officer (Civil), Badkhal.	05.09.2020 09.09.2019	Punjab	9999962900
90	Alka Chaudhary, HCS	2014	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Manesar.	12.10.2021	Hisar	9868915451
91	Sumit Kumar, HCS	2014	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	07.03.2021	Rohtak	9416078996
92	Bijender Singh, HCS	2014	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Brara. (ii) City Magistrate, Ambala.	08.05.2022 06.03.2023	Rohtak	9416318732
93	Surender Pal, HCS	2014	Sub Divisional Officer (Civil), Thanesar.	17.09.2022	Jhajjar	9888885445

94	Ashutosh Rajan, HCS	2014	Joint Excise & Taxation Commissioner, Hayana and Collector, Excise, Haryana.	15.07.2020	Punjab	8168219235
95	Apurv, HCS	2016	Joint Chief Electoral Officer, Haryana.	25.01.2019	Sirsa	9468176781
96	Sandeep Aggarwal, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Bhiwani.	08.04.2022	M/Garh	8527811834
97	Satyawan Singh Mann, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Safidon.	08.05.2022	Sonepat	9416315365
98	Surender Singh-II, HCS	2016	General Manager, Haryana Roadways, Delhi.	12.07.2022	Delhi	9999619719
99	Ashwani Kumar, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Nuh.	21.05.2022	New Delhi	9896321717
100	Ved Prakash, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Ellenabad.	08.04.2022	Fatehabad	8901158986
101	Jitender Kumar-III, HCS	2016	(i) Estate Officer, HSVP, Gurugram-II. (ii) Land Acquisition Officer, Gurugram. (iii) Land Acquisition Officer-cum-Land Acquisition Collector, GMDA.	01.01.2023 01.01.2023 01.01.2023	Delhi	9871561943
102	Satinder Siwatch, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Ambala Cantt. (ii) Estate Officer for Management of Govt. Land in Excised Area, Ambala Cantt.	02.12.2022 02.12.2022	Sonepat	8814869751
103	Bharat Bhushan, HCS	2016	**Under Suspension w.e.f. 16.01.2022**	16.01.2022	Kaithal	8930097771
104	Sanjiv Kumar, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Pataudi. (ii) Joint CEO, Gurugram Metropolitan City Bus Limited, Gurugram.	01.01.2023 08.02.2023	Jind	9877588888
105	Vijay Singh, HCS	2016	CEO, Zila Parishad, Rohtak and CEO, DRDA, Rohtak.	31.12.2021	Panipat	9671738833
106	Jaiveer Yadav, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Hisar.	17.09.2022	Bhiwani	9671738833
107	Rakesh Saini, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Rohtak.	30.03.2018	Karnal	9996074043
108	Pradeep Ahlawat-II, HCS	2016	(i) CEO, Zila Parishad, Nuh and CEO, DRDA, Nuh. (ii) Deputy CEO, Mewat Development Agency, Nuh.	21.05.2022 21.05.2022	Sonepat	9311810887
109	Dr. Inder Jeet, HCS	2016	Secretary, State Election Commission, Haryana.	25.03.2022 15.02.2023	Kaithal	8146623399
110	Bhupendra Singh, HCS	2016	CEO, Zila Parishad, Kurukshetra and	17.09.2022	Kaithal	8901880154

			CEO, DRDA, Kurukshetra.			
111	Suman Bhankhar, HCS	2016	CEO, Zila Parisahd, Faridabad and CEO, DRDA, Faridabad.	17.09.2022	Kurukshetra	8607833000
112	Rajiv Prashad, HCS	2016	Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Shahbad.	21.05.2022	Sonepat	8054003009
113	Shweta Suhag, HCS	2016	(i) Joint Director, Consolidation of Holdings Rohtak. (ii) Estate Officer, HSVP, Rohtak (iii) Land Acquisition Officer, Rohtak.	26.02.2021 17.05.2021 04.05.2022	Delhi	8285000716
114	Anupma Malik, HCS	2016	(i) Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Sonipat. (ii) Sub Divisional Officer (Civil), Ganaur.	19.07.2022 01.01.2023	Jind	9468045455
115	Manish Kumar Phogat, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Tosham.	27.07.2020	Charkhi Dadri	8684853009
116	Belina, HCS	2016	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Hisar.	30.09.2020	Rohtak	9555191790
117	Sushil Kumar-III, HCS	2016	District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Ambala.	24.12.2022	Panipat	9501555133
118	Virender Singh, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Badhra. (ii) CEO, Zila Parishad, Charkhi Dadri and CEO, DRDA, Charkhi Dadri.	24.09.2022 09.01.2023	Jind	9416683857
119	Kanwar Singh, HCS	2016	Deputy Secretary to Government, Haryana, Agriculture & Farmers Welfare Department.	23.02.2022	Jind	9068064444
120	Shikha, HCS	2016	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Faridabad.	01.01.2023	Rohtak	8295264488
121	Gajender Singh, HCS	2016	Joint Director (Admn.), Medical College, Nalhar (Nuh).	08.02.2023	Palwal	9416353175
122	Shambhu, HCS	2016	District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Sonipat.	24.12.2022	Rohtak	9717920255
123	Chinar, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Ferozepur Jhirka.	15.02.2023	Hisar	9899830317
124	Shashi Vasundhra, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Palwal. (ii) Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Palwal.	17.09.2022 17.09.2022	Hisar	9779090244

125	Ashish Kumar, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Gohana. (ii) Managing Director Cooperative Sugar Mills, Gohana.	04.09.2021 26.02.2021	Jhajjar	9416288843
126	Surender Singh-III, HCS	2016	District Municipal Commissioner, Jind.	12.07.2022	Kaithal	9896176908
127	Sumeet Sihag, HCS	2016	**On deputation with U.T. Administration.**	28.06.2022	Panchkula	8901110100
128	Sanyam Garg, HCS	2016	**On deputation with U.T. Administration.**	29.07.2022	Bathinda (Punjab)	9779479785
129	Aditi, HCS	2016	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Gharaunda. (ii) Joint Commissioner, Municipal Corporation, Karnal.	24.12.2022 14.03.2023	Rohtak	9896574775
130	Vikas Yadav, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Narnaund.	29.01.2020	Jind	9711751915
131	Jitender Kumar-IV, HCS	2016	CEO, Zila Parishad, Palwal and CEO, DRDA, Palwal.	22.09.2022	Sirsa	7988755055
132	Isha Kamboj, HCS	2016	**On deputation with U.T. Administration.**	28.06.2022	Hisar	9468347267
133	Pradeep Kumar-III, HCS	2016	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	16.01.2023	Alwar (Rajasthan)	9996957207
134	Wakeel Ahmed, HCS	2016	**Under Suspension w.e.f 04.01.2023.**	18.01.2023	Mewat	9812552090
135	Ravinder Kumar, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Jhajjar.	08.04.2022	M/Garh	7082073940
136	Anil Kumar Yadav, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Bahadurgarh.	24.09.2022	Jind	9416484996
137	Vinesh Kumar, HCS	2016	CEO, Zila Parishad, Jind and CEO, DRDA, Jind.	17.09.2022	Hisar	8708837587
138	Sonu Ram, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Pehowa.	29.01.2020	Kurukshetra	9729245001
139	Mandeep Kumar, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Assandh.	01.07.2021	Fatehabad	9468307808
140	Rahul Mittal, HCS	2016	General Manager, Haryana Roadways, Hisar.	12.11.2021	Hisar	9215153333
141	Sanjay Kumar, HCS	2016	Sub Divisional Officer (Civil), Kaithal.	17.09.2022	Jind	9416628989
142	Rajesh Khoth, HCS	2019	(i) City Magistrate, Hisar. (ii) Estate Officer, HSVP, Hisar. (ii) Land Acquisition Officer, Hisar.	15.02.2023 12.04.2022 04.05.2022	Sirsa	7988876084
143	Preetpal Singh Mothsara, HCS	2019	CEO, Zila Parishad, Hisar and CEO, DRDA, Hisar.	12.04.2022	Bhiwani	9416296845
144	Suresh Ravesh, HCS	2019	CEO, Zila Parishad Kaithal and CEO, DRDA, Kaithal.	04.09.2021	Jind	9416388488

145	Ashvir Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil) Barwala.	17.09.2022	Jind	9416231949
146	Rakesh Sandhu, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Sonipat.	24.12.2022	Jind	9416365663
147	Vishal, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Badli.	22.09.2022	Rohtak	9466112137
148	Gagandeep Singh-II, HCS	2019	Deputy Secretary to Government, Haryana, Home Department.	17.02.2023	Panipat	9416004666
149	Kulbhushan Bansal, HCS	2019	CEO, Zila Parishad, Fatehabad and CEO, DRDA, Fatehabad.	08.04.2022	Punjab	9896267488
150	Kapil Kumar, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Shahabad.	07.03.2021	Bhiwani	8901030397
151	Jitender Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Hansi.	30.09.2020	Jhajjar	9416267964
152	Anubhav Mehta, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Karnal.	08.05.2022	Sirsa	9467029325
153	Manoj Kumar-I, HCS S/o Sh. Om Parkash	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Narnaul.	26.02.2021	Sonepat	9416164147
154	Manoj Kumar-II, HCS S/o Sh. Dalip Singh	2019	CEO, Zila Parishad, Bhiwani and CEO, DRDA, Bhiwani	22.09.2022	Charkhi Dadri	9658033000
155	Vijaya Malik, HCS	2019	OSD, O/o Commissioner, Rohtak Division, Rohtak.	15.02.2023	Jind	9996725085
156	Virender Singh Dhull, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Panipat.	09.02.2022	Jind	9813212930
157	Laxmi Narayan, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Hathin.	01.07.2021	Rewari	9416888025
158	Suresh Kumar, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Siwani.	22.09.2022	Hisar	9996244566
159	Jaspal Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Bilaspur.	25.01.2022	Kaithal	9466829866
160	Naveen Kumar, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Charkhi Dadri.	24.09.2022	Rewari	9416964710
161	Surinder Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Kanina.	08.07.2021	Charkhi Dadri	9466235294
162	Ashok Kumar-I, HCS S/o Sh. Mohender Pal	2019	Sub Divisional Officer, (Civil), Jagadhri.	24.12.2022	Kaithal	9541115553
163	Krishan Kumar, HCS	2019	(i) Secretary, Haryana Board of School Education, Bhiwani. (ii) Estate Officer, HSVP, Bhiwani.	04.09.2021 17.09.2022	Hisar	9813240760
164	Daljit Singh, HCS	2019	Controller Examinations, Haryana Staff Selection Commission.	09.02.2020	Hisar	7986441211
165	Uday Singh, HCS	2019	District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Gurugram.	24.12.2022	Palwal	9315304377

166	Ranbir Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Hodal.	15.02.2023	Jind	9467240533
167	Sandeep Kumar, HCS	2019	(i) Secretary, Haryana State Law Commission. (ii) Member Secretary in the O/o Commissioner, Gurudwara Elections, Haryana.	01.07.2021 30.01.2023	Sonepat	9813282079
168	Hosyar Singh, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Rewari.	17.09.2022	M/Garh	9467331879
169	Ashok Kumar-II, HCS S/o Tara Chand Sharma	2019	City Magistrate, Yamunanagar.	04.01.2022	Bhiwani	9306934646
170	Sushil Kumar-IV, HCS	2019	(i) Joint Labour Commissioner (Admn.), Haryana. (ii) Secretary, Haryana Traders Welfare Board.	24.12.2022 29.10.2021	Panipat	9467006400
171	Amarinder Singh Manais, HCS	2019	**Under Suspension w.e.f. 18.01.2022**	21.01.2022	Jind	9915920275
172	Dheeraj Chahal, HCS	2019	(i) Deputy Secretary to Government, Haryana, Revenue & Disaster Management Department. (ii) Officer on Special Duty in Haryana Revenue Commission.	08.02.2022 31.01.2023	Jind	8059604969
173	Rajesh Punia, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Indri.	17.09.2022	Hisar	9812010360
174	Dr. Naresh Kumar, HCS	2019	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	12.07.2022	Hisar	9899220003
175	Dilbag Singh, HCS	2019	Joint Transport Commissioner (Road Safety), Haryana.	22.05.2022	Charkhi Dadri	9896123800
176	Braham Parkash, HCS	2019	(i) Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Kaithal. (ii) General Manager, Hafed Sugar Mill, Assandh.	17.09.2022 24.12.2022	Jhajjar	9416337797
177	Hitender Kumar, HCS	2019	Secretary, Haryana Right to Service Commission.	18.07.2022	Rohtak	9468260200
178	Subhash Chander-I, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Sampla.	17.09.2022	Jhajjar	9416391448
179	Meetu Dhankar, HCS	2019	Zonal Administrator, HSAMB, Gurugram.	17.12.2019	Rohtak	8802886206
180	Anil Kumar Doon, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Narwana.	17.09.2022	Hisar	9416485000
181	Rajender Kumar, HCS	2019	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Sirsa. (ii) Estate Officer, HSVP, Sirsa.	17.09.2022 17.09.2022	Bhiwani	8684984455

182	Manav Malik, HCS	2019	(i) Inquiry Officer, Haryana State Agricultural Marketing Board. (ii) Estate Officer, HSVP, Panchkula. (iii) Land Acquisition Officer, Panchkula. (iv) Joint Director (Establishment), Housing for All, Haryana-cum-Secretary, Housing Board. Haryana.	09.01.2023 17.02.2023 17.02.2023 17.02.2023	Jhajjar	8930001332
183	Sanjay Bishnoi, HCS	2019	(i) District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Fatehabad. (ii) District Transport Officer-cum-Secretary, RTA, Sirsa.	08.05.2022 19.07.2022	Rajasthan	9416786909
184	Parveen Kumar, HCS	2019	(i) Managing Director, Cooperative Sugar Mills, Jind. (ii) Estate Officer, HSVP, Jind.	02.01.2021 17.05.2021	Rohtak	9467713609
185	Jagdish Chander, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Ratia.	27.12.2022	Hisar	9466010656
186	Navdeep Singh, HCS	2019	Managing Director, Co-operative Sugar Mills, Panipat.	01.07.2021	Jind	9996658555
187	Darshan Kumar, HCS	2019	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Ambala. (ii) Estate Officer, HSVP, Ambala.	22.09.2022 22.09.2022	Churu (Rajasthan)	8683845145
188	Sanjeev Kumar, HCS	2019	(i) Sub Divisional Officer (Civil), Bawal. (ii) City Magistrate, Rewari.	26.02.2021 13.02.2023	Rohtak	9996384249
189	Dinesh, HCS	2019	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Manesar.	13.01.2023	Charkhi Dadri	8901283622
190	Rajesh Kumar-II, HCS	2019	Sub Divisional Officer (Civil), Fatehabad.	22.05.2022	Bhiwani	9466092845
191	Mohit Kumar, HCS	2020	City Magistrate, Rohtak.	31.12.2021	Jhajjar	7838426507
192	Jeetinder Joshi, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Uchana Kalan.	17.09.2022	Chandigarh	8558873113
193	Ankita Adhikari, HCS	2020	Joint Chief Executive Officer, Ayushman Bharat Haryana Health Protection Authority.	22.09.2022	Bareli (UP)	9536939254
194	Darshan Yadav, HCS	2020	City Magistrate, Gurugram.	31.12.2021	Hisar	7988556267
195	Harbir Singh, HCS	2020	City Magistrate, Bhiwani.	17.09.2022	Jhajjar	7838694987
196	Jyoti, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Kharkhoda.	24.09.2022	Bhiwani	8950889840

197	Gaurav Gupta, HCS	2020	Joint Director (Admn.), Information Public Relations & Languages, Haryana and Deputy Secretary to Government Haryana, Information, Public Relations & Languages Department.	24.12.2022	Hisar	8708184558
198	Amit Kumar-II, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Radaur.	09.01.2023	Panipat	9991388805
199	Mayank Bhardwaj, HCS	2020	Member Secretary, Haryana Vimukt Ghumantu Jati Vikas Board.	13.02.2023	Chandigarh	8587035383
200	Siddarth Dahiya, HCS	2020	(i) City Magistrate, Nuh. (ii) Sub Divisional Officer (Civil), Tauru	17.09.2022 01.01.2023	Sonepat	7056756625
201	Mukund, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Kalanwali.	06.03.2023	Bhiwani	8708152196
202	Jai Parkash, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Kosli.	17.09.2022	Saket Nagar N.Delhi	9999302665
203	Aanchal Bhaskar, HCS	2020	Joint Director (Admn.), Information Public Relations & Languages, Haryana and Deputy Secretary to Government Haryana, Information, Public Relations & Languages Department.	24.12.2022	Karnal	8860837653
204	Shivjeet Bharti, HCS	2020	(i) Deputy Secretary to Government, Haryana, Cooperation Department. (ii) Secretary, State Police Complaint Authority, Haryana, Chandigarh.	04.01.2022 28.01.2022	Panchkula	8968629003
205	Ravindra Malik, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Beri.	17.09.2022	Sonepat	9558980783
206	Prateek Hooda, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Tohana.	17.09.2022	Rohtak	8527741976
207	Rohit Kumar, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Guhla.	22.09.2022	Rohtak	9871189042
208	Pulkit Malhotra, HCS	2020	(i) Estate Officer, HSVP, Panipat. (ii) Land Acquisition Officer, Panipat.	01.01.2023 01.01.2023	Kaithal	8800409809
209	Amit Maan, HCS	2020	City Magistrate, Faridabad.	01.01.2023	Rohini (Delhi)	9990814848
210	Abhay Singh Jangra, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Dabwali.	06.03.2023	Hisar	9466596001
211	Simranjeet Kaur, HCS	2020	**(on leave from 14.01.2023 to 16.07.2023)**	14.01.2023	Patiala (Pb.)	9855760807

212	Akhilesh Kumar, HCS	2020	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Gurugram.	08.04.2022	M/Garh	8901235244
213	Renuka, HCS	2020	City Magistrate, Charkhi Dadri.	24.12.2022	Rohtak	7988677652
214	Ankita Verma, HCS	2020	Joint Commissioner, Municipal Corporation, Sonipat.	27.12.2022	Gurugram	9667607330
215	Amit, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Samalkha.	24.09.2022	Jind	9780802753
216	Ramit Yadav, HCS	2020	**Under Suspension w.e.f. 28.10.2022.**	11.11.2022	Jhajjar	8130399099
217	Amit Kumar-III, HCS	2020	City Magistrate, Jind.	31.12.2021	Hisar	8930077878
218	Subhash Chander-II, HCS	2020	**Under Suspension w.e.f. 15.10.2022.**	26.12.2022	Kaithal	9813673603
219	Parvesh Kadiyan, HCS	2020	City Magistrate, Jhajjar.	31.12.2021	Panipat	9061301110
220	Narender Kumar, HCS	2020	Secretary, Haryana Electricity Regulatory Commission, Panchkula.	24.12.2022	Bhiwani	9478533006
221	Ajay Singh, HCS	2020	City Magistrate, Sirsa.	31.12.2021	Hisar	9467450444
222	Rajesh Kumar Soni, HCS	2020	City Magistrate, Panipat.	31.12.2021	Sonepat	9953212809
223	Dwiza, HCS	2020	City Magistrate, Palwal.	23.02.2022	Jhajjar	7056239693
224	Aman Kumar, HCS	2020	City Magistrate, Karnal.	24.12.2022	Rewari	9250765615
225	Suresh, HCS	2020	City Magistrate, Fatehabad.	31.12.2021	Hisar	7015388269
226	Chanderkant Kataria, HCS	2020	City Magistrate, Kurukshetra.	31.12.2021	Panchkula	9972517047
227	Gaurav Chauhan, HCS	2020	City Magistrate, Panchkula.	04.01.2022	Hisar	8506929978
228	Naseeb Kumar, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Ladwa.	22.09.2022	Charkhi Dadri	8847054019
229	Harpreet Kaur, HCS	2020	General Manager, Haryana Roadways, Kurukshetra.	24.12.2022	Kaithal	9888383371
230	Mangal Sain, HCS	2020	City Magistrate, Mahendragarh.	31.12.2021	Jhajjar	9467602022
231	Deepak Kumar, HCS	2020	Joint Director (Admn.), Higher Education, Haryana.	04.01.2022	Bhiwani	9913600097
232	Gulzar Ahmed, HCS	2020	City Magistrate, Kaithal.	31.12.2021	Kurukshetra	9416074867
233	Vijay Kumar Yadav, HCS	2020	(i) Joint Director, Model Sanskriti Schools. (ii) Secretary, Haryana Gau Seva Aayog.	17.09.2022 11.11.2022	M/Garh	9813580977
234	Anmol, HCS	2020	City Magistrate, Sonipat.	23.02.2022	Hisar	8802752687
235	Devendra Sharma, HCS	2020	Sub Divisional Officer (Civil), Kalayat.	09.01.2023	Bhiwani	7838541230

236	Vishwajeet Singh, HCS	2020	Secretary, Haryana Safai Karamchari Commission.	31.12.2021	CHD.	9779090190
237	Neeraj Sharma, HCS	2022	Joint Director (Admn.), Health Services, Haryana.	14.12.2022	Panipat	9915437006

श्री राकेश दौलताबादः अध्यक्ष महोदय, अब मैं जो बात पूछना चाहता हूँ वह केवल सवाल ही नहीं है बल्कि मेरी पीड़ा है। यह पीड़ा केवल मेरी ही नहीं बल्कि पक्ष और विपक्ष में बैठे माननीय सदस्यों के साथ–साथ, अध्यक्ष महोदय यह आपकी भी पीड़ा है क्योंकि जब कोई माननीय सदस्य अपने दिए हुए काम की टाइम लिमिट के बारे में जानना चाहता है तो आप भी उस सदस्य के साथ खड़े होकर संबंधित मंत्री से पूछने का काम करते हैं कि संबंधित माननीय सदस्य को बताया जाये कि यह काम कब तक शुरू हो जायेगा। जिस तरह से सरकारी मशीनरी धीमी गति से काम कर रही है, इस वजह से हम सभी को बहुत प्राब्लम आती है। इस प्राब्लम का समाधान केवल मात्र सिविल सर्विर्सिज को रिफॉर्म करके ही संभव हो सकता है। सिविल सर्विसिज का स्ट्रक्चर अंग्रेजों के जमाने से चलता आ रहा है। अध्यक्ष महोदय, जो बात मैं कहना चाहता हूँ, उसको समझने की जरूरत है। अब मैं इसका एक उदाहरण देना चाहूंगा। गुरुग्राम के सिविल होस्पिटल की बाउंड्री बढ़ाने का एक काम था और इसके साथ में जो सरकारी स्कूल की जमीन थी, उस जमीन को सिविल होस्पिटल के साथ जोड़ना था। वर्ष 2019 की जी.एम.डी.ए. की मीटिंग में इस कार्य का फैसला लेते हुए, आदेश दे दिए गए थे। इसके बाद तीन साल तक लगातार सात बार जी.एम.डी.ए. की मीटिंग में सरकारी स्कूल की जमीन को सिविल होस्पिटल की जमीन के साथ जोड़ने के लिए मामला उठाया गया और जी.एम.डी.ए. की प्रोसिडिंग्ज में भी यह सारी बातें मैंशन हैं लेकिन इस छोटे से काम के लिए तीन साल का एक लंबा समय लगा दिया गया। अब मैं अर्बन लोक बाडीज डिपार्टमैंट का एग्जैंपल देकर अपनी बात कहना चाहूंगा। इस डिपार्टमैंट में मिनिस्टर के बाद ए.सी.एस. आते हैं, इसके बाद स्पेशल सैक्रेटरी, डायरेक्टर, म्युनिसिपल कमिश्नर, चीफ इंजीनियर, एस.ई. एक्सियन, एस.डी.ओ. और अंत में जे.ई. आते हैं। कहने

का मतलब यह है कि 10 हरारकी के बीच में से गुजरता हुए जब एक काम जाता है तो उस काम को करने में बहुत लंबा समय लग जाता है।

श्री अध्यक्षः राकेश जी, आपके सवाल का जवाब माननीय मंत्री जी ने दे दिया है। अब आप अपना सप्लीमैंट्री बतायें।

श्री राकेश दौलताबादः अध्यक्ष महोदय, पहले आप मेरे सवाल को समझने की कोशिश तो करो लेकिन बावजूद इसके यदि आप सप्लीमैंट्री ही चाहते हैं तो मैं पहले यह बताना चाहूंगा कि मैंने अपने प्रश्न के 'क' भाग में पूछा है कि हरियाणा सरकार द्वारा नवम्बर, 2014 से आज तक सिविल सेवाओं में कितने सुधार किए गए हैं, के संदर्भ में उसमें 2016 में एच.सी.एस. के लिए किए गए 9 अलग–अलग रूल के डाक्यूमैंट्स का नाम बता दिया गया और यह भी कहा गया कि यह सब कुछ आन–लाइन उपलब्ध हैं लेकिन यह नहीं बताया कि 9 रूल डाक्यूमैंट्स में क्या–क्या रिफोर्म शामिल किए गए हैं अर्थात् रिफार्म नहीं बताये गए और यह इसलिए नहीं बताया गया क्योंकि जिन रिफोर्मस की सच में जरूरत है, उनको शामिल ही नहीं किया जाता है।

श्री अध्यक्षः इसका मतलब आप यह चाहते हैं कि सिविल सर्विसिज के रूल्ज के अंदर रिफार्मस होने चाहिए ?

श्री राकेश दौलताबादः अध्यक्ष महोदय, मेरा विषय हरारकी को लेकर है। मतलब यह है कि हरारकी का लैवल छोटा होना चाहिए। कौन सा ऐसा विधायक है कि जिसका काम पांच साल पहले अनाउंस हुआ था और वह अब तक शुरू नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, सबकी यही समस्या है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल के 'बी' भाग के सदर्भ में जवाब दिया गया है कि हरियाणा सरकार समय–समय पर रेशनलाइजेशन कमीशन के जरिए हरारकी लैवल के प्रपोजल को एग्जामिन करती है। अतः ऐसी परिस्थिति में मेरा सवाल है कि आज तक रेशनेलाइजेशन कमीशन ने हरारकी लैवल घटाने के कितने प्रपोजल रिव्यू करने का काम

किया है। अगर रिव्यू नहीं किया गया तो मैं एक प्रपोजल देता हूँ और जैसे कि मैंने अभी एक एग्जैंपल दिया था यू.एल.बी. डिपार्टमैंट का, तो इसके अंदर जैसे हमारे चार लैवल आई.ए.एस. के हैं और पांच लैवल इंजीनियर्स के हैं। यदि आई.ए.एस. के दो लैवल भी कम कर दिए जायें तो बहुत अच्छी बात होगी। मैंन इस डिपार्टमैंट के रिटायर्ड और वर्तमान में काम कर रहे अधिकरियों से बात की है, तो यह बात सामने निकलकर आई है कि उपर से दो लैवल आई.ए.एस. के कम किए जा सकते हैं और एक लैवल इंजीनियर्स का भी कम किया जा सकता है ताकि एग्जिक्यूशन स्ट्रांग हो सके।

श्री अध्यक्षः राकेश जी, आपने जो सुझाव दिया है, यदि इसके अतिरिक्त आपके पास और कोई सुझाव है तो वह आप लिखकर भी दे सकते हैं।

श्री राकेश दौलताबादः अध्यक्ष महोदय, ब्यूरोक्रेसी और हरारकी लैवल घटाने की पुरजोर रिकमंडेशन सैकिंड एडमिनिस्ट्रेशन रिफार्म कमीशन की 2009 की 13वीं रिपोर्ट में दी गई है। इस रिपोर्ट में लिखा गया है कि जो एग्सटेंडिड हरारकी होती है, इसके चार बड़े नुकसान होते हैं जैसे डिले, नान–अकाउंटेबिलिटी, सैवरल लैवल, रिस्क अवॉयडेंस और नो टीम वर्क। इतनी लंबी हरारकी के अंदर एक दो अफसर ऐसा हो जाता है जोकि काम को रिस्क समझता है और दूसरों से सलाह लेने में ही बहुत लंबा समय लगा देता है तो मैं सदन के माध्यम से अनुरोध करता हूँ कि इस हरारकी लैवल को कम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, यह सवाल बहुत ज्यादा जरूरी इसलिए भी है कि क्योंकि जो एक एम.एल.ए. होता है, वह पांच साल के लिए चुनकर आता है। अगली बार कोई उसको वोट दे या न दे मतलब अबकी बार उसको एम.एल.ए. बनाया लेकिन हो सकता है कि अगली बार एम.एल.ए. न बनाये और इस प्रकार की एक परफोरमेंस रिस्ट्रिक्शन उस पर लगी होती है लेकिन इस प्रकार की परफोरमेंस रिस्ट्रिक्शन अधिकारियों के लिए नहीं होती है। अतः मैं

सदन के माध्यम से चाहता हूँ कि अधिकारियों के लिए भी एनुअल परफोरमेंस सिस्टम होना चाहिए लेकिन अफसोस की बात है कि अधिकारियों के लिए ऐसी कोई बंदिश नहीं है।

श्री अध्यक्ष: राकेश जी, अगर एक प्रश्न पर इतना समय लगाया जायेगा तो दूसरे प्रश्न तो पैंडिंग ही रह जायेंगे। ठीक है जो आप कह रहे हैं वह आपकी पीड़ा है लेकिन समय का भी तो ध्यान रखने की जरूरत है।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, लगता है कि हमारे माननीय सदस्य के खवाब बहुत उंचे हैं। कोई बात नहीं, रखनी भी चाहिएं। इसलिए ये अपनी सारी बातें सुझाव के रूप में दे दें। जो जो फिजिबल होंगे हम उनको इनकारपोरेट करने का काम करेंगे।

श्री नीरज शर्मा: अध्यक्ष महोदय, इस संदर्भ में मेरी भी एक सप्लीमैंट्री है और वह यह है कि जो यह राज्य सिविल सर्विस बोर्ड है, इसके अंदर जो अधिकारियों की पोस्टिंग और ट्रांसफर होती है, क्या उसके लिए कोई मापदंड तय कर रखे हैं ? अगर कर रखे हैं तो उसकी प्रति उपलब्ध कराने का काम किया जाये। अगर नहीं कर रखे हैं तो वे मापदंड कब तक तय हो जायेंगे ?

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, ये सभी ट्रांसफर एडमिनिस्ट्रेटिव लैवल पर होते हैं और चूंकि यह एडमिनिस्ट्रेटिव क्लास है इसलिए इसके कोई भी पैरामीटर फिक्स नहीं किए जा सकते हैं। हां, आवश्यकतानुसार अथवा व्यक्ति की उपयोगिता के अनुसार ट्रांसफर किए जाते हैं लेकिन इसके लिए कोई भी पैरामीटर तय करना उचित नहीं है।

....

सड़कों की मरम्मत करना

***83. श्री सुभाष गांगोली:** क्या कृषि एंव किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या सफीदों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की 44 सड़कों

की मरम्मत करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है जिसकी घोषणा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 3 अप्रैल, 2021 को की गई थी ?

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल) : जी हां श्रीमान्, सफीदों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में दिनांक 03.04.2022 को 42 घोषणाएं की गई थी। इन घोषणाओं में से 32 सड़कों की मरम्मत तथा 10 नई सड़कों के निर्माण से संबंधित है। 25 सड़कों की मरम्मत करने बारे कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है तथा बकाया 7 सड़कों की मरम्मत के कार्य को वित वर्ष 2023—24 के दौरान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 9 नई सड़कों के निर्माण बारे कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है तथा बकाया 1 नई सड़क के निर्माण का कार्य वित्त वर्ष 2023—24 के दौरान किया जाएगा।

श्री सुभाष गांगोली : अध्यक्ष महोदय, गांव बाजु कलां से खेड़ा जाने वाली सड़क के लिए सी.एम. साहब ने अनाउंसमैंट की थी जिसका नंबर 25915 है । इसी तरह मलार से जीन्द रोड को 12 फुट से बढ़ाकर 18 फुट किये जाने के लिए सी.एम. साहब ने अनाउंसमैंट की थी और उसका नंबर 25878 है । माननीय मंत्री जी ने अभी जो जवाब दिया उसमें इन सड़कों का उल्लेख नहीं है । बहादुरगढ़ से जयपुर की सड़क भी इसी तरह की है । अतः कृपया करके इन सड़कों के बारे में भी माननीय मंत्री जी बतायें ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप कहें तो मैं सभी 42 सड़कों की डिटेल पढ़ देता हूं और माननीय सदस्य को इसकी एक कॉपी भी उपलब्ध करवा दूंगा । (विघ्न)

श्री सुभाष गांगोली : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जवाब में जिन सड़कों के बारे में बताया है उसमें से ये सड़कें छूट गई हैं ।

श्री अध्यक्ष : सुभाष जी, क्या आप हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की ही सड़कों की बात कर रहे हैं ?

श्री सुभाष गांगोली : जी अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की सड़कों की ही बात कर रहा हूं और सी.एम. साहब की उसके लिए की गई अनाउंसमैंट का नंबर 25878 है ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप कहें तो मैं माननीय सदस्य को सभी 32 सड़कों की एक कॉपी उपलब्ध करवा देता हूं जोकि रिपेयर से संबंधित हैं । (विघ्न)

श्री सुभाष गांगोली : अध्यक्ष महोदय, सी.एम. साहब की अनाउंसमैंट वाली सड़क माननीय मंत्री जी द्वारा बनवाई गई सड़क में नहीं आई हैं । इनके संबंध में सी.एम. साहब की एक अनाउंसमैंट का नंबर 25915 है और दूसरी अनाउंसमैंट का नंबर 25878 है ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र में कुल 42 सड़कों की घोषणा हुई थी । उसमें से 32 सड़कें मरम्मत करने से संबंधित थी जिन पर 3248.86 लाख रुपये की लागत लगनी है । इसी प्रकार से माननीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र में 1122.92 लाख रुपये की लागत से नई सड़कों का निर्माण होना है । इनमें से अधिकांश सड़कों पर काम शुरू हो चुका है । बाकी का काम हम अगले वित्त वर्ष में करवा देंगे ।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अगर माननीय सदस्य किन्हीं सड़कों के न बनने के बारे में बता रहे हैं तो आप उनको भी इन्क्ल्यूड कर लीजिए ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमने माननीय सदस्य के विधान सभा क्षेत्र की 42 सड़कों के काम करने बारे घोषणा की हुई है ।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अब माननीय सदस्य जिन सड़कों के बारे में बोल रहे हैं आप उनको भी देख लीजिए ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, अगर वे सड़कें फिजिबल होंगी और रास्ता 5 करम का होगा तो माननीय सदस्य हमें उनकी लिस्ट दे दें । माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह

अनाउंस किया हुआ है कि हम 5 करम के रास्ते की सभी सड़कों को पक्का करेंगे । अगर माननीय सदस्य के क्षेत्र में ऐसी कोई सड़क नहीं बनी है तो हमें इस बारे में बता दें ।

श्री सुभाष गांगोली : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को उन्हीं सड़कों के बारे में बता रहा हूं ।

श्री जय प्रकाश दलाल : अध्यक्ष महोदय, हम उनको चैक करवायेंगे । अगर वे फिजिबल हुई तो उनका काम भी करवा देंगे ।

श्री अध्यक्ष : सुभाष जी, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि अगर वे सड़कें फिजिबल हुई तो वे उनका काम भी करवा देंगे ।

श्री सुभाष गांगोली : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को उन सड़कों के नाम भी बता देता हूं । गांव कालवा से रजाना खुर्द, गांव बागडू सिवाना रोड से राजा वाली सड़क और मुवाना का बाहरी वाला रास्ता 5 करम के हैं । इनका काम भी करवाया जाए ।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य अपने क्षेत्र की 5 करम से ज्यादा बड़ी सड़कों के बारे में हमें लिखित रूप में दे दें । हम उनको बनवा देंगे ।

श्री सुभाष गांगोली : ठीक है अध्यक्ष महोदय ।

....

अवैध तरीके से चिपकाये गए पोस्टरों तथा फ्लैक्सों को हटाना

***84. श्री भारत भूषण बतरा:** क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताएंगे-

(क) क्या यह तथ्य है कि राज्य मे सरकारी इमारतों पर अवैध तरीके से पोस्टर तथा फ्लैक्स चिपकाए जा रहे हैं तथा ग्त तीन वर्शो में उक्त पोस्टरों तथा फ्लैक्सों को हटाने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई तथा उसका ब्यौरा क्या है; तथा

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान राज्य में सरकारी इमारतों पर अवैध तरीके से चिपकाये गए पोस्टरों तथा फ्लैक्सों को हटाने के लिए संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के अन्तर्गत सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई तथा उसका ब्यौरा क्या है ?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता): सर,

(क) हरियाणा सरकार ने “हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989” को अधिनियमित किया है, जिसके तहत संबधित प्राधिकरण सरकारी भवनों पर अवैध रूप से पोस्टर और फ्लैक्स चिपकाने के खिलाफ कार्यवाही कर सकता है। ऐसे मामलों से निपटाने के लिए भी नगरपालिका अधिनियमों में प्रावधान है। सरकारी भवनों पर अवैध रूप से पोस्टर/फ्लैक्स चिपकाने का पता चलने पर संबंधित अधिकारी स्वत: संज्ञान लेकर तथा शिकायत के आधार पर कार्यवाही कर सकते है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में नगर पालिकाओं द्वारा अवैध रूप से पोस्टर और फ्लैक्स चिपकाने के खिलाफ की गई कार्यवाही अनुबंध-’क’ पर दी गई है।

(ख) (क) में दिए गए उत्तर के अनुसार।

अनुबंध-'क'

क्र0 सं0	जिला	क्र0 सं0	नगर पालिका का नाम	वर्श	चिन्हित/ अवैध पाऐ गऐ पोस्टरो/ फ्लैक्सों की कुल संख्या	जारी किऐ गऐ नोटिसों की कुल संख्या	अवैध रूप से चिपकाऐ गऐ इन पोस्टरों/फ्लैक्सों को हटाने के लिए चलाऐ गए प्रवर्तन अभियानों की कुल संख्या और तारीख	अवैध रूप से चिपकाऐ गऐ इन पोस्टरों/ फ्लैक्सों को हटाने की कुल संख्या	अधिनियम का प्रावधान जिसके तहत कार्यवाही की गई थी
1	पंचकूला	1	नगर निगम पंचकूला	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		2	नगर परिशद कालका	2020-21	12	0	2	12	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989
				2021-22	18	0	3	18	
				2022-23	23	0	5	23	
2	अम्बाला	3	नगर निगम अम्बाला	2020-21	1734	0	20	1734	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989
				2021-22	1129	19	19	1129	
				2022-23	979	0	6	979	
		4	नगर परिशद अम्बाला सदर	2020-21	80	20	48	80	
				2021-22	240	40	38	240	
				2022-.23	389	112	46	389	
		5	नगर पालिका नारायणगढ़	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		6	नगर पालिका बरारा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
3	यमुनानगर	7	नगर निगम यमुनानगर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		8	नगर पालिका रादौर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		9		2020-21	0	0	0	0	0

			नगर पालिका सढौरा	2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
4	कुरूक्षेत्र	10	नगर परिषद थानेसर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		11	नगर पालिका शाहबाद	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		12	नगर पालिका ईस्माइलाबाद	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		13	नगर पालिका लाडवा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		14	नगर पालिका पिहोवा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
5	करनाल	15	नगर निगम करनाल	2020-21	350	0	दैनिक आधार पर नियमित प्रवर्तक अभियान	300	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989
				2021-22	250	0		200	
				2022-23	200	0		150	
		16	नगर पालिका तरावड़ी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		17	नगर पालिका नीलोखेड़ी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		18	नगर पालिका घरौंडा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		19	नगर पालिका असन्ध	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		20	नगर पालिका इन्द्री	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		21	नगर पालिका निसिंग	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
6		22		2020-21	0	0	0	0	0

			नगर परिशद कैथल	2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		23	नगर पालिका पुण्डरी	2020-21	0	0	3	8	0
				2021-22	0	0	4	11	0
				2022-23	0	0	4	7	0
		24	नगर पालिका चीका	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
	कैथल	25	नगर पालिका कलायत	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		26	नगर पालिका राजौन्द	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		27	नगर पालिका सीवन	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
7	पानीपत	28	नगर निगम पानीपत	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		29	नगर पालिका समालखा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
8	रोहतक	30	नगर निगम रोहतक	2020-21	43	43	03.03.2021, 05.03.2021, 08.03.2021, 09.03.2021, 12.03.2021, 17.03.2021, 25.03.2021,	100	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	37	37	08.04.2021,09. 04.2021, 16.11.2021, 29.11.2021, 06.12.2021, 23.02.2022, 15.02.2022	130	
				2022-23	33	33	22.04.2022, 09.06.2022, 01.07.2022, 04.10.2022, 07.11.2022, 04.10.2022, 07.11.2022, 04.01.2023, 22.02.2023, 28.02.2023	105	
		31		2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0

			नगर पालिका महम	2022-23	0	0	0	0	0
		32	नगर पालिका कलानौर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		33	नगर पालिका सांपला	2020-21	46	0	6	46	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	33	0	33		
				2022-23	28	0	7	28	
9	सोनीपत	34	नगर निगम सोनीपत	2020-21	300	0	दैनिक अभियान	220	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	220	0		200	
				2022-23	160	0		130	
		35	नगर परिषद गोहाना	2020-21	0	0	नगर परिषद हाना द्वारा सप्ताह में एक बार अवैध रूप से लगे इन पोस्टरो/फ्लैक्सों को हटाने के लिए प्रवर्तन अभियान चलाया जाता हैं	0	0
				2021-22	0	1	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		36	नगर पालिका गन्नौर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		37	नगर पालिका खरखौदा	2020-21	0	0	इन अवैध रूप से चिपकाए गए पोस्टर /फ्लैक्स को हटाने के लिए पालिका खरखौदा द्वारा समय- समय पर प्रवर्तक अभियान चलाया जाता है।	0	0
				2021-22	0	0		0	0
				2022-23	0	0		0	0

		38	नगर पालिका कुण्डली	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
10	झज्जर	39	नगर परिषद झज्जर	2020-21	12	0	नगर परिषद झज्जर द्वारा सप्ताह में एक बार अवैध रूप से लगे इन पोस्टरो/फ्लैक्सों को हटाने के लिए प्रवर्तन अभियान चलाया जाता	12	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	10	0		10	
				2022-23	15	0		15	
		40	नगर परिषद बहादुरगढ़	2020-21	775	16	60	775	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	750	15	68	750	
				2022-23	635	11	55	635	
		41	नगर पालिका बेरी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	8	2	1	8	0
				2022-23	0	0	0	0	0
11	भिवानी	42	नगर परिषद भिवानी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		43	नगर पालिका सिवानी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		44	नगर पालिका भिवानी खेड़ा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		45	नगर पालिका लोहारू	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
12	चरखी दादरी	46	नगर परिषद चरखी दादरी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
13	फरीदाबाद	47	नगर निगम फरीदाबाद	2020-21	ऐसा कोई विशिष्ट रिकार्ड नहीं रखा गया है	692	इस तरह की अभियान विज्ञापन टीम का नियमित हिस्सा है	ऐसा कोई विशिष्ट रिकार्ड नहीं रखा गया है	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989
				2021-22		1326			
				2022-23		881			
14	पलवल	48	नगर परिषद पलवल	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0

		49	नगर परिषद होडल	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		50	नगर पालिका हथीन	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
15	मेवात	51	नगर परिषद नुंह	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		52	नगर पालिका फिरोजपुर झीरका	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		53	नगर पालिका तावड़ू	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		54	नगर पालिका पुन्हाना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
16	गुरूग्राम	55	नगर निगम गुरूग्राम		ऐसा कोई विशिष्ट रिकार्ड नहीं रखा गया है	70	48	2800	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1989
				2021-22		74	76	4600	
				2022-23		165	72	4850	
		56	नगर परिषद सोहना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		57	नगर पालिका फारूखनगर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		58	नगर निगम मानेसर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		59	नगर परिषद पटौदी मंडी	2020-21	563	0	85	563	0
				2021-22	425	0	63	425	0
				2022-23	388	0	58	388	0
17	रेवाडी	60	नगर परिषद रेवाडी	2020-21	0	0	0	0	
				2021-22	0	0	0	0	
				2022-23	0	0	0	0	
		61	नगर पालिका बावल	2020-21	6	3	3	6	हरियाणा संपत्ति विरूपण
				2021-22	4	2	2	4	
				2022-23	7	3	3	7	

									निवारण अधिनियम , 1989
		62	नगर परिषद धारूहेडा	2020-21	5	5	2	5	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	3	3	2	3	
				2022-23	1	1	1	1	
18	महेन्द्रगढ़	63	नगर परिषद नारनौल	2020-21	5	5	2	5	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	3	3	2	3	
				2022-23	1	1	1	1	
		64	नगर पालिका महेन्द्रगढ़	2020-21	10	0	05.07.2020	10	0
				2021-22	25	0	11.01.2021 16.11.2021	25	0
				2022-23	30	0	18.05.2022,22. 11.2022	30	0
		65	नगर पालिका कनीना	2020-21	0	0	इन अवैध रूप से चिपकाए गए पोस्टर /फ्लैक्स को हटाने के लिए नगर पालिका कनीना द्वारा समय- समय पर प्रवर्तक अभियान चलाया जाता	0	0
				2021-22	0	0		0	0
				2022-23	0	0		0	0
		66	नगर पालिका अटेली मंडी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		67	नगर पालिका नांगल चौधरी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
19	हिसार	68	नगर निगम हिसार	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		69	नगर परिषद हांसी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		70	नगर पालिका बरवाला	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		71		2020-21	0	0	0	0	0

			नगर पालिका नारनौंद	2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		72	नगर पालिका उकलाना	2020.21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		73	नगर पालिका आदमपुर	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
20	फतेहाबाद	74	नगर परिषद फतेहाबाद	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	17	0	19.02.2023	17	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
		75	नगर पालिका रतिया	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		76	नगर परिषद टोहाना	2020-21	57	0	15	57	0
				2021-22	42	0	18	42	0
				2022-23	88	0	45	88	0
		77	नगर पालिका भूना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		78	नगर पालिका जाखल मंडी	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	
				2022-23	0	0	0	0	0
21	सिरसा	79	नगर परिषद सिरसा	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		80	नगर परिषद मंडी डबवाली	2020-21	30	0	1	30	हरियाणा संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम , 1989
				2021-22	52	0	1 (19.11.2021)	52	
				2022-23	65	0	2 (13.12.2022)	65	
		81	नगर पालिका रानिया	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		82	नगर पालिका कालांवाली	2020-21	15	0	1	15	हरियाणा संपत्ति विरूपण
				2021-22	38	0	1	38	
				2022-23	53	0	2	53	

									निवारण अधिनियम, 1989
		83	नगर पालिका ऐलनाबाद	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
22	जींद	84	नगर परिषद जींद	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		85	नगर परिषद नरवाना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		86	नगर पालिका सफीदों	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		87	नगर पालिका उचाना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0
		88	नगर पालिका जुलाना	2020-21	0	0	0	0	0
				2021-22	0	0	0	0	0
				2022-23	0	0	0	0	0

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि कई बातें छोटी होती हैं, परन्तु बड़ी इम्पोर्टैंट होती हैं। सरकार कहती है कि हरियाणा प्रदेश को बहुत स्वच्छ बनाएंगे और भारत देश स्वच्छ बनेगा। यह स्वच्छ हरियाणा प्रदेश का एक बहुत बड़ा नमूना है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि माननीय मंत्री जी ने अपने रिप्लाई में एक छोटी–सी टेबल बनाकर रख दी है। मेरा कहना यह है कि इन अधिकारियों को मौके पर एक सरपराईज चैंकिग के लिए भेज दें। चूंकि वहां पर 300 पोस्टर्ज लगे होने की बात की जाती है, लेकिन कहीं वहां पर 30,000 पोस्टर्ज न लगे हों। मैं इसको दावे के साथ कहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इनकी शहरों को सुंदर रखने की नीयत नहीं है। मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी को ही कहूंगा क्योंकि इनको माननीय अध्यक्ष महोदय थोड़े–ही साफ करवाएंगे। ये सभी सरकारी बिल्डिंग्ज पर 2 तरह से लगाये जाते हैं। इसमें दुःख तब होता है जब वहां पर बिल्ज/पोस्टर्ज लगते हैं और वे पोस्टर्ज 1–2 सालों तक लगे रहते हैं। हरियाणा प्रदेश का कोई भी पुल नहीं बचा

हुआ है कि जहां पर अनअथॉराईज्ड राइटिंग और अनअथॉराईज्ड बिल न लगे हों। इससे हरियाणा प्रदेश का कोई भी फ्लाईओवर नहीं बचा हुआ है, कोई आर.ओ.बी. नहीं बचा हुआ है, कोई मैट्रो का पिलर नहीं बचा हुआ है और न ही कोई एलिवेटिड रोड का पिलर बचा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि इनके कारण बहुत गंदगी फैलती है। मैं आखिर में रोहतक की बात करूंगा और इसके बारे में माननीय मंत्री जी द्वारा रिप्लाई भी दिया गया है। क्या जब माननीय मंत्री जी गाड़ी से आते–जाते हैं तो इनको मौके पर गंदगी नजर नहीं आती है? जब फरीदाबाद, गुरूग्राम, हिसार या और कहीं पर जाते हैं तो क्या सड़कें नजर नहीं आती है? माननीय मंत्री जी उन सड़कों के इन्चार्ज हैं।

श्री अध्यक्षः बत्तरा जी, आप अपना सप्लीमैंट्री पूछें।

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपके माध्यम से स्थिति के बारे में बताना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः बत्तरा जी, इसमें स्थिति सबके सामने है।

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जो पोस्टर्ज लगे होते हैं उनमें ट्यूशन सैंटर्ज, स्कूल एडमिशंज, वाई–फाई वाला, दीमक वाला, किसी दुकान के उद्घाटन का, नये शोरूम के उद्घाटन का, मेले लगने का, कथा करने और भंडारे लगाने के पोस्टर्ज होते हैं। आजकल प्रिंटिंग प्रैस इतनी जबरदस्त हो गयी है कि इतने पोस्टर्ज बना देती है।

गृह मंत्री (श्री अनिल विज)ः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहूंगा कि जब भारत जोड़ो यात्रा निकली थी तो इन्होंने कोई भी सड़क पोस्टर्ज के बिना खाली नहीं छोड़ी थी। माननीय सदस्य यह बता दें कि इन्होंने कोई भी सड़क बिना पोस्टर्ज के खाली छोड़ी हो या कोई दीवार बिना पोस्टर्ज के खाली छोड़ी हो। पता नहीं इतना पैसा कहां से आया है? माननीय सदस्य एक भी सड़क बता दें जो इन्होंने पोस्टर्ज के बिना खाली छोड़ी हो। लेकिन फिर इनसे जुड़ा कोई नहीं और सारी दीवारें गन्दी कर दी। (विघ्न)

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, इसमें चिन्ता का विषय यह है कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता था, परन्तु माननीय मंत्री राजनीतिक बातें कर रहे हैं। मैं बताना चाहूंगा कि सारा हरियाणा प्रदेश अनअथॉराईज्ड फलैक्सिज से घिरा पड़ा है। सारे यूनिपोल्ज अनअथॉराईज्ड लगे हुए हैं। इनके लिए सरकार एडवर्टाइजमैंट पॉलिसी नहीं बनाती है। सरकार किसी भी हालत में रेवैन्यू कमाकर राजी नहीं है। इनके कारण गंदगी फैलती है और उसके बाद पॉल्यूशन होता है। माननीय मंत्री जी कभी इन्दौर में जाकर देखें, भोपाल में जाकर देखें और चण्डीगढ में जाकर देखें। माननीय मंत्री जी किसी भी शहर में जाकर देख लें। माननीय मंत्री जी इन्दौर में जाकर देख लें कि वहां पर कैसा हाल है? माननीय मंत्री जी को उदाहरण भी मिलेगा कि वहां पर कैसे मैनटेनैंस और सफाई रखी जाती है?

श्री अध्यक्षः बत्तरा जी, आप केवल अपना सप्लीमैंट्री ही पूछें।

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं पब्लिक इन्टरेस्ट के क्वैश्चन पूछता हूं, इसलिए इनमें मेरा पर्सनल इन्टरेस्ट नहीं होता है। अगर सरकार को यह प्रदेश गंदा रखना है तो भले ही गन्दा रखें।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का विचार बहुत अच्छा है। इसके लिए सरकार कठिन से कठिन कानून बना रही है। लेकिन इसके लिए माननीय सदस्य को खुद भी पालना करवानी चाहिए।

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि यह माननीय मंत्री जी का डिपार्टमैंट नहीं है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए विपक्ष के माननीय सदस्य खुद पालना क्यों नहीं करते हैं?

श्री भारत भूषण बत्तराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इसमें मेरी 2 सप्लीमैंट्री हैं।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि विपक्ष के माननीय सदस्य खुद तो पालना करते नहीं हैं। इनको खुद भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए। इन्होंने सारा हरियाणा प्रदेश गन्दा कर दिया है।

श्री भारत भूषण बत्तरा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि जितने चौराहे हैं, जितनी स्कूल्ज की बिल्डिंग्ज हैं, जितनी कॉलेजिज की बिल्डिंग्ज हैं, जितनी यूनिवर्सिटीज की बिल्डिंग्ज हैं और जितनी दीवारे हैं, उन सभी के ऊपर पोस्टर्ज लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं पोस्टर्ज की बात कर रहा हूं क्योंकि फलैक्सिज तो उतर जाते हैं। किसी एक पार्टी ने एक दिन फलैक्स लगाया तो दूसरे और तीसरे दिन वह उतर जाता है। ये पोस्टर्ज गन्दगी फैलाते हैं। मैं कहना नहीं चाहता कि वहां पर किसी नेता का पोस्टर लगा हुआ है और वह आधा फट्टा हुआ है। ये पोस्टर्ज 3–4 महीने तक लगे रहते हैं।

श्री अध्यक्ष: बत्तरा जी, आप जो विषय रखना चाहते हैं, वह इस बात में आ गया है।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी दो सप्लीमैंट्री पूछनी है। यह बड़ा ही महत्वपूर्ण सवाल है और मैं सरकार के हक में बोलूंगा।

श्री अध्यक्ष : बतरा जी, हक की बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, मैंने आखिरी सप्लीमैंट्री पूछनी है और यह बहुत ही महत्वपूर्ण इशू है। मैं आपसे रिक्वैस्ट करता हूं कि मुझे दो मिनट का समय और दे दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य पढ़े लिखे हैं और वकील भी हैं लेकिन सप्लीमैंट्री पूछने में इतना समय लगायेंगे तो इसका मतलब यह हुआ कि ये समराइज करना तो जानते ही नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा क्वैश्चन यह है कि क्या सरकार इमीडियटली डी.पी.आर. साइट पर अनअथॉराइडज्ड पोस्टर्स बनाने के लिए कब से रोक लगाएगी? मुझे

इस बात का सदन में आश्वासन चाहिए। उसमें सरकार की उपलब्धि होनी चाहिए। वहां पर प्रधानमंत्री जी की भी उपलब्धि होनी चाहिए। वहां पर छुटभईयों के पोस्टर नहीं लगने चाहिए। मुझे इस बात के लिए सदन के अंदर आश्वासन देंगे कि डी.पी.आर. साइट के अंदर कोई भी गलत पोस्टर नहीं लगेगा क्योंकि वह पब्लिक प्रोपर्टी है। मैं यह बात सरकार के हित में कह रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बतरा जी, यह कहना बड़ा मुश्किल है कि कौन छुटभईये हैं और कौन नहीं। यह पता करना बड़ा मुश्किल काम है।

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं यह विषय छेड़ना नहीं चाहता था लेकिन माननीय सदस्य ने एडमिट किया है इसलिए मैं इनको यह बात कहना चाहूंगा कि जिनके घर शीशे के होते हैं वो सीमेंटिड हाउसिज के ऊपर पत्थर नहीं फैंका करते। ये लोग पिछले 50 सालों का रिकॉर्ड उठाकर देख सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) आदरणीय अनिल विज साहब ने ''भारत जोड़ो यात्रा'' का मामला उठाया था । उस यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ताओं द्वारा हमारे जितने भी लीगललाइज पोस्टर्ज लगे हुए थे उन पर अपने पोस्टर्ज लगाने का काम किया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, आप ज्यादा लम्बी बात मत करो क्योंकि अगर आप ऐसा करते हैं तो बाकी लोगों के क्वैश्चन लगने से रह जाते हैं।(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, हमने गुरुग्राम की एडवर्टाइजमैंट के लिए 48 करोड़ रुपये दिये हैं। हमने इसकी पॉलिसी बनाई है और उसको हमने इम्पलीमैंट किया है। इनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ नहीं हुआ लेकिन आज जब हमारी सरकार काम कर रही है तो इनको तकलीफ हो रही है और ये लोग बिना मतलब के शोर मचा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, प्लीज बैठ जायें। बतरा जी आप अपनी बात खत्म करें।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार एक तरफ तो कानून इम्पलीमैंट करती है और दूसरी तरफ गुड गवर्नेंस की बात करती है। मेरा कहना यही है कि कानून को प्रोपर तरीके से इम्पलीमैंट किया जाये।

....

डहीना को उप-मण्डल घोषित करना

***85. श्री लक्ष्मण सिंह यादव: क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि-**

(क) क्या डहीना को उप-मण्डल के रूप में घोषित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो इसके कब तक घोषित किए जाने की संभावना है ?

Deputy Chief Minister (Shri Dushyant Chautala): No, Sir, there is no proposal under consideration of the Government.

श्री लक्ष्मण सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले माननीय उप मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। मैंने पिछली बार भी विधान सभा सत्र में टोल से संबंधित दो मुद्दे उठाये थे, इसमें एक हमारा टोल फ्री हो गया है इसके लिए मैं माननीय उप मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। दूसरा टोल की भी कोई ज्यादा कलैक्शन नहीं है अगर इसको भी टोल फ्री कर दिया जाता है तो मैं इसके लिए माननीय उप मुख्यमंत्री जी का डबल धन्यवाद करता हूं। मेरे क्वैश्चन के जवाब में डहीना को उपमंडल के रूप में घोषित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। पहले हमारा महेन्द्रगढ़ जिला होता था, उसके बाद रेवाड़ी जिला बनाया गया था। जब महेन्द्रगढ़ जिला होता था तो उसमें कनीना, कोसली और डहीना ये तीन बड़े गांव आते थे। दो गांवों में तो सब–डिवीजन बना दिया गया था लेकिन डहीना अभी भी सब–डिवीजन का इंतजार कर रहा है। डहीना गांव स्टेट हाइवे पर स्थित है और बीकानेर की जो रेलवे लाइन है वहां पर डहीना जैनाबाद का एक बड़ा स्टेशन है। इस रेलवे स्टेशन के पास 46 गांवों की मार्केट लगती है, उसमें चाहे वह कारों की एजेंसीज की बात हो और चाहे वह दोपहिया मोटर साइकिलों की एजेंसीज की बात हो।

अध्यक्ष महोदय, वहां पर बड़ा बाजार होने के नाते से आज वहां पर सब–तहसील भी है। पशु अस्पताल भी हैं। वहां पर सी.एच.सी. भी हैं। वहां पर अनेक सुविधाएं हैं जो उप–मंडल के लिए होनी चाहिए इसलिए वह फिजीबल भी है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से उप मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि इस पर विचार करे क्योंकि पिछले दिनों सरकार ने 8 सब–डिवीजन बनाये हैं तो मैं चाहता हूं कि डहीना में भी सब–डिवीजन बनाने का विचार करें। जिससे मुझे लगेगा कि कोसली गांव के साथ न्याय हुआ है। हमारी सरकार को कोसली गांव चार बार आशीर्वाद दे चुका है।

श्री दुष्यंत चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है, पिछले सैशन में भी यह बात आई थी कि नई सब–डिवीजन बनाई जायेगी। पहले गवर्नमैंट ऑफ इडिया की तरफ से लैंड बाउंड्री सील करने के आदेश आये थे जो कि अब अगले साल जून तक डैफर कर दिये गये हैं। उसके लिए हमारे मिनिस्टर्स की एक कमेटी है जो सरकार को इन केसिज को रिकमैंड करती है on the recommendation of Deputy Commissioner. मगर हरियाणा प्रदेश में लैंड बाउंड्री के लिए जो जनसंख्या निर्धारित की गई है वह वर्ष 2021 की जनसंख्या के हिसाब से है। अब पी.पी.पी. का डाटा आ रहा है, प्रोएक्टिव डाटा है। हमें लगभग ये अनुमान आता है कि कितनी जनसंख्या प्रदेश भर के अन्दर और बढ़ी है। किस इलाके के क्षेत्रफल में ज्यादा जनंसख्या है। अब हम एफ.सी.आर. की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एक कमेटी बनायेंगे जो पूरा कैलकुलेशन क्राइटेरिया रि–कन्सीडर करेगी कि एक सब डिविजन, एक तहसील और एक डिस्ट्रिक्ट के अन्दर कितनी पॉपुलेशन होनी चाहिए। कितने गांव, कितनी सब डिविजन होनी चाहिए। जैसे ही कमेटी की रिकमंडेशन आएगी उसके उपरांत माननीय सदस्य की डहीना को सब–डिविजन बनाने की जो मांग है, सरकार उस पर विचार करेगी।

श्री लक्ष्मण सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से डिप्टी. सी.एम. साहब, से निवेदन करना चाहूंगा कि सरकार ने पीछे 8 सब–डिविजन बनाएं हैं। उसमें वर्ष, 2011 की

जनगणना के अनुसार मानेसर की जनसंख्या 23,448 थी। जुलाना की 18,755 थी। नीलोखेड़ी की 16,405 थी। नांगल चौधरी की 8,538 थी। ईसराना की 7,460 थी। कलानोर की 23,319 थी। छछरोली की 9,720 थी। डहीना, जैनाबाद और कवाली जो ज्वाइंट हैं उसकी जनसंख्या भी आज 18,760 बन रही है। यह वर्ष, 2011 की जनगणना के अनुसार भी फिजिबल था और आज भी फिजिबल है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से डिप्टी. सी.एम. साहब, से निवेदन है कि एक कमेटी बनाकर सब–डिविजन बनाने का जो भी सरकार का प्रोसैस है उसके तहत डहीना को भी सब–डिविजन का दर्जा देने का काम करें क्योंकि हमें तो इन्हीं से ही उम्मीद है।

श्री अध्यक्षः यादव जी, मंत्री जी ने आश्वासन दे दिया है, इसलिए आप बैठ जाएं।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उन्होंने जो बात कही है तथा वर्ष, 2011 की जनसंख्या के अनुसार जो आंकड़ें बताए हैं उनमें अधिकतम टाउंनशिप ऐसी हैं जो आज के दिन इंडीस्ट्रियलेशन की तरफ से बहुत ज्यादा विकसित हुई हैं। जैसे भारत में एक अद्भुत कारपोरेशन बनी वह मानेसर है जो गांव से लेकर कमेटी काउंसिल नहीं बनी बल्कि डायरैक्टली कारपोरेशन बनी। सरकार ने उस पर विचार करके सब–डिविजन बनाया। माननीय सदस्य के विचारों को सरकार सीरियसली लेगी और जैसे ही कमेटी की रिपोर्ट आएगी कि नई सब–डिविजन के लिए कितनी पॉपुलेशन होगी, क्या विलेज क्राइटेरिया, क्षेत्रफल क्राइटेरिया होना चाहिए उसके ऊपर हम कंसीडर करेंगे।

....

प्रश्न संख्या–86

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय सदन में माननीय सदस्या श्रीमती नैना सिंह चौटाला उपस्थित नहीं थीं।)

....

वक्फ संपत्तियों की बेदखली

***87. श्री मामन खानः** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे किः-

(क) राज्य में वक्फ बोर्ड द्वारा 12436 पट्टेदार, जो पट्टे की शर्तों के चूककर्ता हैं तथा वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण/अवैध कब्जे में है, के विरूद्ध बेदखली तथा किराए की वसूली के लिए दर्ज मामलों/उन पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में निजी, सरकारी, अर्ध-सरकारी या धार्मिक संस्थानों के अवैध कब्जे वाली 1089 मस्जिदों से अवैध कब्जा हटाने के लिए वक्फ बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई न करने के कारण क्या हैं; तथा

(ग) इन वक्फ संपत्तियों तथा मस्जिदों को चूककर्ता पट्टेदारों तथा अवैध कब्जे से कब तक मुक्त कराया जाएगा ?

@मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): महोदय,

(क) बोर्ड ने मौजूदा डिफॉल्टर लीजधारकों को फील्ड स्टाफ के माध्यम से बोर्ड के नियमों व शर्तों के अनुसार लीज के नवीनीकरण/नियमित करने के लिए पत्र जारी किए हैं तथा स्मरण पत्र भी जारी किए है। 12436 मे से करीब 600 डिफॉल्टर लीजधारकों ने अपनी लीजों का नवीनीकरण करा लिया है। अब बोर्ड डिफॉल्टर लीजधारको के खिलाफ कानूनी नोटिस जारी करते हुए कार्यवाही अमल मे ला रहा है।

(ख) (I) बोर्ड प्रेरक तरीकों/साधनों तथा कानूनी प्रवर्तन के माध्यम से भी मस्जिदों को अवैध कब्जे से खाली/मुक्त करवाने के लिये प्रयासरत है/कोशिश कर रहा है ।

(II) राज्य सरकार वक्फ संपत्तियों के कानूनी कब्जे की बहाली के लिए वक्फ बोर्ड के माध्यम से गहनता/बारिकी से निगरानी करेगी तथा आवश्यक कदम उठाएगी ।

(ग) बोर्ड अवैध कब्जों को हटाने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 और सम्पत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1882 मे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही कर रहा है।

****इस प्रश्न का जवाब संसदीय कार्य मंत्री श्री कंवर पाल द्वारा दिया गया।**

श्री मामन खानः स्पीकर सर, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से प्रश्न है कि 12436 पट्टेदार वक्फ बोर्ड प्रोपर्टीज की पट्टे की शर्तों के डिफॉल्टर्स हैं उनमें से वक्फ बोर्ड के एडमिनिस्ट्रेटर साहब हैं और ऑफिसर्स भी हैं। 600 को तो इन्होंने रिन्यू कर दिया लेकिन 11836 को रिन्यू कौन करेगा। जब हरियाणा में इतना बड़ा डिपार्टमैंट बैठा है तो वक्फ बोर्ड इनके खिलाफ एक्शन क्यों नहीं लेता है और इन्हें नोटिस क्यों नहीं देता है ? अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ये बताएं कि लीज होल्डर पर सरकार कोई लीगल कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है। सरकार कार्यवाही कब तक करेगी और इन प्रोपर्टीज को कब तक खाली करवा दिया जाएगा।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री कंवर पाल): अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2013–14 में एक एक्ट पास किया गया जिसमें वक्फ बोर्ड की जमीन को आगे से लीज पर न देकर बिडिंग के माध्यम से दिया जाएगा ऐसा एक निर्णय लिया गया है। इसके बाद लीज रिन्यूअल बन्द हो गई और उसके कारण 12436 डिफॉल्टर व्यक्ति हो गए। हमारी सरकार ने दिनांक 18.11.2021 को एक इंस्ट्रक्शन जारी की जिसमें मौजूदा लीज हॉल्डर्स की लीज को रिन्यूअल करने का प्रावधान किया गया। इसके बाद दोबारा से लीज रिन्यूअल शुरू हो गई और दिनांक 20.03.2023 तक 1822 मामलों में रिन्यूअल हो चुकी है। माननीय सदस्य ने 1089 मस्जिदों के सरकारी व अर्ध–सरकारी तथा निजी कब्जे की बात कही है जिनमें से 63 मस्जिदें सरकार के विभिन्न कार्यों में प्रयोग की जा रही हैं इसके अलावा बाकी मस्जिदों पर निजी कब्जा है। वहां मस्जिद तो कुछ नहीं है लेकिन जो रेवेन्यू रिकार्ड है वह वहां पर मस्जिद दिखा रहा है। प्रैक्टिकल में वहां पर कोई मस्जिद नहीं है। हमने सभी लीज होल्डर्ज को लीज रिन्यूअल करवाने के लिए 10.01.2022 को एक लैटर भेजा है जिसमें लीज की रिन्यूअल के बारे में कहा गया है। इस लैटर के बाद बोर्ड ने स्मरण पत्र भी सभी को भेज दिये हैं। अगर इन दोनों प्रक्रियाओं के बाद भी लीज होल्डर्ज रिन्यूअल नहीं

करवाते तो उनके खिलाफ लीगल कार्यवाही की जायेगी तथा लीगल नोटिसिज जारी किये जायेंगे। बोर्ड द्वारा उपरोक्त कार्यवाही के साथ–साथ आपसी समझौते से निपटारे की कार्यवाही भी शुरू की गई है। जिसमें आपसी समझौते से अब तक 100 से ज्यादा मस्जिदें हमने खाली करवा ली हैं।

श्री मामन खान : अध्यक्ष जी, मेरा दूसरा क्वैश्चन है कि हरियाणा वक्फ की 1089 मस्जिदों पर सरकारी–गैर सरकारी कब्जा है जिनमें से अधिकतर मस्जिदों को शहीद करके मंदिर, घर और सरकारी ऑफिस बना रखे हैं। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि उन मस्जिदों को खाली करवाकर वक्फ बोर्ड को उनका कब्जा कब तक दिलवाया जायेगा ताकि मुसलमानों को खाली जगह में नमाज न अदा करके मस्जिदों में नमाज अदा करने की सुविधा प्राप्त हो सके। एक बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि यमुनानगर में एक जटाना गांव है जिसकी मस्जिद पर गुरूद्वारे का कब्जा है। उसका वक्फ बोर्ड ने माननीय सुप्रीम कोर्ट से केस जीत लिया था मगर लॉ एण्ड ऑर्डर की सहायता न मिलने की वजह से वक्फ बोर्ड को उसका कब्जा नहीं मिल सका। सर, सरकार के डर की वजह से या किस वजह से उस मस्जिद पर कब्जा करने के केस को वापिस लिया गया। यह भी स्पष्ट किया जाये। क्या सरकार का प्रशासन इतना कमजोर है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना भी नहीं करवा पा रहा है? मैं बताना चाहता हूं कि कैथल में कहीं पर हनुमान मंदिर बन रहा है, कहीं एस.डी. मंदिर बन रहा है और कहीं गुरूद्वारा बन रहा है। इसी प्रकार से सोनीपत में राधा स्वामी सत्संग घर, श्री राम मंदिर, श्री माता मंदिर, फतेहाबाद में इल्लीगल गवर्नमैंट आंगनवाड़ी, इल्लीगल बिश्नोई मंदिर, हिसार में प्राईवेट स्कूल, पटवार खाना और पंचायत घर। सर, मैं

यह कहना चाहता हूं कि इतना अत्याचार सिर्फ मुसलमानों के साथ ही होता है या किसी और कौम के साथ भी इतना अत्याचार होता है? हमारी 1100–1100 मस्जिदों पर कब्जा करने के बाद उनको शहीद करके उन पर अलग–अलग एक्टीविटीज चल रही हैं। मुझको सरकार यह बताये कि इनको कब तक खाली करवाया जायेगा? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि सरकार मुसलमानों के ही खिलाफ है या किसी और धर्म के भी खिलाफ है? मुझे इसका भी जवाब दिया जाये।

श्री कंवर पाल : माननीय अध्यक्ष महोदय, 1947 के बाद जहां से मुसलमान बिलकुल चले गए और उस समय एक बहुत बड़ा एरिया ऐसा हो गया था जहां पर कोई भी मुसलमान नहीं था। ऐसी स्थिति में वहां पर जो मस्जिदें थी वे गिर गई होंगी तो उन पर किसी ने कब्जा भी कर भी लिया होगा। इसमें कोई दो राय नहीं है क्योंकि वहां पर कोई था ही नहीं। ऐसा नहीं है कि किसी ने जाकर मस्जिद के ऊपर कब्जा किया। मस्जिद पुरानी थी वहां पर कोई था ही नहीं वहां से सभी चले गये थे लेकिन उसके बावजूद भी जहां–जहां दिखाया गया हमने आपसी भाई–चारे के साथ बातचीत करके हमने 100 मस्जिदों से कब्जा खाली करवा लिया है। जो छछरौली की बात की गई है वहां पर जो गुरूद्वारा है उसके बराबर में गुरूद्वारा की जमीन थी जिस पर एक विवाद था। वहां पर बाद में झगड़ा भी हुआ लेकिन बाद में बातचीत करके दूसरी जमीन देकर वह सारे का सारा मामला सॉल्व कर लिया गया था। आज वहां पर कोई भी झगड़ा नहीं है। पहले वहां पर झगड़ा था लेकिन वहां पर समाज के दोनों पक्षों के लोगों ने बैठकर आपसी बातचीत से झगड़ा निपटा लिया है। (विघ्न)

श्री मामन खान : अध्यक्ष जी, डिप्टी चीफ मिनिस्टर साहब हाऊस में बैठे हैं मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे 22 फरवरी, 2023 को यह आश्वासन दिया था कि वारिस के केस में दोबारा से एस.आई.टी. गठित करके रेवाड़ी रेंज के आई.जी. से इंक्वॉयरी करवाई जायेगी। ये डिप्टी चीफ मिनिस्टर बतायें कि क्या एस.आई.टी. गठित करने का विचार है या आश्वासन हाऊस में ऐसे ही दिया था।

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) : अध्यक्ष जी, यह अलग विषय है इसलिए इसके लिए विधायक जी को अलग से प्रश्न लगाना चाहिए था। फिर भी मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि इन्होंने मुझे जो वीडियोज और पिक्चर्ज दी थी मैंने उनको होम डिपार्टमैंट को भेज दिया था और वहां से वे आई.जी. रेवाड़ी को इस मामले की इंक्वायरी करने के लिए फॉरवर्ड की जा चुकी हैं। उस दिन माननीय सदन के अंदर मैंने यह जानकारी भी दी थी कि जिसके ऊपर इन्होंने आरोप लगाया था उसको राजस्थान सरकार ने अरैस्ट कर लिया था जिसको बाद में राजस्थान सरकार की तरफ से क्लीनचिट दी जा चुकी है। इसके बाद इन्होंने हाऊस में कुछ एडीशनल डॉक्यूमैंट्स पिक्चर्ज के साथ दिखाये थे। यह मैंने इनको बता दिया है कि इस मामले में आई. जी., रेवाड़ी इंक्वॉयरी करके रिपोर्ट सबमिट करेंगे।

————

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य तथा शिड्यूल्ड कास्ट्स कमीशन के चेयरमैन का अभिनंदन

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज सदन में प्रोफैसर रविन्द्र बलियाला, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व विधायक एवं चेयरमैन, शिड्यूल्ड कास्ट्स कमीशन, हरियाणा अध्यक्ष दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं पूरे सदन की ओर से उनका स्वागत करता हूं।

....

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

राज्य में रोजगार **बढ़ाना**

***88. राव चिरंजीव:** क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे किः-

(क) क्या राज्य में गत आठ वर्षों में बेरोजगारी बढ़ी है; और

(ख) यदि हां, तो राज्य में रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए हैं ?

Chief Minister (Shri Manohar Lal) : Sir, a statement in this regard is laid on the table of the house.

Statement

Sir,

a) The reliable and authentic data source on Employment in the Country and all States/UTs is the Periodic Labour Force Survey (PLFS) which is conducted by National Sample Survey Organisation (NSSO) under the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MOSPI), Government of India. According to the Annual PLFS Report for 2021-22 the latest year for which the report is available Unemployment Rate in Haryana is 9.3%. The figures of unemployment reported for Haryana are as follows:-

Sr. No.	Annual Report	Unemployment Rate(PLFS)
1.	2017-18	8.8 %
2.	2018-19	9.8 %
3.	2019-20	6.7 %
4.	2020-21	6.6 %
5.	2021-22	9.3%

b) The following efforts are being taken to provide employment opportunities and entrepreneurship for youth to make them more employable.

Jobs in Government Sector:

Year	Name of Commission	Filled Post	No. of Vacancies under process
1999 to 2005	HSSC	11,808	
	HPSC	3,317	
	Total	15,125	
2005 to 2014	HPSC	5,424	
	HSSC	58,766	
	HSTSB	20,777	
	HPRB	1,100	
	Total	86,067	
2014 to 2023	HSSC	96,934	35,321
	HPSC	4,059	7,896
	Total	**1,00,993**	**41,217**
***HKRNL** (During 2022-23)		**1,00,014**	

- Government emphasis is to provide a peaceful environment to the Private Sector with Ease of Doing Business with Government. The regulatory framework has been simplified and Private Sector has been encouraged to generate employment. Due to these efforts, following is the employment generated in Private Sector from 2015 onwards:

Sr. No.	Sector/Scheme	Employment
1	Industrial Employment	12,64,765
2	Startup India Scheme	4,119
3	Standup India Scheme	4,235
4	Pradhan Mantri Mudra Yojana	16,85,000
5	Pradhan Mantri Swanidhi Yojana	38,000
6	Saksham Yuva Yojana	1,71,000
7	Antyodaya Utthan Mele	34,000
8	Job Fair	27,516
Total		**32,28,635**

राव चिरंजीव : अध्यक्ष जी, मेरा जो सवाल था वह यह था कि क्या प्रदेश के अंदर पिछले 8 सालों के दौरान बेरोजगारी बढ़ी है? इसका जो जवाब मुख्यमंत्री जी ने दिया है उसमें न "हां" है और न ही "ना" है। जो इन्होंने रिलॉयएबल एण्ड अथैंटिक डाटा दिया है पी.एल.एफ.एस. का अगर उसको भी हम मान लें तो इन्होंने

बताया है कि हरियाणा के अंदर जो बेरोजगारी की दर है वह 9.3 परसैंट है और देश के अंदर वह 4.1 परसैंट है। मतलब इनके डाटा के हिसाब से हरियाणा के अंदर बेरोजगारी देश से डबल है। अगर हम सी.एम.आई.ई का डाटा देखें तो उसमें हरियाणा में बेरोजगारी का परसैंटेज 29.4 है और इंडिया में बेरोजगारी का परसैंटेज 7 है। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री जी की पिछले दिनों की एक स्टेटमैंट भी आई थी कि अगर सी.एम.आई.ई. ने ये गलत डाटा देने बंद नहीं किये तो उनके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। अगर इनको लगता है कि सी.एम.आई.ई गलत और भ्रामक जानकारी दे रही है और उसका डाटा अथैंटिक नहीं है तो इस संस्था के खिलाफ एक्शन क्यों नहीं लिया जाता क्योंकि इनके द्वारा इस प्रकार की जानकारी देने से हरियाणा की इमेज खराब होती है। अभी पिछले दिनों पानीपत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के लिए 6 पोस्टें एडवरटाईज हुई थी। उसके लिए करीबन 10 हजार लोगों ने एप्लाई किया। जो एप्लाई करने वाले लोग थे उन्होंने बी.ए. की हुई थी, एम.ए. की हुई थी, एम.फिल. की हुई थी और पी.एच.डी. भी की हुई थी। जब प्रदेश के ये हालात है कि हमारे इतने पढ़े–लिखे युवा क्लर्क की भर्ती के लिए एप्लाई कर रहे हैं तो इससे साफ पता चलता है कि प्रदेश की जो हालत है वह बेरोजगारी के मामले में बहुत ही ज्यादा खराब है। हरियाणा तो आज पूरे देश में बेराजगारी में नम्बर वन के नाम से जाना जाने लग गया है। मेरा यह मानना है कि मुख्यमंत्री जी को बताना चाहिए कि क्या पिछले 8 सालों में हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है या नहीं बढ़ी है क्योंकि इसमें न तो हां लिखा है और न ही ना लिखा है। इनके डाटा के हिसाब से भी हरियाणा में जो बेरोजगारी की दर है वह पिछले 8 सालों के दौरान बढ़ी है।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है कि जवाब नहीं दिया है। यह तो केवल हां या ना में ही जवाब चाह रहे थे। हमने हां या ना के बजाये आंकड़ा दिया है और उस आंकड़ें से स्पष्ट होता है कि दिसम्बर, 2014 में ये जो आंकड़ा था 7.86 लाख आवेदक का था और फरवरी, 2023 में यह आंकड़ा घटकर 6.46 हो गया है। अब 6.46 और 7.86 में कोई भी अनुमान लगा सकता है कि बड़ा कौन सा है और छोटा कौन सा है? प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है या घटी है इसलिए जब आंकड़ा दे दिया तो बढ़ी है या घटी है इसकी हां या ना में जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। मैंने तो इनके सवाल का और विस्तृत जवाब दे दिया है। इसी प्रकार अगर इस तुलना के मामले में मैं और पीछे चला जाऊं तो वर्ष 2009–10 में 8.7 परसैंट था। यह आंकड़ा हम नहीं बनाते हैं। यह आंकड़ा किसी के द्वारा बनाया हुआ नहीं है। यह आंकड़ा पी.एल.एफ.एस. का आंकड़ा है। पी.एल.एफ.एस. का आंकड़ा बहुत से सोर्सिज से इक्ट्ठा करके उसके बाद गवर्नमैंट ऑफ इंडिया के स्तर पर दर्ज किया जाता है। जब यह आंकड़ा वर्ष 2009–10 में 8.7 परसैंट था उसके बाद यह 7.86 परसैंट हुआ। आज यह 6.46 परसैंट है। इस हिसाब से तो लगातार बेरोजगारी दर घट रही है और केवल इसी के हिसाब से मैं नहीं बताउंगा। मैं इसमें बताउंगा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (विघ्न) भी हर साल अपने आंकड़ें छापता है जो यहां पर 9.3 परसैंट लिखा है यह रिजर्व बैंक का 8.1 परसैंट है। अब कुछ आंकड़ें ऐसे होते हैं जो अलग–अलग एजेंसी के अलग–अलग होते हैं क्योंकि कोई ऐसा फॉर्मूला तो है नहीं जिसमें एक दम से सारा कुछ देख लिया जाए और छाप दिया जाए। जहां तक सी.एम.आई.ई. की बात है तो सी.एम.आई.ई. के डाटा लगातार चेंज होते रहते हैं। मैंने आपको सी.एम.आई.ई. के डाटा में से ही बताया था कि

वर्ष 2017 के एक महीने में हरियाणा का बेरोजगारी आंकड़ा टू प्वायंट समथिंग प्रतिशत था जबकि बाकी जगह यह बेरोजगारी आंकड़ा टू प्वायंट समथिंग नहीं है लेकिन फिर भी उन्होंने ये छाप दिया। आज वे कभी 34 प्रतिशत छापते हैं, कभी 24 प्रतिशत छापते हैं यानि एक–एक महीने में 10 प्रतिशत का अन्तर। उसका कारण क्या है कि उनका डाटा सैम्पल जो है वह बहुत छोटा होता है क्योंकि उनका पूरे प्रदेश का 5 हजार आदमियों का डाटा सिम्पल होता है। अब एक तो 5 हजार आदमियों का डाटा है और एक तरफ हमारी इम्प्लायेबल पॉपुलेशन ही 1 करोड़ 86 लाख है। अगर वे 1 करोड़ 86 लाख में से 5 हजार आदमियों से पूछकर डाटा का हिसाब किताब करेंगे तो प्रतिशतता कहीं की कहीं जाएगी। उन्होंने किस मोहल्ले में पूछा, किस से पूछा, किस वर्ग से पूछा, रास्ते में चलते हुए आदमी से पूछा और फिर इम्प्लाईड से पूछा और अन–इम्प्लाईड से पूछा। अगर हम एक सैक्शन अण्डर–इम्प्लाईड को देखें तो एक वर्ग ऐसा है जिसको इम्प्लाईमैंट अपनी क्वालिफिकेशन के हिसाब से नहीं मिलता है, उसको कम मिलता है क्योंकि आवश्यकता के हिसाब से वह ज्वाइन भी कर लेता है। अब वह तो कहेगा कि मैं अन–इम्प्लाईड हूं लेकिन हमारे हिसाब से वह इम्प्लाईड हो गया। वास्तव में वह अण्डर इम्प्लाइड होता है जिसकी इच्छा यह है कि मैं आगे बढ़ूं। जैसा हम देखते हैं कि कोई भी जब एडवरटाईजमैंट होती है। उस एडवरटाईजमैंट में जैसा हमने बताया कि ग्रुप–सी की, ग्रुप–डी की, ग्रुप–बी की वकैन्सीज निकाली हैं तो उसमें लाखों लोग आते हैं। अब जैसे हमने ग्रुप–डी की 18 हजार नौकरियां दी थी। उसके लिए हमको भी पता है कि पोस्ट ग्रेजुएट लोग भी आए थे, ग्रेजुएट भी आए थे लेकिन हमने उसमें मिनिमम क्वालिफिकेशन तो 10वीं रखी थी। अब 10वीं से ऊपर के सबके सबके लोग आगे किसी भी भर्ती के लिए फार्म तो भरेंगे ही भरेंगे। अब हम उन सभी को अन–इम्प्लाईड तो नहीं कह सकते, उनको हम सैमी यानि अण्डर इम्प्लाईड कह सकते हैं। अण्डर इम्प्लाइड वर्ग एक बहुत बड़ा वर्ग है लेकिन इम्प्लाईमैंट के नाते हमने जितने भी प्रयत्न किये हैं उन प्रयत्नों में मैं आपको बता सकता हूं कि सरकारी नौकरियों के अन्दर

जैसे वर्ष 1999 से 2005 तक पांच साल में 15 हजार सरकारी नौकरियां दी गई थी। वर्ष 2005 से 2014 तक दस साल में 86 हजार सरकारी नौकरियां दी गई थी और हमने आठ साल में 1 लाख 993 नौकरियां दी हैं। (विघ्न) लेकिन वर्ष 2005 से 2014 तक के दस साल में 86 हजार सरकारी नौकरियां दी गई थी।

श्री बलराज कुंडु : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सी.ई.टी. में कितने इम्प्लाईड ने अप्लाई किया था उनकी प्रतिशत्ता कितनी थी?

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो कह रहा हूं कि सी.ई.टी. में 11 लाख इम्प्लाईड ने अप्लाई किया था। (विघ्न) मैंने उसका जवाब पहले ही दे दिया है कि जो सी.ई.टी. में अप्लाई करते हैं।(विघ्न) मैंने उसका जवाब दे दिया है। अण्डर इम्प्लाईड अपने आप में अन–इम्प्लाईड ही कहता है।

श्री बलराज कुंडु : अध्यक्ष महोदय, ***–––––(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कुंडु जी, प्लीज आप बैठ जाइये। अगर आप बिना इजाजत के खड़े होंगे तो आपकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं होगी। (विघ्न) आपकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं होगी। (विघ्न)

श्री बलराज कुंडु : अध्यक्ष महोदय, ***–––––(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बलराज कुंडू जी, की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं रिकॉर्ड से कह रहा हूं। (विघ्न) मैंने बता दिया है आप सुनिये। मैंने इसको पहले ही बता दिया है। (विघ्न)

श्री बलराज कुंडु : अध्यक्ष महोदय, ***–––––(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कुंडु जी, ऐसा हल्ला डालने से क्या फायदा।(विघ्न) आप बैठ जाइये। आप जो बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड नहीं हो रहा है।(विघ्न) आपको मैंने पहले ही यह बात बता दी है।

––––––––––––––––––––––––––––––––––––

***चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।**

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले से ही बता दिया है कि जो फार्म भरने वाले होते हैं वे सभी के सभी अन–इम्प्लाइड नहीं होते हैं। उसमें एक बहुत बड़ा वर्ग अण्डर इम्प्लाईड होता है और अण्डर इम्प्लाइड वह भी है जो आज प्राईवेट नौकरी कर रहा है। एक प्राईवेट नौकरी वाले की भी इच्छा रहती है कि मैं सरकारी नौकरी में जाऊं। प्राईवेट नौकरी वाला भी इम्प्लाईड तो है लेकिन वह कहीं कम सैलरी पर है। उसकी वहां सुरक्षित नौकरी नहीं है लेकिन सरकारी नौकरी सुरक्षित नौकरी है। (विघ्न)

Shri Bharat Bhushan Batra : How can you presume it ?

श्री अध्यक्ष : बतरा जी, यह प्रैक्टिकल है। यह कोई फॉर्मूला थोड़ी है, यह तो प्रैक्टिकल है।(विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इसका आंकड़ा बता रहा हूं। सैल्फ डैक्लरेशन से बड़ा तो कोई सर्टिफिकेट नहीं है।(विघ्न) बतरा जी, आप जाकर चाहे उसकी छानबीन कर लीजिए। अध्यक्ष महोदय, एक आंकड़ा तो हमने हर व्यक्ति से पूछा है कि आप क्या करते हैं? किसान ने बताया कि मैं किसान हूँ और जो प्राईवेट नौकरी करता है उसने बताया कि मैं प्राईवेट नौकरी करता हूँ। जैसे मैंने बताया कि 181 लाख लोगों में से एम्पलॉयेबल संख्या में हाउस वाईफ की संख्या और स्टूडैंट्स की संख्या को नहीं मानते हैं, यह 1.80 लाख रुपये तक से नीचे की आय के बारे में बता रहा हूँ, तो बेरोजगारों की टोटल संख्या 10 लाख 46 हजार हैं। इन्होंने अपने–आप कहा कि मैं बेरोजगार हूँ। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास एक–एक व्यक्ति का डाटा है। मुझे 10 परिवारों का डाटा का सर्वेक्षण करके दीजिए, हमें बताइये कि यह गलत बताया गया है। गलत इंफॉर्मेशन की भी उसकी स्वयं की जिम्मेवारी है। हम 'परिवार पहचान पत्र' में संबंधित डॉक्यूमैंटस पर व्यक्ति से स्वयं हस्ताक्षर करवाते हैं। उसके बाद ही उसके डाटा को अपलोड करते हैं। यदि कोई अपना डाटा गलत बतायेगा तो उसको बतायेंगे कि आपने गलत जानकारी दी है।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, यह जो सी.एम.आई.ई. जैसी एजेंसी है, इतना भ्रमित करती हैं बेरोजगारी की दर 29 परसैंट व कुछ–कुछ और बताती रहती है तो इनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती है?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो यह है कि प्राईवेट एजेंसी का कोई औचित्य नहीं होता है।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इन एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं कई बार बता चुका हूँ कि श्री शाहा, उस एजेंसी के सी.ई.ओ. हैं। मैं यह भी बताना चहाता हूँ कि श्री शाहा, कांग्रेस पार्टी के मैनिफेस्टो कमेटी के सदस्य भी रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, चाहे वे किसी भी पार्टी के मेनिफेस्टो के सदस्य रहे हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिये। (विघ्न)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने रोजगार बढ़ाने के लिये कई स्टैप्स उठायें हैं। सरकारी आंकड़ों का भी डाटा बता दिया गया है। सरकारी भर्ती के अलावा हमने सक्षम युवा स्कीम भी चलाई है। बेरोजगार व्यक्तियों को 100 घंटे वाली स्कीम के अंदर काम दिया है। इसी प्रकार से हमने ग्रेजुएट पास विद्यार्थियों को और 10+2 पास विद्यार्थियों को इस स्कीम के अंदर लिया। आज 1 लाख से ऊपर ऐसे लोग हैं जो इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। जिन्होंने एप्लाई किया वे 3.96 लाख थे और जिन्होंने इसका लाभ उठाया वे 1.75 लाख है, लेकिन उसमें से काफी लोग अपनी नौकरी छोड़कर दूसरी नौकरी में चले गये हैं। अध्यक्ष महोदय, पोस्ट–ग्रेजुएट 54 हजार, ग्रेजुएट 85 हजार और 10+2 पास 35 हजार स्टूडेंट्स हैं, जिन्होंने इस योजना का लाभ उठाया है। इसी प्रकार हरियाणा स्किल डिवैल्पमैंट मिशन में भी सक्षम योजना को छोड़कर एक लाख लोगों की स्किलिंग करवाकर उनको प्राईवेट सैक्टर में जॉब दिलवाई है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्राईवेट जॉब का विषय है। (विघ्न)

श्री भारत भूषण बतरा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ये सारी बातें अपने रिप्लाई में दे दें तो अच्छा है क्योंकि प्रश्न काल का समय व्यतीत हो रहा है। (शारे एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य इस संबंध में प्रश्न ही न पूछे। यदि प्रश्न पूछ ही लिया है तो उसका सारा रिप्लाई देना ही पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष को वो बातें बताऊँगा जो कभी उन्होंने सोची भी नहीं होगी। पिछले 8 साल में 1264 हजार लोगों को रोजगार दिया गया है। इस हिसाब से लगभग 32 लाख लोगों को पिछले 15 सालों में काम मिला है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: सीता राम जी, आप अपना प्रश्न पूछिए।

राव चिरंजीव: अध्यक्ष महोदय, मेरा एक छोटा सा सप्लीमैंट्री प्रश्न है। मैंने एक भी प्रश्न नहीं पूछा है। इस हिसाब से मेरा एक सप्लीमैंट्री पूछने का तो हक बनता ही है।

श्री अध्यक्ष: राव जी, इस प्रश्न पर सप्लीमैंट्री बहुत हो गई है, कृपया करके आप बैठ जाइये।

राव चिरंजीव: अध्यक्ष महोदय, मुझे केवल एक सप्लीमैंट्री प्रश्न पूछने के लिये अलाउ कीजिए। मेरा प्रश्न यह है कि जिन बेरोजगारों की पकौड़े की दूकान हैं, क्या वे भी इसमें शामिल हैं?

श्री अध्यक्ष: राव जी, प्लीज आप बैठ जाइये, आपकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं होगी।

....

बाई–पास का निर्माण करना

***89. श्री सीता राम यादव: क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगें कि क्या कनीना में बाई-पास का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?**

Deputy Chief Minister (Shri Dushyant Chautala) : No Sir.

श्री सीता राम यादव: अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ से कनीना स्टेट हाई–वे है। मैंने इस संबंध में पिछले सत्र में भी मांग उठाई थी कि इस रोड को चारमार्गीय बनाया जाये। माननीय उप मुख्यमंत्री महोदय ने आश्वासन भी दिया था कि इसका सर्वे करवा लेंगे और इस रोड को

चारमार्गीय बनाने का काम करेंगे। माननीय उप मुख्यमंत्री महोदय ने उसी समय सर्वे भी करवाया था। उस रोड पर वाहनों की संख्या भी बहुत ज्यादा होती है। अध्यक्ष महोदय, मेरी डिमाण्ड है कि कनीना में बाईपास का निर्माण जल्दी से जल्दी करवाया जाये।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है वह कंट्राडिक्टरी है। माननीय सदस्य ने पहले इस रोड को चारमार्गीय करने की बात कही थी। फिर शहर के अंदर व्हीकल्ज ट्रैफिक ज्यादा होने की बात कही है। इस रोड को चारमार्गीय बनाने के लिये एस्टीमेट्स बन रहे हैं। उसकी डी.पी.आर. कम्पलीट होने के बाद जो शहर का एम.सी. का एरिया है उसको भी लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग टेक ओवर करके चारमार्गीय बनाने का काम करेगा। जहां आज का सवाल कनीना में बाइपास निर्माण की बात है, आज के दिन वहां इतना ज्यादा ट्रैफिक नहीं है कि शहर को वहां बाईपास की जरूरत हो। मगर भविष्य की एक्सपैंशन देखते हुये अगर आज हम ई–भूमि पोर्टल पर लैंड एक्वॉयर करके विचार करते हैं तो सरकार के भविष्य में जरूर पैसे बचते हैं और शहर को डिवैल्पमैंट के लिये और ट्रैफिक लोड को डायवर्ट करने के लिये जरूर उसका लाभ मिलता। जो हमने पीछे ट्रैफिक की डेंसिटी निकलवाई थी उसकी रिपोर्ट को देखकर कंसीडर करते हुए अगर डिपार्टमैंट केस पुटअप करेगा तो जरूर ई–भूमि पोर्टल के ऊपर इसे डलवायेंगे। मैं चाहूंगा कि माननीय संबंधित सदस्य भी इसको फॉलो–अप कर लें कि वहां पर लैंड अवेलेबल टाइमली हो जाये। यदि वहां पर लैंड अवेलेबल हो जायेगी तो जरूर इस पर विचार करेंगे। सरकार ने अपने बजट स्पीच में भी 14 नये बाईपासिज की घोषणा की है। इस प्रकार सरकार एक और बाईपास बनाने में परहेज नहीं करेगी।

पानी की निकासी की स्थायी योजना

***90. श्री जयवीर सिंह:** क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या खरखोदा शहर में पानी की निकासी करने की स्थायी योजना का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी मंत्री (डॉ. बनवारी लाल): हाँ श्रीमान जी, खरखौदा शहर में बरसाती पानी की निकासी की योजना सरकार के विचाराधीन है। इसके लिए 425.54 लाख रुपये का अनुमान तैयार किया गया है जो कि तकनीकी जांच के अधीन है।

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, खरखौदा में पानी खड़ा होने की रेगुलर समस्या है। सोनीपत, सांपला और दिल्ली रोड पर हमेशा पानी भरा रहता है। हम यहां पर स्थाई तौर पर निकासी चाहते हैं। यह वर्क कब तक कम्पलीट हो जायेगा? खरखौदा शहर के लिये यह बहुत बड़ी समस्या है।

डॉ. बनवारी लालः अध्यक्ष महोदय, पहले जो इसका एस्टीमेट्स बनकर आया था उसमें कुछ खामियां थी। उसको दोबारा से भेजकर मूल्यांकन किया जा रहा है। जितना जल्दी वहां से इसका एस्टीमेट्स बनकर आ जायेगा उसको एप्रूव करेंगे और इस वर्क को जल्दी से जल्दी शुरू करवायेंगे।

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसके लिये कोई समय–सीमा तो निर्धारित होनी चाहिये। सरकार के एस्टीमेट्स बनकर आते हैं और फिर दोबारा से भेजे जाते हैं, विभाग का सिर्फ यही काम रह गया है। माननीय मंत्री जी ने इसके लिये कोई समय–सीमा तो निर्धारित कर रखी होगी? वह भी सदन को बताई जाये।

डॉ. बनवारी लालः अध्यक्ष महोदय, इसका एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल आने के बाद ही उसका टाइम सैट किया जा सकता है। हम इस वर्क को जितना जल्दी होगा, जरूर करवायेंगे।

गांव भागल में महाग्राम योजना

***91. श्री ईश्वर सिंह:** क्या जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या यह तथ्य है कि गुहला विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र के गांव भागल में महाग्राम योजना के अंतर्गत सैद्धांतिक स्वीकृति होने के बावजूद योजना लंबित पड़ी है; तथा

(ख) यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं तथा उपरोक्त योजना के कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है?

जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी मंत्री (डॉ0 बनवारी लाल): स्पीकर सर,
(क) नहीं, श्रीमान्। जलापूर्ति के उन्न्यन के लिए निविदा आवंटित की जा चुकी है जबकि सीवरेज प्रणाली प्रदान करने और मल उपचार संयंत्र के निर्माण के लिए निविदाएं मूल्यांकन के लिए खोली जा चुकी है और 30 अप्रैल, 2023 तक आवंटित किए जाने की संभावना है।

(ख) जलापूर्ति और सीवरेज योजना प्रदान करने के कार्य को 31.08.2024 तक पूर्ण करने की संभावना है।

श्री ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने 3 अप्रैल, 2023 तक तो सीवरेज प्रणाली प्रदान करने और मल उपचार संयंत्र के निर्माण की बात कही है । उसके बाद जलापूर्ति और सीवरेज योजना प्रदान करने के कार्य को 31.08.2024 तक पूरा करने का समय क्यों बताया जा रहा है ? यह बात तो मैं मान गया कि इसमें टैण्डर हो गए हैं परंतु एक साल के अन्दर क्या–क्या प्रावधान किये जाएंगे ? उसमें सीवरेज की कोई अलग विंग बनाई जाएगी या फिर इसी को लागू करेंगे ?

डॉ. बनवारी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह इंजीनियरिंग वर्क है और इसमें समय लगता है । ऐसा नहीं है कि एक ही दिन में एस.टी.पी. बन जाएगा, उसका नैटवर्क भी डाला जाएगा और वाटर वर्क्स भी बनाए जाएंगे । इन कामों में समय लगता है ।

श्री ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, अगर सीवरेज योजना प्रदान करने के लिए एक साल का समय लगेगा तो फिर मल उपचार संयंत्र के बनाये जाने का क्या फायदा होगा ? इन्हें एक–साथ तीन टैण्डर निकालकर साथ–साथ ही बना देना चाहिए क्योंकि इसमें एक साल का गैप है । इसमें पहले सड़क, गली और नालियों को तो तोड़ देंगे उसके बाद एक साल तक वे वैसे ही टूटी हुई पड़ी रहेंगी ।

श्री अध्यक्ष : ईश्वर सिंह जी, माननीय मंत्री जी ने कार्य के पूरा होने का समय भी बताया है ।

श्री ईश्वर सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस बात को आप भी नहीं समझे । 31.08.2024 को तो इस कार्य की शुरूआत होगी ।

डॉ. बनवारी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह कम्पलीशन का टाइम है । यह कार्य शुरू तो जल्द ही हो जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : ईश्वर सिंह जी, यह कम्पलीशन का टाइम है । माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है ।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

भूमि के लिए समान सर्कल रेट प्रदान करना

***92. श्री कुलदीप वत्स:** क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या सोनीपत से गुरुग्राम तक रेलवे लाइन बिछाने के कार्य के लिए के. एम. पी. हाईवे के साथ लगती जमीन, जिसे अधिग्रहित किया जाना है, के लिए समान सर्कल रेट प्रदान करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; तथा

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) : स्पीकर सर, तथा (ख) नहीं श्रीमान जी।

महाविद्यालय का निर्माण कार्य आरम्भ करना

***93. श्री सुभाष सुधाः** क्या पशुपालन और डेयरी मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) क्या यह तथ्य है कि थानेसर के गांव भिवानी खेड़ा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा वी.एल.डी.ए. डिप्लोमा महाविद्यालय का निर्माण करवाया जाना है जिसके लिए ग्राम पंचायत द्वारा लगभग 10 एकड़ भूमि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार को हस्तांतरित कर दी गई है; तथा

(ख) यदि हाँ, तो उक्त महाविद्यालय का निर्माण कार्य आरम्भ न किए जाने के कारण क्या हैं तथा इसके कब तक निर्मित किए जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री (जय प्रकाश दलाल) : स्पीकर सर,

(क) हाँ, श्रीमान् जी। कुरूक्षेत्र जिले के भिवानी खेड़ा गांव में लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार से मान्यता प्राप्त एक राजकीय वी.एल.डी.ए. डिप्लोमा महाविद्यालय खोलने का प्रस्ताव है।

(ख) भिवानी खेड़ा गांव, कुरूक्षेत्र की ग्राम पंचायत द्वारा लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार को 10 एकड़ 04 कनाल 17 मरला भूमि दिनांक 09.03.2022 को 33 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर दी गई है। उक्त भूमि की निशानदेही दिनांक 20.12.2022 को पूर्ण कर ली गई है।

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार द्वारा निर्धारित प्रारूप में परियोजना प्रस्ताव सरकार को विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होने उपरांत उक्त महाविद्यालय के भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

सरपंच का चुनाव न करवाने के कारण

***94. श्री प्रदीप चौधरीः** क्या विकास एवं पंचायत मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) क्या यह तथ्य है कि ब्लॉक रायपुर रानी के गांव मीरपुर में बीसी–ए श्रेणी के लिए आरक्षित सरपंच पद का चुनाव नहीं करवाया गया है; यदि हां, तो उसके कारण क्या है; तथा

(ख) क्या चुनाव न करवाने के लिए कोई जिम्मेवारी निर्धारित की गई है?

विकास एवं पंचायत मंत्री (देवेन्द्र सिंह बबली): स्पीकर सर,

(क) हां, श्रीमान, ग्राम पंचायत मीरपुर खण्ड रायपुररानी के सरपंच पद के लिए चुनाव नही हो सका क्योंकि इस पद के लिये कोई नामांकन पत्र दाखिल नही किया गया ।

(ख) नही, श्रीमान, क्योकि कोई नामांकन पत्र प्राप्त नही हुआ, अतः चुनाव न करवाये जाने की जिम्मेवारी निर्धारण करने का प्रश्न उत्पन्न नही होता।

....

अंडरपासों की दोनों निकासियों पर शैड लगाना

***95. श्री इन्दु राज:** क्या उप मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या यह तथ्य है कि बड़ौदा निर्वाचनक्षेत्र से गुजरने वाली रेलवे लाइन के अंडरपासों में वर्षा ऋतु में पानी एकत्रित हो जाता है जिसके कारण ग्रामवासियों को अन्य गावों में आवागमन में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है; तथा

(ख) क्या ठसका से माहरा, मुण्डलाना से सिरसाध (36), मुण्डलाना से सिवानका (38), मुण्डलाना से बाधोती (41), सैनीपुरा से महमूदपुर (34), भैंसवाल गांव में रोहतक से पानीपत सड़क तथा गोहाना से महमूदपुर के अंडरपासों की दोनों निकासियों पर शैड लगाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला) : (क) तथा (ख) श्रीमान जी, सभी सात अंडरपास का निर्माण और रखरखाव रेलवे द्वारा किया जा रहा है। पानी जमा होने की स्थिति में पानी निकालने की जिम्मेदारी रेलवे की है। उचित कार्रवाई के लिए इस मुद्दे को रेलवे के साथ उठाया जाएगा।

सेम की समस्या का समाधान करना

***96. श्री अभय सिंह चौटाला :** क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) राज्य में उन क्षेत्रों के नाम क्या हैं जो 'सेम' की समस्या से प्रभावित है तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है; तथा

(ख) उपरोक्त समस्या का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा क्या पग उठाए गए हैं तथा उनका जिलावार ब्यौरा क्या है?

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

सूचना

(क) श्रीमान जी, भू-जल कोष अनुभाग द्वारा उपलब्ध करवाए गए जून, 2020 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में लगभग 982740 एकड़ क्षेत्र जल-भराव और लवणता की दोहरी समस्या से प्रभावित है,जिसमें से लगभग 174470 एकड़ क्षेत्र में (जल स्तर 0-1.5 मीटर) स्थिति गंभीर है। समस्या की प्रकृति तथा विस्तार अनुसार जल-भराव की समस्या से उप स्तहीय निकासी (एस0 एस0डी0) तथा ऊध्र्वाधर निकासी (वी0डी0) तथा जैविक निकासी एवं मछली पालन प्रणालियों द्वारा निपटा जा सकता है तथा प्रभावित क्षेत्र 3-4 वर्षों के भीतर सुधारा जा सकता है। इस समस्या से अधिकतर प्रभावित क्षेत्र रोहतक, झज्जर, सोनीपत तथा भिवानी जिलों के अन्तर्गत पड़ता हैं, उसके बाद जिला हिसार, जीन्द, फतेहाबाद, सिरसा, पलवल और नूंह आदि आते हैं। वर्षा तथा फसल चक्र के अनुसार वास्तुस्थिति में उतार-चढ़ाव होता रहता है। हरियाणा में जल भराव के क्षेत्र का जिलावार विवरण अनुलंग्नक ''क'' में दिया गया है।

(ख) माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा जल-भराव और लवणीय भूमि के सुधार करने की घोषणा की गई, जिसका क्रियान्वयन वर्ष 2021-22 व आगे आने वाले वर्षों में किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा दिनांक 27-12-2021 को किसानों से उनकी जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि के सुधार हेतू इच्छा जानने के लिए एक वेब पोर्टल "सेम एवं कल्लर भूमि सुधार योजना'' का शुभारंभ किया गया, जिसके अन्तर्गत अब तक 4355 किसानों ने पोर्टल पर 25426 एकड भूमि में सुधार कराने की इच्छा जाहिर की है तथा केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सी0एस0एस0आर0 आई0), करनाल द्वारा प्रभावित क्षेत्र के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी पी

आर) बनाई जा रही है। हरियाणा में जल ग्रस्त एवं लवणीय भूमि का सुधार कार्य वर्ष 1996 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी तकनीक द्वारा पिछले 24 वर्षों में केवल 28100 एकड़ क्षेत्र का सुधार किया गया। चालू वित वर्ष के दौरान 25000 एकड़ क्षेत्र के सुधार का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी प्रणाली द्वारा 20839 एकड़ क्षेत्र का पहले ही सुधार किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) के माध्यम से भूमि सुधार कार्य करने के लिए विभाग तीन ट्रैंचिंग मशीनों का उपयोग कर रहा है। इसके अतिरिक्त गम्भीर रूप से प्रभावित क्षेत्र को उप स्तहीय जल निकासी तकनीक (एस0एस0डी0) द्वारा सुधार करने के लिए विभाग पांच नई ट्रैंचिंग मशीन खरीदने जा रहा है। राज्य में जल-ग्रस्त क्षेत्र में किए गए सुधार का जिलावार विवरण अनुलंग्नक ''ख'' में दिया गया है।

अनुलग्नंक -क

राज्य में जिला वार भूजल स्तर की विवरण तालिका, जून-2020

क्र0स0	जिले का नाम	भौगोलिक क्षेत्र (एकड़)	जलभराव क्षेत्र (एकड़)			क्षेत्र प्रतिशत
			0-1.5 (मीटर)	1.5-3.0 (मीटर)	कुल	
1	रोहतक	436250	49810	218370	268180	61.47
2	झज्जर	458500	35465	151460	186925	40.77
3	सोनीपत	530500	20070	154745	174815	32.95
4	भिवानी	853250	5000	107570	112570	13.19
5	हिसार	995750	2218	68792	71010	7.13
6	जींद	675500	19912	42717	62629	9.27
7	चरखी दादरी	341250	5258	27350	32608	9.56
8	फतेहाबाद	634500	2950	8540	11490	1.81
9	अम्बाला	393500	2755	12838	15593	3.96
10	गुरूग्राम	314500	0	2755	2755	0.88
11	सिरसा	1069250	7722	11733	19455	1.82
12	पलवल	339750	1183	1400	2583	0.76
13	करनाल	630000	0	0	0	0.00
14	पानीपत	317000	0	0	0	0.00
15	कैथल	579250	0	0	0	0.00
16	कुरूक्षेत्र	382500	0	0	0	0.00

17	यमुनानगर	442000	6264	0	6264	1.42
18	मेवात	376750	15863	0	15863	4.21
19	रेवाड़ी	398500	0	0	0	0.00
20	महेन्द्रगढ़	474750	0	0	0	0.00
21	फरीदाबाद	185250	0	0	0	0.00
22	पचंकूला	224500	0	0	0	0.00
	कुल	**11053000**	**174470**	**808270**	**982740**	**-**
	राज्य प्रतिशत	**100**	**1.58**	**7.31**	**8.89**	**-**

अनुलग्नंक -ख

वर्ष 2022-23 के दौरान उप स्तहीय तथा ऊध्र्वाधर जल निकासी प्रणाली द्‌वारा सुधार किए गए क्षेत्र का विवरण :-

क्र0 सं0	जिला	गांव	क्षेत्र (एकड़)	अपनाई गई तकनीक
1	सिरसा	सिरसा	1445	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		निरबाण	740	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		नाथूश्री कलां और खुर्द	2625	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		रूपाना	775	ऊध्र्वाधर जल निकासी
2	भिवानी	भिवानी	600	ऊध्र्वाधर जल निकासी
3	सोनीपत	सोनीपत	2800	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		बिलबिलान	223	उप-स्तहीय जल निकासी
		आहूलाना	440	उप-स्तहीय जल निकासी
		कथुरा	630	उप-स्तहीय जल निकासी
4	रोहतक	रोहतक	2000	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		बसंतपुर	100	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		बालंद	500	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		बखेता	450	ऊध्र्वाधर जल निकासी
5	हिसार	हिसार	1050	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		सातरोड खास	350	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		सातरोड कलां	475	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		डाटा	300	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		गुराणा	1125	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		मिर्जापुर	980	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		खोखा	508	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		खरकरी	675	ऊध्र्वाधर जल निकासी
		सुल्तानपुर	250	ऊध्र्वाधर जल निकासी
6	फतेहाबाद	फतेहाबाद	1050	ऊध्र्वाधर जल निकासी
7	जींद	जींद	248	उप-स्तहीय जल निकासी
8	गुरूग्राम	गुरुग्राम	500	ऊध्र्वाधर जल निकासी
	कुल		**20839**	ऊध्र्वाधर जल निकासी

निर्मित दो मंजिला दुकान को नियमित करने के लिए नीति बनाना

***97. श्री असीम गोयल नन्योला :** क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या सरकार सैक्टर 1 (जेल लैंड) अम्बाला शहर की निर्मित डी.एस.एस. (दो मंजिला दुकान) के नियमित करने के लिए लिए कोई नीति बना रही है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता): नहीं श्रीमान जी, वर्तमान में अम्बाला शहर के सैक्टर 1 (जेल भूमि) के निर्मित डीएसएस (दो मंजिला दुकान) के नियमितीकरण के लिए नीति बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

....

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रुप में दर्जा बढ़ाना

***98. श्री संजय सिंह :** क्या स्वास्थ्य मंत्री कृपया बताएंगे कि–

(क) क्या गांव भोंडसी के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा बढ़ाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है क्योंकि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत पड़ने वाले क्षेत्र की आबादी 1 लाख से अधिक है; तथा

(ख) यदि हां, तो इसका दर्जा कब तक बढ़ाए जाने की संभावना है ?

स्वास्थ्य मंत्री (अनिल विज): (क) नहीं, श्रीमान जी ।

(ख) भाग (क) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

....

अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को छात्रवृत्ति देना

***99. श्री आफताब अहमदः** क्या मुख्यमंत्री यह कृप्या बताएंगे कि–

(क) क्या हरियाणा में राज्य/केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित छात्रों को कोई विशेष सुविधाएं,छात्रवृत्ति तथा प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है;तथा

(ख) यदि हां, तो गत् 10 वर्षों के दौरान राशि के साथ छात्रों के नाम सहित सूची का जिलावार ब्यौरा क्या है?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : श्रीमान जी, उतर इस प्रकार से है–

(क) हरियाणा राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए तीन अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाएं– प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक और मेरिट–कम–मीन्स चल रही हैं । योजनाएं 100% केंद्र प्रायोजित योजनाएं हैं।

(ख) सभी तीनों छात्रवृत्ति योजनाओं के वर्षवार विवरण की मात्रा बहुत अधिक है जोकि विभाग कीर वैबसाईट पर https://sewa. haryana.gov.in/minorities-welfare/ उपलब्ध करवाया जा रहा है।

पुलिस स्टेशन खोलना

***100. श्री शमशेर सिंह गोगी** : क्या गृह मंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) क्या असन्ध विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के गांव जुंडला में पुलिस थाना खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो उसके कब तक खोले जाने की सम्भावना है?

गृह मंत्री (श्री अनिल विज) : (क) श्रीमान जी, हां

(ख) मामला सरकार के पास प्रक्रियाधीन है और उचित विचार के बाद निर्णय लिया जाएगा।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

स्वीकृत पदों की संख्या

114. श्री वरूण चौधरी : क्या विकास एवं पंचायत मंत्री कृप्या बताएँगे कि ''राज्य में खण्ड अनुसार बी0डी0पी0ओ0, एस0डी0ओ0, जे0ई0, पंचायत सचिव, अकांउट क्लर्क (लेखा लिपिक), कम्पयूटर आपरेटर तथा क्लर्क (लिपिक) की कुल संख्या कितनी है तथा 01.02. 2023 को रिक्तियां कितनी है?

विकास एवं पंचायत मंत्री (देवेन्द्र सिंह बबली): श्रीमान जी, दिनांक 01.02.2023 तक राज्य की संक्षिप्त स्थिति निम्न प्रकार से है:

वर्ग	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	खाली पद
बी0डी0पी0ओ	143	70	73
एस0डी0ओ0	148	89	59
जे0ई0	515	391	124
ग्राम सचिव / पंचायत सैक्टरी	2237	1294	943
लेखा लिपिक	163	99	64
लिपिक	386	233	153
कम्पयूटर ऑपरेटर	कम्पयूटर ऑपरेटर का कोई भी पद स्वीकृत नहीं है।		

विस्तृत सूचना (खण्डवार) सदन के पटल पर रख दी गई है।

सूचना

दिनांक 01—02—2023 को खण्डवार उपमंडल अभियन्ता के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना

क्रमांक सख्या	खण्ड का नाम	भरी हुए/रिक्त	स्वीकृत पदों की सख्या
1.	बरवाला	भरी हुई	1
2.	पिन्जौर	भरी हुई	1
3.	मोरनी	भरी हुई	1
4.	रायपुरानी	रिक्त	1
5	अम्बाला—I	रिक्त	1
6.	अम्बाला—II	रिक्त	1
7.	बराडा	रिक्त	1
8.	सहजादपुर	भरी हुई	1
9.	साहा	भरी हुई	1
10.	नारायणगढ	भरी हुई	1
11.	जगाधरी	खाली	1
12.	छछरौली	भरी हुई	1
13.	बिलासपुर	भरी हुई	1
14.	मुस्ताफाबाद (सरस्वती नगर)	रिक्त	1

15.	रादौर	भरी हुई	1
16.	सढौरा	भरी हुई	1
17.	खिजराबाद (प्रताप नगर)	रिक्त	1
18	थानेसर	भरी हुई	1
19.	पेहवा	रिक्त	1
20.	लाडवा	भरी हुई	1
21.	शाहबाद	भरी हुई	1
22.	बाबैन	भरी हुई	1
23.	ईस्माईलाबाद	भरी हुई	1
24.	पीपली	रिक्त	1
25	रोहतक	भरी हुई	1
26.	कलानौर	रिक्त	1
27.	लाखनमाजरा	भरी हुई	1
28	मेहम	रिक्त	1
29	सापलॉ	रिक्त	1
30	झज्जर	भरी हुई	1
31.	बहादुरगढ	भरी हुई	1
32	बेरी	भरी हुई	1
33.	मातनहेल	भरी हुई	1
34	साल्हावास	रिक्त	1
35	बादली	भरी हुई	1
36.	माच्छरौली	रिक्त	1
37	सोनीपत	भरी हुई	1
38	गनौर	भरी हुई	1
39	गोहाना	भरी हुई	1
40	कथूरा	रिक्त	1
41	खरखोदा	भरी हुई	1
42	मुडलाना	रिक्त	1
43	राई	भरी हुई	1
44	मुरथल	भरी हुई	1
45	भिवानी	भरी हुई	1

46	तौशाम	रिक्त	1
47	बवानी खेडा	भरी हुई	1
48	बहल	रिक्त	1
49	कैरू	भरी हुई	1
50	लोहारू	रिक्त	1
51	सिवानी	भरी हुई	1
52	चरखी दादरी	भरी हुई	1
53	बौंद दादरी–I	रिक्त	1
54	झोझू दादरी–II	भरी हुई	1
55	बाढडा	रिक्त	1
56	करनाल	भरी हुई	1
57	असन्ध	रिक्त	1
58	घरोडा	भरी हुई	1
59	ईन्द्री	भरी हुई	1
60	नीलोखेडी	भरी हुई	1
61	निसिंग	रिक्त	1
62	मुनक	भरी हुई	1
63	कुंजपुरा	रिक्त	1
64	पानीपत	रिक्त	1
65	इसराना	भरी हुई	1
66	बापौली	रिक्त	1
67	मतलौडा	रिक्त	1
68	समालखा	भरी हुई	1
69	सनौली खुर्द	भरी हुई	1
70	कैथल	रिक्त	1
71	गुहला चीका	भरी हुई	1
72	पुण्डरी	भरी हुई	1
73	कलायत	भरी हुई	1
74	सिवन	रिक्त	1
75	राजौंद	रिक्त	1
76	ढाण्ड	रिक्त	1

77	हिसार–I	भरी हुई	1
78	हिसार–II	भरी हुई	1
79	आदमपुर	रिक्त	1
80	अग्ररोहा	भरी हुई	1
81	बरवाला	भरी हुई	1
82	हांसी–I	रिक्त	1
83	हांसी–II	भरी हुई	1
84	नारनौद	भरी हुई	1
85	उकलाना	भरी हुई	1
86	फतेहाबाद	भरी हुई	1
87	भट्टू कलॉ	भरी हुई	1
88	भूना	भरी हुई	1
89	जाखल	रिक्त	1
90	रतिया	भरी हुई	1
91	टोहाना	रिक्त	1
92	नागपुर	रिक्त	1
93	सिरसा	भरी हुई	1
94	डबवाली	रिक्त	1
95	ऐलानाबाद	रिक्त	1
96	नाथूसरी चौपटा	भरी हुई	1
97	औढां	भरी हुई	1
98	रानिया	भरी हुई	1
99	बडागुढा	भरी हुई	1
100	जीन्द	रिक्त	1
101	अलेवा	भरी हुई	1
102	जुलाना	रिक्त	1
103	नरवाना	भरी हुई	1
104	पिल्लूखेडा	भरी हुई	1
105	सफीदौ	रिक्त	1
106	उचाना	रिक्त	1
107	उजाना	भरी हुई	1

108	गुरूग्राम	रिक्त	1
109	सोहना	भरी हुई	1
110	पटौदी	भरी हुई	1
111	फारूकनगर	भरी हुई	1
112	महेन्द्रगढ	रिक्त	1
113	नारनौल	भरी हुई	1
114	अटेली नांगल	रिक्त	1
115	नांगल चौधरी	रिक्त	1
116	कनीना	भरी हुई	1
117	सतनाली	रिक्त	1
118	सिहमा	भरी हुई	1
119	निजामपुर	भरी हुई	1
120	रिवाडी	भरी हुई	1
121	बहल	भरी हुई	1
122	जाटूसाना	रिक्त	1
123	खौल	भरी हुई	1
124	नाहड	रिक्त	1
125	डहीना	रिक्त	1
126	धारूहेडा	भरी हुई	1
127	फरीदाबाद	रिक्त	1
128	बल्लबगढ	भरी हुई	1
129	तिगावॅ	भरी हुई	1
130	नूह	भरी हुई	1
131	नगीना	रिक्त	1
132	फिरोजपुर झिरका	भरी हुई	1
133	तावडू	भरी हुई	1
134	पुनहाना	रिक्त	1
135	इन्द्री	भरी हुई	1
136	पिनगवा	रिक्त	1
137	पलवल	रिक्त	1
138	होडल	रिक्त	1

139	हथीन	भरी हुई	1
140	हसनपुर	रिक्त	1
141	पृथला	रिक्त	1
142	बढोली	भरी हुई	1
143	मुख्यालय,चण्डीगढ	भरी हुई	1
144	मुख्यालय,चण्डीगढ	भरी हुई	1
145	चौकसी सैल,रोहतक	भरी	1
146	चौकसी सैल,रोहतक	रिक्त	1
147	मुख्यालय,चण्डीगढ	भरी	1
148	मुख्यालय,चण्डीगढ	भरी	1

कुल पदों की सख्यॉ 148

कुल भरी हुई 89

कुल खाली 59

दिनांक 01–02–2023 को खण्डवार कनिष्ठ अभियन्ताओं के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना

क्र0सं0	जिला	खण्ड	स्वीकृत पद	रिक्त पद 01.02.2023
1.	अम्बाला	अम्बाला–1	8	2
		अम्बाला–2	2	1
		बराड़ा	5	3
		नारायणगढ़	7	5
		शहजादपुर	6	2
		साहा	5	1
2	भिवानी	सिवानी	3	1
		लोहारू	3	1
		कैरू	3	0
		भिवानी	6	0
		बहल	2	1
		बवानी खेड़ा	3	0
		तोशाम	4	0
3	चरखी दादरी	चरखी दादरी	4	1
		झोझू कलॉ	4	0

		बाढ़डा	4	1
		बौन्द कलॉ	2	0
4	फरीदाबाद	बल्लबगढ़	4	1
		फरीदाबाद	3	1
		तिगॉव	3	1
5	फतेहाबाद	रतिया	4	0
		टोहाना	4	1
		नागपुर	3	0
		भट्टू कलां	2	0
		भूना	2	0
		फतेहाबाद	4	1
		जाखल	2	1
6	गुरूग्राम	गुरूग्राम	3	0
		पटौदी	6	2
		सोहना	4	0
		फर्रूखनगर	4	1
7	हिसार	हिसार–1	4	1
		हिसार–2	3	1
		हॉसी–1	5	0
		हॉसी–2	2	0
		आदमपुर	2	0
		बरवाला	3	1
		उकलाना	1	0
		नारनौंद	2	0
		अग्रोहा	2	0
8	जीन्द	जीन्द	5	1
		जुलाना	3	0
		नरवाना	3	1
		पिलुखेड़ा	2	0
		सफीदों	4	0
		उचाना	4	0

		उझाना	2	1
		अलेवा	2	0
9	झज्जर	बादली	3	0
		बहादुरगढ़	4	0
		मच्छरौली	2	2
		बेरी	3	1
		झज्जर	5	0
		मातनहेल	4	1
		साल्हावास	3	0
10	करनाल	निसिंग	4	0
		चिड़ाव	2	2
		कुंजपुरा	3	1
		असन्ध	4	0
		घरौंडा	3	0
		इन्द्री	6	1
		करनाल	4	3
		मुनक	2	1
		निलोखेडी	6	2
11	कैथल	ढांड	2	0
		गुल्हा	5	1
		कैथल	5	1
		कलायत	2	0
		पुन्डरी	2	0
		राजौन्द	2	0
		सीवन	4	0
12	कुरूक्षेत्र	बबैन	4	1
		इस्माईलाबाद	3	1
		लाडवा	4	0
		पेहोवा	5	0
		पिपली	4	0
		शाहबाद	6	2
		थानेसर	5	3
13	महेन्द्रगढ	नांगल चौधरी	4	0
		अटेली नांगल	4	1

		महेन्द्रगढ़	5	3
		कनीना	5	0
		नारनौल	5	3
		निजामपुर	2	1
		सतनाली	2	1
		सिहमा	2	1
14	मेवात	फिरोजपुर झिरका	4	1
		इन्द्री	4	1
		नगीना	4	1
		नूंह	3	1
		पिंगावा	3	1
		पुन्हाना	4	1
		तावडू	4	1
15	पंचकूला	मोरनी	2	2
		पिंजौर	3	2
		रायपुर रानी	3	0
		बरवाला	2	0
16	पानीपत	बापौली	2	0
		इसराना	3	1
		मडलौडा	3	1
		पानीपत	3	0
		समालखा	3	0
		सनौली खुर्द	2	0
17	पलवल	बडोली	3	1
		हसनपुर	3	0
		हथीन	6	2
		होडल	3	1
		पलवल	3	0
		पृथला	3	0
18	रोहतक	कलानौर	2	1
		लाखन माजरा	1	0
		महम	3	0
		रोहतक	4	0
		सांपला	2	0

19	रेवाडी	बावल	8	3
		डहिना	2	1
		धारूहेडा	2	1
		जाटूसाना	4	1
		नाहड़	4	0
		रेवाड़ी	8	3
		खोल एट रेवाडी	3	1
20	सिरसा	डबवाली	4	1
		ऐलनाबाद	4	1
		बडागुडा	4	1
		ओढ़ा	3	1
		रानिया	3	0
		सिरसा	5	1
		नाथुसरी चोपटा	4	1
21	सोनीपत	गन्नौर	4	0
		गोहाना	3	0
		कथुरा	2	1
		खरखौदा	4	2
		मुंडलाना	3	1
		मुरथल	3	2
		राई	3	0
		सोनीपत	3	1
22	यमुनानगर	छछरौली	6	4
		जगाधरी	5	1
		खिजराबाद	4	2
		मुस्तफाबाद	6	4
		बिलासपुर	8	4
		रादौर	6	1
		सढौरा	4	0
	कुल जोड़		515	124

कुल स्वीकृत 515
कुल भरी हुई 391
कुल रिक्त 124

दिनांक 01–02–2023 को खण्डवार ग्राम सचिवों/पंचायत सेक्ट्ररी के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना

क0सं0	जिला	खण्ड	स्वीकृत पद	रिक्त पद
1.	अम्बाला	अम्बाला–1	37	27
		अम्बाला–2	10	4
		बराड़ा	25	21
		नारायणगढ़	31	21
		शहजादपुर	25	19
		साहा	22	19
2	भिवानी	सिवानी	15	05
		लौहारू	14	8
		कैरू	13	3
		भिवानी	28	8
		बहल	10	2
		बवानी खेड़ा	12	3
		तोशाम	24	10
3	चरखी दादरी	चरखी दादरी	17	9
		झोझू कलॉ	17	3
		बाढ़डा	17	7
		बौन्द कलॉ	9	0
4	फरीदाबाद	बल्लबगढ़	17	6
		फरीदाबाद	12	4
		तिगॉव	13	8
5	फतेहाबाद	रतिया	18	7
		टोहाना	18	8
		नागपुर	12	8
		भट्टू कलॉ	9	1
		भूना	10	4
		फतेहाबाद	18	0
		जाखल	9	3
6	गुरूग्राम	गुरूग्राम	12	0
		पटौदी	27	11
		सोहना	21	9
		फर्रूखनगर	18	5
7	हिसार	हिसार–1	17	5
		हिसार–2	15	6
		हॉसी–1	21	7
		हॉसी–2	9	1
		आदमपुर	10	5
		बरवाला	15	3
		उकलाना	6	1
		नारनौंद	11	3
		अग्रोहा	8	4
8	जीन्द	जीन्द	24	10
		जुलाना	14	1
		नरवाना	13	4
		पिलुखेड़ा	10	3
		सफीदों	16	8
		उचाना	16	7
		उझाना	8	1
		अलेवा	7	1
9	झज्जर	बादली	11	0

		बहादुरगढ़	16	0
		मच्छरौली	7	3
		बेरी	13	5
		झज्जर	19	0
		मातनहेल	13	1
		साल्हावास	13	4
10	करनाल	निसिंग	15	6
		चिड़ाव	14	4
		कुंजपुरा	16	5
		असन्ध	14	1
		घरौंडा	24	9
		इन्द्री	16	8
		करनाल	11	7
		मुनक	24	7
		निलोखेडी	14	1
11	कैथल	ढांढ	10	3
		गुल्हा	24	12
		कैथल	22	8
		कलायत	10	1
		पुन्डरी	9	2
		राजौन्द	9	6
		सिवान	16	11
12	कुरूक्षेत्र	बबैन	16	7
		इस्माईलाबाद	14	5
		लाडवा	23	15
		पेहवा	24	7
		पिपली	18	6
		शाहबाद	27	17
		थानेसर	22	3
13	महेन्द्रगढ	नांगल चौधरी	16	6
		अटेली नांगल	16	7
		महेन्द्रगढ	21	5
		कनीना	18	6
		नारनौल	19	11
		निजामपुर	10	4
		सतनाली	9	4
		सिहमा	11	7
14	मेवात	फिरोजपुर झिरका	17	12
		इन्द्री	15	9
		नगीना	16	11
		नूंह	15	9
		पिंगावा	15	9
		पुन्हाना	17	11
		तावडू	19	13
15	पंचकूला	मोरनी	8	4
		पिंजौर	14	9
		रायपुर रानी	16	10
		बरवाला	8	5
16	पानीपत	बापौली	13	7
		इसराना	12	5
		मडलौडा	12	0
		पानीपत	11	5
		समालखा	12	7
		सनौली खुर्द	7	4
17	पलवल	बडोली	11	5

		हस्नपुर	13	6
		हथीन	26	17
		होडल	11	6
		पलवल	13	5
		पृथला	12	6
18	रोहतक	कलानौर	9	1
		लाखन माजरा	5	0
		महम	12	0
		रोहतक	17	0
		सांपला	8	0
19	रेवाडी	बावल	34	11
		डहिना	13	1
		धारूहेडा	0	0
		जाटूसाना	17	5
		नाहर	16	9
		रेवाड़ी	34	20
		खोल एट रेवाडी	15	3
20	सिरसा	डब्वाली	18	10
		ऐहलनाबाद	16	7
		बढागुढा	13	6
		ओडा	20	8
		रानिया	20	8
		सिरसा	19	9
		नाथुसरी चोपटा	16	5
21	सोनीपत	गनौर	19	7
		गोहाना	13	0
		कथुरा	7	0
		खरखौदा	16	0
		मुंडलाना	12	1
		मुरथल	12	2
		राई	14	6
		सोनीपत	16	5
22	यमुनानगर	छछरौली	28	23
		जगाधरी	22	10
		खिजराबाद	17	12
		मुस्तफाबाद	27	20
		बिलासपुर	34	25
		रादौर	25	20
		सढौरा	15	9
		कुल	2237	943

कुल स्वीकृत	2237
कुल भरी हुई	1294
कुल रिक्त	943

दिनांक 01–02–2023 को खण्डवार लेखालिपिक के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना

क0सं0	जिला	खण्ड	स्वीकृत पद	रिक्त पद

1.	अम्बाला	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	03	03
		कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01
		कार्यकारी अभियन्ता(विघुत)	04	02
		उमण्डल अभियन्ता, अम्बाला–1	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, अम्बाला–2	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बराड़ा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, नारायणगढ़	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, शहजादपुर	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, साहा	01	01
2	भिवानी	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, सिवानी	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, लौहारू	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, कैरू	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, भिवानी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बहल	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बवानी खेड़ा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, तोशाम	01	00
3	चरखी दादरी	कार्यकारी अभियनता, ंपंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, चरखी दादरी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, झोझू कलॉ	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बाढ़डा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बौन्द कलॉ	01	00
4	फरीदाबाद	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	00	00
		कार्यकारी अभियनता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बल्लबगढ़	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, फरीदाबाद	01	00
5	फतेहाबाद	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, रतिया	01	7
		उमण्डल अभियन्ता, टोहाना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नागपुर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, भट्टू कलॉ	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, भूना	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, फतेहाबाद	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, जाखल	01	01
6	गुरूग्राम	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	02	00
		कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, गुरूग्राम	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पटौदी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, सोहना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, फर्रूखनगर	01	01
7	हिसार	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	02	00
		कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, हिसार–1	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, हिसार–2	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, हॉसी–1	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, हॉसी–2	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, आदमपुर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बरवाला	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, उकलाना	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, नारनौंद	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, अग्रोहा	01	00
8	जीन्द	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, जीन्द	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, जुलाना	01	01

		उमण्डल अभियन्ता, नरवाना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पिलुखेड़ा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, सफीदों	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, उचाना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, अलेवा	01	01
9	झज्जर	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बादली	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बहादुरगढ़	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बेरी	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, झज्जर	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, साल्हावास	01	00
10	करनाल	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	00	00
		कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, निसिंग	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, असन्ध	01	00
		उमण्डल अभियन्ता,घरौंडा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, इन्द्री	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, करनाल	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नीलोखेड़ी	01	01
11	कैथल	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, ढांढ	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, गुहला	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, कैथल	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, कलायत	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पुन्डरी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, राजौन्द	01	00
12	कुरूक्षेत्र	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बबैन	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, लाडवा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पेहवा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, शाहबाद	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, थानेसर	01	00
13	महेन्द्रगढ	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नांगल चौधरी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, अटेली नांगल	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, महेन्द्रगढ	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, कनीना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नारनौल	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, निजामपुर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, सतनाली	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, सिहमा	01	00
14	मेवात	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, फिरोजपुर झिरका	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, इन्द्री	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, नगीना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नूंह	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, पिंगावा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, पुन्हाना	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, तावडू	01	01
15	पंचकूला	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, मोरनी	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पिंजौर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, रायपुर रानी	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बरवाला	01	01
16	पानीपत	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01

		उमण्डल अभियन्ता, बापौली	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, इसराना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, मडलौडा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पानीपत	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, समालखा	01	00
17	पलवल	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बडोली	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, हस्नपुर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, हथीन	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, होडल	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, पलवल	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, पृथला	01	01
18	रोहतक	अधीक्षक अभियन्ता, पंचायती राज	02	00
		कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, कलानौर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, लाखन माजरा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, महम	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, रोहतक	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, सांपला	01	00
19	रेवाडी	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, बावल	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, डहिना	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, जाटूसाना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, नाहर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, रेवाड़ी	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, खोल एट रेवाडी	01	00
20	सिरसा	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, डबवाली	01	00
		उमण्डल अभियन्ता,ऐहलनाबाद	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बाढागुढा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, ओडां	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, रानिया	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, सिरसा	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, नाथुसरी चोपटा	01	01
21	सोनीपत	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, गनौर	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, गोहाना	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, कथुरा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, खरखौदा	01	00
		उमण्डल अभियन्ता, मुंडलाना	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, राई	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, सोनीपत	01	00
22	यमुनानगर	कार्यकारी अभियन्ता, पंचायती राज	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, छछरौली	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, जगाधरी	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, खिजराबाद	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, मुस्तफाबाद	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, बिलासपुर	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, रादौर	01	01
		उमण्डल अभियन्ता, सढौरा	01	01
		कुल	163	64

कुल स्वीकृत	163
कुल भरी हुई	99
कुल रिक्त	64

दिनांक 01–02–2023 को खण्डवार लिपिक के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना

क0 सं0	जिला का नाम	जिला स्तर/खण्ड के नाम	स्वीकृत पद	रिक्त पद
1	हिसार	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) हिसार	3	1
		जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी हिसार	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) हिसार	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी आदमपुर	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अग्रोहा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बरवाला	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हांसी–1	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हांसी–2	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हिसार–1	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हिसार–2	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नारनौद	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी उकलाना	2	0
2.	भिवानी	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी भिवानी	3	2
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) भिवानी	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सिवानी	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी लोहरू	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी भिवानी	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कैरू	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बवानी खेडा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तोशाम	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बहल	2	2
3.	जीन्द	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी जीन्द	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) जीन्द	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जीन्द	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जुलाना	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नरवाना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिल्लूखेडा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सफीदो	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी उचाना	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी उझाना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अलेवा	2	0
4	रोहतक	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) सर्तकता रोहतक	3	0
		अधीक्षक अभियंता(प0 राज) रोहतक	3	0
		जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी रोहतक	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) रोहतक	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कलानौर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी लाखनमाजरा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहतक	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी महम	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सांपला	2	0
5.	फतेहाबाद	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी फतेहाबाद	3	2
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) फतेहाबाद	1	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रतिया	2	1

		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी फतेहाबाद	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी टोहाना	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जाखल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नागपुर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी भट्टू कलां	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी भूना	2	0
6.	कैथल	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी कैथल	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) कैथल	1	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ढांड	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कैथल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुहला	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कलायत	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पूण्डरी	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी राजौंद	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सीवन	2	1
7	कुरूक्षेत्र	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी कुरूक्षेत्र	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) कुरूक्षेत्र	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी थानेसार	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बबैन	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ईष्माईलाबाद	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी लाडवा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पेहवा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिपली	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी शाहबाद	2	2
8.	सिरसा	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी सिरसा	3	2
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) सिरसा	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सिरसा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी डबवाली	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बारा गुडा	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ऐलनाबाद	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी ओढा	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रानियां	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नाथूसरी चौपटा	2	2
9	गुरूग्राम	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) गुरूग्राम	3	2
		जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी गुरूग्राम	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) गुरूग्राम	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पटौदी	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सोहना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी फरूखनगर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुरूग्राम	2	1
10.	पंचकुला	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी पंचकुला	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) पंचकुला	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मोरनी	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रायपुर रानी	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिन्जौर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बरवाला	2	1
11.	अम्बाला	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) अम्बाला	3	0
		जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी अम्बाला	3	3
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) अम्बाला	1	0
		कार्यकारी अभियंता विधुत (प0 राज) अम्बाला	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी शहजादपुर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अम्बाला–2	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अम्बाला–1	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी साहा	2	0

		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नरायाणगढ़	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बराड़ा	2	2
12.	झज्जर	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी झज्जर	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) झज्जर	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बादली	1	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बहादुरगढ	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी माछरौली	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बेरी	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी झज्जर	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मातनहेल	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सहलावास	2	1
13.	सोनीपत	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी सोनीपत	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) सोनीपत	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी गनौर	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सोनीपत	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी गोहाना	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कथूरा	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी खरखौदा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुडलाना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुरथल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी राई	2	1
14.	महेन्द्रगढ	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी महेन्द्रगढ	3	3
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) नारनौल	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नांगल चौधरी	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी अटेली नांगल	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी महेन्द्रगढ	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कनीना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नारनौल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी निजामपुर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सतनाली	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सिहमा	1	0
15.	करनाल	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) करनाल	3	2
		जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी करनाल	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) करनाल	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी निसिंग चिडाव	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी करनाल	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी निलोखेडी	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कुंजपुरा	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी असंध	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी घरौंडा	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी इन्द्री	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुनक	2	1
16.	यमुनानगर	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी यमुनानगर	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) यमुनानगर	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी छछरौली	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जगाधरी	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी खिजराबाद	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुस्तफाबाद	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बिलासपुर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रादौर	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सढौरा	2	1
17.	मेवात	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी मेवात	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) मेवात	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी फिरोजपुर झिरका	2	1

		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी इन्द्री	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नगीना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नूहं	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिंगवा	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पुन्हाना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तावडू	2	2
18	रेवाड़ी	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी रेवाडी	3	0
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) रेवाड़ी	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बावल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी डहीना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी धारूहेडा	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी रेवाडी	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी जाटूसाना	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नाहड	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी खोल	2	0
19.	फरीदाबाद	अधीक्षक अभियंता(प0 राज) फरीदाबाद	3	3
		जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी फरीदाबाद	3	2
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) फरीदाबाद	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बल्लभगढ	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी फरीदाबाद	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तिगांव	1	1
20.	पानीपत	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी पानीपत	3	2
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) पानीपत	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बापौली	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी इसराना	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी मतलौडा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पानीपत	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी समालखा	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सनौली खुर्द	1	1
21.	पलवल	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी पलवल	3	3
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) पलवल	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बडौली	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हसनपुर	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी हथीन	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी होडल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पलवल	2	1
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी पृथला	2	1
22.	चरखी दादरी	जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी चरखी दादरी	3	1
		कार्यकारी अभियंता(प0 राज) चरखीदादरी	1	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी चरखीदादरी	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी झोझू	2	0
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बाढडा	2	2
		खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बौंद	2	1
		कुल	386	153

कुल स्वीकृत	386
कुल भरी हुई	233
कुल रिक्त	153

दिनांक 01–02–2023 को खण्डवार कम्पयूटर ऑपरेटर के स्वीकृत पदों की रिक्त पदों सहित सूचना खण्ड स्तर पर कम्पयूटर ऑपरेटर का नियमित स्वीकृत पद नही है।

....

नगर निकायों में स्वीकृत पदों की संख्या

115. **श्री वरूण चौधरीः** क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बतांएगे कि राज्य में कार्यकारी अधिकारी, कार्यकारी अभियन्ता, सचिव, पालिका अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता, सैनेटरी इन्सपैक्टर (स्वच्छता निरीक्षक), कंप्यूटर ऑपरेटर तथा क्लर्क के स्वीकृत पदों की संख्या कितनी है तथा 01.02.2023 तक रिक्तियां कितनी है?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डा. कमल गुप्ता)ः श्रीमान जी, दिनांक 01.02.2023 को राज्य की सभी नगर निकायों में स्वीकृत तथा रिक्त पदों का विवरण अनुबन्ध –'ए' तथा अनुबन्ध –'बी' अनुसार सदन के पटल पर रखा जाता हैः–

(i) लेखाकार, कनिष्ठ अभियंता, पालिका अभियंता तथा कार्यकारी अभियंता के पदों बारें।	अनुबन्ध –'ए'
(ii) कार्यकारी अधिकारी, सचिव, लिपिक / कंप्यूटर ऑपरेटर तथा सफाई निरीक्षक के पदों बारें।	अनुबन्ध –'बी'

		ACCOUNTANT			JUNIOR ENGINEER			MUNICIPAL/ ASSISTANT ENGINEER			EXECUTIVE ENGINEER		
Sr. NO.	**NA M**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
1	Ambala	4	1	3	10	8	2	5	3	2	2	2	0
2	Gurugram	4	2	2	35	19	16	16	11	5	10	5	5
3	Panchkula	4	2	2	14	8	6	10	3	7	3	4	-1
4	Panipat	4	2	2	7	10	-3	3	3	0	3	2	1
5	Sonipat	3	2	1	24	12	12	8	8	0	6	3	3
6	Hisar	4	2	2	12	9	3	4	3	1	3	2	1
7	Karnal	4	2	2	6	9	-3	3	2	1	4	3	1
8	Yamuna	4	3	1	11	9	2	6	4	2	3	1	2
9	Rohtak	5	1	4	16	9	7	6	4	2	3	2	1
10	Faridabad	0	2	-2	39	13	26	28	13	15	10	4	6
11	Manesar	4	2	2	24	6	18	12	6	6	6	2	4
	TOTAL	**40**	**21**	**19**	**198**	**112**	**86**	**101**	**60**	**41**	**53**	**30**	**23**
Sr. NO.	**NAME OF COUNCILS**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
1	Bhiwani	2	2	0	4	3	1	2	1	1	1	1	0
2	Ch. Dadri	2	1	1	4	2	2	2	1	1	1	1	0
3	Fatehabad	2	1	1	5	2	3	2	1	1	1	1	0
4	Tohana	1	1	0	4	2	2	2	1	1	1	1	0
5	Sohna	1	1	0	4	3	1	2	2	0	1	1	0
6	Hansi	1	1	0	4	2	2	2	1	1	1	1	0
7	Jind	2	1	1	4	2	2	2	1	1	1	1	0
8	Narwana	1	1	0	4	2	2	2	2	0	1	0	1
9	Bahadu	1	1	0	4	3	1	2	1	1	1	1	0
10	Kaithal	2	1	1	4	3	1	2	0	2	1	1	0
11	Thanesar	2	1	1	4	3	1	2	1	1	1	1	0
12	Narnaul	2	1	1	4	2	2	2	1	1	1	1	0
13	Palwal	2	1	1	4	3	1	2	2	0	1	1	0
14	Hodal	2	1	1	4	2	2	2	1	1	1	1	0
15	Rewari	2	1	1	4	3	1	2	1	1	1	1	0
16	Sirsa	2	1	1	4	2	2	2	2	0	1	1	0
17	Mandi	1	1	0	5	2	3	2	1	1	1	1	0
18	Gohana	1	1	0	4	3	1	2	2	0	1	1	0
19	Ambala	1	1	0	8	2	6	2	2	0	1	1	0
20	Kalka	2	1	1	8	2	6	2	1	1	1	1	0
21	Jhajjar	2	1	1	4	3	1	2	2	0	1	1	0
22	Nuh	1	1	0	3	3	0	2	1	1	1	1	0
23	Pataudi	1	1	0	2	2	0	2	1	1	1	0	1
	TOTAL	**36**	**24**	**12**	**99**	**56**	**43**	**46**	**29**	**17**	**23**	**21**	**2**

		ACCOUNTANT			JUNIOR ENGINEER			MUNICIPAL/ ASSISTANT ENGINEER			EXECUTIVE ENGINEER		
Sr. NO.	NAME OF COMMITTEE	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT
1	Naraingarh	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
2	Loharu	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
3	Bawani Khera	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
4	Siwani	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
5	Ratia	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
6	Bhuna	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
7	Farukh Nagar	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
8	Barwala	1	1	0	2	1	1	1	1	0	0	0	0
9	Narnaund	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
10	Uklana	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
11	Beri	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
12	Safidon	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
13	Uchana	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
14	Julana	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
15	Cheeka	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
16	Kalayat	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	0
17	Pundri	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
18	Rajound	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
19	Gharunda	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
20	Tarawari	1	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	0
21	Assandh	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
22	Nissing	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
23	Nilokheri	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
24	Indri	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
25	Ladwa	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
26	Pehowa	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	0	0
27	Shahabad	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
28	Mahendergar	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
29	Kanina	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
30	Nangal	1	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0
31	Ateli Mandi	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0
32	Firozpur	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
33	Tawru	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
34	Punhana	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
35	Hathin	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
36	Samalkha	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
37	Dharuhera	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
38	Bawal	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0

		ACCOUNTANT			JUNIOR ENGINEER			MUNICIPAL/ ASSISTANT ENGINEER			EXECUTIVE ENGINEER		
Sr. NO.	NAME OF COMMITTEE	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT	SANCTION POST	FILLED UP	VACANT
39	Meham	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
40	Kalanour	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	0
41	Sampla	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
42	Kalanwali	1	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	0
43	Ellanabad	1	1	0	2	1	1	1	1	0	0	0	0
44	Rania	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
45	Kharkhoda	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
46	Ganaur	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
47	Barara	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
48	Radaur	1	1	0	1	1	0	1	1	0	0	0	0
49	Jakhal Mandi	1	1	0	2	1	1	1	1	0	0	0	0
50	Kundli	1	1	0	3	1	2	1	1	0	0	0	0
51	Sadhura	1	1	0	3	1	2	1	1	0	0	0	0
52	Ismailabad	1	1	0	3	1	2	1	1	0	0	0	0
53	Siwan	1	0	1	3	1	2	1	1	0	0	0	0
54	Aadampur	1	1	0	3	1	2	1	1	0	0	0	0
	TOTAL	**54**	**50**	**4**	**67**	**51**	**16**	**53**	**52**	**1**	**0**	**0**	**0**

A

		SECRETARY			EXECUTIVE OFFICER			Clerks/ Computer Operator			Sanitary Inspector		
Sr. NO.	**NAME OF MUNICIPAL CORPORATIONS**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
1	Ambala	0	0	0	1	0	1	53	24	29	4	0	4
2	Gurugram	0	0	0	1	0	1	97	63	34	6	0	6
3	Panchkula	0	0	0	1	0	1	17	8	9	0	0	0
4	Panipat	0	0	0	1	0	1	34	19	15	3	1	2
5	Sonipat	0	0	0	1	0	1	51	45	6	10	3	7
6	Hisar	0	0	0	1	0	1	37	37	0	4	0	4
7	Karnal	0	0	0	1	0	1	34	16	18	3	3	0
8	Yamuna Nagar	0	0	0	1	0	1	54	27	27	6	2	4
9	Rohtak	0	0	0	1	0	1	59	47	12	2	2	0
10	Faridabad	0	0	0	0	0	0	178	125	53	5	5	0
11	Manesar	0	0	0	1	0	1	56	5	51	6	3	3
	Total	**0**	**0**	**0**	**10**	**0**	**10**	**670**	**416**	**254**	**49**	**19**	**30**
Sr. NO.	**NAME OF COUNCILS**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
1	Bhiwani	1	1	0	1	1	0	20	15	5	10	3	7
2	Ch. Dadri	1	0	1	1	1	0	7	7	0	1	0	1
3	Fatehabad	1	0	1	1	1	0	12	8	4	0	0	0
4	Tohana	1	0	1	1	1	0	8	4	4	1	1	0
5	Sohna	1	0	1	1	1	0	14	7	7	3	1	2
6	Hansi	1	1	0	1	0	1	10	7	3	1	0	1
7	Jind	1	0	1	1	1	0	16	15	1	1	1	0
8	Narwana	1	0	1	1	1	0	12	7	5	1	1	0
9	Bahadurgarh	1	0	1	1	1	0	9	4	5	1	1	0
10	Kaithal	1	0	1	1	1	0	14	11	3	1	0	1
11	Thanesar	1	0	1	1	1	0	12	8	4	1	0	1
12	Narnaul	1	0	1	1	1	0	13	13	0	1	0	1
13	Palwal	1	0	1	1	1	0	14	5	9	1	1	0
14	Hodal	1	0	1	1	1	0	4	4	0	1	1	0
15	Rewari	1	0	1	1	1	0	14	12	2	1	0	1
16	Sirsa	1	0	1	1	1	0	23	15	8	3	1	2
17	Mandi Dabawali	1	0	1	1	1	0	13	9	4	2	0	2
18	Gohana	1	0	1	1	1	0	6	4	2	1	0	1
19	Ambala Sadar	1	1	0	1	1	0	25	8	17	4	0	4
20	Kalka	1	0	1	1	1	0	16	2	14	4	0	4

B

		SECRETARY			EXECUTIVE OFFICER			Clerks/ Computer Operator			Sanitary Inspector		
Sr. NO.	**NAME OF COUNCILS**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
21	Jhajjar	1	0	1	1	0	1	15	11	4	1	1	0
22	Nuh	1	1	0	1	1	0	3	2	1	0	0	0
23	Pataudi Mandi	1	1	0	1	0	1	12	5	7	2	0	2
	TOTAL	**23**	**5**	**18**	**23**	**20**	**3**	**292**	**183**	**109**	**42**	**12**	**30**
Sr. NO.	**NAME OF COMMITTEE**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
1	Naraingarh	1	0	1	0	0	0	4	3	1	1	0	1
2	Loharu	1	1	0	0	0	0	4	2	2	0	0	0
3	Bawani Khera	1	1	0	0	0	0	4	1	3	0	0	0
4	Siwani	1	1	0	0	0	0	4	4	0	0	0	0
5	Ratia	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
6	Bhuna	1	1	0	0	0	0	3	1	2	1	0	1
7	Farukh Nagar	1	1	0	0	0	0	5	5	0	1	1	0
8	Barwala	1	1	0	0	0	0	4	3	1	1	1	0
9	Narnaund	1	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0
10	Uklana	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
11	Beri	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
12	Safidon	1	1	0	0	0	0	6	2	4	1	1	0
13	Uchana	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
14	Julana	1	1	0	0	0	0	4	2	2	0	0	0
15	Cheeka	1	1	0	0	0	0	6	4	2	0	0	0
16	Kalayat	1	1	0	0	0	0	3	3	0	0	0	0
17	Pundri	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
18	Rajound	1	1	0	0	0	0	3	1	2	1	1	0
19	Gharunda	1	1	0	0	0	0	6	3	3	0	0	0
20	Tarawari	1	1	0	0	0	0	5	1	4	0	0	0
21	Assandh	1	1	0	0	0	0	5	1	4	0	0	0
22	Nissing	1	1	0	0	0	0	2	0	2	0	0	0
23	Nilokheri	1	1	0	0	0	0	4	1	3	0	0	0
24	Indri	1	1	0	0	0	0	4	2	2	0	0	0
25	Ladwa	1	1	0	0	0	0	4	3	1	1	1	0
26	Pehowa	1	1	0	0	0	0	16	5	11	1	1	0
27	Shahabad	1	1	0	0	0	0	8	6	2	1	1	0
28	Mahendergarh	1	1	0	0	0	0	7	5	2	1	0	1
29	Kanina	1	0	1	0	0	0	4	3	1	0	0	0

		SECRETARY			EXECUTIVE OFFICER			Clerks/ Computer Operator			Sanitary Inspector		
Sr. NO.	**NAME OF COMMITTEE**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**	**SANCTION POST**	**FILLED UP**	**VACANT**
30	Nangal Chaudhary	1	1	0	0	0	0	3	1	2	1	0	1
31	Ateli Mandi	1	1	0	0	0	0	4	2	2	0	0	0
32	Firozpur Zhirka	1	0	1	0	0	0	4	3	1	0	0	0
33	Tawru	1	1	0	0	0	0	5	4	1	0	0	0
34	Punhana	1	1	0	0	0	0	3	3	0	0	0	0
35	Hathin	1	1	0	0	0	0	4	1	3	0	0	0
36	Samalkha	1	1	0	0	0	0	4	3	1	1	0	1
37	Dharuhera	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
38	Bawal	1	1	0	0	0	0	4	3	1	0	0	0
39	Meham	1	1	0	0	0	0	3	2	1	1	1	0
40	Kalanour	1	1	0	0	0	0	4	2	2	0	0	0
41	Sampla	1	1	0	0	0	0	4	0	4	0	0	0
42	Kalanwali	1	1	0	0	0	0	4	2	2	1	0	1
43	Ellanabad	1	1	0	0	0	0	7	5	2	1	0	1
44	Rania	1	1	0	0	0	0	3	3	0	1	0	1
45	Kharkhoda	1	1	0	0	0	0	3	3	0	0	0	0
46	Ganaur	1	1	0	0	0	0	5	4	1	1	1	0
47	Barara	1	1	0	0	0	0	4	3	1	1	0	1
48	Radaur	1	1	0	0	0	0	4	3	1	1	1	0
49	Jakhal Mandi	1	1	0	0	0	0	5	0	5	1	0	1
50	Kundli	1	1	0	0	0	0	9	1	8	1	1	0
51	Sadhura	1	1	0	0	0	0	8	1	7	1	0	1
52	Ismailabad	1	0	1	0	0	0	9	3	6	1	1	0
53	Siwan	1	0	1	0	0	0	6	1	5	1	0	1
54	Aadampur	1	0	1	0	0	0	6	2	4	1	0	1
	TOTAL	**54**	**47**	**7**	**0**	**0**	**0**	**251**	**132**	**119**	**25**	**12**	**13**

……………………

विदेशी दौरे के चयन के मानदण्ड

116. श्री वरूण चौधरीः क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृप्या बतायेंगे कि प्रतिनिधि मंडलों की रिपोर्ट पर सरकार द्वारा विदेशी दौरों वार क्या कार्यवाही की गई तथा गत् पांच वर्षों के दौरान दौरा किये गये देशों के चयन के मानदण्ड क्या हैं ?

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): श्रीमान जी, विस्तृत उत्तर संलग्न है। पिछले 5 वर्षों (01.04.2017 से) के दौरान सरकारी प्रतिनिधिमंडलों द्वारा बागवानी और हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा किये गये विदेशी दौरों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

तालिका–1: उद्यान विभाग के विदेशी दौरों का विवरण

क्र. सं	भ्रमण की तारिख	देश का नाम	दौरा किए गए देशों के चयन मानदंड	प्रतिनिधिमंडलों की रिपोर्ट पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई
1.	04.08.2016 से 13.08.2016	संयुक्त राज्य अमेरिका	प्रतिनिधिमंडल ने यूसी डेविस विश्वविद्यालय, स्थानीय कृषि क्षेत्र, ग्वाडालूप, सांता मारिया में एपीआईओ आईएनसी कारखाने, सब्जी के खेतों, सैन फ्रांसिस्को से डेस मोइनेस (आयोवा राज्य), कृषि क्षेत्र, बीज उत्पादन खेतों, कृषि मशीनीकरण, मृदा संरक्षण, बागवानी के खेत, पशुपालन इकाइयां, सचिव/मंत्री (आयोवा राज्य) के साथ बैठक जिसमें एमओयू के संबंध में चर्चा, आयोवा राज्य विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकन सोसाइटी फॉर हॉर्टिकल्चर साइंसेज (एएसएचएस) के सम्मेलन में भी भाग लिया और स्थानीय खेतों का दौरा किया, मंत्री ने बागवानी विशेषज्ञों के साथ बैठक भी की। प्रतिनिधिमंडल ने भारत यूएस बिजनेस काउंसिल के खाद्य और कृषि सदस्यों के साथ भी मुलाकात की, विश्व बैंक के कृषि अधिकारियों, क्रॉपलाइफ इंटरनेशनल के वाशिंगटन डीसी में मैरीलैंड ६ फार्म साइटों का दौरा किया।	यूएसए में भ्रमण किये गए बागवानी मूल्य श्रृंखला के प्रदर्शन के आधार पर हरियाणा राज्य के लिए उपयुक्त आपूर्ति श्रृंखला घटकों को शामिल करके एक ऑन–फार्म मार्केटिंग योजना शुरू की गई थी तथा अब यह योजना कार्यान्वयन है।
2.	06.05.2018 से 09.05.2018	ईजराइल	प्रतिनिधिमंडल ने इजराइल 20वीं अंतरराष्ट्रीय कृषि प्रदर्शनी और सम्मेलन के दौरान एग्रीटेक–2018 में भाग लिया। प्रतिनिधिमंडल ने इजरायल में अपने समकक्षों के साथ विचार विमर्ष किया तथा कृषि अनुसंधान संगठन और स्थलों का दौरा किया। शुष्क और अर्ध–शुष्क	प्रतिनिधिमंडल ने एग्री–टेक एक्सपो और फील्ड में विभिन्न बागवानी तकनीकों को समझा। हरियाणा सरकार ने इजरायल सरकार के साथ मिलकर कृषि योजना लागू की व उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना की जहां इजराइली

			क्षेत्रों में सूक्ष्म सिंचाई इकाई, कृषि और बागवानी स्थलों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने निम्बू वर्गीय फलों की उच्च उपज, बीज रहित और ज्यादा रस वाली किस्मों के आयात पर विचार विमर्ष किया। सूक्ष्म सिंचाई की कंपनी मैसर्स नान दान जैन का भी दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने इजरायल के कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री श्री उरी एरियल से मुलाकात की और ताहल समूह का दौरा किया है।	प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।
3.	07.01.2020 से 11.01.2020 तक	यूनाइटेड किंगडम	हरियाणा सरकार फसल कटाई के बाद के प्रबंधन और सतत कोल्ड चेन पर हरियाणा—यूके उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इस संबंध में, ब्रिटिश उप उच्चायोग ने हरियाणा प्रतिनिधिमंडल को निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए 8 से 10 जनवरी, 2020 तक यूके के दौरे पर निम्न उदेष्य हेतू आमंत्रित कियाः 1. पोस्ट—हार्वेस्ट मैनेजमेंट और क्लीन कोल्ड चेन पहलों में यूके की विशेषज्ञता को जानने के लिए। 2. यूके और हरियाणा सरकार कैसे मिलकर इन उप—क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ—साथ उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए काम कर सकते हैं।	प्रतिनिधिमंडल ने कटाई के बाद के प्रबंधन और स्वच्छ शीत ऊर्जा पर तकनीकों को यूके सरकार के निमंत्रण के रूप में देखा है। उनके साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए हरियाणा सरकार फसल कटाई पश्चात प्रबंधन और स्वच्छ शीत पर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है।
4	12.11.2018 से 19.11.2018	चीन	प्रतिनिधिमंडल को 12—19 नवंबर, 2018 को शंघाई, झांगझू, चीन में 'वर्ल्ड सोसाइटी फॉर मशरूम बायोलॉजी एंड मशरूम प्रोडक्ट्स' द्वारा आयोजित ''मशरूम बायोलॉजी एंड मशरूम प्रोडक्ट्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। चीन मशरूम का प्रमुख उत्पादक देष है और दुनिया के मशरूम का लगभग 40 प्रतिषत योगदान देता है। चीन में मशरूम की लगभग 60 किस्मों की खेती की जाती है। सम्मेलन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों द्वारा मशरूम से संबंधित शोध पत्र, पोस्टर प्रस्तुत किए गए जिनमें प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी, प्रदर्शन भूखंडों और क्षेत्र के दौरे में भी भाग लिया। हरियाणा में भी जिला सोनीपत में मशरूम पर	प्रतिनिधिमंडल ने सफेद बटन मशरूम के साथ विशिष्ट मशरूम के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण आदि के दौरान हरियाणा के मशरूम उत्पादकों को उत्पादन तकनीक और मशरूम फार्म के लेआउट के बारे में जानकारी दी जाती है। औषधीय और अन्य विशिष्ट मशरूम जैसे शिटेक, किंग ऑयस्टर, ऑयस्टर, कॉर्डिसेप्स, ब्लैक ईयर मशरूम को सरकार के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

			एक क्लस्टर की पहचान की गई है और किसान उत्पादक संगठन भी बनाया गया है।	
5.	2022–23	ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और नीदरलैंड	प्रतिनिधिमंडल को बर्मिंघम विश्वविद्यालय, लंदन, ब्रिटेन में कोल्ड चेन शिखर सम्मेलन और समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। फलों के आकर्षण –2022 की यात्रा, मैड्रिड, स्पेन में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनीय पेरिस, फ्रांस में रूंगिस होलसेल मार्केट तथा 28.09.2022 से 08.10.2022 तक अंतर्राष्ट्रीय बागवानी प्रदर्शनी–फ्लोरियाड एक्सपो–2022 और अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार, अलसमीर (नीदरलैंड) का दौरा किया।	यात्रा के दौरान फसल कटाई के बाद प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए बर्मिंघम विश्वविद्यालय (यूओबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रोजेक्ट केंद्र, राज्य और बर्मिंघम विश्वविद्यालय से वित्त पोषण के साथ सरकार ने मंजूर हुआ था। स्पेन, नीदरलैंड और फ्रांस में थोक बाजारों की यात्राओं और बैठकों ने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे बाजारों के कामकाज के प्रदर्शन के लिए सुविधा प्रदान की, जो राज्य में भारत अंतर्राष्ट्रीय बागवानी बाजार और सेब बाजार की स्थापना के लिए प्रासंगिक हैं।

तालिका–2: हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के विदेशी दौरों का विवरण

क्र. सं	भ्रमण की तारिख	देश का नाम	दौरा किए गए देशों के चयन मानदंड	प्रतिनिधिमंडलों की रिपोर्ट पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई
1	06.06.2017 से 19.06.2017	ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और फिजी	प्रतिनिधिमंडल को पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में मर्डोक विश्वविद्यालय का दौरा किया, जहां हरियाणा राज्य के वैज्ञानिकोंध्अधिकारियों के साथ काम करने के लिए हरियाणा राज्य में अपने वैज्ञानिको एवं विशेषज्ञों को भेजकर अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए लुवास विश्वविद्यालय, हिसार और मर्डोक विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हेतू भेजा गया। प्रतिनिधिमंडल को डेयरी और कृषि के विकास में समर्थन के लिए माननीय कृषि मंत्री, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साथ बैठक करने के लिए भी भेजा गया । प्रतिनिधिमंडल को कृषि नवाचार और प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति देखने के लिए हैमिल्टन, न्यूजीलैंड में एक कृषि और कृषि व्यापार शो फील्ड डे में भी भाग लिया। फिजी की एक कृषि यात्रा भी निर्धारित की गई ।	कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन उद्योग (सीआईआई) पोस्ट विजिट रिपोर्ट तैयार किया ।

2	23.01.2018 से 25.01.2018	नीदरलैंड	अक्टूबर, 2018 में गुरुग्राम में अंतर्राष्ट्रीय (ॅन्ड) सम्मेलन आयोजित करने के लिए और वर्ल्ड यूनियन ऑफ होलसेल मार्केट्स ॅन्ड प्रबंधन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रतिनिधिमंडल ने नीदरलैंड जाने का कार्यक्रम तय किया ।	समझौता ज्ञापन (डवन) पर वर्ल्ड यूनियन ऑफ होलसेल मार्केट्स (ॅन्ड) प्रबंधन के साथ हस्ताक्षर किए गए।
3	15.04.2018 से 30.04.2018	स्पेन, नीदरलैंड, अर्जेंटीना और ब्राजील	प्रतिनिधिमंडल को 16 से 18 अप्रैल, 2018 तक बार्सिलोना (स्पेन) में वर्ल्ड यूनियन ऑफ होलसेल मार्केट ;ॅन्ड) सम्मेलन में भाग लेने के लिए भेजा गया ।शिष्टमंडल ने यूनिवर्सिटी ऑफ वागेनिंगेन, नीदरलैंड का दौरा किया जहां उनके अनुसंधान कार्यक्रमों पर विशेष रूप से पुआल जलाने पर प्रस्तुतियां दी गईं।हरियाणा राज्य के आधुनिक फलों और सब्जियों के बाजारों के विकास के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए ब्राजील और अर्जेंटीना के आधुनिक थोक और खुदरा बाजारों की यात्रा की योजना बनाई गई थी। प्रतिनिधिमंडल को द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से कृषि बाजार सचिव, कृषि–उद्योग मंत्रालय, अर्जेंटीना के साथ आधिकारिक बैठक आयोजित की गई थी।	कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन उद्योग (सीआईआई) पोस्ट विजिट रिपोर्ट तैयार किया ।
4	06.05.2018 से 09.05.2018	ईजराइल	उद्यान विभाग द्वारा प्रतिनिधिमंडल दौरे की योजना बनाई गई थी।	–––
5	22.01.2019 से 30.01.2019	हंगरी और ऑस्ट्रिया	प्रतिनिधिमंडल को 23 से 26 जनवरी 2019 तक बुडापेस्ट, हंगरी में सबसे बड़ी कृषि व्यापार प्रदर्शनी, ''एग्रोमाश एक्सपो और अग्रगेपशो'' का दौरा करने के लिए भेजा गया । प्रदर्शनी एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक गतिविधि है, और इस प्रकार ज्ञान हस्तांतरण और नेटवर्किंग के लिए एक आदर्श अवसर प्रदान करती है। यह हंगेक्सपो प्रदर्शनी भी अपशिष्ट प्रबंधन और खाद बनाने वाली कंपनियों और उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए थी, इसलिए यह यात्रा फलों और सब्जियों के अवशेषों के अपशिष्ट प्रबंधन में अपनाई जा रही नवीनतम तकनीकों और प्रौद्योगिकी को समझने और देखने के लिए थी। प्रतिनिधिमंडल को ऑस्ट्रिया के विएना होलसेल मार्केट का भी दौरा करना था। यह बाजार 1972 से फलों,	पोस्ट विजिट रिपोर्ट तैयार.

			सब्जियों, मांस, मछली, अंडे के उत्पादों और फूलों के लिए एक हब और क्षमता केंद्र है। यह यात्रा ऑस्ट्रिया के ग्रोबमार्क विएन, विएना में फ्लॉवर मार्केट में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और तकनीक को समझने में मदद करती है।	
6	14.05.2019 से 25.05.2019	सर्बिया, मोंटेनेग्रो और पोलैंड	प्रतिनिधिमंडल को बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित वर्ल्ड यूनियन फॉर होलसेल मार्केट ;ॅन्ड) सम्मेलन में भाग लिया । सम्मेलन का विषय ''ताजा खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली चुनौतियों को लेकर था। ॅन्ड सम्मेलन प्रतिनिधियों को मूल्यवान नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है, और न केवल थोक और खुदरा बाजारों, बल्कि दुनिया भर में बाजार क्षेत्र और खाद्य वितरण उद्योगों कार सामना करने वाले नवीनतम मुद्दों और रुझानों पर बहस करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। प्रतिनिधिमंडल को एलिजोव्का मार्केट का दौरा करने के लिए भेजा गया । जो ल्यूबेल्स्की, पोलैंड में स्थित एक सुपर–क्षेत्रीय थोक बाजार है। ल्यूबेल्स्की थोक बाजार का एक महत्वपूर्ण तत्व विदेश व्यापार और संवर्धन केंद्र है। यह विभाग मौजूदा भागीदारों के साथ व्यावसायिक संपर्क बनाए रखने के साथ–साथ नए भागीदारों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करता है।प्रतिनिधिमंडल को वारसॉ में ब्रोंसिस होलसेल मार्केट और इवाबिस मार्केट का भी दौरा किया जो वर्तमान में थोक फल और सब्जियों का आयात और निर्यात करता है। टाइची, पोलैंड में सिलेसिया थोक फूल बाजार की यात्रा की भी योजना बनाई गई थी। इस बाजार में गमले में लगे फूल, पेड़, फल और सजावटी झाड़ियाँ, फूलों की सामग्री सहित फूलों के सामान मिलते हैं। जैसा कि एचएसएएमबी भी पंचकुलाध्गुरुग्राम में फूलों का बाजार स्थापित करना चाहता है, यह यात्रा आधुनिक फूल बाजार के कामकाज के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए थी। प्रतिनिधिमंडल को मोंटेनेग्रो के पॉडगोरिका में किसानों के बाजार का अध्ययन करने के लिए भेजा गया ।	पोस्ट विजिट रिपोर्ट तैयार.

टिप्पणीः

सभी विदेशी दौरो के कार्यक्रम सरकार के स्तर पर उचित विचार–विमर्श तथा नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी की अनुमति उपरान्त ही प्लान किये गये थे। विदेशी दौरों से प्राप्त अनुभव का उपयोग राज्य के कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में अपनाई जा रही बुनियादी सुविधाओं और प्रक्रियाओं में सुधार के लिए किया गया है।

....

जारी किए गए लाइसेंसों की संख्या

117. श्री वरूण चौधरी : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि राज्य में गत् पांच वर्षों में विभाग द्वारा रिहायशी प्लोटिड कॉलोनी, ग्रुप हाउसिंग तथा अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए जारी किए गए लाइसैंसों की विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रवार संख्या कितनी है तथा उनका क्षेत्रफल कितना है?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): श्रीमान जी, गत पांच सालों (01.01.2018 से 31.12.2022) के दौरान विभाग द्वारा प्लॉटिड आवासीय कालोनी (दीन दयाल आवास योजना-2016 सहित), समूह आवास कालोनी एवं अफॉडेबल ग्रुप हाउसिंग के लिए प्रदान किए गये लाइसैंसो का उनके क्षेत्रफल सहित विधानसभा क्षेत्र के अनुसार विवरण अनुसंलग्नक-1 में संलग्न है।

Annexure-1 Legislative Assembly wise details of licences granted during last 5 years for Residential Plotted colony, Group Housing colony and Affordable Housing.

Sr. No	Sub sr. no.	Name of Legislative Assembly	District	Development Plan	File/Case ID	License No	License Issue Date	Purpose	Area (Acre)	Sector Covered	Developer Name
17	1	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2523K	13 OF 2019	06-02-2019	RPL	16.25	91, 92	DLF Utilities Ltd.
18	2	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2755C	114 OF 2019	12-09-2019	RPL	16.03	108	EXPERION DEVELOPERS PVT. LTD.
19	3	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2638F	115 OF 2019	12-09-2019	RPL	13.43	90,89	Orris Infrastructure Pvt. Ltd
20	4	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2330C	41 OF 2021	23-07-2021	RPL	7.03	102,104,102A	Countrywide Promoters Pvt. Ltd.
21	5	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2477G	62 OF 2021	01-09-2021	RPL	9.30	70A,70	Countrywide Promoters Pvt. Ltd.
22	6	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LCZP-43	LCZP-43-JE(S)/2022/24695 OF 2022	21-12-2021	RPL	3.16		Paryapt Infrastructure Pvt. Ltd.
23	7	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4688A	117 OF 2022	12-08-2022	RPL	15.39	65	Emaar India Limited
24	8	Badshahpur	Gurugram	Sohna	LC-2841E	104 OF 2021	10-12-2021	RPL	47.76	29,30,32,33	St. Patrics Realty Pvt. Ltd.

25	9	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4221A	44 OF 2020	29-12-2020	DDJAY-APHP	10.60	95-A	DHARAM SINGH RAVINDER SINGH & OTHERS
26	10	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4222A	7 OF 2021	05-03-2021	DDJAY-APHP	11.98	81	STERNAL BUILDCON PVT. LTD.
27	11	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4242A	8 OF 2021	05-03-2021	DDJAY-APHP	20.59	37D	SIGNATUREGLOBAL DEVELOPERS PRIVATE LIMITED
28	12	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4248A	12 OF 2021	12-03-2021	DDJAY-APHP	10.30	92	SIGNATURE INFRABUILD PVT. LTD.
29	13	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4189A	19 OF 2021	28-04-2021	DDJAY-APHP	9.53	99-A	Satya Townships Private Limited
30	14	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4477A	32 OF 2021	03-07-2021	DDJAY-APHP	52.28	89	Adhikaansh Realtors Private Limited
31	15	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4204A	33 OF 2021	08-07-2021	DDJAY-APHP	13.68	71	Raj Buildwell Pvt. Ltd
32	16	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4300A	36 OF 2021	15-07-2021	DDJAY-APHP	10.11	73	A B REALTY PVT LTD
33	17	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4254A	44 OF 2021	10-08-2021	DDJAY-APHP	14.99	102A	RADHEY BUILD HOME

34	18	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4251A	61 OF 2021	28-08-2021	DDJAY-APHP	15.56	70A	Countrywide Promoters Pvt. Ltd.
35	19	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4339A	68 OF 2021	16-09-2021	DDJAY-APHP	20.61	61	Commander Realtors Pvt. Ltd
36	20	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4439A	71 OF 2021	17-09-2021	DDJAY-APHP	5.36	106	Magic Eye Developers Pvt Ltd
37	21	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4296A	72 OF 2021	17-09-2021	DDJAY-APHP	12.38	89-A	Bestech India Pvt. Ltd
38	22	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4253A	75 OF 2021	24-09-2021	DDJAY-APHP	9.37	93	DIVERSE DEVELOPERS LLP
39	23	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4294A	81 OF 2021	08-10-2021	DDJAY-APHP	39.43	89-A	Bestech India Pvt. Ltd
40	24	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4223A	94 OF 2021	12-11-2021	DDJAY-APHP	26.91	93	DLF Ltd.
41	25	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4513A	110 OF 2021	17-12-2021	DDJAY-APHP	5.01	63A	SIGNATURE GLOBAL (INDIA) PVT. LTD.
42	26	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4443A	111 OF 2021	17-12-2021	DDJAY-APHP	5.62	37D	Rose Building Solutions Pvt. Ltd.
43	27	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4528A	116 OF 2021	24-12-2021	DDJAY-APHP	11.36	63A	Ms Fortunea Infrastructure LLP

44	28	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4710A	120 OF 2021	24-12-2021	DDJAY-APHP	5.04	70A	HOME SURPRISE BUILDERS LLP
45	29	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4511A	7 OF 2022	19-01-2022	DDJAY-APHP	5.00	93	MRG Estates LLP
46	30	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4552A	10 OF 2022	31-01-2022	DDJAY-APHP	5.00	65	Countryside Properties Pvt. Ltd.
47	31	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4604A	11 OF 2022	02-02-2022	DDJAY-APHP	16.56	95	JMS Infra Reality Pvt. Ltd.
48	32	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4560A	13 OF 2022	24-02-2022	DDJAY-APHP	12.20	88B	Vatika Ltd.
49	33	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4584A	17 OF 2022	09-03-2022	DDJAY-APHP	6.51	95	Solutrean Building Technologies Pvt. Ltd.
50	34	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4507A	18 OF 2022	11-03-2022	DDJAY-APHP	6.30	78	Conmin Infra Developers LLP
51	35	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4652A	26 OF 2022	17-03-2022	DDJAY-APHP	10.24	76	PARDOS FIRST PRIVATE LIMITED
52	36	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4447A	60 OF 2022	13-05-2022	DDJAY-APHP	10.46	63A	SCJS BUILDWELL LLP
53	37	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4339B	62 OF 2022	25-05-2022	DDJAY-APHP	2.69	61	Commander Realtors Pvt. Ltd

54	38	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4603A	65 OF 2022	25-05-2022	DDJAY-APHP	10.69	95	DIVERSE DEVELOPERS LLP
55	39	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4690A	74 OF 2022	17-06-2022	DDJAY-APHP	20.14	63A	Anant Raj Ltd.
56	40	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4248B	81 OF 2022	24-06-2022	DDJAY-APHP	8.31	92	SIGNATURE INFRABUILD PVT. LTD.
57	41	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4697A	78 OF 2022	24-06-2022	DDJAY-APHP	6.01	99A	Skywhales Developers LLP
58	42	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4787A	93 OF 2022	12-07-2022	DDJAY-APHP	7.32	76	Whiteland Corporation Pvt. Ltd.
59	43	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4588A	102 OF 2022	27-07-2022	DDJAY-APHP	5.13	89	Adhikaansh Realtors Private Limited
60	44	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4621A	108 OF 2022	05-08-2022	DDJAY-APHP	11.39	93	ORA LAND AND HOUSING PVT LTD
61	45	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4672A	126 OF 2022	17-08-2022	DDJAY-APHP	7.38	88A	GCC INFRA
62	46	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4648A	141 OF 2022	16-09-2022	DDJAY-APHP	10.83	99A	Betterchoice Realtors Pvt. Ltd.
63	47	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4560B	152 OF 2022	29-09-2022	DDJAY-APHP	7.50	88B	Vatika Ltd.

64	48	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4724A	163 OF 2022	12-10-2022	DDJAY-APHP	5.01	59	NEEL MAHADEV BUILDTECH PVT LTD
65	49	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4615A	164 OF 2022	12-10-2022	DDJAY-APHP	8.88	65	BN Promoters Pvt. Ltd.
66	50	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4957A	166 OF 2022	18-10-2022	DDJAY-APHP	5.05	95	Sh. Dharam Singh and others
67	51	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4227A	174 OF 2022	21-10-2022	DDJAY-APHP	14.14	104	Sadan Realtech Pvt. Ltd.
68	52	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4803A	170 OF 2022	22-10-2022	DDJAY-APHP	5.64	99A	BST Developers India Pvt. Ltd.
69	53	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4491A	177 OF 2022	03-11-2022	DDJAY-APHP	7.68	112	RISHALI DEVELOPERS LLP
70	54	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4731A	192 OF 2022	23-11-2022	DDJAY-APHP	8.17	106	MRG World LLP
71	55	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4749A	193 OF 2022	24-11-2022	DDJAY-APHP	5.01	85	MGF Developments Ltd.
72	56	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4210A	194 OF 2022	29-11-2022	DDJAY-APHP	8.71	79	Revital Reality Pvt. Ltd.
73	57	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4211A	195 OF 2022	29-11-2022	DDJAY-APHP	45.16	79	Revital Reality Pvt. Ltd.

74	58	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4813A	200 OF 2022	05-12-2022	DDJAY-APHP	5.00	99A	Alton Buildtech India Pvt. Ltd.
75	59	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4644A	210 OF 2022	22-12-2022	DDJAY-APHP	17.32	93	SIGNATURE BUILDERS PVT. LTD.
76	60	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-4895A	211 OF 2022	26-12-2022	DDJAY-APHP	7.94	78	Mapsko Builders Pvt. Ltd.
77	61	Badshah pur	Guru gram	Gwal Pahari	LC-3900A	21 OF 2021	07-05-2021	DDJAY-APHP	9.50	2	Namdev Construction Pvt. Ltd.
78	62	Badshah pur	Guru gram	Pataudi	LC-3990A	16 OF 2020	21-07-2020	DDJAY-APHP	10.90	1	Sunsat Educational Academy Pvt. Ltd.
79	63	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3787A	18 OF 2019	09-02-2019	DDJAY-APHP	7.72	35,36,35,36	ALFA CONTECH PVT. LTD.
80	64	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3804A	23 OF 2019	20-02-2019	DDJAY-APHP	12.42	35	Lion Infradevelopers LLP
81	65	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3852A	24 OF 2019	20-02-2019	DDJAY-APHP	9.06	35	Lion Infradevelopers LLP
82	66	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3857A	39 OF 2019	01-03-2019	DDJAY-APHP	11.06	36	Signature Global Homes Pvt. Ltd.
83	67	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3856A	40 OF 2019	01-03-2019	DDJAY-APHP	6.29	36	Signature Global Homes Pvt. Ltd.

84	68	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3712B	55 OF 2019	08-03-2019	DDJAY-APHP	15.00	5	REGIONAL CONSTRUCTION PVT. LTD.
85	69	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3972A	58 OF 2019	08-03-2019	DDJAY-APHP	7.89	33	Global Horizon Holdings Pvt. Ltd.
86	70	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3954A	68 OF 2019	26-06-2019	DDJAY-APHP	5.26	5	Desi Construction Pvt. Ltd.
87	71	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3718A	70 OF 2019	02-07-2019	DDJAY-APHP	9.01	2,35	Sh. Nishant Luthra
88	72	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3888A	101 OF 2019	05-09-2019	DDJAY-APHP	12.11	5	RAMBHA CONSTRUCTION PVT. LTD
89	73	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4084A	117 OF 2019	12-09-2019	DDJAY-APHP	15.00	36	INTERNATIONAL LAND DEVELOPERS PVT. LTD.
90	74	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4087A	118 OF 2019	12-09-2019	DDJAY-APHP	10.53	36	INTERNATIONAL LAND DEVELOPERS PVT. LTD.
91	75	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3856B	130 OF 2019	07-12-2019	DDJAY-APHP	4.26	36	Signature Global Homes Pvt. Ltd.
92	76	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3853A	131 OF 2019	12-12-2019	DDJAY-APHP	10.73	2	SHREE VARDHMAN DEVELOPERS PVT. LTD.

93	77	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3718B	33 OF 2020	02-11-2020	DDJAY-APHP	0.34	2,35	Sh. Nishant Luthra
94	78	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4170A	39 OF 2020	10-12-2020	DDJAY-APHP	8.59	2	Supertech Ltd.
95	79	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3855A	18 OF 2021	16-04-2021	DDJAY-APHP	5.00	36	SIGNATURE GLOBAL (INDIA) PVT. LTD.
96	80	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4517A	87 OF 2021	27-10-2021	DDJAY-APHP	5.01	35	Ms Wings Realtors Pvt. Ltd.
97	81	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4523A	92 OF 2021	12-11-2021	DDJAY-APHP	14.78	36	ROF Infratech and Housing Pvt. Ltd.
98	82	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4535A	16 OF 2022	09-03-2022	DDJAY-APHP	9.03	35	Chander Mohan Khatana and others
99	83	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4575A	42 OF 2022	13-04-2022	DDJAY-APHP	12.13	2	METRO TECHNOBUILD PVT. LTD.
100	84	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4695A	76 OF 2022	24-06-2022	DDJAY-APHP	18.03	4	Goel & Son's Developers Pvt. Ltd.
101	85	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-3972B	88 OF 2022	06-07-2022	DDJAY-APHP	0.26	33	Global Horizon Holdings Pvt. Ltd.
102	86	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4696A	103 OF 2022	28-07-2022	DDJAY-APHP	9.96	2	N.S. Buildtech Pvt. Ltd.

103	87	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4718A	109 OF 2022	05-08-2022	DDJAY-APHP	10.04	35	V.K. Developers
104	88	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4449A	168 OF 2022	21-10-2022	DDJAY-APHP	10.41	7	NB BUILDCON PVT. LTD.
105	89	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4625A	182 OF 2022	11-11-2022	DDJAY-APHP	30.82	35	FAITH BUILDTECH PVT. LTD.
106	90	Badshah pur	Guru gram	Sohna	LC-4879A	209 OF 2022	16-12-2022	DDJAY-APHP	5.05	35	Dhoopla Enterprise Pvt. Ltd.
107	91	Badshah pur	Guru gram	Sohna in Mewat	LC-3839A	88 OF 2019	02-08-2019	DDJAY-APHP	5.96	12	Tedre Realcon Pvt. Ltd.
108	92	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-3155A	12 OF 2018	09-02-2018	RGH	2.38	15	ALPHACORP DEVELOPMENT PVT. LTD.
109	93	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-3156A	13 OF 2018	09-02-2018	RGH	2.36	15	ALPHACORP DEVELOPMENT PVT. LTD.
110	94	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-3206A	18 OF 2018	26-02-2018	RGH	7.47	5	MAYA HIGH RISE PVT. LTD.
111	95	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-3122B	50 OF 2019	07-03-2019	RGH	5.88	49	VA Agriculture Pvt. Lt.d
112	96	Badshah pur	Guru gram	Gurgaon-Manesar	LC-3142A	86 OF 2019	01-08-2019	RGH	2.12	33	PRIMORIS REALTORS PVT. LTD.

113	97	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-1488C	99 OF 2019	04-09-2019	RGH	1.20	112	EXPERION DEVELOPERS PVT. LTD.
114	98	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4772A	91 OF 2022	12-07-2022	RGH	6.18	76	Whiteland Corporation Pvt. Ltd.
115	99	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4778A	128 OF 2022	24-08-2022	RGH	5.43	63A	Anant Raj Ltd.
116	100	Badshahpur	Gurugram	Gwal Pahari	LC-4562A	75 OF 2022	15-06-2022	RGH	4.59	2	Shalimar Corp Limited
117	101	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3014A	15 OF 2018	13-02-2018	AHP	5.00	37C	RENUKA TRADERS PVT. LTD.
118	102	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3549A	28 OF 2018	02-05-2018	AHP	5.41	69	OCEAN SEVEN BUILDTECH PVT. LTD.
119	103	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3351A	33 OF 2018	26-05-2018	AHP	5.91	79	SIGNATURE GLOBAL (INDIA) PVT. LTD.
120	104	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3020A	34 OF 2018	31-05-2018	AHP	10.00	76	Suncity Projects Pvt. Ltd
121	105	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3012A	45 OF 2018	29-06-2018	AHP	9.06	78	REVITAL REALITY PVT. LTD.
122	106	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2990C	78 OF 2018	17-11-2018	AHP	1.50	86	Pyramid Infratech Pvt Ltd

123	107	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3755A	77 OF 2018	17-11-2018	AHP	5.61	86	Pyramid Infratech Pvt Ltd
124	108	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3303A	80 OF 2018	02-12-2018	AHP	8.93	88A	Signature Global (India) Pvt. Ltd.
125	109	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3706A	82 OF 2018	06-12-2018	AHP	4.11	102	Nani Resorts & Floriculture Pvt. Ltd.
126	110	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3784A	84 OF 2018	10-12-2018	AHP	5.12	70A	Pyramid Infratech Pvt Ltd
127	111	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3757A	85 OF 2018	10-12-2018	AHP	5.03	85	Pyramid Infratech Pvt Ltd
128	112	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3775A	1 OF 2019	04-01-2019	AHP	5.00	93	Pyramid Propmoto Pvt. Ltd.
129	113	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3783A	26 OF 2019	25-02-2019	AHP	5.00	76	Pyramid Infratech Pvt Ltd
130	114	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3748A	30 OF 2019	28-02-2019	AHP	5.00	90	BD Infradevelopers LLP
131	115	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3766A	37 OF 2019	28-02-2019	AHP	5.01	92	Nani Resorts & Floriculture Pvt. Ltd.
132	116	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-2978B	38 OF 2019	28-02-2019	AHP	5.00	81	Minda Industries Ltd

133	117	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3759A	31 OF 2019	01-03-2019	AHP	5.40	103	MS MAHIRA BUILDTECH PVT LTD
134	118	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3736A	45 OF 2019	01-03-2019	AHP	5.49	37D	Sarvpriya Securities Pvt. Ltd.
135	119	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3735A	43 OF 2019	05-03-2019	AHP	5.00	108	MRA Infrastructure Development LLP
136	120	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3068E	51 OF 2019	06-03-2019	AHP	5.00	93	SIGNATURE BUILDERS PVT. LTD.
137	121	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3786A	49 OF 2019	07-03-2019	AHP	5.03	112	Pareena Builders and Promoters Pvt. Ltd.
138	122	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3246B	65 OF 2019	11-06-2019	AHP	2.46	92	GLS Infraprojects Pvt. Ltd.
139	123	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3713A	69 OF 2019	26-06-2019	AHP	5.00	63A	SIGNATURE GLOBAL (INDIA) PVT. LTD.
140	124	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3714A	73 OF 2019	04-07-2019	AHP	5.11	95	SIGNATURE INFRABUILD PVT. LTD.
141	125	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3731A	89 OF 2019	02-08-2019	AHP	5.00	89	SIGNATURE GLOBAL (INDIA) PVT. LTD.
142	126	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3738A	100 OF 2019	05-09-2019	AHP	10.25	110	Millennium Diplomats Pvt. Ltd.

143	127	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3770A	103 OF 2019	05-09-2019	AHP	5.10	70	OCEAN SEVEN BUILDTECH PVT. LTD.
144	128	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4011A	109 OF 2019	11-09-2019	AHP	5.56	70	Pyramid Dream Homes LLP
145	129	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3730A	121 OF 2019	14-09-2019	AHP	4.73	89	SIGNATURE INFRABUILD PVT. LTD.
146	130	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3772A	128 OF 2019	27-11-2019	AHP	4.98	63-A	MS CZAR BUILDWELL PVT LTD
147	131	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4025A	133 OF 2019	16-12-2019	AHP	5.70	59	Pyramid Homes Developers Pvt. Ltd.
148	132	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3014C	9 OF 2020	09-03-2020	AHP	2.53	37C	RENUKA TRADERS PVT. LTD.
149	133	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4186A	17 OF 2020	17-07-2020	AHP	9.10	37D	STERNAL BUILDCON PVT. LTD.
150	134	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4173A	19 OF 2020	01-08-2020	AHP	5.03	93	PEGASUS LAND AND HOUSING PVT LTD
151	135	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4154A	21 OF 2020	13-08-2020	AHP	7.33	95	STERNAL BUILDCON PVT. LTD.
152	136	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-4178A	24 OF 2020	10-09-2020	AHP	6.05	95	CZAR BUILDWELL PVT LTD

153	137	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3979A	26 OF 2020	25-09-2020	AHP	4.34	70	Pyramid Dream Homes LLP
154	138	Badshahpur	Gurugram	Gurgaon-Manesar	LC-3991A	28 OF 2020	07-10-2020	AHP	9.06	95-B	MEGA INFRATECH PRIVATE LIMITED

भूकंप प्रतिरोध के लिए मानदंड तथा बिल्डिंग कोडज

118. श्री राकेश दौलताबाद : क्या शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कृपया बताएंगे कि-

(क) बादशाहपुर विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र का कितना क्षेत्र है जो भूकंपीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है;

(ख) गुरुग्राम में भूकंप प्रतिरोध के लिए इमारतों तथा अन्य बुनियादी अवसंरचना के लिए बिल्डिंग कोडज इत्यादि के मानदंड क्या हैं;

(ग) गुरुग्राम में इन मानदंडों तथा बिल्डिंग कोडज के उल्लंघनों के उदाहरण क्या हैं; तथा

(घ) इन उल्लंघनों के साथ लगाए गए जुर्मानों का ब्यौरा क्या है, यदि कोई है तथा भूकंप प्रतिरोध सुनिश्चित करने के लिए क्या सुधारात्मक कार्यवाही आरम्भ की गई ?

मुख्यमंत्री (**श्री मनोहर लाल**) : श्रीमान जी,

(क) जिला गुरुग्राम भूकंपीय क्षेत्र-IV के अंतर्गत आता है।

(ख) हरियाणा भवन संहिता -2017 के अनुसार, भवन नक़्शों के अनुमोदन के लिए आवेदन जमा करने के समय वास्तुकार/ अभियंता / संरचनात्मक अभियंता / प्रमाण सलाहकार, संहिता और अनुप्रयुक्त भवन(नों) के लिए संरचनात्मक सुरक्षा की अनुरूपता के संबंध में फॉर्म BR-V(A1)/V(A2) में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है। यह प्रमाणित किया जाता है कि भूकंप और अन्य प्राकृतिक खतरों के लिए प्रतिरोधी संरचनाओं के लिए राष्ट्रीय भवन संहिता और प्रासंगिक भारतीय मानक संहिता (नवीनतम संशोधनों के साथ) सहित भारतीय मानक कोड ब्यूरो के प्रावधानों के अनुसार संरचना तैयार की गई है। इसे रचित करते समय स्थानीय मिट्टी की स्थिति, इसकी भार वहन क्षमता और भूमिगत जल तालिका आदि को ध्यान में रखा गया है।

साथ ही, ऑक्यूपेशन प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन जमा करते समय, निर्माण कार्य स्थल पर निर्माण की निगरानी करने वाले वास्तुकार / अभियंता (संरचनात्मक अभियंता), संहिता और अनुप्रयुक्त भवन(नों) के लिए संरचनात्मक सुरक्षा की अनुरूपता के संबंध के अनुरूप फॉर्म BR-V(1)/V(2) में पूर्णता प्रमाण पत्र जमा करते हैं। यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त निर्माण कार्य स्थल पर निर्माण की देखरेख करने वाले वास्तुकार/ अभियंता (संरचनात्मक अभियंता) द्वारा पर्यवेक्षण किया गया है और स्वीकृत भवन नक़्शों और इसकी संरचनात्मक रचना के अनुसार उनकी संतुष्टि के अनुसार पूर्ण किया गया है जैसा कि प्रमाण सलाहकार द्वारा जांचा और प्रमाणित किया गया है। कारीगरी और निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सभी सामग्री राष्ट्रीय भवन संहिता में निर्धारित विनिर्देशों को पूरा करती है, अग्रसर, ना ही हरियाणा भवन संहिता -2017 का कोई प्रावधान

और ना ही उसके आधार पर कोई बनाया गया नियम, निर्धारित शर्तें या जारी किए गए आदेश का उल्लंघन कार्य की अवधि में किया गया है।

भवन नक्शों के अनुमोदन एवं ऑक्यूपेशन प्रमाण पत्र प्रदान करने के समय उपर्युक्त प्रमाण पत्रों की प्रस्तुति सुनिश्चित की जाती है।

(ग) हरियाणा भवन संहिता -2017 के अनुसार, कोई भवन नक्शा अनुमोदित और ऑक्यूपेशन प्रमाण पत्र प्रदान नहीं किया जाता है जब तक वास्तुकार/ अभियंता/ अभियंता (संरचनात्मक अभियंता) / प्रमाण सलाहकार द्वारा संहिता की अनुरूपता और राष्ट्रीय भवन संहिता, हरियाणा भवन संहिता, प्रासंगिक भारतीय मानक संहिता (नवीनतम संशोधनों के साथ) सहित भारतीय मानक ब्यूरो के प्रावधानों के अनुसार संरचनात्मक सुरक्षा उपायों का पालन सुनिश्चित नहीं किया जाता है जैसा की ऊपर बिंदु संख्या (ख) में उल्लेख किया गया है।

अतः, भवन नक़्शों और ऑक्यूपेशन प्रमाण पत्र को अनुमोदन देने के दौरान इन मानदंडों और भवन संहिता के उल्लंघन के ऐसे कोई उदाहरण नहीं हैं, क्योंकि उक्त मानदंडों / संहिता का पालन अनिवार्य रूप से वास्तुकार/ अभियंता / अभियंता (संरचनात्मक अभियंता)/ प्रमाण सलाहकार द्वारा उक्त अनुमोदन जारी करने से पहले प्रमाणित किया जाता है।

(घ) उपरोक्त बिंदु संख्या (ग) पर दिए गए उत्तर के मद्देनजर, ऐसा कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है।

सदस्यों की अनुपस्थिति के संबंध में सूचना देना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सदन को सूचित करना है कि श्रीमती सीमा त्रिखा, विधायक ने ई–मेल के माध्यम से मुझे सूचित किया है कि उनकी माता जी के निधन होने के कारण वे दिनांक 17.03.2023 से पुनः शुरू होने वाले बजट सत्र की आगामी बैठकों में पारिवारिक स्थिति को देखते हुए उपस्थित नहीं हो सकती हैं ।

इसी प्रकार मुझे श्रीमती शकुन्तला खटक, विधायक ने दूरभाष के माध्यम से सूचित किया है कि उनकी बेटी का स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण वे दिनांक 21 एवं 22 मार्च, 2023 को सदन की बैठकों में उपस्थित नहीं हो सकती हैं ।

इसी प्रकार से श्री प्रदीप चौधरी, विधायक ने ई–मेल के माध्यम से मुझे सूचित किया है कि निजी कारणों की वजह से वे आज दिनांक 21.03.2023 को सदन की बैठक में उपस्थित नहीं हो सकते हैं ।

———————

राज्य में भारी बरसात और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों की स्पैशल गिरदावरी करवाने का मामला उठाना

श्री शमशेर सिंह गोगी : अध्यक्ष महोदय, हम किसान की वजह से ही खाना खा पाते हैं । अतः किसान की आज जो फसल बर्बाद हुई पड़ी है मेरा कहना है कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय उसके लिए भी घोषणा कर दें कि फसल की गिरदावरी करवाकर पिछला मुआवजा भी जल्दी ही देंगे ।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे में कई माननीय सदस्यों ने ध्यान करवाया है और हमने आपस में भी विचार किया है, इसलिए मुझे आज यह घोषणा करनी ही है कि वर्षा और ओलावृष्टि के कारण से फसल का जो नुकसान हुआ है उसकी हम स्पैशल गिरदावरी करवायेंगे । माननीय सदस्यों के माध्यम से सभी किसान बन्धुओं से मेरा निवेदन है कि जिसकी फसल का नुकसान हुआ है वे किसान 'क्षतिपूर्ति पोर्टल' पर 72 घंटे के अंदर उसकी एंट्री जरूर कर दें क्योंकि कई बार वह एंट्री नहीं होती है और फिर अधिकारी ऊपर–नीचे करके कुछ भी डाल देते हैं । नुकसान का मूल्यांकन भी उसी एंट्री के हिसाब से किया जाएगा कि उसने अपना नुकसान कितना डिक्लेयर किया है, अधिकारियों ने कितना नुकसान आंका है और बाद में उसकी जितनी बिक्री होती है तो उस हिसाब से आंकलन होता है । अतः किसान 'क्षतिपूर्ति पोर्टल' पर 72 घंटे के अंदर नुकसान की एंट्री जरूर कर दें ।

———————

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य एवं हरियाणा वक्फ बोर्ड के प्रशासक का अभिनन्दन

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि श्री जाकिर हुसैन, पूर्व विधायक एवं प्रशासक, हरियाणा वक्फ बोर्ड आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए अध्यक्ष दीर्घा में उपस्थित हैं । यह सदन इनका स्वागत करता है ।

———————

मुकन्द लाल नैशनल कॉलेज, यमुनानगर के विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण का अभिनन्दन

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मुकन्द लाल नैशनल कॉलेज, यमुनानगर के विद्यार्थी तथा अध्यापकगण आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं । मैं सारे सदन की ओर से इनका स्वागत करता हूं ।

....

होम्योपैथिक मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, सैक्टर–26, चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का अभिनन्दन

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि होम्योपैथिक मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, सैक्टर–26, चण्डीगढ़ के विद्यार्थी आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं । मैं सारे सदन की ओर से इनका स्वागत करता हूं ।

———————

सचिव द्वारा घोषणा

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सचिव घोषणा करेंगे ।

श्री सचिव : महोदय, मैं, हरियाणा विधान सभा ने जो हरियाणा विनियोग (संख्या–1) विधेयक, 2023 को अपने फरवरी–मार्च सत्र, 2023 में पारित किया था तथा जिस पर राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, नेवा पोर्टल के माध्यम से सदन की मेज पर रखता हूं।

———————

हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के व्यवहार के संबंध में मामला उठाना

श्री कुलदीप वत्स: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही जरूरी बात रखना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक बड़ा गम्भीर विषय है। हमें पूरा हरियाणा प्रदेश देखता है और पूरा देश देखता है। सदन में जिस प्रकार से सभी माननीय सदस्यगण अपनी बात रखते हैं, उनको पूरा हरियाणा प्रदेश का यूथ देखता है और हर आदमी भी देखता है। क्या सदन की मर्यादा हर वक्त हर पल ऐसे ही तार–तार होती रहेगी? कल माननीय सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला जी जो भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे, वह सदन के लिए शोभा नहीं देती है।

श्री अध्यक्ष: वत्स जी, इस विषय पर तो कल ही चर्चा हो चुकी है।

श्री कुलदीप वत्स: अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुन लें।

श्री अध्यक्षः वत्स जी, इस पर कल ही चर्चा हो चुकी है। अब इस विषय को दोबारा से रिपीट करने की जरूरत नहीं है।

श्री कुलदीप वत्स: अध्यक्ष महोदय, किसी भी व्यक्ति को ऐसी बातें करना शोभा नहीं देता है। इसके खिलाफ कोई कार्यवाही जरूर करनी चाहिए। हमारे माननीय सदस्य श्री शमशेर सिंह गोगी जी को हरियाणा प्रदेश की जनता ने चुनकर सदन में भेजा है। इनके बारे में कहा गया है कि माननीय सदस्य को यहां पर लाकर बैठा दिया। वे किसी के कर्म से यहां पर नहीं बैठे हैं। माननीय सदस्य अपनी मेहनत से यहां पर बैठे हैं और उनके हल्के के लोगों ने बैठाया है इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। अगर कोई गुंडागर्दी दिखानी है तो राजनीति छोड़कर लोगों के वहां पर जाकर गुंडागर्दी दिखाएं। यह सदन में अच्छी चीज नहीं है। अध्यक्ष महोदय, ये चीजें अच्छी नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष: कुलदीप जी, वैसे तो यह मामला कल ही समाप्त हो चुका है। हम आपकी भावना का सम्मान करते हैं।

श्री कुलदीप वत्स: अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से असभ्यता की बातें यहां नहीं होनी चाहिए। यह कोई बात करने का तरीका नहीं है। यहां पर कोई गुंडे नहीं लगे हुए हैं। अगर गुंडागर्दी दिखानी है तो और किसी के पास जाएं। यहां पर सदन में आकर गुंडागर्दी न दिखाएं। मैं कहना चाहूंगा कि उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए।

————————

दिनांक 21.03.2023 को सूचीबद्ध तारांकित प्रश्न संख्या 99 के जवाब (अनैक्श्चर सहित) की हार्ड कापी सदन में उपलब्ध करवाने का मामला उठाना

श्री आफताब अहमद: अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि क्वैश्चन ऑवर में 20 स्टार्ड प्रश्न लगाये जाते हैं लेकिन 10—11 क्वैश्चन पर ही डिस्कशन हो पाता है और बाकी स्टार्ड क्वैश्चंज का जवाब पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाता है। मेरा क्वैश्चन 99 नम्बर पर है। इसके बारे में कहा गया है कि विस्तृत रिप्लाई वैबसाईट पर डाल दिया गया है। इसके लिए मुझे कुछ तो रिटन में दिया जाए ताकि मैं अपने क्वैश्चन का रिप्लाई पढ़ सकूं।

श्री अध्यक्ष: आफताब जी, आपके क्वैश्चन का रिप्लाई नेवा पोर्टल पर आ गया है।

श्री आफताब अहमद: अध्यक्ष महोदय, इस नेवा पोर्टल पर तो लिखा हुआ आया है। लेकिन मेरा कहना यह है कि मेरे क्वैश्चन का रिप्लाई दे दिया जाए।

श्री अध्यक्ष: आफताब जी, मैं आपकी समस्या का समाधान करवाता हूं। इसके बारे में कल माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा साहब ने भी कहा था कि इन प्रश्नों के रिप्लाई की हार्ड कॉपी उपलब्ध करवा दें।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, इसमें मेरा निवेदन है कि कई बार प्रश्न का उत्तर इतना लम्बा होता है कि उसके कागजों के ढेर के ढेर लग जाते हैं। मैंने इनके बारे में पहले भी देखा है। मैंने माननीय सदस्य का सवाल अभी देखा है जिसमें लिखा हुआ है कि स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम बताए जाएं। अब उन नामों की संख्या

कितनी है और उनके रिकार्ड का कितना बड़ा कागजों का बंडल बनेगा? इसके लिए हम कम से कम यह तय करें कि ए–4 साईज के पेपर की कितने पेजिज तक हार्ड कॉपी दी जाए?

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, अगर रिप्लाई बहुत बड़ा है तो उसकी सी.डी. भी दे सकते हैं।

श्री अध्यक्षः आफताब जी, अगर हम 500–500 पेपर्ज का रिकार्ड देंगे तो हमने जो ई–विधान सभा की है, उसका अर्थ ही खत्म हो जाएगा।

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, अगर इस तरह के रिप्लाई को पेपर फॉर्मेट में नहीं दे सकते तो दूसरे फॉर्मेट में दे दें।

श्री अध्यक्षः आफताब जी, यह रिप्लाई नेवा पोर्टल पर ऑन रिकार्ड आ गया है।

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, इसका रिप्लाई नेवा पोर्टल पर तो आ गया है, लेकिन मुझे नहीं मिला है।

श्री अध्यक्षः आफताब जी, इसको नेवा पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं।

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, हमारे सवाल बड़ी मुश्किल से लगते हैं और उनका जवाब भी नहीं मिलेगा तो उस चीज का क्या फायदा होगा? पहले ही क्वैश्चन लिस्ट के हिसाब से कम क्वैश्चन पर डिस्कशन होता है। ऐसे में अगर क्वैश्चन का जवाब ही नहीं मिलेगा तो उसका क्या फायदा होगा?

उप मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी माननीय सदस्य ने बात की है तो उसके लिए हमारी हरियाणा विधान सभा की वैबसाईट है। जैसे लोक सभा और राज्य सभा में चाहे बड़े से बड़ा स्टार्ड या अनस्टार्ड क्वैश्चन होता है तो उसका रिप्लाई जैसे ही हाउस में ले डाउन होगा, उसके बाद वह अपलोड हो जाएगा। इसलिए माननीय सदस्य वहां से अपने क्वैश्चन का रिप्लाई डाउनलोड कर सकते हैं।

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, कल हमारे टैब पर नैट न चलने के कारण क्वैश्चन का रिप्लाई नहीं निकल रहा था।

श्री अध्यक्ष: गीता जी, आप संबंधित रिप्लाई को कभी भी निकाल सकते हैं। इसको सैशन के बाद भी निकाल सकते हैं। इसमें नैट की प्रॉब्लम हो तो दिक्कत आती ही है।

——————————

शून्यकाल में भाग लेने के लिए सदस्यों के नामों के संबंध में सूचना देना

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब शून्यकाल शुरू होता है। मैं यह सूची पढ़कर बता देता हूं कि इसमें कौन–कौन माननीय सदस्य अपनी बात रखेंगे? इसमें श्रीमती किरण चौधरी, श्री घनश्याम दास अरोड़ा, श्रीमती रेनू बाला, श्री हरविन्द्र कल्याण, श्री रणधीर सिंह गोलन, श्री इन्दुराज, श्री सुभाष सुधा, श्री प्रवीण डागर, श्री धर्मपाल गोंदर और श्री राजेश नागर, विधायक हैं। इस प्रकार ये 10 माननीय सदस्य अपनी बात रखेंगे। जो माननीय सदस्य अपनी बात रख चुके हैं, उनका नाम इस सूची में नहीं है। इस सूची में उन्हीं माननीय सदस्यों का नाम है, जो अभी तक नहीं बोले हैं। अब श्रीमती किरण चौधरी जी अपनी बात रखेंगी।

श्री लक्ष्मण नापा: अध्यक्ष महोदय, मुझे भी अपनी बात रखने के लिए मौका दिया जाए।

श्री अध्यक्षः लक्ष्मण जी, मेरे पास सभी माननीय सदस्यों की लिस्ट है कि कौन–सा माननीय सदस्य किस तारीख को कितनी बार बोला है? आप दिनांक 21.02.2023 को शून्यकाल के दौरान 5 मिनट बोल चुके हैं।(विघ्न) मेरे पास सभी माननीय सदस्यों का टाईम नोट है। श्री लीला राम जी दिनांक 17.03.2023 को बोल चुके हैं।

श्री शमशेर सिंह गोगी : अध्यक्ष महोदय, मेरी सेहत के हिसाब से 5 मिनट का समय कम पड़ता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ठीक है गोगी जी, इस पर विचार करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम भी ड्रा में निकला था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नीरज जी, यहां पर ड्रा की बात नहीं है। जो सदस्य नहीं बोले हैं उनको बोलने का समय दिया जायेगा।

....

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना

श्री अध्यक्ष : किरण चौधरी जी, आप शून्यकाल में अपनी बात रखें।

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम): अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके तोशाम के अंदर बहुत ही जबरदस्त पानी की किल्लत है वहां पर त्राहि–त्राहि मची हुई है। लोग टैंकरों से पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं और हरेक आदमी को अपनी जेब से महीने के आखिरी सप्ताह 1100–1200 रुपये देने पड़ रहे हैं। यह बात आपको भी अच्छी तरह से पता है कि महंगाई की कितना मार है। एक मूलभूत सुविधा सिर्फ पानी की ही है और वह भी नहीं मिल रहा है। जिन गांवों में पीने को पानी नहीं मिल रहा है मैं उनके नाम बता देती हूं। मालवास कोहाड़, खारियावास, चैनपुरा, देवावास, सीढान, खावा, गानरपुरा कलां, भारीवास, चनाना, दिनोद, बजीना, छप्पार, जोगियां, ढाणी भलाना, अलखपुरा, किरावड़, खनक, भुरटाना, खावा और ढाणी बिरान आदि। इसके अलावा मैं यह भी बताना चाहूंगा कि मैं यहां सदन में स्टेडियम के लिए भी 20 बार बोल चुकी हूं। सरकार हमारे स्टेडियम के लिए पैसे भी दे चुकी है लेकिन उसके बावजूद भी अभी तक वहां पर स्टेडियम नहीं बनाया गया है। हमारे देवराला, गोलागढ़, भानगढ़ और सहालेवाला गांवों में स्टेडियम नहीं बनाया गया है। इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मैं इनके लिए यही कहूंगी कि इनको फटाफट बनाया जाये। दरियापुर के अंदर एक ज्ञान केन्द्र है जिसकी कंस्ट्रक्शन का काम शुरू हो चुका है लेकिन वहां लगने वाली ईंटें बिल्कुल ही खराब हैं इसलिए मैं चाहती हूं कि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाये। जहां तक इरीगेशन विभाग की बात है तो इसका बहुत बुरा हाल है। हमारी जो सुंदर ब्रांच है उससे हमें जितना पर्याप्त मात्रा में पानी मिलना चाहिए था उतना

पानी नहीं मिल पा रहा है। पांच–पांच जिलों के अंदर पानी की राशनिंग की जा रही है। हमारी जुई (Jui) फीडर के अंदर 500 क्यूसिक पानी मिलना चाहिए था लेकिन इसमें 303 क्यूसिक पानी ही मिल रहा है। इसी तरह से नगीना (Nigana) फीडर के अंदर 650 क्यूसिक पानी मिलना चाहिए था लेकिन इसमें 105 क्यूसिक पानी ही मिल रहा है। इसी तरह से सीवानी (Siwani) फीडर के अंदर 400 क्यूसिक पानी मिलना चाहिए था लेकिन इसमें भी 301 क्यूसिक पानी मिल रहा है। आप इसी बात से अंदाजा लगा सकते हो कि वहां पर आज के दिन क्या हालात बने हुए हैं? अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके ओलावृष्टि और बेमौसमी बारिश हुई है। हमारा भिवानी और महेन्द्रगढ़ का दक्षिणी हरियाणा का जो इलाका है, वहां पर पहले ही सरसों की फसलें पाले के कारण मरी हुई थी। अब बेमौसमी बारिश होने के कारण सारी की सारी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक अहम मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहती हूं। मेरे पास पंजाबी भाई आये थे और कल भी सदन में इनकी बात उठाई गई थी। अध्यक्ष महोदय, इनको रिफ्यूजी शब्द कहकर बुलाया जाता है तो मैं समझती हूं कि यह इनके मान सम्मान की बात नहीं है। मैं सदन के अंदर बताना चाहूंगी कि जब मैं दिल्ली के अंदर डिप्टी स्पीकर थी तो मैं उस समय प्राईवेट मैम्बर बिल लेकर आई थी। जिसके तहत पंजाबी भाषा को दिल्ली में सैंकिंड लैंग्वेज का दर्जा दिया गया था। इसी तर्ज पर हमें भी इनका मान सम्मान बढ़ाते हुए जो पंजाबी समुदाय है, जिन्होंने अपनी मेहनत से इस देश को बनाया है और इसमें अपना अहम योगदान भी दिया है। अगर उसके बावजूद भी इन लोगों को रिफ्यूजी शब्दों से सम्बोधित किया जाता रहेगा तो मैं समझती हूं कि इससे ज्यादा दुर्भाग्य की बात नहीं हो सकती है इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि कोई ऐसा एक्ट लेकर आयें जिससे इनके मान सम्मान को ठेस न पहुंचे। जो लोग इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करते है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास लोहारू के किसान आये थे। वहां पर ऐसे 49 फार्मर्ज हैं जिनके पास अभी तक हैफेड से मुआवजा नहीं मिला है इसलिए मैं इनकी डिमांड भी यहां पर रख

रही हूं। इसके अलावा मैं यह भी बताना चाहूंगी कि तोशाम में 500 आई.टी.आई. के बच्चे हैं जिनको नौकरी से निकाल दिया गया है जबकि सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने की बात करती है। ये बच्चे वहां पर 15–20 साल से काम कर रहे थे उसके बावजूद भी इनको नौकरी से निकाल दिया गया है। मैं पूछना चाहूंगी कि वे कहां जायेंगे और जब इसमें नये बच्चे पढ़ने के लिए आयेंगे तो उनको कौन पढ़ायेगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पुलिस रिक्रूटमैंट की बात है तो वर्ष 2019 में पुलिस रिक्रूटमैंट का रिजल्ट डिक्लेयर हो गया था और 3000 कैंडीडेट्स have been granted joining जबकि बाकियों की ज्वाइनिंग पर कोर्ट ने स्टे कर दिया था। मैं सदन के अंदर यह बात रखना चाहती हूं कि ये पुलिस के लोग हैं आगे चलकर ये पुलिस कांस्टेबल भी बनेंगे। हमारी कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। आज तोशाम के अंदर कानून व्यवस्था का हाल बुरा हो रखा है। किस तरह से एक बच्चे को उठा लिया गया जो बकरियां चरा रहा था। वे लोग बकरियों के साथ बच्चे को भी उठाकर ले गये और आज तक उस बच्चे का कहीं कोई नामो–निशान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि इसकी भी पूरी तरह से जांच की जाए। अध्यक्ष महोदय, 'मेरी फसल–मेरा ब्यौरा' किसानों के गले की फांस बन गया है। सरकार द्वारा अपलोड की बात कही गयी है कि किसान अपने नुकसान को पोर्टल के ऊपर अपलोड कर दें ताकि किसानों का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई की जा सके। अभी मुख्यमंत्री जी ने भी कहा है कि किसानों का जो नुकसान हुआ है उस नुकसान की पूरी तरह से भरपाई हो जाएगी। लेकिन अध्यक्ष जी, दुर्भाग्य की बात तो यह है कि ये पोर्टल ही काम नहीं करते हैं। जब पोर्टल ही काम नहीं करेंगे तो किसान भाई को दर–बदर की ठोकरें खानी ही पड़ती हैं। अध्यक्ष महोदय, जब सरसों पूरी तरह से बिछी हुई है और रबी की फसल पूरी तरह से खराब हो गई है। ऐसे समय में सरकार द्वारा पोर्टल का सिलसिला छोड़कर फसल के नुकसान का वैरीफिकेशन फिजिकली तरीके से करवाया जाए जिससे पता चल पाएगा कि नुकसान कहां पर हुआ है, नहीं तो आधे लोग ऐसे ही वंचित

रह जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जैसा आप जानते हैं कि किसान पहले ही खून के आंसू पी रहा है और आज इतनी महंगाई के समय में उसकी फसल की लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है जबकि उसको मिल कुछ भी नहीं रहा है। अध्यक्ष महोदय, सिवानी कैनाल के अन्दर भारीवास माईनर के एक एल पर ऑब्सट्रक्शन की वजह से पानी नहीं निकलता है क्योंकि वह ऊंची बनी हुई है। मैंने यह बात बार–बार कही है।(घंटी) इसलिए जहां से यह माईनर बीच में ऊंची बनी हुई है उसको ठीक करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, लाल डोरे के अन्दर जो रजिस्ट्रियां हो रही हैं, वे भी गले की फांस बनी हुई है क्योंकि इसका सर्वर चंडीगढ़ में है। जिसने गलत अपलोड करवा दिया उसके लिए परेशानी हो जाती है। (घंटी) वह उसमें सुधार करवाने के लिए घूमता–फिरता रहता है, लेकिन उसकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्या, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है, प्लीज आप बैठ जाएं।

श्री घनश्याम दास अरोड़ा (यमुनानगर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मैं मेरे हल्के की समस्याएं जो जनहित में हैं उनकी तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, नगरों में अर्बन लोकल बॉडीज के तहत जहां भी निगम, परिषद तथा पालिकाएं हैं वहां आवारा कुत्ते दुर्घटनाओं का एक बहुत बड़ा कारण बनते हैं और वे बहुत बड़ी संख्या में हैं। उनको नियंत्रित कैसे किया जा सकता है, इसके लिए एक योजना अर्बन लोकल बॉडीज को बनानी चाहिए ताकि जो आवारा कुत्ते लोगों को काटते हैं और दुर्घटना का कारण बनते हैं, उससे छुटकारा पाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से नगरों में जो बेसहारा पशु घूमते हैं, वे भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं तथा यातायात को व्यवस्थित रूप से चलने नहीं देते इसलिए इनके लिए भी सरकार को कोई योजना बनानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ऐसी ही स्थिति शहरी क्षेत्रों में बन्दरों की है। जब बन्दर आते हैं तो बहुत ज्यादा नुकसान

करते हैं और लोगों को काटते हैं जिसके कारण लोग त्राहिमाम–त्राहिमाम करते हैं। इन बन्दरों को किस प्रकार से नियंत्रित किया जा सकता है, इसकी योजना भी डायरेक्टर अर्बन लोकल बॉडीज को बनानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अपनी फसल को अपने बच्चों की तरह पालकर बड़ा करता है लेकिन जंगली जानवर बहुत बड़ी संख्या में डार बनाकर, पंक्तिबंद होकर बहुत ज्यादा नुकसान करते हैं। इस नुकसान से किसान कैसे बचे, इस बात की भी चिन्ता और व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से गांव के अन्दर किसानों के खेतों में व अन्य स्थानों पर डामैस्टिक सप्लाई में भी लोहे के खम्भों का प्रयोग हुआ है। सरकार ने सभी लोहे के खम्भे हटाने का नीतिगत निर्णय लिया हुआ है, परन्तु अभी भी कई क्षेत्रों में चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो अथवा डोमैस्टिक सप्लाई वाला क्षेत्र हो वहां लोहे के खम्भे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं इसलिए सरकार को इसकी तरफ भी ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टर पूरी संख्या में न होने के कारण समाज के अनेक लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए यहां डॉक्टरों की संख्या पूरी की जाए तथा थैलिसिमिया की दवाई जिसे सरकार निःशुल्क उपलब्ध करवाती है, कई बार ऐसी रिपोर्ट आती है कि जो दवाई रक्त की कमी के कारण दी जाती है, वह पूरी मात्रा में उपलब्ध नहीं है, इसकी भी उपलब्धता करवाई जाए। अध्यक्ष महोदय, जो जिला स्तरीय अस्पताल है उनमें जिन सुविधाओं का पैरामीटर सरकार ने तय किया हुआ है। वे सभी सुविधाएं जिला अस्पतालों में हों इस बात की चिन्ता भी सरकार को करनी चाहिए। इसके साथ ही साथ कई सरकारी पाठशालाएं जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं, बच्चे अधिक हैं और भवन कम हैं। बच्चे कहते हैं कि बरसात के मौसम में छत टपकती हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि ऐसी सभी पाठशालाओं की मैपिंग करवाई जाए कि कौन सी पाठशाला कमजोर है और उसमें बच्चों के बैठने से नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस बात की चिन्ता भी शिक्षा विभाग को करनी चाहिए ताकि बच्चों को हम सुरक्षित भवन और

अच्छा फर्नीचर देकर शिक्षा ग्रहण करने का अवसर दे सकें। अध्यक्ष महोदय, जो बातें मैंने कही हैं अगर उनकी ओर सरकार ध्यान देगी तो निश्चित रूप से जो स्तर है वह सुधरेगा और समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। धन्यवाद।

श्रीमती रेनू बाला(सढौरा): अध्यक्ष महोदय, शून्यकाल पर मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र सढौरा की कुछ बातें रखना चाहती हूं। सबसे पहले मैं आपके माध्यम से सरकार को अवगत करवाना चाहती हूं कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रत्येक विधायक को अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य करवाने के लिए 5–5 करोड़ रुपये देने का वायदा किया था। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 3 करोड़ 87 लाख रुपये प्राप्त हुए थे जिसमें से कुछ पैसा गलियों और नालियों पर खर्च हो गया तथा कुछ काम भी हुए हैं लेकिन बहुत से काम पैंडिंग हैं। उनमें अम्बेडकर भवन, एस.सी. चौपाल और सामान्य जाति की चौपाल इत्यादि के काम नहीं हो पाये हैं। फील्ड के अधिकारी उन कार्यों के टैंडर नहीं लगाना चाहते हैं जिसके कारण मेरे सढौरा हल्के के विकास कार्य पैंडिंग पड़े हुए हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि बकाया राशि जारी करके मेरे हल्के के पैंडिंग काम पूरे करवाये जायें ताकि लोगों को सुविधा हो सके। मेरा हल्का सढौरा पिछड़ा हुआ क्षेत्र है इसलिए उसमें ज्यादा विकास कार्य करवाने की जरूरत है जो अभी तक नहीं किये गये हैं। अब मैं सरपंचों के विषय में अपनी बात रखना चाहती हूं। सरपंच गांव का मुखिया होता है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने सरपंचों के लिए 5–5 लाख रुपये के काम अपने स्तर पर बिना टैंडर के करवाने की घोषणा की थी। इस बारे में मेरा कहना यह है कि सरपंचों को 5 लाख की बजाय 20 लाख रुपये तक के कार्य बिना टैंडर के अपने स्तर पर करने की अनुमति होनी चाहिए ताकि गांव में विकास कार्य तेजी से हो सकें। इसके अतिरिक्त मैं एक विषय आवारा पशुओं के बारे में उठाना चाहती हूं। आजकल बहुत सारे बेसहारा पशुओं की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं जिससे जान माल का नुकसान होता है तथा उन पशुओं की भी जान चली जाती है। इन बेसहारा पशुओं की वजह से किसानों की फसलों का भी नुकसान

होता है इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इन बेसहारा पशुओं के लिए उचित प्रबंध करके उनको रखा जाये। अध्यक्ष महोदय, कल बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि की वजह से हमारे किसानों की फसलों का बहुत नुकसान हुआ है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगी कि स्पेशल गिरदावरी करवा कर किसानों को उनकी खराब हुई फसलों का उचित मुआवजा दिया जाये ताकि उनकी फसलों के हुए नुकसान की भरपाई हो सके तथा वे अपने परिवार का पालनपोषण कर सकें। मैं हर सत्र में अपने क्षेत्र के पुलों की बात रखती हूं। मेरे क्षेत्र में थाना छपर नाम का एक कस्बा है वहां पर आए दिन एक्सीडैंट्स होते हैं और लोगों की जान जाती हैं इसलिए वहां पर एक फ्लाईओवर की जरूरत है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध है कि थाना छपर और घाड़ का क्षेत्र जो कि पिछड़ा हुआ क्षेत्र है वहां के पुलों की भी मैंने डिमांड रखी थी इसलिए उन पुलों की तरफ ध्यान दिया जाये। यहां पर माननीय उप–मुख्यमंत्री जी बैठे हुए हैं और एक बार ये घाड़ क्षेत्र में एक पुल की घोषणा करके आए थे लेकिन आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है तथा वह कार्य ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री और उप–मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगी कि मेरे हल्के की तरफ ध्यान दिया जाये ताकि मेरे हल्के का पिछड़ापन दूर हो सके। इसके अतिरिक्त मेरे हल्के के हर गांव में पानी की निकासी की समस्या है। जोहड़ों का पानी घरों की नालियों तक चला जाता है जिसके कारण लोगों को आने–जाने में दिक्कत होती है इसलिए मेरे हल्के के पानी की निकासी का उचित प्रबंध करवाया जाये ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सके। अध्यक्ष महोदय, अब मैं खेतों के कच्चे रास्तों के बारे में अपनी बात रखना चाहती हूं। यहां पर उप–मुख्यमंत्री जी और पंचायत मंत्री जी भी बैठे हुए हैं। खेतों के कच्चे रास्तों को पक्का करने की एक स्कीम आई थी। अक्तूबर, 2022 में मेरे हल्के के लिए यह फंड आ गया था लेकिन 4 महीने के बाद भी उन कार्यों के टैंडर नहीं हुए थे। जब मैंने फोन करके इस बारे में जानकारी मांगी तब जा कर 4 महीने बाद

उनके टैंडर लगे हैं। इसका मतलब यही हुआ कि सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत से हमें गुमराह किया जा रहा है। लोग हमसे पूछते हैं कि हमारे काम क्यों नहीं हो रहे हैं तो उस स्थिति में हम लोगों को क्या जवाब दें? अब तो लोग सरकार को भी बोलने लग गये हैं कि आप काम करवाइये बातों में कुछ नहीं रखा है। अध्यक्ष महोदय 6 अक्तूबर, 2022 को माननीय मुख्यमंत्री जी ने पी.टी.आई. टीचर्स को समायोजित करने का आश्वासन दिया था लेकिन आज तक भी वे पी.टी.आई. टीचर्स धरने पर बैठे हुए हैं। न ही तो उनकी बात सुनी गई और न ही उनको समायोजित किया गया है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि पी.टी.आई. टीचर्स को समायोजित करके उनको दोबारा से रखा जाये ताकि उनके परिवारों का गुजारा हो सके। इसी प्रकार से हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 50 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है लेकिन बागवानी के ट्यूबवैल कनैक्शन कमर्शियल होने के कारण किसानों को बिजली के ज्यादा बिल पे करने पड़ते हैं इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि हॉर्टिकल्चर के बिजली के बिल एग्रीकल्चर की तर्ज पर दिये जायें ताकि वहां पर हॉर्टिकल्चर का विकास हो सके। धन्यवाद।

श्री हरविन्द्र कल्याण(घरौंडा): अध्यक्ष महोदय, मुझे शून्यकाल पर बोलने के लिए समय देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र की कुछ समस्याओं का जिक्र करना चाहूंगा। मेरा क्षेत्र जी.टी. रोड और यमुना बैल्ट के बीच में है। वहां पर एक तरफ जहां माइनिंग क्षेत्र है वहीं दूसरी ओर बसताड़ा गांव में टोल बूथ भी है। इस कारण से समाइनिंग और टोल के आसपास के गांवों के लोगों को इससे भारी समस्या आ रही है। इसका कारण यह है कि टोल को बचाने के लिए आसपास के गांवों के रास्तों से हजारों छोटे—बड़े वाहन निकलते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, ऑफिसर्स गैलरी में कोई भी ऑफिसर नहीं बैठा हुआ है। इसका मतलब सदन की कार्यवाही को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है। अगर

ऑफिसर्स ही नहीं हैं तो हम क्या अपनी समस्या बतायेंगे और उनके क्या समाधान होंगे? अध्यक्ष महोदय, शून्यकाल में विधायक अपनी समस्यायें उठाते हैं तो ऑफिसर्स को उपस्थित रहना चाहिए और अगर ऑफिसर्स उपस्थित नहीं होंगे तो उन समस्याओं का समाधान कैसे होगा? इस प्रकार से यह तो खानापूर्ति हो रही है। यह बात तो आपके ऊपर जायेगी और आप तो इस बारे में बहुत सख्त हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, सभी एच.ओ.डी. ऊपर ऑफिसर्स गैलरी में बैठे हुए हैं और वे यहां उठाये गये मुद्दों को नोट भी करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब तो यही हुआ कि ये अधिकारी इसको गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणजीत सिंह): अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष भी अपनी सीट पर नहीं बैठे हुए हैं। वे सुबह से उपस्थित नहीं हुए हैं। इसके अलावा विपक्ष के बहुत से सदस्य भी नहीं बैठे हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, ऑफिसर्स को यहां सदन में उपस्थित रहना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, आपका ऐतराज रजिस्टर हो गया है और मैं इसका नोटिस लूंगा।

श्री रणजीत सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सारी कैबिनेट बैठी हुई है। हम सब कुछ नोटिस में ले रहे हैं। कोई एक आदमी एतराज कर दे तो ऐसा नहीं होना चाहिए कि सारे खड़े होकर एक ही बात कहने लग जाए। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, उनके नोटिस में तो होना चाहिए।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आप बैठ जाईये। नोटिस हो गया है। I will take notice of this.

Smt. Kiran Choudhry: Speaker Sir, that is fine. Thank you.

श्री हरविन्द्र कल्याण : अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा में जी.टी.रोड पर एक बसताड़ा टोल है और उस टोल को बचाने के लिए हजारों की संख्या में छोटे व बड़े वाहन गांव कुटेल से गुजरते हैं। जब वे वाहन वहां से गुजरते हैं तो वे न केवल टोल को बचाते हैं बल्कि उधर से आने में उनका जो ज्यादा समय लगता है उसको बचाने के लिए वे तेज स्पीड से चलते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहूंगा कि उस सड़क के ऊपर बहुत एक्सीडैंट्स होते हैं। वहां उस गांव की फिरनी व चौंक पर जाम लगा रहता है। वहां पर वाहनों के तेज गति से चलने के कारण न जाने कितने नौजवानों की मृत्यु हो चुकी है। मेरा इसमें यह कहना है कि अगर वहां से वह टोल शिफ्ट हो जाए तो अच्छी बात है। अगर किसी पॉलिसी के कारण से वहां से वह टोल शिफ्ट नहीं भी होता है तो कोई ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि टोल को बचाने के लिए जिन–जिन गांव के अन्दर से ट्रैफिक जाता है, प्रशासन वहां की पंचायतों के साथ तालमेल करके कोई व्यवस्थाएं बनाने का काम करे। उसमें चाहे स्पीड ब्रेकर देने की बात है, चाहे उसमें लो हाईट बैरियर बनाने की बात है या सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाने की बात है क्योंकि कई गाड़ियां तो किसी को टक्कर मार कर या एक्सीडैंट करके भाग जाती हैं और उनका पता भी नहीं चलता है। स्पीकर सर, यह बहुत ही गम्भीर विषय है इसकी ओर ध्यान दिया जाए। इसके साथ–साथ यमुना नदी के क्षेत्र में जो हमारा खनन का इलाका है वहां पर भी बहुत बुरी हालत है। वहां भी जो बड़े–बड़े डंपर हैं वे गांवों के बीच से निकलते हैं। मेरा अनुरोध है कि यमुना क्षेत्र में जहां खनन होता है वहीं यमुना नदी के बांध के ऊपर से एक सड़क बनाकर उसको मेन रोड तक निकाला जाए ताकि वे डंपर गांवों के अन्दर से ना आएं क्योंकि जब वे डंपर गांवों के अन्दर से जाते हैं तो उन गांवों में जैसे लालूपुरा, फिरोदपुरा और बरसत ऐसे कितने गांव हैं जहां से बड़े डंपर जाते हैं तो उनसे न जाने कितनी नालियां व गलियां टूट जाती हैं और वहां पर भी न जाने कितने एक्सीडैंट्स होते हैं। खनन से तो सरकार को रेवैन्यू भी मिलता है इसलिए सरकार को इसकी प्लानिंग भी करनी चाहिए। मेरा दूसरा विषय है कि

मेरी विधान सभा पानीपत से जुड़ी हुई है और पानीपत एक टैक्सटाईल हब है। पिछले कुछ वर्षों से पानीपत की डाईंग इंडस्ट्रीज या दूसरी इस प्रकार की इंडस्ट्रीज मेरे क्षेत्र के ग्रामीण एरिया में स्थापित हो रही हैं। वहां प्रोपर वाटर ट्रीटमैंट न होने की वजह से हालत ये है कि उनका कैमीकल युक्त पानी खेतों में बहाया जाता है, नालों में बहाया जाता है और बोर के माध्यम से जमीन में उतारा जाता है जिसके कारण आज उन इंडस्ट्रीज से लगते गांव जैसे बरसत, पुंडरी, अलिपुर खालसा, सिंघपुरा, फरीदापुर, जमालपुर आदि में स्किन और कैंसर की बहुत सारी समस्याएं हो रही हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जिस प्रकार से यमुनानगर व जगाधरी में कॉमन एफलुएंट ट्रीटमैंट प्लांट की व्यवस्था की गई है। सरकार से अनुरोध है कि ऐसे ही सी.ई.टी.पी. को स्थापित करने की कोई योजना मेरे क्षेत्र में भी करने का काम करें क्योंकि हमारे क्षेत्र में बहुत बड़ी संख्या में इंडस्ट्रीज आ रही हैं। स्पीकर सर, मेरे क्षेत्र की यमुना बैल्ट बहुत ही पिछड़ी हुई बैल्ट थी। मैं मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी का कोटि–कोटि आभार व्यक्त करता हूं कि आज उन्होंने वहां पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं लेकिन वहां पर लोगों की एक आई.टी.आई. और पी.एच.सी. की डिमांड है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां जमीन उपलब्ध है और इसके लिए प्रस्ताव सरकार के पास आया हुआ है। गांव नली खुर्द और गांव नली पार के बीच में एक आई.टी.आई. प्रस्तावित है सरकार उसको मंजूरी देने की कृपा करे। उसी प्रकार से गांव ढाकवाला, गुजरान और मोदीपुर के बीच में भी पंचायत ने जमीन देने का प्रस्ताव दिया है तो वहां पर भी एक पी.एच.सी. का निर्माण किया जाए। इसके अतिरिक्त स्पीकर सर, मैं अपनी केवल इतनी बात कह कर अपनी बात को समाप्त करूंगा कि आज नशे का जो फैलाव है वह बहुत ज्यादा हो रहा है और युवा उसकी चपेट में आ रहा है। ऐसा पिछले दिनों में देखा गया है जो गांव यमुना बैल्ट और यू.पी. से स्टे हुए हैं उनमें बहुत ज्यादा मात्रा में नशे का कारोबार हो रहा है। सरकार विशेष

तौर पर उसके ऊपर फोकस करे। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत आभार।

श्री रणधीर सिंह गोलन (पुंडरी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरी पुंडरी विधान सभा कांस्टीच्युंसी 1952 में अस्तित्व में आई थी लेकिन आज तक इसको सब–डिवीजन तक बनाने का काम नहीं किया गया है। मैंने पिछले वर्ष भी इस बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया था। यहीं नहीं यहां की फिजिबिलिटी रिपोर्ट भी सरकार के पास है लेकिन बजट न होने कारण इस काम के लिए मना कर दिया जाता है। मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि इस बार बजट में कोई न कोई प्रावधान करके मेरी पुंडरी विधान सभा क्षेत्र को सब–डिवीजन का दर्जा देने का काम किया जाये। इसके साथ ही मेरी पुंडरी विधान सभा क्षेत्र में गवर्नमैंट कालेज बनाने की भी जरूरत है। मैं इस बारे में हर बार सत्र के दौरान सदन में आवाज उठाता रहता हूँ लेकिन इसका आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया। मेरी विधान सभा क्षेत्र में कौल गांव आता है। यह बहुत ही बड़ा गांव है। अध्यक्ष महोदय, हिसार के अंदर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बनी हुई है। हिसार यूनिवर्सिटी के अधीन एक एग्रीकल्चर राइस रिसर्च सैंटर है जोकि कौल गांव में बना हुआ है जिसके लिए 65 एकड़ जमीन दी हुई है। यहां पर आफिस भी है, स्टॉफ भी है और रेजीडैंस भी बने हुए हैं और ऐसी अवस्था में यदि कौल गांव के अंदर भी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बना दी जाये तो आने वाले समय में उत्तर हरियाणा को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। इससे सरकार पर कोई ज्यादा खर्चे का बोझ भी नहीं पड़ेगा। जहां तक हैल्थ की बात है, मेरी विधान सभा क्षेत्र में पबनावा बहुत बड़ा गांव है। वहां पर पी.एच.सी. बनाने का काम सरकार द्वारा किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां टीक गांव में तो पी.एच.सी. भी मंजूर हो चुकी है लेकिन पिछले तीन वर्ष से इस पर कोई काम नहीं हो पाया है। मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि इन कामों को जल्द से जल्द कराया जाये। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पुंडरी में पुण्डरक ऋषि हुए हैं। वे बहुत

बड़े तपस्वी ऋषि थे। पूरे हिंदुस्तान में इनका नाम बड़े ही आदर के साथ लिया जाता है। कोई भी शादी–विवाह हो, जन्म हो या मरण हो, पंडित पूजा करते समय, पुण्डरी काक्ष नमस्ते का उच्चारण करते है। पुण्डरक ऋषि, ब्रम्हा, विष्णु और महेश की तरह ही जीवित अवस्था में ही प्रवाहित हो गए थे। जहां पर ये प्रवाहित हुए थे, वह एक बहुत बड़ा स्थान है और लगभग 20 एकड़ जमीन में फैला हुआ है। मैंने इस स्थान को पर्यटन स्थल बनाने के लिए कई बार माननीय मुख्यमंत्री जी से भी बात की है। मुझे कभी तो यह कह दिया जाता है कि कुरूक्षेत्र डिवैल्पमैंट बोर्ड के द्वारा इसको बनाया जायेगा, कुरूक्षेत्र डिवेल्पमैंट बोर्ड वाले कह देते हैं कि इसे यू.एल.बी. के द्वारा बनाया जायेगा तो मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि इस स्थान के लिए 10–20 करोड़ रूपये का प्रावधान करते हुए यू.एल.बी. के माध्यम से पुण्डरक ऋषि जी की याद में, पुंडरी की इस जगह को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का काम किया जाये। ऐसी मैं सरकार से उम्मीद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हमारे यहां महाग्राम योजना चलाई हुई है, जिसके तहत प्रदेश के बहुत सारे गांवों में काम जारी हैं और सरकार ने भी निर्णय लिया है कि जहां पर भी 10 हजार की आबादी है, उन गावों को महाग्राम योजना में शामिल किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र के पबनावा, हाबड़ी, सिरसल, बरसाना करोडा और टयोंठा ये वे बड़े गांव हैं, जिनकी आबादी दस हजार से ज्यादा है। इनको भी महाग्राम योजना में लेने का काम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सिंचाई विभाग का अंग्रेजों के जमाने का एक रैस्ट हाउस कौल गांव में बना हुआ है। इसका 2 करोड़ 99 लाख रूपये का एस्टीमेट्स बनकर सरकार के पास गया भी हुआ है लेकिन हर बार यही कहा जाता है कि बजट नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में बैठे नहीं है लेकिन जहां कहीं भी हैं, मेरी आवाज को सुन रहे होंगे। मैं सदन के माध्यम से उनसे अनुरोध करना चाहूंगा कि इस बार बजट में कौल में नया रैस्ट हाउस बनाने के लिए 3 करोड़ रूपये का प्रावधान करने का काम किया जाये। इसी प्रकार से जो हमारी सरसा ब्रांच है, वह काफी जर्जर अवस्था में है, इसका भी

नवीनीकरण करने का काम किया जाये तो यह बहुत ही भले का काम होगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी नगर पालिका, पुंडरी में 20–25 वर्षों से कालोनियां बसी हुई हैं लेकिन उनको अभी भी अनअथोराइज्ड कहा जाता है। इनके नक्शे वगैरह हमारे डायरेक्टर आफिस में आए हुए हैं। मेरा सदन के माध्यम से माननीय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता जी से निवेदन है कि इन कालोनियों को भी अथोराइज्ड करने का काम किया जाये ताकि यहां के निवासियों को पानी की, लाइट की, सीवरेज की और पक्की गलियां अर्थात् सभी प्रकार की मूलभूत सुविधायें मिल सकें। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपको बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री इंदूराज (बरौदा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि कल जो बेमौसमी बरसात हुई और तेज हवायें चली, उसकी वजह से पूरे हरियाणा प्रदेश में फसलों का बुरा हाल हो गया है। चाहे मेरे हल्के की बात हो या पूरे हरियाणा की बात हो, माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हम इसके लिए स्पेशल गिरदावरी कराने का काम करेंगे। मैं माननीय मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगा कि गिरदावरी तो पहले भी कई बार हो चुकी है लेकिन किसान को राहत देने का कोई काम नहीं किया गया है। मेरा सदन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है गिरदावरी के साथ–साथ किसान का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने का भी काम किया जाये । भाजपा का एक नारा है सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास लेकिन मेरे साथ विश्वासघात करने का काम किया जा रहा है। इसका उदाहरण मैं इस प्रकार से देना चाहूंगा कि जब बरौदा उपचुनाव हुआ तो था माननीय मुख्यमंत्री जी ने वहां पर यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की थी। इसी प्रकार माननीय शिक्षा मंत्री के बारे में भी मैं बात कहना चाहूंगा। वे अभी सदन में नहीं बैठे हैं। आदमपुर का जब उप–चुनाव हुआ था तो मंत्री जी वहां पर प्रैस कांफ्रैस कर रहे थे जोकि लाइव टेलिकास्ट हो रही थी और मंत्री जी ने कहा कि उन्होनें यूनिवर्सिटी बना दी है और

अगर चाहो तो विधायक से पूछ लो और मैंने उनके संज्ञान में भी ला दिया कि यहां पर कोई यूनिवर्सिटी नहीं बनाई गई है। आज सदन के माध्यम से फिर कहना चाहूंगा कि हमारे यहां न तो कोई यूनिवर्सिटी बनी है, न कोई स्कूल बनाया गया है और यहां तक कि आई. एम.टी. की घोषणा करने के बावजूद भी इसको नहीं बनाया गया है। यही नहीं दो महिला कालेज बनाने की घोषणा भी की गई थी। यह घोषणा भी पूरी नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैंने बजट को अच्छी तरह से पढ़ा है और जब से मैं विधायक बनकर आया हूँ तब से लेकर आज तक यह मेरा तीसरा बजट है। मैंने बजट को पूरे ध्यान से पढ़ा है लेकिन इन सब बातों का इनमें कहीं भी जिक्र तक नहीं किया गया है और ऐसा करके एक तरह से मेरे साथ विश्वासघात करने का काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि उनके द्वारा की गई घोषणायें हैं, मैंने इनके लिए कोई मांग भी नहीं की थी। अतः माननीय मुख्यमंत्री महोदय को अपनी घोषणायें तो पूरी करने का काम तो करना ही चाहिए। अब तो अगला चुनाव भी नजदीक आ गया है। आप लोगों के पास कुछ तो कहने को होगा कि आपने फलां काम पूरा करवाया है । अध्यक्ष महोदय, सरकार के मंत्री तक भी बड़ी–बड़ी झूठ बोलने का काम करते हैं। शिक्षा मंत्री जी ने लाइव टेलिकास्ट के दौरान कहा था कि यूनिवर्सिटी बन चुकी है और चाहे इस बारे में कंसंर्ड विधायक से पूछ लो लेकिन अगर ग्राउंड लैवल की बात की जाये तो यहां पर यूनिवर्सिटी का तो जिक्र तक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एक बात यह भी सामने आई थी कि इस यूनिवर्सिटी के लिए यहां के लोगों को कोई प्रस्ताव नहीं है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जनता–बुटाना में कमेटी बन गई है, अगर कोई प्रस्ताव की बात हो तो मैं प्रस्ताव भी लाकर दे दूंगा, लेकिन आप यूनिवर्सिटी बनाने का काम करें। यह सारा का सारा ग्रामीण क्षेत्र है। अगर यूनिवर्सिटी बन जायेगी तो उसमें बच्चे पढ़कर, अच्छी शिक्षा प्राप्त करके आगे बढ़ सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के बरौदा में मार्किटिंग बोर्ड की बहुत सारी सड़कें हैं। अध्यक्ष जी, इस बात के लिए बड़ा दुख होता है कि मार्केटिंग बोर्ड

की लगभग 5–7 किलोमीटर लंबी सड़क के लिए महज साढ़े तीन या साढ़े चार लाख रूपये की ग्रांट दी जाती है। यह आन रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, आप ही बताओ कि इतने कम पैसे में सड़क कैसे पूरी हो सकती है या सड़क की किस प्रकार से मरम्मत हो सकती है। आज हमारे यहां सड़कों का बुरा हाल बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जिस प्रकार से 20 सड़कों के लिए पैसे देने का काम किया जा रहा है, यदि कम से कम 5 सड़कों के लिए ही ज्यादा राशि देने का काम किया जाये तो वह ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि साढ़े तीन–साढ़े चार लाख रूपये में कोई ठेकेदार टैंडर तक नहीं ले रहा है और इस वजह से काम भी नहीं हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, सदन में माननीय बिजली मंत्री जी भी बैठे हैं। मैं सदन के माध्यम से उनके संज्ञान में भी लाना चाहूंगा कि किसान के खेत का जो बिजली का कनेक्शन होता है, यदि वहां पर एक ट्रांसफार्मर जल जाता है तो उस ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए ठेकेदार को 45 दिन के टाइम की छूट दे रखी है और इस बात को माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में भी कहा है। यह आन रिकार्ड की बात है। जब सरकार 45 दिन की बात करेगी तो ठेकेदार तो ट्रांसफार्मर को बदलने में एक साल का समय लगा देगा। अतः सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन है कि इसके लिए एक हफ्ते का टाइम देने का काम किया जाये।

बिजली मंत्री (श्री रणजीत सिंह): अध्यक्ष महोदय, ऐसा बिल्कुल नहीं है। हमारे स्टोर में ट्रांसफार्मर होते हैं और ट्रांसफर जलने की अवस्था में इनको तुरंत रिप्लेस कर देते हैं। ठेकेदार से हम बाद में लेते रहते हैं लेकिन जमींदार को परेशानी नहीं आने देते। माननीय सदस्य की यह सूचना ठीक नहीं है। अगर उन्हें कोई दिक्कत है तो मेरे से मिल भी सकते है। निःसंदेह उनकी समस्या का समाधान कराने का काम किया जायेगा।

श्री इंदूराजः अध्यक्ष महोदय, अब मैं कुछ और बात भी करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2017 में माननीय मुख्यमंत्री जी ने गोहाना बाई पास बनाने की घोषणा की थी। इस घोषणा का जो जो नम्बर है, वह भी मेरे पास है अगर माननीय मुख्यमंत्री जी इसका नम्बर जानना चाहेंगे तो वह नम्बर भी बता दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, बड़े अचरज की बात है कि वर्ष 2017 में गोहाना बाई पास की घोषणा की गई थी लेकिन अब एक अखबार में बयान आया है कि चूंकि यहां पर भूमि का मुआवजा ज्यादा मांगा जा रहा इसलिए यह बाई पास नहीं बनाया जा सका है। मैं पूछना चाहता हूं कि किस किसान ने ज्यादा मुआवजा मांगा है ? मेरा कहना है कि सरकार जमीन को कानून के मुताबिक अधिग्रहण करे और गोहाना के बाइपास के निर्माण कार्य को पूरा करे । बजट में अन्य शहरों के भी बहुत–से बाइपासिज का जिक्र किया गया है लेकिन बजट में गोहाना के बाइपास का कहीं नाम तक नहीं दिया गया है । हमारे साथ ऐसा विश्वासघात क्यों किया जा रहा है ? स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि जब प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महोदय की घोषणाएं ही पूरी नहीं हो रही तो फिर और किसका कहा हुआ काम होगा ? धन्यवाद ।

श्री सुभाष सुधा (थानेसर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे सदन में बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद । मैं बताना चाहता हूं कि इंफर्मेशन एण्ड पब्लिक रिलेशन डिपार्टमैंट में लगभग 100 भजन पार्टी लीडर व कलाकार पद पर पिछले 25 वर्ष से पार्ट–2 (Pay Roll) पर काम कर रहे हैं । ये गायक, भजन पार्टी सरकार की जन–कल्याणकारी नीतियों व योजनाओं का गांव–गांव, गली–गली जाकर प्रचार–प्रसार करते हैं । हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2003 में रैगुलराइजेशन सर्विस पोलिसी जारी की गई थी । इस पोलिसी के तहत जो कर्मचारी किसी भी विभाग में पार्ट–2 पर 10 साल से कार्यरत हैं उनको रैगुलर किया जाना था परंतु उन कलाकारों को रैगुलर नहीं किया गया । इन कलाकारों द्वारा वर्ष 2019 में एक सी.डब्ल्यू.पी. भी डाली गई थी जिसका

24.01.2019 को कलाकारों के हक में फैसला आया था । इस तरह से विभाग में वर्ष 2008 में पार्ट–2 पर ए.पी.आर.ओ. नियुक्त किये गए थे । वर्ष 2014 में सरकार द्वारा रैगुलर करने की जारी हुई इस पोलिसी के तहत 3 साल काम करने वाले कर्मचारियों को रैगुलर किया जाना था । विभाग द्वारा वर्ष 2014 की पोलिसी के तहत कुछ कर्मचारी जैसे क्लर्क, पीयन, स्टैनो व 8 ए.पी.आर.ओ. को पक्का किया गया था । अतः मेरा निवेदन है कि ये 100 कलाकार हैं जो पिछले 25 साल से काम कर रहे हैं । कोर्ट का फैसला भी इन्हीं के हक में आया हुआ है व अब विभाग में लगभग 9 ए.पी.आर.ओ. पार्ट–2 पर काम कर रहे हैं । इनको रैगुलर किया जाए । मैं आदरणीय लोकल बोडीज मिनिस्टर डॉ. कमल गुप्ता जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने कल सदन में गारबेज के चार्जिज पर बहुत बढ़िया डिसिजन लिया है । इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री मनोहर लाल जी का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कुरूक्षेत्र के बाइपास को बजट में रखा है । इसे भारत माला–2 में शामिल किया गया है । वहां पर बड़ा हैवी ट्रैफिक होता है । मेरा निवेदन है कि कुरूक्षेत्र एक हिस्टोरिकल प्लेस है, इसलिए उस बाइपास को भारत माला–1 में शामिल किया जाए । इसके अलावा शहर के साथ ही कुरूक्षेत्र के गांव में भी एक स्टेडियम बनाया जाए । माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने बजट में कुरूक्षेत्र में साइकलिंग के लिए एक 'वेलोड्रोम' का भी प्रावधान किया है । इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं । इसी प्रकार से गांव पलवल में 20 एकड़ जमीन पर स्टेडियम बनाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने घोषणा की थी । उसके विषय में मैं कहूंगा कि उसको भी जल्द ही बनाया जाए । मेरे विधान सभा क्षेत्र के गांव अभिमन्युपुर के 60 प्रतिशत युवा वॉलीबाल गेम के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं, इसलिए उस गांव में युवाओं के परीक्षण और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने के लिए एक स्टेडियम बनाया जाए । इसके लिए गांव के पास जमीन उपलब्ध है । मेरा कहना है कि बारवा के स्कूल को अपग्रेड किया जाए । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय

और माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने गांव पलवल में एक गवर्नमैंट कॉलेज बनाया है । मेरा कहना है कि उसमें ऑडिटोरियम नहीं है । अतः उसको भी बनाया जाए । शिक्षा के साथ रोजगार के लिए मेरा सरकार को सुझाव है कि मेरा विधान सभा क्षेत्र एजुकेशन हब बन चुका है । वहां पर कुरूक्षेत्र युनिवर्सिटी, एन.आई.टी., एन.आई.डी., यू.आई.ई.टी., राजकीय नर्सिंग कॉलेज, राजकीय महिला महाविद्यालय, डाइट व अन्य कई सरकारी व निजी तकनीकी संस्थान है । अतः वहां पर एक आई.टी. पार्क बनाया जाए ताकि बच्चों को रोजगार मिल सके । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस वित्तीय वर्ष में बहुत–सी योजनाएं रखी हैं । उन्होंने कुरूक्षेत्र के ज्योतिसर में 225 करोड़ रुपये की लागत से महाभारत का थीम पार्क बनाने के लिए स्वीकृति दी है । मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । मैं कहूंगा कि कुरूक्षेत्र के थानेसर नगर परिषद की सीमा को बढ़ाया गया है । इसमें पिपली, अंसल सिटी, हरमन, सुशांत सिटी व सैक्टर 30 और अन्य एरियाज भी शामिल किये गए हैं । इन सभी में पानी और सीवरेज की व्यवस्था को ठीक करने के लिए वहां पर नई पाइपलाइन की व्यवस्था की जाए । नए बस स्टैंड के सामने एच.एस.वी.पी. विभाग का 15 एम.एल.डी. क्षमता का एस.टी.पी. बना हुआ है। इसमें कैलाश नगर, मोहन नगर, लायलपुर बस्ती, साधु मंडी, वशिष्ट कॉलोनी, हरिनगर, सेक्टर 4, 5, 7, 8, 10 और 13 को जोड़ा गया है। इस एस.टी.पी. के साथ इसकी क्षमता से ज्यादा एरिया जोड़ा गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यही अनुरोध है कि इसके अलावा एक और एस.टी.पी. बनाने की व्यवस्था की जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त अब शहर में नए ट्यूबवैल्ज लगवाने के लिए पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है और भूमिगत पानी के लेवल में भी कमी आ रही है, इसालिए मैंने सरकार को लिखित रुप में एक सुझाव दिया था। मेरे शहर के साथ नरवाना ब्रांच नहर निकलती है, इस नहर के नजदीक एक वाटर ट्रीटमैंट प्लांट लगाया जाए जिससे पानी को आधुनिक तकनीकी फिल्टरों द्वारा साफ करके शहर को पीने योग्य

पानी उपलब्ध करवाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं इसी के साथ कहना चाहूंगा कि गांव कैंथला के पास एस.वाई.एल. व नरवाना ब्रांच नहर पर 12 फुट से 27 फुट चौड़ा पुल बनाया जाना है जिसका निर्माण कार्य लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से सितम्बर, 2021 में आरम्भ किया गया था, परन्तु ठेकेदार की वजह से इस कार्य को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। इसकी वजह से वहां के स्थाई निवासियों व आमजन को कई किलोमीटर दूर अन्य किसी सड़क से घूमकर शहर जाना पड़ता है। इसके कारण लोगों को समस्याओं को सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस कार्य को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए। इसके अतिरिक्त गांव बदखेड़ी में एस.वाई.एल. व नरवाना ब्रांच नहर पर 13 फुट चौड़ा और कई वर्षों पुराना पुल बना हुआ है। यह रास्ता कई गांवों का एकमात्र रास्ता है। इसको भी 13 फुट से 27 फुट चौड़ा किया जाए।

श्री अध्यक्षः सुभाष सुधा जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। प्लीज, अब आप बैठ जाएं।

श्री प्रवीण डागर (हथीन): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में अपनी बात रखने के लिए मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पूरे प्रदेश के अन्दर आज किसानों की जो हालत बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से हुई है, उस पर विशेष ध्यान दिया जाए। पूरे प्रदेश के अन्दर लगभग सभी किसानों की 80 प्रतिशत फसलें खराब हो गयी हैं। फिर उसमें चाहे गेहूं की फसलें हों या जौ की फसलें हों या सरसों की फसलें हों या किसानों ने दूसरी फसलों की बिजाई की हो, उनमें काफी नुकसान हुआ है। आज किसानों के माथे पर चिन्ता की बहुत बड़ी लकीर बनी हुई है। हर किसान को सरकार से बड़ी उम्मीद है। पिछली बार भी जब किसानों की फसलें ओलावृष्टि या बारिश के द्वारा खराब हुई थी तो सरकार ने पूरे प्रदेश में लगभग 1100 करोड़ रुपये मुआवजा देने का

काम किया था। उसी के अनुरूप आज भी किसान की हालत उसी तरह से खराब है क्योंकि उनकी फसलें ओलावृष्टि और बारिश से खराब होने जा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जो क्षतिपूर्ति पोर्टल है और जिसने बीमा कम्पनियों से फसलों का बीमा करवाया हुआ है, उसके लिए बीमा कम्पनियों ने 72 घंटों का टाईम निर्धारित किया हुआ है। अभी परसों ही बारिश हुई है तो उसके कल ही 72 घंटे पूरे हो जाएंगे। लेकिन यहां पर कन्टीन्यू बारिश हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से यही कहना है कि इसमें संबंधित 72 घंटे बारिश खत्म होने के बाद से काउंट किये जाएं ताकि सभी संबंधित किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकें। जो क्षतिपूर्ति पोर्टल पर किसान अपनी एप्लीकेशंज देंगे, वह भी कल से ही शुरू करवाया जाए। चूंकि मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने दिनांक 21.03.2023 तक मौसम खराब बताया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सभी किसानों के नुकसान की भरपाई करवायी जाए। हमारे हथीन क्षेत्र के अन्दर या पलवल जिले के अन्दर मेडिकल कॉलेज खोलने की सरकार की एक योजना है। सरकार ने पिछली बार बजट में यह मंजूर किया था, लेकिन उस पर आज तक कार्य शुरू नहीं हुआ है। इसके लिए जगह निश्चित की जाए कि कहां पर संबंधित मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा? इसके लिए हमारे जिले के तीनों विधायकों ने 2–3 साईट्स बतायी थी जिनमें से एक साईट में एन.एच–19 के साथ–साथ बोर्ड की लगभग 25–30 एकड़ जमीन पड़ी हुई है। वे संबंधित जमीन देने के लिए भी तैयार हैं। लेकिन पिछले एक साल से लेकर आज तक उस पर काम शुरू नहीं हो पाया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि संबंधित मेडिकल कॉलेज का काम भी जल्दी शुरू करवाया जाए। इसके अतिरिक्त के.एम.पी. एक्सप्रेस वे की मुंबई–बड़ोदरा रोड पर मंडकोला में कनैक्टिविटी होनी थी। माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी, माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने जो यह कनैक्टिविटी मंजूर की है, उस पर भी जल्दी से काम शुरू करवाया जाए।

मेरे हथीन क्षेत्र के अन्दर मानपुर और बहीन बड़े गांव हैं और इन गांवों की लगभग 20,000–20,000 की आबादी है। वहां पर 8–10 बड़े गांव होने के बाद भी लड़कियों की शिक्षा की व्यवस्था नहीं है। इन गांवों की लड़कियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूर जाना पड़ता है। इसलिए संबंधित गांवों की लड़कियों के लिए शिक्षा की व्यवस्था करवायी जाए और वहां पर एक डिग्री कॉलेज खोला जाए। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से एक और निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे मंडकोला में कृषि विज्ञान केन्द्र के अन्दर बी.एस.सी. एग्रीकल्चर कॉलेज बनाया जाए। हथीन कस्बे की आबादी लगभग 25,000–30,000 है, लेकिन वहां पर सब्जी मंडी न होने के कारण रोड पर अतिक्रमण रहता है। इसके कारण वहां पर बार–बार प्रशासन और दुकानदारों का टकराव बना रहता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि हथीन कस्बे में एक सब्जी मंडी बनवायी जाए। 25–25 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री जी ने सड़कों के लिए दिये हैं लेकिन इसके लिए जो टैंडर की प्रक्रिया है वह बहुत जटिल है। हमारे जो छोटे ठेकेदार हैं जिनकी टैंडर की एक–एक करोड़ रुपये की लिमिट है। आज वे ठेकेदार भूखमरी की कगार पर हैं क्योंकि अधिकारियों ने ऐसी पॉलिसी बनाई है कि चार–चार, पांच–पांच सड़कों का एक–एक टैंडर करके 4–4, 5–5 करोड़ रुपये के टैंडर लगाने का काम किया गया है जिसके कारण छोटे ठेकेदारों को बहुत बड़ा नुकसान भी है। अध्यक्ष महोदय, छोटे ठेकेदारों ने सभी विधायकों को ज्ञापन भी दिये हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जो हमारे छोटे ठेकेदार और छोटे व्यापारी हैं उनके लिए ऐसी पॉलिसी बनाई जाये जिससे वह अपनी आजीविका कमा सकें। अध्यक्ष महोदय, हमारे गुरुग्राम कैनाल या बिछौर माईनर, उटावड़ रजवास, कोट माईनर, मंडकोला और पौंडरी माईनर तथा सब खालों को पक्का करवाया जाये जिससे टेल तक पानी पहुंच सके और हमारे किसानों को इसका लाभ मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । धन्यवाद।

....

हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री का अभिनंदन

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज श्री जसवंत सिंह, बावल हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व विधायक एवं मंत्री अध्यक्ष दीर्घा में सदन की कार्यवाही देखने के लिए बैठे हुए हैं, मैं सदन की तरफ से उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

....

शून्यकाल में विभिन्न मामलों/मांगों को उठाना (पुनरारम्भ)

श्री धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया मैं इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय सी.एम. साहब का धन्यवाद करना चाहता हूं और जो सच है हमें वह बात बतानी भी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सी.एम. साहब की ईमानदारी पर हमें कोई संदेह नहीं है। हरियाणा में जितना विकास सी.एम. साहब ने करवाया है, शायद ही उतना विकास किसी और ने करवाया हो। इन्होंने किसी से कोई भेदभाव नहीं किया है। मैं समझता हूं कि ऐसे सी.एम. न तो पहले कभी आये और न ही आगे आने की उम्मीद है। हरियाणा की जनता चाहती है कि माननीय मुख्यमंत्री की उम्र लम्बी हो और हर बार श्री मनोहर लाल जी ही हरियाणा प्रदेश के सी.एम. बने। ऐसी पब्लिक की भावनाएं हैं। अध्यक्ष महोदय, आप भी यह बात जानते हो और सभी विधायक भी यह बात जानते हैं। आप यह बात बताओ या न बताओ परन्तु मुझे इस बात का दुख है कि सी.एम. साहब को सही रिपोर्ट नहीं दी जा रही है या सी.एम. साहब हम सबकी बात सुनने के लिए तैयार नहीं हैं या फिर वे हमारी सबकी बात नहीं मानते हैं। हम सरकार का साथ देकर अपने हल्के के विकास कार्य करवा रहे है लेकिन हमें इस बात का दुख भी है। अगर इसमें आपकी पार्टी को दिक्कत आये तो फिर हमें इस बात का दुख भी होता है। कल हमारे माननीय विधायक श्री जोगी राम सिहाग जी जब बोल रहे थे तो हमारे साथियों का भी तालियां बजाने का दिल कर रहा था। यह बात झूठ नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे दोबारा निवेदन करता हूं कि अपने घर के सदस्यों को अंधेरे में नहीं रखना चाहिए, समय

रहते उनको सही–सही बात बता देनी चाहिए ताकि अपने घर में नुकसान न हो। अध्यक्ष महोदय, हमें पता है और अपने विधायकों को भी इस बात का पता है जो धरातल की रिपोर्ट है उसके बारे में भी सभी को पता है। हमें समय रहते इस बात का जिक्र बैठकर जरूर करना चाहिए क्योंकि विधायक पब्लिक के बीच फील्ड में जाते रहते हैं जिसके कारण सारी रिपोर्ट विधायकों के पास होती है जो आज कहीं न कहीं सच कहने से डर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सी.एम. साहब ईमानदारी के साथ काम करवाना चाहते हैं। हरियाणा प्रदेश के विकास कार्यों के लिए वे इतने पैसे देते हैं जिसकी कोई कमी नहीं है। फिर भी बीच में कोई तो बात है जो कार्य नहीं हो रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, चुनाव के समय वोट मांगने के लिए पब्लिक के बीच में विधायकों ने जाना है और तो किसी ने नहीं जाना है। अभी हमारे पास समय है इसलिए हमें एक बार बैठकर जरूर विचार करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश के किसानों की बहुत समस्या है। मेरे हल्के की भी किसानों की काफी समस्या है। मैं पहले किसानों की बात करूंगा। कल बहुत बारिश हुई जिसके कारण किसानों की 40 प्रतिशत फसल खराब हो गई है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कहा है कि मैं जल्दी ही खराब हुई फसल की गिरदावरी करवाने का काम करूंगा। अध्यक्ष जी, यदि परिवार का एक सदस्य परिवार से नाराज होकर दूर चला जाए तो घर बिखर जाता है इसलिए हमें उसको मना लेना चाहिए ताकि हमारा परिवार ठीक प्रकार से चले। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एक परिवार में चार शादीशुदा बेटे हैं और उनके भी एक–एक, दो–दो बच्चे हैं। हर मां–बाप चाहता है कि उनके भी बच्चे गर्मी में मच्छरों से बचने के लिए पंखे के नीचे सोये। उनका बिजली का मीटर है उसमें घर में 10–10 सदस्य होने के कारण बिजली का बिल तो ज्यादा आएगा लेकिन ये जो 9 हजार रूपये की लिमिट है उसके कारण उनका बी.पी.एल. श्रेणी में नाम नहीं कटना चाहिए, उनका राशन कार्ड न कटे तथा उनकी पैंशन भी न कटे। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं आपके माध्यम से सी.एम. साहब से निवेदन करता हूं कि सरकार

इस पर भी जरूर विचार करे। अध्यक्ष जी, यह समाज का एक बहुत गंभीर विषय है जो दिन पर दिन बहुत बढ़ता जा रहा है, इसलिए इस पर भी अंकुश लगाना चाहिए। इस विषय में सरकार दोषी है पर ये मुझे पूरी तरह नहीं पता कि यह हमारी सरकार ने किया या इससे पहली की सरकारों ने किया परन्तु ये कार्य किया जरूर है। इसलिए ये कार्य जिस भी सरकार ने किया है इस विषय पर जरूर विचार किया जाना चाहिए। अध्यक्ष जी, मां–बाप किसी बीमारी या कर्जे से नहीं हारते। मां–बाप अपनी औलाद के सामने हार जाते हैं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए कुछ समय और दिया जाए। (घंटी) अध्यक्ष जी, मेरी एक छोटी सी बात रह गई है कि जब बच्चे मां–बाप से ऊपर होकर दूसरी जातियों में शादी करते हैं सरकार उसमें अलग से राशि देती है जिसके कारण इसमें बढ़ावा मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास बोलने के विषय तो बहुत ज्यादा हैं लेकिन आपने घंटी बजा दी। अध्यक्ष जी, मेरे एक–दो और विषय हैं। मैं आपका धन्यवाद करना चाहूंगा यदि आप मुझे दो मिनट और बोलने का समय देंगे। (घंटी)

श्री अध्यक्ष: धर्मपाल जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है, प्लीज आप बैठ जाएं।(विघ्न)

श्री राजेश नागर (तिगांव): अध्यक्ष महोदय आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, मेरे हल्के में ग्रेटर फरीदाबाद के नाम से नया शहर बसने जा रहा है। जिसमें कुछ बिल्डर्स ने मनमानी कर रखी है। वहां पर प्लॉट तथा फ्लैट लेकर रहने वाले लोग लोअर, मिडिल क्लास तथा सर्विस क्लास के लोग हैं। उनसे मैंनटिनेंस के नाम पर बिल्डर्स द्वारा अनाप–शनाप पैसे लिए जा रहे हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों ने प्लॉट तथा फ्लैट बैंक से लोन लेकर लिए हैं। जिनकी अभी तक उन्होंने रजिस्ट्री तक नहीं करवाई तथा अभी तक कई व्यक्तियों को एन.ओ.सी. तक हैंडओवर नहीं की गई। इसलिए इन बिल्डर्स की ज्यादती को रोका जाए। इससे भोले–भाले लोग अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं। इन सभी को न्याय दिलाया जाए और बिल्डर्स के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरे

विधान सभा क्षेत्र में यमुना नदी पर एक पुल मंझावली गांव में बन रहा है। यह पुल ग्रेटर फरीदाबाद, फरीदाबाद तथा ग्रेटर नोएडा को जोड़ेगा और हजारों व्हीकल वहां पर आएंगे–जाएंगे। जिसकी वजह से मेरे गांव तिगांव में रोज जाम लगेगा। इसके लिए एक बाईपास बनाया जाए। इसके लिए हमारे पास एम.आई.टी.सी. की जमीन भी है। इसके लिए पी.डब्ल्यू.डी. डिपार्टमैंट ने उसका एस्टीमैट्स भी बना दिया है इससे पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा में पी.डब्ल्यू.डी. की ऐसी बहुत सी सड़कें हैं जिनकी हालत बहुत ही ज्यादा खराब है। उन पर चलना बहुत मुश्किल हो रहा है। वहां पर बहुत से एक्सीडैंट्स भी हो चुके हैं। उनमें से मुख्य सड़क बल्लभगढ़ से तिगांव मंझावली तक, मुरैना गांव से तिगांव और तिगांव से बुहापुर–चसाना गांव तक, तौराली से भजूपुर, तिगांव गांव की फिरनी और कई अन्य सड़कें हैं जिनका टैण्डर भी हो चुका है लेकिन उन पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इस सभी सड़कों की मुरम्मत का काम जल्दी से जल्दी करवाया जाये। मेरी विधान सभा में कई कालोनियां भी आती हैं उन कालोनियों में सीवर लाईन, वॉटर लाईन, सड़कें, स्ट्रीट लाईट और पार्क बनवाये जायें। अशोका इन्कलेव, सैक्टर–37 में सीवर की लाईन बहुत पुरानी हो चुकी है और छोटी भी है। वहां पर नई सीवर लाईन डलवाई जाये। मेरी विधान सभा में कई सैक्टर्ज भी आते हैं। उनमें जो भी पार्क आते हैं उनका सौंदर्याकरण करवाया जाये, वहां पर ओपन जिम व झूले भी लगवाये जायें। मेरी विधान सभा के गांव नगर निगम में गए हैं उन गांवों का पंचायत का पैसा नगर निगम में चला गया है जोकि कई सौ करोड़ रूपये है। उन पैसों से उन गांवों का विकास करवाया जाये। उन गांवों में सीवर लाईन, सड़क, बारात घर, कम्युनिटी सैंटर,

एक इंटरनैशनल स्टेडियम और एक टाऊन पार्क बनवाया जाये। मेरी विधान सभा में कई और गांव भी आते हैं जिनमें पंचायतें हैं उन सभी गांवों में जोहड़ ओवरफ्लो हो रहे हैं। उनकी खुदाई करवाकर उनकी सफाई करवाई जाये। आगरा कैनाल के साथ–साथ एक सड़क आई.एम.टी. तक जाती है। उसे चौड़ा करवाकर बनवाया जाये। मेरे गांव में नई सीवर लाईन डाली गई है उसमें कई जगह पानी सीवर लाईन से बाहर आ रहा है। मेरी यह मांग है कि जिस भी ठेकेदार ने वहां पर काम किया है उसकी पेमैंट रोकी जाये और उसके खिलाफ कार्यवाही की जाये। मेरे हल्के के भैंसरावली, टैकोला और घरोड़ा इत्यादि गांवों की तहसील दूर पड़ती है। तहसील दूर होने के कारण लोगों को अपने कार्य करवाने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है इसलिए इन सभी गांवों को तिगांव तहसील के साथ जोड़ दिया जाये। सी.एम. अनाउंसमैंट के काम जल्दी से जल्दी पूरे करवाये जायें जिसमें से महातपुर गांव में यमुना नदी पर एक पुल बनना है। उस पुल को भी जल्दी से जल्दी बनवाया जाये ताकि लोगों को आने–जाने में सुविधा हो। ग्रेटर फरीदाबाद एक बड़ा शहर बन गया है। उसमें एक सब–डिवीजन ऑफिस बनवाया जाये। तिगांव की आई.टी.आई. को अभी तक हैंड ओवर नहीं किया गया है इसलिए उसको भी जल्दी से जल्दी हैंड ओवर किया जाये। इसी प्रकार से लचौली कॉलेज का भी हैंड ओवर नहीं हुआ है उसका भी जल्दी से जल्दी हैंड ओवर किया जाये। स्पीकर सर, अंत में आपका बहुत–बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने के लिए समय दिया।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब शून्यकाल समाप्त होता है।

––––

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ तथा वित्तमंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ होता है। आज बोलने के लिए मेरे पास वक्ताओं की जो सूची आई है उनमें भारतीय जनता पार्टी की तरफ से श्री संजय सिंह, श्री लक्ष्मण नापा, श्री बिशम्भर सिंह, श्री विनोद भ्याना जी, श्री घनश्याम सर्राफ जी, श्री हरविन्द्र कल्याण जी, श्री सीता राम यादव जी और श्री सत्य प्रकाश जी जरावता, इंडियन नैशनल कांग्रेस की तरफ से श्री अमित सिहाग, राव चिरंजीव, श्री शमशेर सिंह गोगी, श्री नीरज शर्मा, श्री शीशपाल सिंह, श्री बलबीर सिंह जी, राव दान सिंह जी, श्री जगबीर सिंह मलिक जी और श्री बिशन लाल सैनी जी, जननायक जनता पार्टी की तरफ से श्री अमरजीत ढांडा जी और श्री राम कुमार गौतम जी शामिल हैं। निदर्लीय सदस्यों में से श्री नयन पाल रावत जी, श्री धर्म पाल गोन्दर जी और सोमवीर सांगवान जी बोलेंगे। अभी भारतीय जनता पार्टी और इंडियन नैशनल कांग्रेस के 101 मिनट्स बकाया हैं। अब श्री संजय सिंह जी बजट पर अपने विचार रखेंगे।

श्री संजय सिंह (सोहना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं जो आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए मौका दिया। मैं जब से राजनीति में आया हूं मैंने अपनी सरकार के समय में इस प्रकार का बजट देखा है जिसमें हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए बजट का आबंटन किया है। चाहे किसानों की बात हो, चाहे शिक्षा की बात हो, चाहे स्वास्थ्य की बात हो हर किसी हैड में सरकार ने बजट में बढ़ोतरी की है। चाहे

विकास की बात करें और चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर की बात हो आज प्रदेश में पहली बार इंफ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत दिखाई दे रहा है जिसकी किसी ने कभी कल्पना नहीं की होगी। चाहे हम किसी रोड की बात करें और चाहे किसी भी संस्थान की बात करें हर जगह विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने अपनी विधान सभा में लगातार 2–3 क्वैश्चन लगाये थे लेकिन समय की कमी होने के कारण वे हाऊस में टेक–अप नहीं हो पाये। मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि भौंड़सी कस्बे की पी.एच.सी. को अपग्रेड करके सी.एच.सी. बनाया जाये। तावडु और सोहना में जो मिनी सैक्रेटेरियट हैं उनका काम जल्दी से जल्दी शुरू किया जाये। मैं इस सदन के माध्यम से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने देश व प्रदेश की रीढ़ की हड्डी हमारे किसान भाईयों के लिए बहुत सी योजनाएं तैयार की हैं। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि पूरे प्रदेश में पहली बार यह अपनी तरह का प्रावधान किया गया है कि ढैंचा की खेती के लिए 720 रूपये प्रति एकड़ की दर से लागत का 80 प्रतिशत खर्च हमारी सरकार वहन करेगी। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने पहली बार बाजरे की फसल को एम.एस.पी. के तहत लाने का काम किया है। इसका परिणाम यह हुआ कि हमारे प्रदेश का जो किसान पहले चावल की खेती को प्राथमिकता के तौर पर महत्व देता था उसने भी बाजरे की फसल को उगाना शुरू कर दिया है। ऐसे ही हमारी सरकार ने पराली की खरीद के लिए 1000 रूपये और पराली के प्रबंधन से सम्बंधित खर्चों को पूरा करने के लिए नामित एजेंसियों को 1500 रूपये प्रति टन के हिसाब से भुगतान करने का निर्णय लिया है। इस प्रकार का काम करने

वाली पूरे देश में हमारी सरकार पहली सरकार है। हमारी सरकार इस विजन को लेकर काम कर रही है कि किसानों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो और किसानों की आय भी दोगुनी हो जाये। आये दिन हम स्वास्थ्य की बात करते हैं, आये दिन हम एनवॉयरनमैंट की बात करते हैं लेकिन जो पराली का प्रबन्धन था आज तक किसी भी सरकार ने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया था। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की यह पहली योजना है कि पराली न जले और हमारा एनवॉयरनमैंट खराब न हो। उस पराली का प्रॉपर यूज करते हुए किसानों को फायदा हम किस प्रकार से दे सकें हमारी सरकार ने यह काम किया है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश का फाईनैंस मिनिस्टर होने के नाते गोसेवा के बजट को 40 करोड़ रूपये से 10 गुना बढ़ाते हुए 400 करोड़ रूपये करने का सराहनीय कार्य किया है। इसी प्रकार से प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हमारी सरकार पूरा ध्यान दे रही है। वर्ष 2023–24 के बजट में प्रदेश में सभी स्तरों पर चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अनेकों योजनायें बनाई गई हैं। इन्हीं में से गुरूग्राम में 700 बिस्तर का अत्याधुनिक मल्टी स्पैशलिस्ट जिला अस्पताल बनाने का कार्य बहुत जल्दी हमारी सरकार शुरू करने जा रही है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अगर खेलों की बात की जाये तो हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने खेलों के लिए बजट में विशेष ध्यान रखते हुए अधिकतम राशि का आंबटन किय है। इससे हमारे प्रदेश के युवा सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। मैं इसके लिए भी माननीय मुख्यमंत्री जी का हार्दिक धन्यवाद करता हूं। चाहे विकास की बात हो या फिर प्रदेश के बुजुर्गों का मान–सम्मान करने और उनका ख्याल रखने की बात हो माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसी भी क्षेत्र व वर्ग की उपेक्षा

नहीं की है। प्रदेश के तीन लाख वार्षिक आय वाले परिवारों को चिरायु और आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने के लिए पात्र माना जायेगा। इस प्रकार की पहल करने वाला हमारा प्रदेश पहला प्रदेश है। राज्य में 11 नये नर्सिंग, मैडीकल और पैरा–मैडीकल कॉलेज भी शुरू होने जा रहे हैं। हमारे बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी ने परिवार पहचान पत्र में सत्यापित डाटा के आधार पर 1.80 लाख रूपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए एक लाख नये घर बनाने का प्रावधान किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र के लिए जो माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणाएं हैं उनको जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाये ताकि मेरे क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित हो सकें। धन्यवाद।

राव चिरंजीव (रेवाड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। अबकी बार हमारे मुख्यमंत्री जी ने वित्तमंत्री के नाते से जो बजट पेश किया है वह तकरीबन 1 लाख 83 हजार करोड़ रुपये का है। जो 1 लाख 83 हजार करोड़ रुपये का बजट इन्होंने लिया है उसमें से 60 प्रतिशत बजट तो वेतन देने में ही चला जाएगा और 20 प्रतिशत बजट जो कर्ज लिया हुआ है उसका इंट्रस्ट देने में चला जाएगा। उसके बाद शिक्षा के लिए मात्र 2 प्रतिशत, हैल्थ सैक्टर के लिए केवल 5 प्रतिशत और एग्रीकल्चर के लिए 3.9 प्रतिशत बजट रखा गया है। अबकी बार तकरीबन 64840 करोड़ रुपये का और लोन लिया गया है। अगर आप धरातल पर देखेंगे तो आपको कोई काम नजर नहीं आएगा। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी सरकार है जो कर्ज पर कर्ज लिये जा रही है और सही मायने में प्रदेश के अन्दर जो काम, जो विकास होना चाहिए वह कहीं पर भी हमें नजर नहीं आ रहा है। प्रदेश के अन्दर कोई इंफ्रास्ट्रक्चर नजर नहीं आ रहा है। इन पिछले आठ सालों के अन्दर कोई नया मैडिकल कॉलेज भी नहीं खोला गया है। सरकार को कहीं न कहीं यह देखना चाहिए कि प्रदेश के अन्दर जो विकास होना

चाहिए वह नहीं हो पाया है। जहां तक हमारे रेवाड़ी की बात है हर बार यह कहा जाता है कि वहां पर एम्स खोला जाएगा लेकिन आठ साल बीत जाने पर भी अब तक वहां पर एम्स नहीं बन पाया। हमारे वहां वर्ष 2014 में कांग्रेस की सरकार के समय में एक मैडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई थी जिसके लिए हमने जगह भी चिन्हित कर ली थी। आठ साल बीत जाने के बाद भी वहां पर अब तक मैडिकल कॉलेज नहीं बन पाया। अगर आप रोजगार के मामले में देखेंगे तो इस बजट के अन्दर युवाओं के लिए कोई नये अवसर नहीं हैं। जो हरियाणा प्रदेश बेरोजगारी में नं. 1 है वहां रोजगार में कोई नये अवसर न देना मुझे लगता है कि कहीं न कहीं यह सरकार आज के युवाओं को गलत तरफ जाने, ड्रग्स की तरफ जाने और क्राईम की तरफ बढ़ने के लिए प्रोत्साहन करने का काम कर रही है। सरकार को इस बजट में खास तौर पर शिक्षा और हैल्थ सैक्टर पर ध्यान देने की जरूरत थी जो इस बजट में नजर नहीं आती है। आज आप देखिये कि महंगाई इतनी ज्यादा बढ़ गई है जिस पर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है कि इस महंगाई को किस तरीके से कम किया जाए लेकिन सरकार इसकी तरफ कोई ध्यान ही नहीं दे रही है। आज महंगाई पूरे प्रदेश के अन्दर पूरी चरम पर है। मुझे लगता है कि महंगाई को देखते हुए सरकार की तरफ से कोई रिबेट दिया जाना था ताकि लोगों को फायदा हो सके। हमारे रेवाड़ी और धारूहेड़ा का बस स्टैंड अब तक नहीं बन पाया है जिसका हर सत्र के अन्दर आश्वासन मिलता है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि हमारे वे बस स्टैंड बनाए जाएं। इसी तरह से हमारे वहां बरसाती पानी की बहुत भारी समस्या है और मुझे लगता है कि यह समस्या पूरे प्रदेश में है और उससे हमारा रेवाड़ी शहर भी अछूता नहीं है। उसकी ओर भी सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। सरकार कोई ऐसी स्कीम लेकर आए जिससे शहर के अन्दर पानी न भरे। आज जो सबसे बड़ी पीने के पानी की समस्या है तो वह रेवाड़ी शहर के अन्दर है। वहां एक दिन छोड़कर एक दिन पानी आता है। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि अबकी बार

वहां पीने के पानी बहुत बड़ी विकट समस्या आने वाली है। जब सर्दी के अन्दर पानी की वार बंधी की गई तो एक दिन छोड़कर एक दिन पानी दिया गया। अब जब गर्मी पीक पर होगी तो पानी की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ने वाली है इसलिए सरकार इस तरफ ध्यान दे कि इस पानी की समस्या को किस तरीके से रोका जाएगा। भाजपा व जजपा पार्टी की तरफ से इलैक्शन के समय में बहुत सारी बातें कही गई थी जिसमें बुढ़ापा पैंशन को लें तो इन्होंने कहा था कि हम 5100 रुपये प्रति महीना बुढ़ापा पैंशन देंगे। अब उसको भी मात्र 250 रुपये बढ़ाकर अभी तक 2750 रुपये किया गया है। मुझे लगता है कि इनकी अपनी जो घोषणाएं हैं उनको इन्हें लागू करना चाहिए। विपक्ष के विधायक तो सरकार की नाकामयाबियों को उजागर करते ही थे लेकिन अब धीरे–धीरे सत्ता पक्ष के विधायक भी इस सरकार की सच्चाई को बोलने लगे हैं। मैं तो उनको भी कहना चाहूंगा कि अब तो मात्र एक साल बचा है अब आपको अपनी अंतरात्मा को जगाने का काम करना चाहिए और सच बोलना चाहिए तथा माननीय मुख्यमंत्री मंत्री जी को भी सच्चाई से अवगत करवाना चाहिये। अगर इसी तरह से चलता रहा तो हमारा प्रदेश दिवालिया घोषित हो जायेगा क्योंकि आज प्रदेश की हालत बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। यदि फिसिकल डैफिसिट 4 परसैंट से ऊपर चला जाता है तो यह तो सामान्य बात है कि प्रदेश दिवालिया हो जाता है। हमें इस ओर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत है। जिस तरह से पिछले दो–तीन दिनों में ओला वृष्टि हुई है और किसानों की फसलें तबाह हुई है, उसकी भरपाई भी सरकार को जरूर करनी चाहिये। हमारे रेवाड़ी क्षेत्र के बिझ गांव के लोग रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिये जो जमीन एक्वॉयर होनी है उसके मुआवजे के लिये धरने पर बैठे हुए हैं। वर्ष 2017 से उनको मुआवजा नहीं मिल पाया है। रेवाड़ी शहर में सैक्टर 4 पॉश इलाका है, मैं वहां गया था। मैं इस महान सदन को वहां के फोटोग्राफ्स दिखाना चाहूंगा कि वहां की सड़कों की क्या हालत है। डिप्टी स्पीकर सर, इन फोटोग्राफ्स में कम्युनिटी सैंटर की भी हालत देख सकते हैं।

श्री नयन पाल रावत (पृथला): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे वित्त वर्ष 2023–24 के बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपका आभारी हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश की लगभग पौने तीन करोड़ जनता के 90 जनप्रतिनिधि विधान सभा पहुँचते हैं और लोगों के हित की बातें उठाते हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह बजट सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से सलाह–मशविरा करके चाहे उसमें विभागीय अधिकारी, उद्योगपतियों और आम आदमी ही क्यों न हो, सभी को साथ लेकर उनके साथ मीटिंग करके ही तैयार किया है। उपाध्यक्ष महोदय, पहली की सरकारों में बजट पेश नहीं बल्कि थोपा जाता था। मैं इस बजट की जितनी प्रशंसा करूं उतनी ही कम है। आज हरियाणा के लगभग 6500 गांवों में 24 घंटे बिजली देखने को मिलती है। पहले शहरों में भी बिजली दिखाई नहीं देती थी। पहले बिजली का कट दिन–रात लगता था लेकिन माननीय मुख्यमंत्री महोदय की सरकार ने प्रदेश को 24 घंटे बिजली देने का काम किया है। (विघ्न)

राव चिरंजीवः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य गलत भाषा बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आफताब अहमदः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य 'थोपा' शब्द क्यों बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्यगण, बीच में न बोले। रावत जी, आप अपनी स्पीच कंटीन्यू रखें।

श्री नयन पाल रावतः उपाध्यक्ष महोदय, पहली सरकार के और इस सरकार के आंकड़ों तो सदन को बताने ही पड़ेंगे। चाहे मैं प्रदेश के 22 जिलों में महिला थानों की बात करूं, चाहे मैं महिला कॉलेजिज की बात करूं, तकनीकी कॉलेजिज की बात करूं आदि एक से एक बढ़कर योजना माननीय मुख्यमंत्री महोदय इस प्रदेश के लिये लेकर आये हैं। उपाध्यक्ष महोदय, किसानों के लिये माइक्रो इरीगेशन, 14 फसलों को एम.एस.पी. पर खरीदना आदि अनेकों ऐसे काम इस सरकार ने किये हैं, जो कोई भी सरकार नहीं कर सकती है। इस सरकार ने किसानों के लिये बाजरे की फसल पर सब्सिडी दी है, धान की खेती न करने

पर 7 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को सब्सिडी देना आदि इस सरकार की अनेकों उपलब्धियां रही हैं। उपाध्यक्ष महोदय, बजट में बहुत सारी चीजें बताई गई हैं यदि सभी बातों का उल्लेख करने लग जाऊं तो बहुत समय लग जायेगा लेकिन दुख का विषय यह है कि विपक्ष के किसी भी माननीय सदस्य ने यह नहीं कहा कि इस क्षेत्र में बजट ज्यादा है, इसका बजट महिला बाल विकास के क्षेत्र में लगाओ। खेल युवा मामलों में बजट बढ़ाओ। किसानों के लिये बजट बढ़ाओ। ऐसी बातों का कोई भी जिक्र नहीं करता है। (विघ्न) विपक्ष के माननीय सदस्यगण कहते हैं कि विधान सभा के चुनाव को एक वर्ष रह गया है। विपक्ष कहता है कि जो सरकार निक्कमी है, वह सदन में है। विपक्ष सदन में शोर मचाती है कि जो सरकार निक्कमी है, उसे बदलना है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हूँ कि वर्ष 2014 से पहले निक्कमी सरकार थी, तभी तो जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को हरियाणा की सत्ता सौंपी थी। मैं तो यह भी कहता हूँ कि यह सरकार एक बार नहीं बल्कि लगातार दो बार सत्ता में आई है और अबकी बार फिर सत्ता में आयेगी। विपक्ष इस बारे में सोचता ही रह जायेगा, जो निक्कमी सरकार थी वह चली गई। हमें सदन में हरियाणा प्रदेश के लोगों के हित के बारे में मुद्दे उठाने चाहिये लेकिन यहां तो सरकार बदलने के लिये नारे लगते हैं। (विघ्न) आज कांग्रेस पार्टी की सरकार पद यात्रा की बात करती है। मेरे जैसे कई माननीय सदस्यगण तो पहली बार चुनकर विधान सभा में आये हैं। जो चार–पांच बार सदस्य चुनकर विधान सभा आये हैं, हमें उनसे कुछ सीखने को मिलता लेकिन यहां सदन की मर्यादा को भंग करना और अपशब्द यूज करना विपक्ष का पेशा बन गया है। मैं विपक्ष के बारे में दो लाइन जरूर कहूंगा–

गुनाह और गरूर को, जिन्होंने अपनी आदत बना ली,
सोचो कभी पहले पच्चासी थे, अब सिंगल पर ला दिये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश की जनता सरकार के हित और अहित व खामियों और कामयाबियों को अच्छी तरह से जानती हैं। हरियाणा प्रदेश की जनता को ही रिजल्ट देना है। इस

प्रकार से विपक्ष को सदन में सरकार बदलने के नारे लगाने से काम नहीं चलेगा बल्कि फील्ड में जाकर जनता से रिक्वैस्ट करनी पड़ेगी तभी कुछ हो सकता है। यदि जनता को अच्छा लगेगा तभी बात बनेगी। उपाध्यक्ष महोदय, यदि मैं अपने क्षेत्र में हुए विकास की बात करूं तो आज इस सरकार ने हमारे क्षेत्र में लगभग 950 करोड़ रुपये स्किल यूनिवर्सिटी के लिये दिये हैं। (विघ्न) आज 152–डी नैशनल हाइवे इसी सरकार की देन है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री नीरज शर्मा जी सदन में बहुत ज्यादा बोलते हैं, मैं इनके विषय में एक बात सदन को जरूर बताना चाहता हूँ। श्री नीरज शर्मा जी कल–परसों कह रहे थे कि चिट्ठी पत्री एम.एल.एज. होस्टल आती हैं। वर्ष 2009 की सरकार में इनके पिता जी मंत्री रहे थे। उस समय तो कोठियां और बिल्डिंग्ज बंटती थी, ये पीछे कैसे रह गये हैं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिये आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री नीरज शर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है, इसलिए मुझे बोलने दीजिए। पहले आप मेरा माईक ऑन करवा दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष: शर्मा जी, माननीय सदस्य ने कोई असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं किया है। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने तो श्री नीरज शर्मा की बढ़ाई ही की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आफताब अहमद: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने गलत बोला है। असंसदीय भाषा का प्रयोग तो माननीय सदस्य ने स्वयं किया है। उन्होंने कहा है कि बजट थोपा जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नीरज शर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है, कृपया करके पहले मेरा माईक ऑन करवाईये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः नीरज शर्मा जी, प्लीज आप बैठ जाईये। माननीय सदस्य ने गलत क्या कह दिया है। (शोर एवं व्यवधान) नीरज जी, पहले आप अपनी सीट पर बैठिये। (शोर एवं व्यवधान) नीरज जी, जब मैं अपनी सीट पर खड़ा हो गया, फिर भी चेयर के आदेशानुसार आप अपनी सीट पर नहीं बैठ रहे हैं।

श्री आफताब अहमदः उपाध्यक्ष महोदय, पहले आपको माननीय सदस्य श्री रावत जी को रोकना था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि कोई भी सदस्य किसी भी सदस्य को बोलते हुए बीच में न टोके। माननीय सदस्य ने कोई भी असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं किया है, जो विपक्ष के सदस्य उन्हें बीच में बार–बार टोक रहे थे। किसी भी माननीय सदस्य को बीच–बीच में टोकना, क्या यह अच्छी बात है?

श्री नीरज शर्माः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है, इसलिए मुझे बोलने दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः वेवजह किसी भी माननीय सदस्य को बोलने की परमीशन नहीं है। अब श्री लक्ष्मण नापा जी बोलेंगे।

श्री लक्ष्मण नापा (रतिया) (अ.जा.) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद । (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री मनोहर लाल जी ने वित्त मंत्री के रूप में सदन में बहुत ही अच्छा बजट पेश किया है । (शोर एवं व्यवधान) यह बजट गरीब, किसान और प्रदेश की पूरी जनता के हक में है, इसलिए मैं इस बजट का समर्थन करता हूं । इसमें जो सबसे अच्छी बात है वह यह है कि गौ सेवा आयोग का बजट जो पहले 40 करोड़ रुपये था, को 10 गुना बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दिया गया है । इस समय विपक्ष के माननीय सदस्यगण भी सदन में बैठे हुए हैं । मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इनके समय में गौ सेवा आयोग के लिए कितना बजट होता था ? इनके समय में इसके लिए 4 करोड़ रुपये या फिर बिल्कुल

ही बजट नहीं दिया जाता था । (शोर एवं व्यवधान) सरपंचों के खर्च करने की पावर को लेकर जो आन्दोलन चल रहा था माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने उनकी भी चिन्ता की और उनकी लिमिट को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया । इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सरपंचों की सैलरी को भी बढ़ाया है । इसके साथ–साथ उन्होंने पंचायत सैक्रेटरी की ए.सी.आर. में सरपंचों को टिप्पणी करने की भी पावर दी है । लोकतंत्र में ऐसा पहली बार हुआ है जब सरपंचों को पंचायत सैक्रेटरी की ए.सी.आर. में टिप्पणी करने की पावर दी गई है । इससे पहले ऐसा कभी नहीं होता था । अतः माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने बहुत बढ़िया काम किये हैं। मैं कहना चाहता हूं माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने एस.सी./बी.सी. कैटेगरी का बजट भी काफी बढ़ाया है । कल माननीय सदस्य श्री ईश्वर सिंह ने कहा था कि एस.सी. कैटेगरी का जो 20 परसैंट बजट बनता है उस बजट को उन्हीं की वैल्फेयर जैसे होस्टल आदि बनाने के लिए प्रयोग किया जाए । उनकी इस मांग का मैं भी समर्थन करता हूं कि सैंटर से उनके लिए आने वाले बजट का प्रयोग केवल उन्हीं के लिए किया जाए । अतः एस.सी. कैटेगरी के बजट की अलॉटमैंट भी केवल उन्हीं से संबंधित कार्यों के लिए की जाए । माननीय सदस्य श्री घनश्याम दास अरोड़ा ने बजट पर बात रखते हुए कहा था कि पालतु कुत्तों का विषय आज एक बहुत बड़ा विषय बन चुका है । इस पर सरकार का बहुत–सा बजट खर्च होता है । पिछले एक दशक में जो रैबिज टीकाकरण किया गया है उसमें सरकार के कम से कम 2700 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं लेकिन इसके बावजूद यह समस्या वैसे ही बनी हुई है । इसके लिए हमने पिछले 10 साल के आंकड़े लिये हैं । आज कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है । अतः मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से अपील करता हूं कि कुत्तों के बध्यकरण (castration) के लिए भी बजट में प्रावधान किया जाए । इसके अलावा इस कार्य में पशु पालन विभाग के साथ लोकल बोडीज डिपार्टमैंट को भी अटैच किया जाए । इसके लिए अलग से एक बोर्ड का गठन किया जाए ताकि उसमें इस क्षेत्र के स्पैशलिस्ट्स को भी शामिल किया जा सके ।

इससे इस कार्य को और बेहतर तरीके से किया जा सकेगा । अतः इस समस्या के समाधान के लिए बजट में प्रावधान किया जाए । उपाध्यक्ष महोदय, वर्ष 2008 में बी.पी.एल. परिवारों को 3–3 मरले के प्लॉट दिए गए थे । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय को कहूंगा कि उसी तर्ज पर अब दोबारा गरीब लोगों को 100–100 वर्ग गज या 3–3 मरले के प्लॉट दिए जाएं क्योंकि अब उनकी संख्या काफी बढ़ चुकी है । इसके अलावा अभी डबवाली से विधायक श्री अमित सिहाग ने सदन में मुद्दा उठाया था कि वन्य जीव प्राणियों के प्रति बिश्नाई समाज काफी चिन्तित रहता है । काला हिरण मुख्यतः मेरे क्षेत्र फतेहाबाद में ही ज्यादा दिखाई देता है । बिश्नाई समाज के लोग उसकी देख–भाल अपने स्तर पर ही कर रहे हैं । इसका जो बोर्ड बना हुआ है उसकी एक नोटिफिकेशन 29 जुलाई, 2015 को और दूसरी नोटिफिकेशन वर्ष 2020 में हुई थी कि उसमें गैर–सरकारी मैम्बर शामिल किये जाएं । उसमें गैर–सरकारी मैम्बर्ज को शामिल नहीं किया जा रहा है तो मैं कहूंगा कि हरियाणा का जो स्टेट बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ है उसमें बिश्नोई समाज के लोगों को इंट्रस्ट होता है । मैं अनुरोध करूंगा कि उसमें बिश्नोई समाज के लोगों और गैर–सरकारी मैम्बर्ज को अवश्य शामिल किया जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : नापा जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है । अतः अब आप अपनी सीट पर बैठिये । (विघ्न)

श्री लक्ष्मण नापा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि श्री विनोद कड़वासरा इस क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं । मैं अपनी तरफ से बोर्ड में शामिल करने के लिए उनका नाम देता हूं ।

श्री उपाध्यक्ष : नापा जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है । अगर आपकी कोई बात कहनी रह गई हैं तो आप उन्हें मुझे दे दीजिए । मैं उनको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनवा दूंगा । (विघ्न)

श्री लक्ष्मण नापा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहकर ही अपनी बात समाप्त कर दूंगा। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य राव चिरंजीव की बात का जवाब देना चाहूंगा।

श्री उपाध्यक्ष: लक्ष्मण जी, इनके अलावा आपकी कोई बात रखने से रह गयी है तो उसको लिखित में दे दें। हम उनको प्रोसिडिंग्ज का पार्ट बनवा देंगे।

श्री लक्ष्मण नापा: उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य राव चिरंजीव की बात का जवाब देना चाहूंगा। उन्होंने कहा था कि माननीय सदस्य श्री धर्मपाल गोंदर जी जब अपनी बात रख रहे थे तो उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रशंसा की थी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में 8 साल से सरकार चल रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी इतने बढ़िया काम कर रहे हैं और उनकी सरकार में कोई परिवारवाद और भाई भतीजावाद नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उनको कहना चाहूंगा कि वे अपनी पार्टी को संभाल लें क्योंकि उनके लीडर के बारे में ही पता नहीं चल रहा है।

....

बैठक का स्थगन

श्री उपाध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब सदन की कार्यवाही दोपहर भोज के लिए 45 मिनट

*01:35 बजे लिए *स्थगित की जाती है।

(तत्पश्चात् सभा मध्याह्न पश्चात् 14:20 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

(जब सदन समवेत हुआ तो श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनराराम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनराराम्भ)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ होगा।

श्री अमित सिहाग (डबवाली) : अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा था कि जहां खेतों में भरपूर पैदावार हो, जहां कोई

व्यक्ति वंचित महसूस न करे, जहां युवाओं में गर्व का भाव हो, जहां महिलाएं अपने आपको सशक्त और सुरक्षित महसूस करे। यह बात कल्पना के लिए तो ठीक है लेकिन आज की वास्तविकता से मेल नहीं खाती है। आज की तारीख में आम हरियाणवी के दृष्टिकोण में हरियाणा की तस्वीर कुछ और ही है। जहां फसलों की भरपूर पैदावार हो लेकिन उसको उसका सही दाम नहीं मिलता है। जहां पर भूले भटके सरकारी नौकरियों की भर्ती हो भी जाये लेकिन जैसे ही इनकी लिस्ट बाहर आती है तो 90 प्रतिशत से ज्यादा बाहर के लोगों का नाम पाकर हरियाणवी अपने आपको वंचित तो जरूर महसूस करते होंगे। नशे और बेरोजगारी के कुचक्र में युवाओं के फंसने के कारण उनमें निराशा का भाव घर कर चुका है। जहां आये दिन महिलाओं में उत्पीड़न के बढ़ते हुए मामलों को देखकर महिलाएं अपने आपको सुरक्षा और सशक्तता के बजाए बेबस महसूस करती हैं। यह आज का हरियाणा है। एक तरफ तो सरकार अमृत काल की बात करती है। यह कैसा अमृत काल है जहां पर हरियाणा में वर्ष 2014–15 के मुकाबले में 4 गुणा कर्जा बढ़ा हो? मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हरियाणा की विकास दर भी 4 गुणा बढ़ी है। सरकार बेरोजगारी के लिए सी.एम. आई.ई. का डाटा नहीं मानती है। अगर सरकार लेबर फॉर्स का वर्ष 2021–22 का सर्वे उठाकर देखेगी तो वह कहता है कि हरियाणा में बेरोजगारी दर 11.7 प्रतिशत है और वहीं पर पूरे देश की बेरोजगारी औसत की दर 6.6 प्रतिशत थी। इस बात से साबित होता है कि हरियाणा में बेरोजगारी की दर दुगुनी थी। अध्यक्ष महोदय, जहां तक रेवेन्यू डैफिसिट की बात है तो हरियाणा उन 8 प्रदेशों में रहा है जहां पर वर्ष 2015–16 से लेकर वर्ष 2019–20 तक लगातार रेवेन्यू डैफिसिट देखने को मिला है। पिछले वर्ष के तो हालात ये थे कि जो अनुमान लगाया गया था उससे 85 प्रतिशत ज्यादा रेवेन्यू डैफिसिट पाया गया। इसमें सबसे बड़ी चिंताजनक बात यह है और मैं यह बात मानता भी हूं तथा यह चीज इस प्रदेश की परिस्थिति को दर्शाने का काम करती है, जिसके लिए कोई आंकड़े की आवश्यकता नहीं है कि प्रदेश में आये दिन कोई न कोई वर्ग किसी न किसी मुद्दे पर धरनारत है।

आज इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि सरकार सभी से विश्वास खोती जा रही है, इसका मूलभूत कारण क्या है? इसका मूलभूत कारण यही है कि सरकार जिस तरह के आश्वासन दे रही है जो सरकार प्रचार प्रसार कर रही है, वह धरातल की वास्तविकता से मेल नहीं खाती है। सरकार जीरो टॉलरेंस टू करप्शन की बात करती है। मगर आज ऐसा प्रतीत होता है कि हरेक विभाग के अंदर किसी न किसी तरह की प्रतिस्पर्द्धा चल रही है कि हम दूसरे विभाग से करप्शन के मामले में कैसे आगे निकलें। सरकार एक तरफ तो यह बात कहती है कि बेमौसमी बारिश की वजह से जब किसान की फसल खराब हो जाये तो उनको तुरन्त उचित भाव देकर मुआवजा दिया जायेगा। मैं अगर अपनी विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो पिछले दो सालों का तकरीबन 8400 किसानों का 195 करोड़ रुपये का मुआवजा बकाया है। आज किसानों के हालात तो इस प्रकार से हैं तो सरकार किस अमृत काल की बात करती है। मैं मानता हूं कि एक दिन ऐसा अमृत काल आयेगा, जहां पर अमृत का घूंट केवल कुछ लोगों के नसीब में ही होगा। आम जनता के लिए तो यह अमृत काल सही मायने में बेरोजगारी, नशा और भ्रष्टाचार बढ़ते हुए अपराध का एक विष है और आम जनता को उसके घूंट को पीकर ही संतोष करना पड़ेगा। मैं फिर भी इस निराशाजनक माहौल में एक आशावादी सोच के साथ सरकार के समक्ष कुछ बजट संबंधित प्रस्ताव भी रखना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, ग्रामीण क्षेत्र में बहुत बड़ा तबका ढाणियों में रहता है। उनको भी विकास की दर से जोड़ने की आवश्यकता है, उनको भी मूलभूत सुविधाएं देने की आवश्यकता है। हमारे चौटाला गांव में उदाहरण के तौर पर तकरीबन 900 ढाणियां हैं। सरकार ने पिछले साल घोषणा की थी कि हरेक विधान सभा में हरेक विधायक के प्रस्ताव पर साल में 25 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का नवीनीकरण करवाया जायेगा। मैं सुझाव देना चाहूंगा कि उसी तरीके से, उसी प्रक्रिया के साथ हरेक विधान सभा क्षेत्र में हर साल विधायक के प्रस्ताव से ढाणियों के 25 किलोमीटर कच्चे रास्तों को सरकार पक्का करने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, यही हालत हमारे पीने के पानी और बिजली की है।

सरकार ने कहा है कि हमने हरियाणा में 'जल जीवन मिशन' को वर्ष, 2022 में संपूर्ण कर लिया है लेकिन यह मिशन संपूर्ण तब होगा जब हर ढाणी में नल का कनैक्शन होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को यही सुझाव देना चाहूंगा कि इन ढाणियों के लोगों को वंचित न किया जाए और जो लोग ढाणियों में रहते हैं उन्हें भी निःशुल्क बिजली और पानी का कनैक्शन देने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का धन्यवाद करना चाहूंगा कि सरकार ने गौवंश के लिए सोचते हुए इस बजट में प्रावधान किया लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। सरकार द्वारा शराब की जितनी भी बिक्री होती है उस पर cow cess लगाया जाए और उससे जितना भी रेवेन्यू आए उस रेवेन्यू का इस्तेमाल गौवंश के रख–रखाव के लिए, गौशालाओं के रख–रखाव में किया जाए। (घंटी) अध्यक्ष जी, मैं अपनी आखिरी मांग रखकर अपना स्थान ग्रहण करूंगा। अध्यक्ष जी, सरकार को किसानों की फसलों को सुरक्षित करने के लिए एक प्रस्ताव लाना चाहिए जिसमें सब्सिडी का प्रावधान किया जाए ताकि किसान तारबंदी के द्वारा अपनी फसलों को सुरक्षित रख सके। किसानों के लिए इस तरह के प्रावधान की बहुत बड़ी आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, सरकार युवाओं के लिए बात करती है लेकिन जब युवा नौकरी के लिए जाता है तो एग्जाम बार–बार रद्द होते हैं, नौकरियां रद्द होती हैं। इससे युवा मानसिक तनाव झेलता है लेकिन वह आर्थिक तनाव न झेले इसके लिए सरकार द्वारा सरकारी नौकरी के लिए जो आवेदन मांगे जाते हैं उनको निःशुल्क किये जाने का काम किया जाना चाहिए। इसके अलावा बेरोजगार युवाओं को हरेक जिले में यूथ हॉस्टल की सुविधा दी जाए ताकि जब कभी बेरोजगार युवा एग्जाम देने जाएं और उसे रूकने की जरूरत हो तो वे वहां रुक सकें। हरियाणा प्रदेश में ऐसे यूथ हॉस्टल 8 जिलों में पहले से बने हुए हैं अब सरकार बाकी जिलों में भी ऐसे हॉस्टल बनाने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं अपनी बात एक लाइन के द्वारा खत्म करना चाहूंगा। केवल हम यह कहते हैं कि अमृत काल आएगा

(घंटी) ये नारा देने से कि सबका साथ–सबका विकास, ऐसे बात नहीं बनेगी बल्कि इसके लिए सरकार को धरातल पर सकारात्मक बदलाव करने की आवश्यकता है। धन्यवाद।

....

राजकीय महाविद्यालय उकलाना, जिला हिसार के विद्यार्थियों तथा अध्यापकगण का अभिनन्दन

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि राजकीय महाविद्यालय उकलाना, जिला हिसार के विद्यार्थी तथा अध्यापकगण आज सदन की कार्यवाही देखने के लिए दर्शक दीर्घा में उपस्थित हैं। मैं सदन की तरफ से इनका स्वागत करता हूं।

....

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनरारम्भ)

श्री सोमवीर सांगवान (दादरी): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने 1,83,950/– करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री जी ने अपनी तरफ से बेहतरीन बजट देने का प्रयास किया है। चाहे इसमें किसान की बात हो या गौशाला की बात हो सबका ध्यान रखा गया है लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं कि सरकार ने अबकी बार बजट में 11 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी करके बजट 1 लाख 83 हजार करोड़ का बनाया है। मैं चाहता हूं कि इसको कम से कम 30 प्रतिशत तक बढ़ाने का काम अगले सैशन तक किया जाना चाहिए। टैक्स की चोरी को पकड़ना है, रेवेन्यू को बढ़ाना है, जी.एस.टी. को बढ़ाना है तथा एक्साइज टैक्सेशन की पॉलिसी में इम्प्रूवमैंट करना है। जब बजट थोड़ा बचता है तो सरकार को विकास के लिए पैसा बहुत कम बचता है। 183 हजार करोड़ में से कर्ज की अदायगी, कर्मचारियों की पैंशन तथा तनख्वाह के बाद हमारे पास सिर्फ 18 हजार करोड़ रुपये बचता है। हम अपनी तरफ से प्रयास करते हैं लेकिन उस

18 हजार करोड़ रुपये का भी सदुपयोग अधिकारियों की लेट लतीफी के कारण समय पर हो नहीं पाता है। जिसके कारण प्रदेश की जितनी प्रोगैस होनी चाहिए उसमें रुकावट हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से करबद्ध प्रार्थना है कि इस पर अंकुश लगाकर इस बजट को अगले सैशन तक दो–तीन गुना जरूर बढ़ाना चाहिए, यह मेरी अपनी इच्छा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपनी दूसरी बात सरकार को बताना चाहता हूं कि दादरी हल्के में माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमें बहुत कुछ सौगातें दीं। दादरी को जिला बनाया, मैडिकल कॉलेज की घोषणा हुई। दो साल पहले एक कॉलेज की घोषणा हुई। सीवरेज, पीने के पानी तथा और बहुत सी समस्याओं का समाधान हुआ है। सरकार की तरफ से लगभग 500 करोड़ रुपया अलाट हो चुका है लेकिन इसके बावजूद भी कार्यों में देरी हो रही है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि अधिकारी इन कार्यों को यथाशीघ्र करवायें। कुछ समय पहले हमारे पब्लिक हैल्थ के मंत्री सीवरेज और पानी की समस्या के लिए गये थे इसलिए कार्यों की शुरूआत हुई है। पीने के पानी के लिए 127 करोड़ रुपये तथा सीवरेज के लिए 56 करोड़ रुपये और 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था रेन वाटर के लिए हुई है। उक्त राशि से हमारे पूरे इलाके का सुधार होगा। हमारे दादरी शहर में सी.सी.आई.(सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया) की 203 एकड़ जमीन है। अगर उसमें कोई लघु सचिवालय या एच.एस.आई.आई.डी.सी. के द्वारा कोई प्रोजैक्ट लगाया जाता है तो उससे शहर का नवीनीकरण भी होगा और शहर को फायदा भी होगा। इसके अतिरिक्त रोहतक रोड पर आर.ओ.बी. के लिए 29 करोड़ रुपये 5 साल पहले मंजूर हुए थे लेकिन अभी तक वह कार्य पैंडिंग है। इसी तरह से कॉलेज और मेडिकल कॉलेज की भी अभी तक शुरूआत नहीं हुई है। दादरी और हमारे दक्षिण हरियाणा में सबसे अधिक सरसों की खेती की जाती है लेकिन इस बार कुछ सरसों तो पाले के कारण खराब हो गई थी तथा कुछ अभी दो दिन से ओलावृष्टि हो रही है जिसके कारण सरसों की पूरी फसल बर्बाद हो गई है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि सभी की गिरदावरी करवाई

जायेगी यह अच्छी बात है लेकिन जो पोर्टल सिस्टम है यह सभी किसानों को समझ में नहीं आता है। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि इस पोर्टल सिस्टम को समाप्त करके तथा गिरदावरी करवा कर किसानों की अधिक से अधिक मदद की जाये क्योंकि जब तक किसान मजबूत नहीं होगा तब तक प्रदेश का विकास सम्भव नहीं है। बजट में भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसानों के लिए बहुत कुछ दिया है लेकिन इसमें और बहुत कुछ करने की जरूरत है। जब तक किसान मजबूत नहीं होगा तब तक प्रदेश भी मजबूत नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री जी ने हमारे बरसाती पानी की निकासी का समाधान किया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं लेकिन और भी बहुत सारे काम पैंडिंग हैं उनको भी समयबद्ध तरीके से पूरा करवाया जाये ताकि पैसे का सदुपयोग हो और लोगों को सुविधायें मिल सकें। हमारे दादरी और भिवानी जिले के खिलाड़ी खेलों में मैडल ला कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करते हैं। वर्ष 1952 में कॉमनवैल्थ गेम्स का प्रथम गोल्ड मैडलिस्ट श्री लीला राम पहलवान, श्री संजय वॉलीवाल में तथा गीता और बबीता कुश्ती में दमखम दिखा चुकी हैं। इसके अलावा बहुत से कबड्डी के भी खिलाड़ी हुए हैं इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि वहां पर एक खेल विश्वविद्यालय खोला जाये जिससे खिलाड़ियों को सुविधायें मिल सकें तथा वे देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अगर यह खेल विश्वविद्यालय खोलने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी की कृपा हो जाये तो हरियाणा के युवाओं में सबसे अधिक मैडल लाने की कैपेसिटी है और हम इन युवाओं की प्रतिभा का ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग करके ज्यादा से ज्यादा मैडल ला कर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। धन्यवाद। जयहिन्द, जय भारत।

श्री बिशम्बर सिंह(बवानी खेड़ा): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2023–24 के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने वित्त मंत्री के रूप में 1,83,950/– करोड़ रुपये का बिना टैक्स वाला दूरदर्शी, प्रगतिशील और प्रदेश के हर वर्ग को छूने वाला सुन्दर और मनोहर बजट

प्रस्तुत किया है इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। इस बजट के द्वारा हर हाथ को काम मिलेगा, हर खेत को पानी मिलेगा, गरीब के जीवन में सुधार आयेगा। उद्योगों का विकास होगा तथा 65000 पदों के लिए जो रेगुलर भर्ती होगी उससे हमारी युवा पीढ़ी को रोजगार मिलेगा और हरियाणा प्रदेश विकास की दौड़ में पहले से भी तेज गति से आगे बढ़ने का काम करेगा। मैं हमारे विपक्ष के साथियों के लिए दो लाइनें कहना चाहता हूं। हमारे विपक्ष के साथी कह रहे थे कि बजट में कुछ भी नहीं है उनके लिए मैं कहना चाहता हूं–

काम करने वालों पर ही आम जन विश्वास करेगा
यह बजट किसी को भी नहीं निराश करेगा,
केवल विरोध के लिए विरोध ठीक नहीं है,
यह बजट हरियाणा का नया विकास करेगा।

हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एक संत की भूमिका में हैं। ये सबका साथ, सबका विकास तथा सबका विश्वास, हरियाणा एक–हरियाणवी एक के नारे के अनुरूप पूरे प्रदेश का विकास कर रहे हैं। अधिकतर योजनाएं इस प्रकार से बनाई जा रही हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में हमारे किसान भाइयों, गरीब मजदूरों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों का कल्याण हो सके। अगर हमारे मुख्यमंत्री जी इन लोगों के जीवन में खुशहाली लाना चाहते हैं, उनके चेहरे पर लाली लाना चाहते हैं, उनके बच्चों को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसा करने में मैं समझता हूं कि किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो गन्ने का भाव बढ़ाने का काम किया है उससे हमारे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। इसी तरह से वृद्धावस्था पैंशन भी बढ़ाई गई है जिससे हमारे बुजुर्गों में जीवन जीने की नई इच्छा जागी है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने किसानों के साथ–साथ हमारे निर्धन, दलित किसान भाइयों का भी ध्यान रखने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, खेत में एक हलधारी किसान का काम करता है और एक दलित किसान का काम करता है। दलित किसान गर्मी, सर्दी, आंधी, और तूफान में अपने हलधारी

किसान के साथ ढाल बन कर खेत में काम करता है और अपने हलधारी किसान को कभी तकलीफ नहीं आने देता है। जब हलधारी किसान को प्यास लगती है तो यह दलित किसान पानी की डोल्ली भरकर पानी लाता है और अपने हलधारी किसान को पानी पिलाने का काम करता है। जब हलधारी किसान हुक्का पीता है तो यह दलित किसान, हल चलाने लगता है लेकिन अपने हलधारी किसान के काम को कभी बंद नहीं होने देता। यह दलित किसान केवल खेत में ही काम नहीं करता बल्कि अपने हलधारी किसान के घर का भी काम करता है। आम तौर पर इस दलित किसान को साझी के नाम से जाना जाता है और कुछ लोग इस मेहनती, कर्मठ और ईमानदार दलित किसान को नफरत की निगाहों से भी देखने का काम करते हैं लेकिन हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने जिस तरह से हमारे दलित किसान भाइयों को भी ट्रैक्टर खरीदने व कृषि यंत्रों को खरीदने की सहूलियत देकर उनके मान–सम्मान को बढ़ाने का काम किया है, इसके लिए मैं एक ही बात कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री साहब हम आपका यह कर्ज जिंदगी भर नहीं उतार सकते। अध्यक्ष महोदय, इतिहास गवाह है कि आज तक किसी भी सरकार ने कभी भी दलित किसान के लिए इस तरह के कदम नहीं उठाए हैं।

श्री अध्यक्षः बिशम्बर जी, आप बाकी की स्पीच लिखित में दे दीजिए उसको आज की कार्यवाही का हिस्सा बना दिया जायेगा।

श्री बिशम्बर सिंहः ठीक है, सर। मैं अपनी स्पीच लिखित में दे देता हूं आप इसको सदन की कार्यवाही का हिस्सा बना दें।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

***श्री बिशम्बर सिंहः** अध्यक्ष महोदय, राजनीति में एक नेता की ऐसी तस्वीर बना दी गई थी

*** चेयर के आदेशानुसार उक्त लिखित स्पीच को सदन की कार्यवाही का हिस्सा बनाया गया।**

कि नेता वही बढ़िया होता है जो विलायती भाषा बोलता हो और जिसको विदेशों में घूमने फिरने का शौक हो। इस तरह की तस्वीर मन में आते ही लोगों के मन में राजनीति के प्रति एक नैगेटिव सोच बनती जा रही थी लेकिन कहते हैं कि अगर किसी देश या प्रदेश के नेता की नीति और नीयत बढ़िया हो तो उस देश या प्रदेश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। अध्यक्ष महोदय, फर्ज के प्रति सच्ची निष्ठा रखने वाले हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश से भय और भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करके जनता के मन से राजनीति के मायने बदलने का काम करके दिखाया है। अध्यक्ष महोदय, मैंने हरियाणा प्रदेश के जर्रे–जर्रे को देखा है और यहां की धरती के कण–कण से मैं पूरी तरह से वाकिफ हूं। ऐसा लगता है कि जैसे नए हरियाणा का निर्माण करने के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का आगमन एक उगते सूरज का अभिनंदन करते हुए, सबका–साथ, सबका–विकास करने की भावना को साकार करके दिखाना है। इतना सब कहने के बाद मुझे एक शेर याद आता है कि:–

हम लोग ऐसे दीवाने हैं, दुनिया को बदल कर मानेंगे,
मंजिल की धुन में आये हैं, मंजिल को पाकर मानेंगे।

अध्यक्ष महोदय, अब मेरी मेरे हल्के की कुछ डिमांड्ज हैं मैं उनके बारे में भी बोलना चाहूंगा।

1. मेरे हल्के बवानी खेड़ा में मार्केट कमेटी बनाई जाये।
2. गांव खरक कलां जिला भिवानी में एक महिला कॉलेज बनाया जाये।
3. बामला माईनर सर्विस रोड 0 से 14205 एवं खरक सब माईनर रोड से 21600 तक12 फुट चौड़ा पेवर ब्लॉक का बनाया जाये। इसके बनने से निम्नलिखित फायदे होंगे :–

    1) नहर जल नियन्त्रक चोरी रोकना।
    2) गांव कलिंगा, सिरसा घोघड़ा, बामला आदि गांवों के किसानों द्वारा उपयोग किया जायेगा।
    3) भिवानी–रोहतक रोड से बहलबा तक लिंक रोड के रूप में उपयोग में आता है।

4. पानी की निकासी सरपंच राजकुमार के घर से लेकर चमारों व बिशन चौक व धानकों के चौक से होते हुए कलिंगा ड्रेन में डाला जाये।
5. गांव खरक कलां पंचायत मामनान पाना में एक सामुदायिक केन्द्र बनवाया जाये इसके लिए भूमि उपलब्ध है।
6. वर्ष 2015 में माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा में गांव गुजरानी जिला भिवानी में एक बुस्टिंग स्टेशन बनाने की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक इस कार्य को शुरू नहीं किया गया है, केवल चारदीवारी ही बनाई गई है।
7. हल्का बवानी खेड़ा में वर्ष 1979 में सब–डिविजन अस्पताल 50 बैड का बनाया जाना था लेकिन अभी तक पूरे बैड तैयार नहीं हुए हैं। इसके अतिरिक्त यह एक मात्र अस्पताल है जहां अभी तक डॉक्टर व अस्पताल के अन्य कर्मचारियों के लिए आवास की सुविधा नहीं है। अतः इसे 50 बैडिड अस्पताल बनाया जाये व स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाये।
8. गांव कलिंगा की जनसंख्या को देखते हुए इस गांव में एक पी.एच.सी. बनवाई जाये।
9. गांव खरक कलां की जनसंख्या के मद्देनजर गांव में एक ट्रॉमा सैंटर बनवाया जाये।
10. सिवानी फीडर या ओ.पी. जिन्दल माईनर से यदि गांव रतेरा सब–माईनर निकाल दी जाये तो आसपास के सभी किसानों की पानी की समस्या हल हो सकती है।
11. हरियाणा राज्य में जितने भी हरियाणवी कवि हैं जिन्होंने हरियाणवी संस्कृति को जिन्दा रखने का काम किया है, उनके सम्मान के लिये एक अवार्ड की घोषणा की जाये।
12. पशु अस्पताल खरक कलां की हालत बिल्कुल जर्जर हालत में है इसलिए इसको तोड़ कर उसमें मिट्टी भरवा कर इसका नवीनीकरण करवाने का काम करें।
13. हल्का बवानी खेड़ा से सिरसा घोघड़ा से रिवाड़ी खेड़ा रोड तक सड़क बनाई जाये।

14. मेरे हल्के बवानी खेड़ा में एक विश्राम गृह बनाया जाये या सर्किट हाउस बनवाया जाये।

अब मैं मेरे हल्के की कुछ सड़कों के बारे में भी बोलना चाहूंगा।

REQUIREMENT OF ROAD REPAIR

400 Bhiwani Hansi Road to Dhani Durjanpur

404 Chang to Chhoti Chang

405 Rohnat to Dhani Rohnat

406 Extn. of Rohnat to Dhani Rohnat

410 Kungar-Talu Road to Kungar-Mundhal Road

412 Chang to Mithathal Road

414 Jatai to Sukhpura (Raising with work carpet)

418 Bus stand to Railway Station in village Kharak Kalan

420 Chang to Kharak Kalan

421 Bandaheri to Kungar

422 Kaluwas to Dhani Harsukh (Raising with Premix Carpet)

425 Sukhpura to Bhaini Bhoom

429 Kaluwas to Dhani Harsukh Road upto Bridge

430 Aurang Nagar to Railway Station

431 Jeeta Kheri to Railway Station

434 Talu Kungar to Kungar-Mundhal Road

439 Kalinga to Sai

443 Gujrani to Dhani Hari Singh

444 Bohal to Kirawar

445 Jamalpur to Bhurtana

579 Sirsa to Kharak

4584 Ninan to Songa

5629 Kungar to Gochi

7317 Rohnat to Ratera

9285 Mundhal to Jatai

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। सरकार के बजट की जितनी अच्छाइयां थी उनको अनेक वक्ताओं ने बताया है। अगर मैं उन सबका व्याख्यान करूंगा तो बहुत ज्यादा समय लग जाएगा। मैं सिर्फ मोटी–मोटी बात बताउंगा। सरकार की सबसे अच्छी सोच है जिसने दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय के हिसाब नौकरी व और भी कई फैसिलिटीज दी हैं। मैं समझता हूं कि गरीबों की सबसे अच्छी सरकार अगर साबित हुई है तो वह मनोहर लाल जी की सरकार साबित हुई है क्योंकि इनकी बहुत अच्छी व बढ़िया सोच है। मैंने पहले भी बहुत राज देखे हैं लेकिन गरीब लोगों को जितनी नौकरी इस सरकार में मिली हैं उतनी कभी नहीं मिली हैं। वैसे ही विरोध के लिए कोई कुछ बात कहे तो अलग बात है। हमारी चार मां जैसे गौमाता, जननी माता, धरती माता और भारत माता हैं। इनमें गौमाता के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपये से बढ़ाकर जो 400 करोड़ रुपये का बजट किया है वह एक बहुत बड़ी बात है, बहुत अच्छी सोच की बात है। पहले तो कॉन्ट्रैक्टर के माध्यम से नौकरियां दी जाती थी लेकिन इस सरकार ने जो कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नौकरियां देने का काम किया है वह भी एक बहुत अच्छी सोच है। इसी तरह से सरकार ने 190 कॉलोनियों को रेगुलर करने का काम किया है यह भी एक बहुत बड़ी बात है। पहले तो सिवाय पैसे खाने के कुछ नहीं होता था। पहले तो कंट्री प्लानिंग वाले पैसे खाते थे और बेचारों के बने बनाए मकानों पर गंडासा मार देते थे लेकिन अब सरकार ने यह बड़ा अच्छा काम किया है। इसके अलावा अबकी बार तीन मैडिकल कॉलेजों में दाखिला होगा और 11 मैडिकल कॉलेज प्रोपोज्ड हैं जिसमें सरकार का लगभग 1000 करोड़ रुपया लगेगा। यह सरकार की एक बहुत बड़ी सोच है। इसके साथ ही पैरामैडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज भी होंगे। इसके अलावा सरकार ने धान की खेती के लिए 4 हजार रुपये प्रति एकड़ देकर 31500 लीटर पानी बचाया है। यह भी बहुत अच्छा काम किया है। करनाल में भगवान परशुराम के नाम पर एक सम्मेलन हुआ था जिसमें लोगों ने मुख्यमंत्री जी से कई मांगे की थी। उनमें

से उन्होंने एक मांग भगवान परशुराम के नाम पर डाक टिकट जारी करने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री जी ने उनकी उस मांग को मान लिया है, उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। मैं संस्कृत लैक्चरर्स की प्रमोशन की मांग भी बार–बार करता रहा उसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का और विशेष तौर से शिक्षामंत्री जी का आभारी हूं जिन्होंने 365 संस्कृत लैक्चरर्स प्रमोट किये हैं और 926 संस्कृत टीचर्स की पोस्टें अभी दोबारा एडवरटाईज की हैं उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं और बधाई देता हूं। उसके लिए मैं इनकी तारीफ भी करता हूं। मैं यह समझ सकता हूं कि अगर मैं सारी बातें बताउंगा तो बहुत समय लग जाएगा और आप जल्दी से घंटी बजा देंगे। सरकार ने 700 पार्कों में योग सहायक नियुक्त किये हैं और एक हजार की प्रपोजल अभी और है जोकि हैल्थ प्वायंट ऑफ न्यू से बहुत बढ़िया सोच है। इसी तरह कॉमन इलीजिब्लिटी टैस्ट के हिसाब से 65 हजार पोस्टों की अभी जो भर्ती होनी है वह युवाओं के लिए बहुत सराहनीय कदम है। इससे युवाओं को बहुत लाभ होगा। पहले जो सैटिंग से टैस्ट पास कर लेते थे उन पर अब रोक लग गई है। अब इस सरकार ने पांचों उंगली टिकवाकर बहुत अच्छा काम किया है। अगर यह काम शुरू से ही कर देते तो और भी अच्छा काम होता। यह बिना टैक्स का बजट है इसको मैं बहुत बढ़िया बजट समझता हूं। यह अपने आप में रिसोर्सिज मोबलाईज करके सरकार को मजबूत करने वाला कदम है और बहुत बढ़िया कदम है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी थोड़ी सी मांगें भी रखना चाहता हूं कि मेरे पास कंडैक्टर भाई आए थे जिनका ग्रेड पे 19900 है, उनका ग्रेड पे 35400 किया जाए। इससे चोरी चकारी पर रोकथाम लगेगा। दूसरा सरकार जो 1032 स्कूल्ज बन्द करने जा रही है उस संबंध में मेरा आग्रह है कि उन स्कूल्ज को बन्द न किया जाए। इसी तरह से हमारे नारनौंद में सरकार ने कई सब डिविजन बनाए हैं। मैं समझता हूं कि सरकार सब डिविजन वहीं बनाए जहां ज्युडिशियल कोर्ट की स्थापना हो सके क्योंकि हमारे नारनौंद में सब डिविजन बने 6–7 साल हो गये

हैं लेकिन अभी तक वहां कोई सब जज नहीं बैठता है। हमारे वहां जगह भी है। वहां हाई कोर्ट से आदेश भी आया था कि अगर आप जगह दे दोगे तो हम वहां कोर्ट भी बना देंगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सड़कों की हालत भी बहुत खराब है। मेरा सदन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह है कि इन सड़कों की रिपेयर कराई जाये और साथ ही नई सड़कें भी बनाई जायें। इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि होस्पिटल्स के लिए जो 300 करोड़ रूपये का बजट तय किया गया है, वह भी बहुत थोड़ा है। अतः होस्पिटल्स के लिए बजट को बढ़ाने की भी बहुत जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां नारनौंद के सिविल होस्पिटल में एक एक्सरे मशीन है लेकिन उसको चलाने वाला कोई नहीं है। वैसे तो यह बजट माशा–अल्ला है और बजट में किसी भी प्रकार से जातिगत भेदभाव तक नहीं बरता गया है और यह बजट सबके लिए अच्छा बजट है। अध्यक्ष महोदय, राजा वही अच्छा होता है जो अपनी रियाया में कोई फर्क न समझे और रियाया को अपनी संतान समझकर ही काम करे। इस सरकार की सबसे बड़ी तारीफ की बात ही यह है कि बहुत अच्छा बजट पेश किया गया है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां बाई पास बनना है और कैप्टन अभिमन्यु अपने समय में इसको पास करवाकर गया था लेकिन यहां पर अभी तक बाई पास नहीं बन पाया है। यह बाई पास हमारे क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। एक दिन कैप्टन अभिमन्यु एक मीटिंग लेते हुए यह कह रहा था कि अगर वह होता तो यहां पर कोर्ट भी लगती और हजारों बच्चों को रोजगार भी मिलता लेकिन मैं आज सदन के माध्यम से उन्हें कहना चाहूंगा कि यदि वह अच्छे कर्म करता तो वह हारता ही नहीं तो मेरा निवेदन है कि हमारे यहां कम से कम ज्युडिशियल कोर्ट बनाने का भी काम किया जाये और साथ ही बाई पास का निर्माण भी किया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरा यह भी निवेदन है कि 2413 के करीब जो कांस्टेबल भर्ती होने बाकी हैं, जिनकी भर्ती पर कोई स्टे वगैरह लगा है, सरकार को उन कांस्टेबलों को भी भर्ती करने का काम जल्द से जल्द करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने करनाल की रैली के

अंदर भगवान परशुराम जी के नाम से मैडीकल कालेज खोलने की बात की थी और साथ ही यहां पर लोगों की बहुत सी मांगे भी कबूल करने का काम किया था लेकिन अभी तक एक डाक टिकट जारी करने के अलावा कोई भी मांग कबूल करने का काम नहीं किया गया है। अतः मेरा सदन के माध्यम से अनुरोध है कि इन सभी मांगों को लागू करने का काम किया जाये।

श्री शमशेर सिंह गोगी (असंध): अध्यक्ष महोदय, अमृत काल के इस बजट से अगर एक आधी बूंद, असंध हल्के के लिए भी पड़ जाती तो क्या हरियाणा में कोई घाटा पड़ जाता ? असंध के लिए बजट में एक रूपये की गुंजाइश नहीं की गई है। मैंने बजट को कई बार पढ़ा। मैंने बजट का अंग्रेजी वर्जन भी पढ़ा और हिंदी वर्जन भी पढ़ा। मैंने बहुत ढूंढने की कोशिश की कि असंध के लिए कुछ मिल ही जाये लेकिन नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, मैं अब बजट की बात नहीं करूंगा केवल डिमांड की ही बात करूंगा। अगर मेरी इन बातों को बजट में एड करवा दिया जायेगा तो मैं अध्यक्ष महोदय, आपका कई बार धन्यवाद करूंगा। मेरी सबसे पहली डिमांड यह है कि असंध के अंदर एक हुडा का सैक्टर बनाया जाये। यह शहर दिन–प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। अगर ऐसा होगा तो यहां पर लोगों को रहने की सुविधा हो जायेगी। मेरी एक डिमांड यह भी है कि हमारी म्युनिसिपल कमेटी को म्यूनिसिपल काउंसिल बनाया जाये। असंध में आबादी बढ़ चुकी है। यह बहुत बड़ा देहाती हल्का है। जिस प्रकार से खेत खलिहान योजना में रास्ते पक्के किए जा रहे है, के संदर्भ में मैं कहना चाहूंगा कि छोटे हल्कों के रास्तों के लिए 25 किलोमीटर वाला प्रावधान किया गया है और बड़े हल्कों के लिए भी इतना ही प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक हल्के में 500–700 किलोमीटर के लगभग टोटल सड़कों/रास्तों की लंबाई होती है तो ऐसी स्थिति में 25 किलोमीटर के प्रावधान से क्या होगा ? अतः मेरी सदन के माध्यम से डिमांड है कि 25 किलोमीटर के प्रावधान को भी बढ़ाने का काम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरी यह भी डिमांड है कि जुंडला को सब तहसील बनाने का

काम किया जाये। यही नहीं किडोग ब्लॉक का नाम जुंडला ब्लॉक रखने का काम किया जाये क्योंकि निसिंग ब्लॉक तो अलग बन ही चुका है। अध्यक्ष महोदय, असंध के अंदर नई अनाज मंडी बनी है। पिछले सैशन के अंदर भी मैंने कहा था कि यहां पर दुकानों की आक्शन कराकर, लोगों को दुकानों की अलाटमैंट कराने का काम किया जाये ताकि सरकार को भी चार पैसे मिल जायें और सरकार को कोई कर्जा न लेना पड़े। अतः यह काम भी कराया जाये। अध्यक्ष महोदय, करनाल में एक बहुत बड़ा घपला हुआ था जिसमें डी.टी.पी. और तहसीलदार को अंदर करने का काम किया गया था। बड़े–बड़े मगरमच्छ तो अंदर गए नहीं लेकिन इस घपले की इंक्वायरी वहीं पर रूक गई थी। पता नहीं कौन दोषी साबित हुआ, अतः उसका भी नाम बताया जाये। अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी बनाने की भी बात की जाती है। फ्लाई ओवरों पर केवल फोटो लगाकर स्मार्ट सिटी बनाने के सपने न लिए जाये बल्कि धरातल पर काम करते हुए गरीब बस्तियों में सरकार को पैसा खर्च करने का काम करना चाहिए। मैं करनाल की बात बताता हूँ। यहां पर एक धक्का बस्ती है और एक रविदास बस्ती है। जहां पर लोग बहुत बुरी हालत में रहते हैं। यहां पर जाकर तो किसी ने चार ईंट तक नहीं लगाई और फ्लाई ओवरों पर फोटो लगाकर स्मार्ट सिटी बनाने के सपने लिए जा रहे हैं। इससे क्या होगा, क्या फोटो लगाने से स्मार्ट सिटी बन जायेंगे ? वास्तव में यह स्मार्ट सिटी का पैसा गरीब लोगों की बस्तियों को अपग्रेड करने के लिए खर्च होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बजट में यह भी प्रावधान किया गया है कि किसानों को तब बिजली का कनैक्शन दिया जायेगा, जब उनको 35 हार्स पावर की जरूरत होगी। 35 हार्स पॉवर का क्या मतलब ? क्या किसान को इंडस्ट्री लगानी है ? अध्यक्ष महोदय, किसान के पास 10 या 15 हार्स पावर की ही मोटर होती है और 35 हार्स पावर की मोटर नहीं होती है। ऐसी अवस्था में स्माल स्केल लैवल का किसान ट्यूबवैल कैसे लगा पायेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह भी निवेदन है कि जो मैट्रो के ट्रांसफार्मर पहले से लगे हुए हैं, उनको भी बिजली विभाग बदलने का काम जल्द से जल्द करे। अध्यक्ष

महोदय, सदन में सभी सदस्य, सड़कों को बनाने की बात कह रहे हैं। मेरे हल्के मे पिछले एक साल में एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनाई गई है। हमारे यहां कैथल से सफीदों तक एक रोड जाती है। अध्यक्ष महोदय, आप भी मेरे साथ यहां का टूर करो, मैं आपकी पूरी आवभगत करने का काम करूंगा और आपके लिए अच्छी गाड़ी भी लेकर आउंगा तो आपको पता चल जायेगा कि मैं सदन में जो बातें कह रहा हूँ वह बिल्कुल सच कह रहा हूँ। इसका सड़क पर भी थोड़ा सुधार करवा दिया जाये। इसी प्रकर असंध से वाया सिरसल, पुंडरी तक एक सड़क है। यह 10 किलोमीटर बननी है। इसके बारे में कहते हुए मुझे दो साल हो गए हैं लेकिन मुझे कहा जाता है कि इसको सी.आर.एफ. में भेजा हुआ है और इसके लिए गडकरी साहब पैसे देने का काम करेंगे। जिस प्रकार से कोई काम नहीं हो रहा है, इसके दो ही मतलब निकलते हैं या तो गडकरी साहब इस काम को भूल गए हैं या फिर भेजने वाले झूठ बोल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक निसिंग से मुनक 10 किलोमीटर की सड़क है, मेरे को कह दिया गया कि यह सड़क मंजूर हो गई है लेकिन अब कहा जा रहा है कि इसके नाबार्ड से पैसे आने बाकी हैं। यह रोड, पक्का खेड़ा चौक तक जाती है। इस पर कोई काम नहीं हुआ है। इसी प्रकार एक जुंडला से जानी तक भी रोड मंजूर हुई है लेकिन फारेस्ट डिपार्टमैंट से उसकी क्लीयरैंस नहीं आई है। एक साल से ज्यादा का समय हो गया है, क्या सरकार को सरकार से क्लीयरैंस लेने में इतना टाइम लगता है या फिर बीच में ही कोई गड़बड़ है। इसका भी पता करवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, यह सदन बहुत ही पवित्र सदन है। यहां पर सत्ता पक्ष की तरफ से कहा जाता है कि किसानों को सारा मुआवजा दिया गया है। अमित जी ने भी सारी बात बता दी है कि किसानों का पिछला कितना मुआवजा बाकी है और अभी सदन में जो बातें सोमबीर जी ने कही हैं मैं भी उस बात का समर्थन करता हूँ कि किसानों के संदर्भ में पोर्टल पर पंगा लेने की कोई जरूरत नहीं है बल्कि किसानों की फसलों की फिजिकली गिरदावरी करवाकर उन्हें मुआवजा देने का काम किया जाये। अध्यक्ष महोदय, डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा ने जो पंजाबी वाली बात

कही है, उसका भी मैं समर्थन करता हूँ और सरकार को उनके द्वारा बताई गई बात पर भी संज्ञान लेने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, हम तो यहां इस देश में पैदा हुए हैं लेकिन हमें भी ऐसे ही कहा जाता है। अध्यक्ष महोदय, यह सदन पवित्र स्थान है और यहां पर केवल सच बात ही बोलनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जय हिंद–जय भारत।

शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): अध्यक्ष महोदय, विपक्ष ने मुआवजे के बारे में काफी बातें उठाई हैं। इनके समय में वर्ष 2004 से लेकर वर्ष 2014 तक के 10 साल के कार्यकाल में 1322.85 करोड़ रूपये का मुआवजा दिया गया था जबकि हमारी सरकार के 8 साल के कार्यकाल में 9885 करोड़ रूपये मुआवजे के रूप में देने का काम किया गया। अगर इन आंकड़ों का अंतर देखा जाये तो स्वतः पता लग जायेगा कि कौन सी सरकार मुआवजा देने का काम कर रही है।

श्री विनोद भ्याना (हांसी): स्पीकर सर, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। स्पीकर सर, प्रदेश के हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी के द्वारा वित मंत्री के रूप में एक जन कल्याणकारी बजट पेश किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि जिन्होंने गो माता के लिए 40 करोड़ रूपये से 10 गुणा बजट बढ़कार 400 करोड़ रूपये करने का काम किया है। इस कार्य से दो फायदे होंगे । पहला तो यह कि इससे बेसहारा गौवंश को सहारा मिल जाएगा और दूसरा यह कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय और उनके पूरे राजनीतिक परिवार को गौमाता दुआ और भरपूर आशीर्वाद देगी । उनके द्वारा किये गए विकास कार्यों और गौमाता के आशीर्वाद के दम पर वे वर्ष 2024 में भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बजट पर चर्चा के दौरान बोलने का मौका दिया । सरकार की विवेकपूर्ण

नीतियों एवं वित्तीय उपायों के फलस्वरूप प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पुनः गति आना प्रदेश सरकार की कुशल वित्तीय प्रबंधन नीति का प्रमाण है । अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के हर वर्ग को ध्यान में रखकर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी द्वारा माननीय वित्त मंत्री के रूप में जन–कल्याणकारी बजट पेश किया गया है । अध्यक्ष महोदय, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए 1,83,950 करोड़ रुपये के बजट को प्रदेश की जनता को समर्पित कर गरीब किसान के उत्थान का बजट पेश किया गया है । अध्यक्ष महोदय, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने कहा था कि वर्ष 2022 तक किसान की आमदनी दोगुनी की जाएगी । उसी कड़ी में हमारी सरकार ने किसान और किसानी के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम उठाए हैं । किसान के हित में हमारी सरकार ने 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' के माध्यम से 9 लाख से अधिक किसानों को पंजीकृत किया है । हरियाणा प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जो किसानों को 14 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का आश्वासन देता है । वहीं किसान के हर खेत को पानी पहुंचाने के लिए 'मेरा पानी मेरी विरासत' जैसी किसान कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं । अध्यक्ष महोदय, किसान के हित में 'भावान्तर भरपाई योजना' लागू करके हमारी सरकार ने सच्ची किसान हितैषी सरकार होने का प्रमाण दिया है । किसान की आय को दोगुनी करने के प्रयास में हरियाणा प्रदेश को भारतीय कृषि और खाद्य परिषद् द्वारा सर्वश्रेष्ठ राज्य कृषि व्यवसाय पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया जाना हमारी किसान हितैषी सोच को दर्शाता है । अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर सबको आवास प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है । उसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना में परिवार पहचान पत्र के माध्यम से 1,80,000 रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले जरूरतमंद परिवारों को किफायती आवास प्रदान करने के लिए एक नीति तैयार की गई है । इसके तहत सर्वेक्षण डाटा के आधार पर पायलेट प्रोजैक्ट अप्रैल, 2023 में शुरू करते हुए गरीबों को एक लाख नए घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य हमारी अंत्योदय की सोच को दर्शाता है । अध्यक्ष महोदय, आज

हरियाणा प्रदेश में बिना भेदभाव के समान विकास हो रहा है । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी का धन्यवाद करता हूं कि अब मेरा क्षेत्र हांसी भी विकास की दौड़ में पीछे नहीं है । चाहे गांव की बात करें या शहर की बात करें, चारों ओर विकास कार्य चल रहे हैं । हर विधायक को सड़कों के लिए 25 करोड़ रुपये तथा पूरे प्रान्त के सभी गांवों में आबादी के हिसाब से समान पैसा देना माननीय मुख्यमंत्री महोदय की 'सबका साथ सबका विकास' नीति को दर्शाता है । मगर पूरे प्रान्त में चल रहे समान रूप से विकास कार्य विपक्ष को पता नहीं क्यों रास नहीं आ रहे हैं । कल जिस तरह से हमारी सम्मानित विधायक बहन ने सरकार को 5 बार 'निकम्मी सरकार' कहा, उनके हाव–भाव से लग रहा था कि उनका सत्ता से बाहर होने का दर्द छलककर बाहर आ रहा है । अध्यक्ष महोदय, सरकार कोई भी 'निकम्मी' नहीं हुआ करती है । हर सरकार अपनी सोच के मुताबिक श्रेष्ठ कार्य करती हैं । मगर जो सरकार सर्वश्रेष्ठ कार्य करे जिस सरकार ने राजनीति के मायने बदल दिये हों, जिस सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन का काम किया हो, जिस सरकार ने बिना पर्ची बिना खर्ची के बच्चों को मैरिट के आधार पर नौकरी देने का काम किया हो, जिस सरकार ने पूरे प्रान्त में समान रूप से विकास करवाने का संकल्प लिया हो, जिस सरकार की नीतियों का अनुसरण करने का दूसरे प्रदेशों की सरकारें भी संकल्प लेती हों, जिस सरकार की ईमानदारी की चर्चा पूरे देश में हो ऐसी सरकार को 'निकम्मी सरकार' कहना कहने वाले की मानसिकता को ही दर्शाता है । अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं हमारे माननीय सदस्य श्री असीम गोयल जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने कल सदन में 'रिफ्यूजी' और 'शरणार्थी' जैसे शब्दों के विरोध में अपनी आवाज उठाई । अध्यक्ष महोदय, जिस कौम ने अपने देश और धर्म के लिए अपना सब–कुछ न्यौछावर कर दिया हो, अपना घर, जमीन–जायदाद आदि छोड़ दिया हो कि मैं हिन्दू हूं, मैं हिन्दुस्तानी हूं । अध्यक्ष महोदय, यहां आने के बाद इस कौम ने कितनी कड़ी मेहनत की वह किसी से छिपी हुई नहीं है । हमारी कौम ने सब्जी बेची, मजदूरी की, रेहड़ी लगाई, साईकिल पर सवारियां ढोई मगर मैं फख्र से कह

सकता हूं कि हमारी कौम ने कभी भीख नहीं मांगी और न ही कभी किसी के आगे हाथ फैलाये । अध्यक्ष महोदय, ऐसी स्वाभिमानी कौम को अगर कोई 'रिफ्यूजी' या 'शरणार्थी' कहे तो इससे बहुत ज्यादा दर्द होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन से यह प्रार्थना करता हूं कि सर्वसम्मति से यह कानून बनाया जाए कि कोई इस रिफ्यूजी या शरणार्थी शब्द का यूज भविष्य में न करे और कोई इस शब्द का प्रयोग करता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः विनोद जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। प्लीज, अब आप बैठ जाएं। अब श्री नीरज शर्मा ही अपनी बात रखेंगे।

श्री विनोद भ्यानाः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की सिर्फ 2 बातें कहकर ही अपनी बात समाप्त कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से चिर परिचित मांग है कि मेरे शहर में खेल स्टेडियम नहीं है, इसलिए मेरे हांसी शहर में खेल का स्टेडियम बनाया जाए। इसके अतिरिक्त हांसी को जिला घोषित किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अपनी बात रखने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री नीरज शर्मा (फरीदाबाद, एन.आई.टी.): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। इस बजट में हमको बहुत उम्मीद थी। फरीदाबाद से गुरूग्राम जो मैट्रो जानी है, यह माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा भी है। जिसके अन्दर एक स्टेशन बाबा दीप सिंह चौक प्याली चौक बनना है। इसके लिए बजट में एक रुपया भी नहीं रखा गया है। सिर्फ कागजों में ही गुरूग्राम से फरीदाबाद तक मैट्रो ट्रेन चलाने की बात चल रही है। अब भी समय है अगर माननीय मुख्यमंत्री जी मेरी बात सुन रहे हों तो कम से कम इस योजना को मंजूर करें क्योंकि यह फरीदाबाद और गुरूग्राम के बच्चों के लिए भविष्य की बात है। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है जिसके बारे में मैने पहले भी सैशन के दौरान विधान सभा में यह मांग रखी थी कि खर्चे के साथ–साथ एक रेवैन्यू का भी कॉलम होना चाहिए कि सरकार किस जिले से कितना पैसा इकट्ठा

कर रही है और वापिस कितना पैसा दे रही है? जिससे कि वहां के लोगों को बराबर इन्साफ/न्याय मिल सके। अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा में सरकार ने सैन समाज को 1096 वर्ग गज का प्लॉट 1,64,10,000 रुपये में अलॉट किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करना चाहूंगा कि सैन समाज की स्थिति को देखते हुए क्योंकि वह सैन समाज हमारे समाज का हिस्सा है। वह बहुत सम्पन्न समाज नहीं है, इसलिए उसको वह जगह या तो फ्री में दी जाए या ब्याज मुक्त किश्तों के साथ दी जाए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने करनाल में सम्मलेन में घोषणा की थी कि ई.बी.पी.जी. के बच्चों को नौकरी दी जाएगी। लेकिन अभी तक वह नौकरी नहीं दी गयी है। अब तो वे बच्चे गुजर भी रहे हैं। यानी उनकी मृत्यु भी हो रही है। इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, बाकी तो मेरी विधान सभा को कुछ मिलता नहीं है। एक तोहफा मिल रहा है, पाली का कूड़ा घर। मैंने पीछे भी कहा था और अब भी विनती करना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा पर इतना अत्याचार न करें। हमें ऐसे तोहफे नहीं चाहिएं। ये कूड़ा घर जहां के लिए प्रस्तावित था, वहीं पर लगाया जाए। अध्यक्ष महोदय, बाकी माननीय सदस्य तो नयी चीजें मांग रहे हैं। बल्लभगढ़–सोहना रोड जोकि गुरूग्राम पैरीफरी से होकर सोहना तक जाता है। हम इसके लिए टोल दे रहे है, इसलिए जिन शर्तों पर टोल दे रहे हैं, उनकी सुविधाएं दिला दी जाएं तो बड़ी मेहरबानी होगी। अध्यक्ष महोदय, बाकी माननीय सदस्य खर्चे की बात कर रहे हैं और मैं आमदनी की बात कर रहा हूं क्योंकि मैं जो भ्रष्टाचार पकड़वा रहा हूं, उस पर सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उसमें लीपापोती की जा रही है और चिट्‌ठी पर चिट्‌ठी भेजी जा रही है। मैं मेरे साथ पैन ड्राईव लाया हूं और मैंने इसमें रूपांतरण भी किया है। मैं इसको टेबल भी करूंगा। आप इसको चलाकर देख सकते हैं। भ्रष्टाचार के केस में आई.ए.एस. ऑफिसर्ज से 5–5 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है क्योंकि सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। यह कहा जा रहा है कि आपको पॉलिटिक्ल लोगों से मिलवाएंगे और आपके नाम केसों में से निकल जाएंगे। इस प्रकार कैसे कार्रवाई

होगी? जबकि इन भ्रष्टाचारियों के लिए तो बुलडोजर कानून लागू होना चाहिए। इनकी सम्पतियों पर बुलडोजर चलवाया जाए। इनकी सम्पति एटैच करें। अध्यक्ष महोदय, एक 200 करोड़ रुपये का मसला था। 33 करोड़ रुपये ताजा–ताजा 4 अगस्त, 2020 को साईन हुए और 10 दिन बाद नगर निगम के रिकार्ड में आग लग गयी। अध्यक्ष महोदय, 31 करोड़ रुपये के मामले में कोई जांच में ही शामिल नहीं हुआ। इसके लिए मुझे उस कमेटी को बहुत चिट्ठियां लिखनी पड़ी। उस कमेटी में 9 सदस्य थे। इसमें एक साल लग गया तब जाकर वे उस 31 करोड़ रुपये के मामले की जांच में शामिल हुए। ऐसे ही पंचकुला का मामला है जिसमें 67 करोड़ रुपये शामलात के नाम के दूसरों के खाते में डाल दिये। अध्यक्ष महोदय, इसमें वर्ष 2017 की एफ.आई.आर. है। लेकिन अभी तक उसके ऊपर इन्कवायरी नहीं हुई है और कोई भी गतिविधि आगे नहीं बढ़ी है। इसमें रिकवरी पर ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, तीसरा अभी फरीदाबाद में एक विकास चौधरी नाम का आदमी पकड़ा गया है। वह हमारे जिले में से तीसरी बार रैड हैंडिड पकड़ा गया है। ऐसे व्यक्तियों को जिले में कौन लाता है ? यह सदन में पूरी जानकारी दी जाए। एक बार पकड़ा गया तो कोई बात नहीं भूल चूक हो गयी। दोबारा पकड़ा गया तो भी कोई बात नहीं। आप तीन–तीन बार एक ही जिले में एक ही व्यक्ति को पकड़ रहे हैं और रैड हैंडिड पकड़ रहे हैं। आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने वैसे ही कह दिया कि हमारा नियुक्ति और ट्रांसफर के लिए कोई मापदंड ही नहीं है। एटलिस्ट, इतना तो मापदंड बना दें कि जो अधिकारी जिस जिले में रिश्वत और भ्रष्टाचार में पकड़ा जाए। जब तक उस केस का फैसला न हो, तब तक जिलों में उसको पोस्टिंग मत दो, उन जिलों से उनको बाहर रखा जाये और उन जिलों पर रहम किया जाये, खासतौर से हमारे फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे जिलों पर। अध्यक्ष महोदय, मैं इसके अलावा एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारे यहां पंचायत डिपार्टमैंट में कोरोना काल के दौरान बी.डी.पी.ओ. पूजा शर्मा का बहुत बड़ा कांड हो गया था और उसमें सिर्फ पुलिस इन्क्वायरी और विजिलैंस इन्क्वायरी का मामला था लेकिन रिकवरी के नाम पर कुछ

नहीं था। मैं कह रहा हूं कि ये जितने भी ऐसे केसिज हैं, मैं इनको टेबल भी करना चाहूंगा जिसके कारण मेरे पांच मिनट बच जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि सरकार इन केसिज में रिकवरी कर ले और कुछ न करे। इसके लिए नीरज शर्मा अपनी सेवा फ्री देने को तैयार है। मुझे इनकी इन्वेस्टिगेशन टीम में शामिल कर लो, मैं इनकी क्वैशचनरी बनाकर दे दूंगा। इसमें सरकार का सबसे पहला ध्यान पैसे की रिकवरी करने पर ही हो इसलिए मेरा कहना यह है कि सरकार रिकवरी पर ध्यान क्यों नहीं कर रही है? यह केस सी.बी.आई. को क्यों नहीं दे रही है क्योंकि इस केस में दो–दो स्टेटों का मामला है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास पैन ड्राइव है इसको आप हाउस में जरूर सुनाईयेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अंदर सरेआम 5 करोड़ रुपये की बात की गई है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, आपने घंटी बजा दी है और मैं आज्ञाकारी बच्चा हूं । मैं सरकार से ज्यादा मांग नहीं कर रहा हूं परन्तु मेरी विधान सभा के नगर निगम के लिए 100 करोड़ रुपये दे दो। सरकार का लाखों करोड़ों का बजट है। हमारा काम 100 करोड़ रुपये में ही हो जायेगा। जहां पर भी माननीय मुख्यमंत्री जी मेरी बात सुन रहे हैं। एक चीज जरूर याद रखें। अध्यक्ष महोदय, मैं रामायण की चौपाई पढ़कर अपनी बात समाप्त करूंगा।

पर हित सरिस धर्म नहिं भाई।
पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।।

अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा की पीड़ा आपको अच्छी तरह से पता है। जब हमारी बहन बेटियों की शादी होती है तभी सीवरेज में फंटी लगती है। अब शादियां भी बंद हो गई हैं। हमें सीवरेज से मुक्ति दिला दो।

श्री अध्यक्ष : नीरज जी, अब आप प्लीज बैठ जायें।

***श्री नीरज शर्मा :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपको अपनी स्पीच लिखित में देना चाहूंगा जिसको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बना लिया जाये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है आप अपनी स्पीच लिखित में दे दीजिए इसको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बना दिया जायेगा।

श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, नगर निगम की जांच क्रमांक 5 दिनांक 26.04.2019 एवं जांच क्रमांक 06 दिनांक 10.05.2019 बारे। विजिलेंस विभाग में दर्ज एफ.आई.आर. नम्बर 3 दिनांक 22.02.2019 बारे। नगर निगम फरीदाबाद की जांच क्रमांक 01. दिनांक 06.01.2015 बारे। नगर निगम फरीदाबाद में अधिकारियों की मिलीभगत से कर्मचारियों को रेगुलर करने बारे। नगर निगम फरीदाबाद में काम हुए बिना 200 करोड़ रुपये घोटाले में तत्कालीन आयुक्तों को शामिल करने बारे। 200 करोड़ रुपये के घोटाले में 31 करोड़ रुपये की पेमैंट को शामिल करने बारे। नगर निगम की जांच क्रमांक 5 दिनांक 26.04.2019 पर अभी तक एफ.आई.आर. दर्ज ना करने बारे। क्यू.आर.जी. अस्तपाल सैक्टर16 फरीदाबाद में 4 सीवर सफाई करने वाले व्यक्तियों के संदर्भ में। डबुआ सब्जी मंडी फड़ वितरण घोटाले की तरह फरीदाबाद की सब्जी मंडी में फड वितरण घोटाले बारे। नगर निगम फरीदाबाद के अनुरोध के बावजूद रजिस्ट्री करने बारे। एन.आई.टी. विधान सभा के वार्ड 6 में कई वर्क ऑडरों के तहत मुख्यमंत्री घोषणा में हुए घोटाले बारे। नगर निगम यमुना नगर जगाधरी के अधिकारियों/कर्मचारियों और पदाधिकारियों के द्वारा राजनीतिक संरक्षक में हरियाणा सरकार द्वारा भेजे जाने वाली अनुदान राशि के तहत करवाये जाने वाले विकास कार्यों में भारी धांधली बारे। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मलाईदार सीटों पर कैसे हुई भ्रष्ट अधिकारियों की नियुक्तियां बारे और भ्रष्ट अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद भी इनके संरक्षकों तक नहीं पहुंच पा रहा एंटी करप्शन ब्यूरो बारे। रंग्र हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

***चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनाया गया।**

हुए एच.एस.आई.आई.डी.सी. के संपदा अधिकारी विकास चौधरी और आइ.आर.एस. धीरज गर्ग ही नहीं अनेक ऐसे अधिकारी हैं, जिन्हें एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ा है लेकिन जांच बस उन तक ही सीमित रह जाती है। स्टेट एंटी करप्शन ब्यूरो ने फरीदाबाद में एच. एस.आई.आई.डी.सी. के संपदाधिकारी को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इससे पहले ब्यूरो ने ट्रांसपोर्टरों से रिश्वत लेकर करीब 200 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति अर्जित करने वाले आई.आर.एस. धीरज गर्ग को गिरफ्तार किया था। धीरज गर्ग आबकारी एवं कराधान विभाग में प्रवर्तन शाखा के अतिरिक्त आयुक्त पद पर तैनात रहा। सरकार एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई में रिश्वत लेने वाले अधिकारियों को पकड़कर भ्रष्टाचार रोकने का दावा कर रही है जबकि भ्रष्टाचार तब तक नहीं रूकेगा जब तक एंटी करप्शन ब्यूरो सत्ता में बैठे इन भ्रष्ट अधिकारियों के संरक्षकों तक नहीं पहुंच पाएगा। एंटी करप्शन ब्यूरो को पकड़े गए भ्रष्ट अधिकारियों से यह भी पता लगाना चाहिए कि उन्हें मलाईदार सीटों पर नियुक्त करवाने में किसका और किस आधार पर हाथ रहा। धीरज गर्ग को तो प्रतिनियुक्ति पर आई.ए.एस. वाली सीट व बैठाया गया जबकि विकास चौधरी भ्रष्टाचार के आरोप में दो बार जेल जा चुका है। स्थानीय विधायक भी उसके खिलाफ थे, फिर ऐसा क्या कारण रहा कि विकास चौधरी को फरीदाबाद जैसे अहम जिला में लगाया गया। आई.ए.एस. से पांच करोड़ रूपये की रिश्वत मांगने वाले मुद्दे पर गंभीर नहीं सरकार। फरीदाबाद नगर निगम में हुए 200 करोड़ रूपये के घोटाले में पाक–साफ करवाने के लिए राजस्थान के एक व्यक्ति ने आई.ए.एस. अनीता यादव से पांच करोड़ रूपये की रिश्वत मांगी। मामला दर्ज हुआ तो पुलिस ने फोन कर रिश्वत मांगने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया लेकिन पुलिस अभी तक इस तह में नहीं पहुंची है कि गिरफ्तार व्यक्ति कौन था, किस नेता से मिलवाने के लिए आई.ए.एस. से पैसे मांग रहा था। कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा का कहना है कि सरकार इस मुद्दे पर गभीर नहीं है। फरीदाबाद नगर निगम में उजागर हुए 200 करोड़ रूपये के घोटाले के बाद मुख्य सचिव की अध्यक्षता में

गठित कमेटी में आई शिकायतों का मैंने ब्यौरा मांगा और सरकार ने मुझें कमेटी गठन का आर्डर पकड़ा दिया। हमने सरकार से पूछा है कि इस कमेटी के पास कितनी भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें आई और उन पर क्या कार्रवाई हुई। एफ.आई.आर. संख्या 4 दिनांक 31.7.2017, एस.वी.बी., पंचकुला–एच.एस.वी.पी में धोखाधड़ी भुगतान। मामला शामलात की जमीन का अधिक मुआवजा देने से जुड़ा है। सैक्टर 32, पंचकुला के विकास के लिए गांव चौंकी के अवार्ड नम्बर 2 दिनांक 30.7.2003 में एच.एस.वी.पी. द्वारा अधिग्रहित शामलात भूमि का क्षेत्रफल 748.55 बीघा था। 748.55 बीघे के 2.5/7वें हिस्से यानी 267.3 बीघा के लिए मुआवजा स्वीकृत किया जाना था लेकिन 541.8 बीघा के लिए धोखाधड़ी से स्वीकृत किया गया था। 2014–2015 में 60.07 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी से हस्तांतरित की गई राशि में से रूपये 22.50 करोड़ की वसूली 8 वर्ष से अधिक बीत जाने के बाद भी की गई है।

श्री घनश्याम सर्राफ (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट सत्र पर बोलने का समय दिया मैं इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। मुख्यमंत्री जी ने वित्त मंत्री के तौर पर बजट प्रस्तुत किया है। वह सराहनीय है और मेरे से पूर्व माननीय सदस्यों ने अपनी बात रखी है। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए अपने कुछ न कुछ शब्द कहे हैं। आज सरकार को शासन करते हुए 8 साल हो गये हैं। मैं यह समझता हूं कि पहले का और कुछ बाद का यदि मैं एक लाइन में कहूं तो एक बात सामने आती है कि हर गांव–गांव, शहर–शहर, हर नगर–नगर और हर डगर–डगर विकास हुआ है। बेईमानों की पोल खुली है। यह हमारे मनोहर लाल जी का विश्वास है। यह एक अच्छी बात है। मुख्यमंत्री जी के माध्यम से जिस प्रकार से पूरे प्रदेश में विकास हो रहे हैं यह भी एक बहुत बड़ी बात है। जहां तक परिवार पहचान पत्र की बात है तो पी.पी.पी. के आधार पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। यह देखकर मुझे बड़ा अच्छा लगता है क्योंकि करीब 15 लाख लोगों को आष्युमान की तर्ज पर चिरायु कार्ड के माध्यम से लाभ

दिया जा रहा है जिसमें करीब 75 लाख लोगों को लाभ देने का काम किया गया है। हमारा प्रदेश उन्नति और तरक्की की राह पर है और इसका रास्ता भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने ही दिया है। मैं एक बार विपक्ष की सरकार में भी मैम्बर था। हमने सरकार को उस समय भिवानी के लिए कई कामों को करने के लिए निवेदन किया परन्तु भिवानी का काम नहीं करना यह बात सरकार ने ठान रखी थी। जो इनके मेन आदमी थे, वे यह चाहते थे कि भिवानी के लिए काम न हो। मैं इस बजट का समर्थन करता हूं। जहां तक अंत्योदय योजना की बात है तो मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि हम वर्ष 1962 से अंत्योदय योजना को लेकर गाने गाते आ रहे है लेकिन आज माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने हमारी इस अंत्योदय योजना को पूरी करने का काम किया है। इसमें प्रदेश के सभी प्रकार के गरीब लोग गरीब शामिल होंगे। इसके अलावा इन गरीब लोगों को नौकरी देने के लिए हमारी सरकार आगे बढ़ रही है। मैं समझता हूं कि निश्चित तौर पर हमारा यह सिस्टम आगे से आगे बढ़ता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पंजाबी वर्ग के लोगों की बात है तो इनको आज जिस प्रकार से रिफ्यूजी और शरणार्थी शब्दों का प्रयोग करके सम्बोधित किया जा रहा है यह कहीं न कहीं हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पंजाबी वर्ग को हमने दूसरे नम्बर पर रखा है। हमें आज उस बात के लिए एक कानून बनाने की जरूरत है कि इनको कोई भी आदमी रिफ्यूजी और शरणार्थी न बोले।(विघ्न) अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा सड़कों के लिए 25 करोड़ रुपये दिये गये हैं इसलिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि सैक्टर 13 व 23 की सड़कों को आर.सी.सी. का बनाया जाये। नगर परिषद का दायरा बढ़ाया जाए। इसके अलावा स्थानीय निकाय विभाग को भिवानी शहर के भेजे गए जो कार्य पैंडिंग हैं, इन्हें भी पूरा करवाना अति आवश्यक है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से ढाणी जंगा झरवाई होते हुए जो रोड राजगढ़ तक जाती है उसको भी बनवाया जाए। यह ग्रामीण क्षेत्र की सड़क है जिसे मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से शहर के

लिए जो काम दिये गए हैं उनको पूरा किया जाए। भिवानी शहर में सर्कुलर रोड की सारी सीवरेज की लाईन में पी.आई.सी.सी. का वर्क करवाया जाए। इसमें आज के दिन पानी का स्तर ऊंचा उठ गया है और सीवरेज लाईन नीचे बैठ गई है इसलिए इस प्रकार के जो साधन बनते हैं, उनके लिए हमें ध्यान रखना है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी जब दिनांक 11 फरवरी को भिवानी गये थे तब उन्होंने इसके लिए 17 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया था। शहर में हमारा जो 709 ई मार्ग है उसमें इस बजट को लगाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने ये सारे प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी को लिखित में दिए हैं। (घंटी) अध्यक्ष जी मुझे अपनी बात रखने के लिए एक मिनट का समय और दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अपनी डिमांड रखूंगा कि गांव मान्हेरू के सी.एच.सी सब सैंटर, देवसर के सब सैंटर, हालुवास के सब सैंटर की बिल्डिंग्स जीर्ण अवस्था में चली गई हैं इसलिए मैडिकल विभाग द्वारा इनको नया बनवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भिवानी में महम गेट से हवाई पट्टी तक फोरलेन की सड़क का निर्माण भी करवाया जाये (घंटी) तथा भिवानी महिला थाने से चिड़िया घर रोड़ तक सड़क को चौड़ा कर नव निर्माण किया जाये।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है, आप अपनी बाकी डिमांड लिखित में दे देना।

श्री अमरजीत ढांडा (जुलाना): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय हमारी गठबंधन सरकार ने वर्ष 2023–24 का चौथा बजट 1,83,950/– करोड़ रुपये का रखा है जो पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 11.6 प्रतिशत बढ़ाया गया है। इस बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है तथा हर वर्ग के लिए, हर व्यवसाय के लिए कृषि फार्मिंग के लिए, फिशरीज के लिए, पंचायती राज के लिए, बाल विकास के लिए यानी हर वर्ग के लिए अच्छा बजट रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो बजट पेश किया है उसके लिए मैं आपके

माध्यम से उन्हें बधाई देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, सदन में मेरे साथी विधायक दो दिन से हरियाणा प्रदेश में बारिश और ओलावृष्टि के कारण किसानों की फसलों में जो नुकसान हुआ है उसके मुआवजे की मांग उठा रहे हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री जी ने भी कहा है। इस संबंध में मेरे हल्के के किसानों के फोन भी मेरे पास सुबह से ही आ रहे हैं। इसलिए मैं भी आपके माध्यम से सरकार से मांग करूंगा कि मेरे हल्के के किसानों की फसलों में जो नुकसान हुआ है उसकी स्पेशल गिरदावरी हो। इसके अलावा जिन फसलों का बीमा हो रखा है उसके लिए उन बीमा कंपनियों को मैसेज दिया जाए। जिला वाईज डी.सी. बैठता है वहां से चिट्ठी निकाली जाए एवं जमींदारों की फसलों की स्पैशल गिरदावरी की जाए। ऐसा मौका बाद में नहीं मिलता क्योंकि इसमें 72 घंटों का समय दिया गया है छोटे किसान को इस बारे पता नहीं होता और वह इसका फायदा नहीं उठा पाता है। अध्यक्ष महोदय, वर्ष, 2023–24 का जो बजट पेश किया गया है वह बहुत ही सराहनीय है जिसकी सभी माननीय सदस्यों ने सराहना की है तथा विपक्ष के साथियों ने इसे कमजोर बताया है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कह रहे थे कि 'जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है'। अध्यक्ष जी, यह नारा अब का नहीं है यह नारा वर्ष, 2009 का था। अब ये विधायक बता रहे हैं कि वह नारा वर्ष, 2009 में जनता ने दिया था। (शोर एवं व्यवधान) जो सरकार बदलनी है, वह नारा वर्ष, 2009 का था। ये इनको रात को सपने में याद आया था। अब वह सरकार चली गई है। अब प्रदेश की जनता ने इनको विपक्ष में बिठा दिया है। अब ये सपने लेने लग गए हैं। यह नारा पहले का था अब का यह नारा नहीं है। अध्यक्ष जी, अब मैं अपने हल्के की कुछ समस्याओं के बारे में बताना चाहता हूं। हमारी सरकार ने पिछले साढ़े तीन साल से जुलाना हल्के की तरक्की के लिए बहुत से काम किये हैं। इसमें सबसे ज्यादा किसान को फायदा हुआ है क्योंकि फ्लड़ से जो उसकी फसल खराब हो जाया करती थी इस समस्या का

तकरीबन–तकरीबन समाधान हो गया है। मौजूदा बजट में भी इसके लिए काफी पैसे रखे गए हैं इसलिए इस दिशा में जो काम बकाया रह गये हैं वे भी पूरे हो जायेंगे। इस बारे में सरकार की तरफ से मुझे बाकायदा तौर पर आश्वासन मिल गया है। हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी हल्कों को बराबर बजट का आबंटन किया है। हमारी सरकार से पहले वाली सरकार के समय में तो बजट का अधिकतर हिस्सा सोनीपत, झज्जर, बहादुरगढ़ और रोहतक में खर्च कर दिया जाता था। मेरे हल्के की सीमा रोहतक से लगती है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय में रोहतक से वाया लाखन माजरा आने वाली और भम्भेवा को आने वाली सड़कों का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया था। जो पहले की सरकारें थी वे बेईमानी के साथ राज करती थी लेकिन हमारे मुख्यमंत्री जी पूरी ईमानदारी के साथ सभी को साथ लेकर चलते हुए राज चला रहे हैं। मैं अपनी सरकार के सभी कार्यों की बहुत–बहुत प्रशंसा करता हूं। जुलाना नगर पालिका के लिए 12 करोड़ रूपये की राशि मुख्यमंत्री शहरी समग्र योजना के तहत स्वीकृत की गई है। मेरी सरकार से मांग है कि इस राशि की वित्त विभाग से जल्दी से जल्दी मंजूरी दिलवाई जाये। मेरा यह भी कहना है कि जुलाना में माली फाटक और जोहड़ फाटक नाम के दो फाटक हैं। वहां पर अभी डिप्टी सी.एम. साहब दौरा भी करके आये थे। वहां पर उन दोनों फाटकों पर बहुत भारी ट्रैफिक जाम लगता है इसलिए इन दोनों फाटकों पर या तो आर.यू.बी बनाये जायें या आर.ओ.बी. बनाये जायें। इसी प्रकार से जुलाना में 7 अनअथोराईज्ड कालोनीज ऐसी हैं जिनमें 80 परसैंट मकान बन चुके हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन कालोनीज को जल्दी से जल्दी मंजूरी दी जाये ताकि इसी साल में वहां के रास्ते व गलियां बन जायें और पाईपलाईन्ज

बिछाकर पीने के पानी की व्यवस्था भी हो सके। यह सभी व्यवस्थायें सरकार की स्कीम में है। ऐसे ही राजपुरा बहल में मंडी पूरी तरह से गांव के बीच में आ गई है। मेरी सरकार से यह मांग है कि उस मंडी को वहां से उठाकर रामराय गांव के पास राजपुरा बहल की जमीन में मेन रोड पर बनाया जाये। इससे आसपास के सभी गांवों को भी फायदा हो जायेगा। इसी प्रकार से सामलो कलां में परचेज सैंटर है वहां पर भी पानी भर जाता है। पानी भर जाने के कारण वह टूट गई थी इसलिए उसको भी जल्दी से जल्दी पक्का करवाया जाये। ऐसे ही फतेहगढ़ के कच्चे परचेज सैंटर को भी पक्का करवाया जाये। मेरे गांव खरक राम जी में सब–तहसील का निर्माण किया जाये। इसके लिए डिप्टी सी.एम. साहब ने भी घोषणा की थी। यह गांव सब–तहसील के सभी नॉर्म्ज पूरे करता है। मेरी बिजली मंत्री जी से भी रिक्वैस्ट है कि मेरे हल्के में जिस पॉवर हाऊस को बनाने के लिए मैं तीन साल से प्रयास कर रहा हूं उसको भी जल्दी से जल्दी बनवाया जाये। इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत आभारी होऊंगा। हमारी सरकार ने जो बजट पेश किया है उसकी जितनी भी सराहना की जाये वह कम है। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं।

श्री शीशपाल सिंह केहरवाला (कालांवाली, अ.जा.) : धन्यवाद अध्यक्ष जी। यह बजट कैसा है अगर यह एक लाईन में कहूं तो वह इस प्रकार से होगा कि–

कागज के फूलों की महक जैसा है,
दिखने में तो बहुत सुन्दर है,
पर अंदर बिलकुल खोखला।

यहां पर सभी 90 विधायक साथी बैठे हुए हैं। सभी से यह कहा गया कि आपके विधान सभा क्षेत्रों और पूरे प्रदेश के लिए बजट तैयार करना है इसलिए आप सभी अपना–अपना परामर्श दें। उसके बाद मैंने और हमारे तमाम विधायकों ने भी परामर्श दिया परन्तु मुझे नहीं लगता कि बजट में हम में से किसी के भी परामर्श को शामिल किया गया हो। मैंने यह परामर्श दिया था कि मेरे यहां पर सब–डिवीजन का कार्यालय एक प्राईवेट बिल्डिंग में चल रहा है। कालांवाली शहर में न तो लड़कों का कॉलेज है और न ही स्टेडियम है। बजट में कहीं पर भी किसी विधायक के परामर्श का जिक्र तक नहीं है। मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि हम सभी विधायक साथियों से वह एक्सरसाईज क्यों करवाई गई? दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां पर किसानों की भी बात होती है और उद्योगों की भी बात होती है। अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति और जो मजदूर है, मजदूर भी दो तरह का है। एक मजदूर तो किसान से सम्बंधित है और दूसरा मजदूर वह है जो मंडियों में आढ़तियों के साथ काम कर रहा है। इन तबकों के लिए बजट में कोई भी प्रावधान नहीं है। अभी किसानों की फसलें खराब हुई और सरकार द्वारा उनकी विशेष गिरदावरी के आदेश जारी किये गये हैं। जब मुआवजा दिया जायेगा तो किसान को जरूर मुआवजा मिलेगा। मैं कहता हूं कि किसान को उसके नुकसान का मुआवजा मिलना भी चाहिए परन्तु उसके साथ जो मजदूर काम कर रहा है उसका क्या कसूर है। उसको भी कुछ न कुछ तो मिलना ही चाहिए। इसी प्रकार से मंडी में किसान की फसल न आने के कारण वहां पर मंडी का मजदूर भी परेशान है। इस सभी को ध्यान में रखते हुए हम यह चाहते हैं कि बजट के अंदर कम से कम जो अंतिम पंक्ति में बैठा मजदूर है उसकी तरफ

भी सरकार का ध्यान जाना चाहिए। इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा यह तमाम साथियों ने भी बोला कि गांवों में भी लोग रहते हैं और गांवों के साथ–साथ ढाणियों में भी लोग रहते हैं, आज अगर उनको बिजली और पानी के कनैक्शन की जरूरत है तो उनको एक बात बोल दी जाती है कि अपने खर्च पर कनैक्शन लगवाओ। जब पूरे हरियाणा के लोगों को बिजली उपलब्ध हो चुकी है तो फिर जब हमारा नया बजट जारी हुआ है तो क्यों नहीं ढाणियों के लिए एक विशेष नीति बनाकर वहां पर बिजली पहुंचाने की व्यवस्था की जाती? मेरा यही कहना है कि बजट में इस प्रकार का प्रावधान होना चाहिए था परन्तु यह कहीं पर भी नहीं है। किस प्रकार से हम इस बजट को बेहतरीन कह सकते हैं? हमने देखा कि किस प्रकार से जब किसानों की जमीन से बिजली की बड़ी लाईन निकालने के लिए बड़े–बड़े टॉवर्ज का निर्माण किया जाता है तो किसान को टॉवज़्र के लिए यूज की गई उसकी भूमि का मुआवजा दिया जाता है लेकिन उस लाईन के नीचे वह मकान नहीं बना सकता और न ही वह वहां पर कोई पेड़ ही लगा सकता है इसलिए उसको पूरी की पूरी लाईन के नीचे की जमीन का मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस प्रकार की स्कीमों के लिए भी बजट में कहीं पर कोई प्रावधान नहीं है। इसी प्रकार से हमारे सत्ता पक्ष के साथी जब भी बात करते हैं तो कहते हैं कि विपक्ष बजट की प्रशंसा नहीं करता। मैं सरकार के एक काम की प्रशंसा जरूर करूंगा। जिस प्रकार से वर्ष 2014–15 से वर्ष 2022–23 तक का जो हरियाणा का जी.एस.डी.पी. दिखाया गया है वह 5.62 है जबकि पूरे देश की जी.डी.पी. 4.58 है। इस प्रकार हरियाणा की जी.एस.डी.पी. पूरे देश की जी. डी.पी. से ज्यादा है। यह तो सरकार के लिए बढ़िया बात है। हर बार यह नहीं

कहा जाना चाहिए कि यह जो हमारी हरियाणा की सरकार है अगर हम गवर्नर एड्रैस से लेकर बजट को देखते हैं तो उसमें कहा जाता है कि प्रधानमंत्री जी के विजन को लेकर हम चल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री जी के विजन को लेकर चलेंगे तो घाटे में रहेंगे क्योंकि अगर राष्ट्र की जी.डी.पी. को देखा जाये तो वह कम है और हमारे हरियाणा की ज्यादा है। इसका कारण यही है कि हमारी सरकार के समय में और जिन तमाम पार्टियों ने हरियाणा में राज किया उन सभी ने हरियाणा में ऐसी बुनियाद बनाई थी जिसका यह परिणाम आज हम सभी के सामने है कि जो राष्ट्र की जी.डी.पी. है उससे हमारे प्रदेश की जी.एस.डी.पी. बेहतर है। इसके साथ ही साथ मैं एक और मुद्‌दे पर बात करना चाहूंगा जैसा अभी तमाम साथियों ने कहा कि जो रिफ्यूजी शब्द है उस पर बिलकुल बैन होना चाहिए। वे सभी हमारे देश के लोग हैं। इसके साथ ही साथ मैं एक दो बहुत ही अहम बात करने जा रहा हूं। मेरा विधान सभा क्षेत्र पंजाब के साथ लगता है। एक अमृतपाल सिंह नाम का व्यक्ति है जो खालिस्तान की मांग करता है। उस शब्द पर भी हमारा बैन है। हम यहां पर बैठकर यही बात कहते हैं कि हमें धर्म की रक्षा करनी है। हम धर्म की रक्षा की बात तो करते हैं लेकिन धर्मों की रक्षा की बात नहीं करते। कुछ लोग कहते हैं कि उन्हें खालिस्तान बनाना है और इसी प्रकार से फिर एक आदमी कहता है कि मैंने इस देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है। मैं पूछना चाहता हूं कि हिन्दू राष्ट्र क्यों बनाना है? कहते हैं कि हमें धर्म को बचाना है। मेरा यही कहना है कि हम सभी को संविधान को बचाना चाहिए क्योंकि हमें संविधान को बचाने की जरूरत है। अंत में, मैं यही कहना चाहूंगा कि जिस प्रकार

से सत्ता पक्ष चल रहा है उस पर ये पंक्तियां लागू होती हैं कि –

तूफान ज्यादा हो तो किश्तियां डूब जाती हैं और
घमण्ड ज्यादा हो तो हस्तियां डूब जाती हैं।

श्री हरविन्द्र कल्याण (घरौंडा) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। हम सभी वर्ष 2023–24 के बजट पर चर्चा कर रहे हैं। यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार का नौवां बजट है और मनोहर लाल जी का वित्तमंत्री के नाते से चौथा बजट है। मैं इस बजट और सरकार के सफर की सबसे बड़ी उपलब्धि मानता हूं कि यह निरंतर सुधार की प्रक्रिया है जिसको चलाया जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री जी की जो इच्छा शक्ति है वह वास्तव में सराहनीय है। स्पीकर सर, मुझे याद है कि एक दिवंगत प्रधानमंत्री ने एक बार एक सच्चाई बोली थी जिसमें उन्होंने उस समय की व्यवस्था की बदहाली को ब्यान किया था और उसको सभी ने पसंद किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार की तरफ से 100 पैसे चलते हैं तो आम नागरिक तक 15 पैसे पहुंचते हैं। वास्तव में हर नागरिक को यह अधिकार है कि वह ये जाने कि उनके खून पसीने की कमाई कहां खर्च हो रही है और ठीक से खर्च हो रही है या नहीं हो रही है। उन्होंने यह कहने का साहस किया लेकिन मैं मानता हूं कि असली साहस वह है कि जब हम व्यवस्था के सुधार के कार्य करें और सुधार के बाद हम आंकड़ों को पेश करें। मैं समझता हूं कि हमारी सरकार ने टैक्नॉलोजी का भरपूर प्रयोग करके पारदर्शी व्यवस्था को बनाया है। आज मैं केवल सरकारी व ओथैंटिक आंकड़ों के माध्यम से ही कुछ सुधार की चर्चा करना चाहूंगा। स्पीकर सर, वर्ष 2022–23 में दिसम्बर तक विभिन्न लाभार्थियों के खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से 11250 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर हुई है जोकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और साथ ही साथ 36.75 प्रतिशत फर्जी लाभार्थियों के हटने मात्र से 1182 करोड़ रुपये की बचत हुई है। हम सभी जानते हैं कि पी.पी.पी. के माध्यम से लाखों नये परिवारों को आयुष्मान और चिरायु आवास योजना के दायरे में शामिल

कर लिया गया है। इस बजट के अन्दर उसका जिक्र है। हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास की स्थापना की गई है। मैं समझता हूं कि इसके साथ–साथ सरकार ने अन्य वर्गों के लिए भी जो योजनाएं बनाई हैं वह सरकार की समाज के हर वर्ग के प्रति गम्भीरता और संवेदनशीलता को दर्शाती है। ऐसी बहुत सारी योजनाएं हैं जिनका जिक्र अभी मैं नहीं करूंगा क्योंकि समय सीमित है लेकिन मैं एक चीज का जिक्र जरूर करूंगा। माननीय मुख्यमंत्री जी ने ओडिट का एक विभाग बनाने की बात की है। वास्तव में इससे लीकेज भी खत्म होगी और व्यवस्था और सुचारू होगी। इसमें मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि हर योजना का ओडिट हो, हर प्रोजैक्ट का ओडिट हो क्योंकि जो प्रोजैक्ट लेट होते हैं उनका यू.पी. की तर्ज पर डिले ओडिट जरूर हो और विभागों का ओडिट भी जरूर हो। उसमें जवाबदेही फिक्स होनी चाहिए। ऐसा मेरा सुझाव माननीय मुख्यमंत्री जी को है। स्पीकर सर, बहुत से सदस्यों ने इस चर्चा पर फिसिकल डैफिसिट और सरकार के ऊपर कर्ज के बारे में बहुत सी बातें की हैं। मैं सरकार के फाईनैंशियल डिसिप्लन में सिर्फ दो ही प्वायंट की यहां चर्चा करना चाहूंगा। केन्द्र सरकार और केन्द्रीय वित्त आयोग द्वारा मानदंड निर्धारित किये गये हैं और राजकोषीय घाटा जी.एस.डी.पी. का साढ़े तीन प्रतिशत होना चाहिए जोकि वर्ष 2022–23 में हरियाणा का 3.29 प्रतिशत रहा है और वर्ष 2023–24 का जो प्रस्तावित है वह तीन प्रतिशत है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक और बहुत महत्वपूर्ण बिन्दु जो सरकार के ऊपर कर्ज की बात आती है। वर्ष 2005 में कांग्रेस की सरकार बनी जो 10 साल तक रही। वर्ष 2014 के अन्त में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी जिसका नौवां वर्ष चल रहा है। अगर मैं वर्ष 2005–06 के वित्त वर्ष की बात करूं तो उस समय में 19594 करोड़ रुपये का घाटा था जोकि 10 साल पूरे होने पर 96881 करोड़ रुपये का कर्ज था जोकि 395 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी। यह तुलनात्मक ही होना चाहिए। इसके अन्दर जो पावर यूटिलिटीज का कर्ज था उसका जिक्र कहीं पर नहीं हुआ जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। अगर मैं वर्ष 2015–16 की बात करूं तो उसको मिलाकर

उस समय 101709 करोड़ रुपये का घाटा था। जोकि वर्ष 2023–24 में 2 लाख 85 हजार 885 करोड़ रुपये पहुँच गया है। यदि हम इसको प्रतिशत के रूप में देखें तो यह 210 प्रतिशत है। अध्यक्ष महोदय, कहां 395 प्रतिशत और कहां 210 प्रतिशत है। अब बजट में प्रस्तावित 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपये का घाटा है। कांग्रेस गवर्नमैंट के समय जो प्रतिशतता थी, उसको अगर हम कैलकुलेट करें तो उस समय में 5 लाख 3 हजार करोड़ रुपये का घाटा होना चाहिये। विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों को इसका अध्ययन करना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अंत में केवल इतना ही कहूंगा कि कुल मिलाकर डिवैल्पमैंट के नाते प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी की सरकार को हर वर्ग की बेहतरी की चिंता है और गरीब लोगों के उत्थान के नाते अंत्योदय का संकल्प है, इसके लिये माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। मैं विपक्ष के बारे में इतना ही कहूंगा कि जनहित के मुद्दों पर जो ओच्छी राजनीति हो रही है समाज उसको देख रहा है। वर्ष 2024 में इनको जरूर जवाब मिल जायेगा। वर्ष 2024 में दोबारा से भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आयेगी और हरियाणा में विकास का सफर इसी तरह से आगे बढ़ता रहेगा। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ। (**इस समय उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।**)

श्री बलबीर सिंह (इसराना) (अ.ज.): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023–24 के बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, बजट को पढ़ने के बाद इसमें कोई भी रोड मैप हरियाणा को आगे ले जाने का नहीं पाया है। इस बजट में किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों, बेरोजगार युवाओं आदि के लिये कुछ भी नहीं पाया है। वर्ष 2005 से लेकर 2014 तक हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी। उस समय हरियाणा में चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री और केन्द्र की सरकार में सरदार मनमोहर सिंह प्रधानमंत्री हुआ करते थे। उस समय की राज्य व केन्द्र दोनों सरकारों ने

36 बिरादरी के जरूतरमंद लोगों के लिये लाखों मकान 'इन्दिरा आवास योजना' के तहत फ्री में बनवा कर दिये थे। उस समय इस संबंध में ऑफ लाइन सिस्टम था। केन्द्र और हरियाणा प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बने लगभग 8–9 साल हो गये हैं। यह सरकार भी 'प्रधानमंत्री आवास योजना' लेकर आई है। इस सरकार में मकान बनाने के लिये फार्म ऑनलाइन जमा करवाना पड़ता है लेकिन कई वर्षों से इसकी संबंधित वेबसाइट बंद चल रही है। उपाध्यक्ष महोदय, इसका मतलब यह हुआ कि यह सरकार जरूरमंद व्यक्तियों को फ्री में मकान बनाकर नहीं देना चाहती है। असल में यह स्कीम गरीब और लाचार व्यक्तियों के लिये थी। जिन परिवारों में कोई कमाने वाला व्यक्ति नहीं है, जिस परिवार में केवल लड़कियाँ ही हैं या जिस परिवार में अपंग व्यक्ति है, ऐसे व्यक्तियों के लिये ही यह स्कीम बनाई गई थी। सरकार ने इस स्कीम को ऑनलाइन करके केवल और केवल योजना को खत्म करने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस स्कीम की आड़ में जो हुआ वह सदन को बताना चाहता हूँ। हरियाणा में इस समय लगभग 6528 ग्राम पंचायतें हैं। यदि सरकार अपने 9 साल के कार्यकाल के अंदर धीरे–धीरे तीन–तीन या चार–चार भी मकानों को बनाने का काम करती तो प्रत्येक ग्राम में कम से कम 30 मकान तो जरूर बन जाते लेकिन सरकार ने इस प्रकार का कोई काम नहीं किया। जिन गरीब व्यक्तियों को मकानों की जरूरत थी, वे इससे वंचित रह गये हैं। सरकार ने करीब 186000 मकान भी अपने 9 साल के कार्यकाल में नहीं बनवाये हैं। इस सरकार ने गरीब आदियों के साथ केवल धोखा करने का काम किया है। इन मकानों की जो राशि 'प्रधानमंत्री आवास योजना' से जोड़कर तय की जाती है, मुझे लगता है कि वह लगभग 25 अरब 78 करोड़ 29 लाख 20 हजार रुपये की राशि बनती है। यह राशि 36 बिरादरियों के जरूरतमंद व्यक्तियों के मकानों पर लगनी थी, वह राशि पता नहीं सरकार ने कहां पर लगाई है? उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने गरीबों का हक क्यों मारा? इस बात का भी सदन को पता लगना चाहिये। अब मैं हैल्थ के विषय के बारे में इस महान सदन का ध्यान

आकर्षित करना चाहता हूँ। हरियाणा में सी.एच.सीज. में स्पेशलिस्ट डॉक्टर्ज के 516 पद स्वीकृत हैं लेकिन केवल 33 पद ही भरे हुए हैं। हरियाणा के गांवों में केवल चार ही सर्जन काम कर रहे हैं। हरियाणा के देहातों में केवल 13 प्रसूति गृह हैं। हरियाणा के देहातों में बच्चों के डॉक्टर्ज केवल 6 ही काम कर रहे हैं। हरियाणा के देहातों में केवल आंखों का एक ही डॉक्टर काम कर रहा है। हरियाणा प्रदेश में कुलमिलाकर 14 हजार डॉक्टर्ज के पद रिक्त पड़े हुए हैं जो तुरंत प्रभाव से भरे जाने चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट के हिन्दी और इंग्लिश दोनों वर्जन पढ़ने के बाद जो मिला, उसके बारे में इस महान सदन को मैं बताना चाहता हूँ कि इस बजट में किसानों ने कुछ मांगा, उन्हें लठ पड़े। मजदूरों ने कुछ मांगा, उन्हें लठ मिले। 36 बिरादरियों के भाइयों ने जो ओ.पी.एस. की मांग की उन्हें लठ मिले। सरपंचों ने ई–टैंडरिंग के खिलाफ कुछ मांगा या अपना धरना– प्रदर्शन किया उन्हें भी लठ मिले। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट में यदि 36 बिरादरियों को कुछ मिला है, वह भरपूर मात्रा में लठ ही मिले हैं इसके अलावा उन्हें कुछ नहीं मिल है। इस बजट में इसराना हल्के के लिये कुछ भी नहीं पाया है। मुझे लगता है कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय बजट बनाते समय इसराना हल्के को भूल ही गये। मैंने तीन–चार बार इसराना क्षेत्र की मांगों को सदन में रखा है। मैंने कहा कि मतलोडा के अंदर बस स्टैण्ड, बी.डी.पी.ओ. ऑफिस, तहसील, रैस्ट हाउस आदि होने चाहिये और इसी प्रकार की डिमाण्ड इसराना के लिये रखी थी लेकिन बजट में किसी भी चीज का कोई उल्लेख नहीं किया गया। मैं इस महान सदन से कहना चाहता हूँ कि सरकार के किसी भी उच्च अधिकारी से मेरे हल्के का मुआयना करवायें तो पायेंगे कि सड़कों की बहुत बुरी हालत है। मैं जब भी इस संबंध में अधिकारियों से बात करता हूँ तो वे हर बार एक ही जवाब कहते हैं कि इस बारे आपके हल्के का काम हो जायेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे अपने हल्के को देखते हुए लगभग 4 साल हो गये हैं, बहुत बुरी दशा सड़कों की और गलियों की है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने

मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूँ।

श्री सीता राम यादव (अटेली): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे वर्ष 2023–24 के बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा माननीय वित्त मंत्री जी के रूप में 183950 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया है। मैं समझता हूँ कि इससे अच्छा और कोई दूसरा बजट हो नहीं सकता। यदि मैं सारांश में इस बजट की व्याख्या करूं तो वह यह है कि हरियाणा विधान सभा में माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है वह आर्थिक रूप से संतुलित, हर वर्ग के लिए कल्याणकारी और भविष्य की राह दिखाने वाला बजट है, जिससे चहुँमुखी विकास प्रदेश में होगा। इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की दूरगामी सोच वाले इस बजट के कारण हमारा प्रदेश माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के भारत की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर करने की अवधारणा को मूर्त रूप देने की कोशिश में बहुत मददगार साबित होने वाला है। उपाध्यक्ष महोदय, रोटी, कपड़ा और मकान हर व्यक्ति की प्राथमिक जरूरतें होती हैं। रोटी और कपड़े का तो व्यक्ति किसी तरह इंतजाम कर लेता है परंतु जब मकान बनाने की बात आती है तो वह उसके लिए जीवन का एक बहुत बड़ा प्रश्न बन जाता है। हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जिस प्रकार का दृढ़संकल्प से युक्त प्रगतिशील बजट पेश किया है, इससे लोगों को ये सुविधायें आसानी से सुलभ हो सकेगी। इस बजट में प्रदेश के हित में सभी मदों पर अलग–अलग विचार करके आवश्यक धनराशि का आबंटन करने का काम किया गया है और प्रदेश के सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर इस बजट को प्रस्तुत किया गया है। आज देश और प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया है इससे हमारा प्रदेश प्रगति की राह पर उत्तरोत्तर आगे बढ़ता चला जायेगा। हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने शिक्षा के क्षेत्र के लिये भीं कई योजनाएं बनाई हैं। प्रत्येक 20 किलोमीटर के दायरे में एक गवर्नमैंट कॉलेज का निर्माण

किया जायेगा ताकि हमारी बहन बेटियों को शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े। उपाध्यक्ष महोदय, इस बार किसान, कृषि, पशुपालन और डेयरी, खेल तथा अन्य दूसरे विभागों के लिए पिछले बजट की अपेक्षा ज्यादा राशि का प्रावधान करने का काम किया गया है। इस बजट में महिलाओं और हमारी बेटियों के लिए कई प्रकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की पुरस्कार राशि देने का समावेश किया गया है। उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का बहुत–बहुत धन्यवाद करना चाहूंगा । उपाध्यक्ष महोदय, कोविड–19 महामारी के बाद यह बजट निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बजट साबित होगा । यह बजट आने वाले वर्षों में विकास की नयी इबारत लिखने का काम करेगा । देश की अर्थव्यवस्था में हरियाणा प्रदेश का योगदान 3.4 प्रतिशत है । उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने पिछले 8 वर्षों में बिजली तथा प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार लाने के लिए अनेक पारदर्शी कदम उठाकर सरकार को जनता के प्रति जवाबदेही और पारदर्शी शासन देने के लिए अपनी इच्छाशक्ति को स्पष्ट करने का काम किया है । निश्चित रूप से हमारी सरकार जवाबदेही और उत्तरदायी सरकार बनकर जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरने वाली सरकार है । उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने 'हरियाणा एक, हरियाणवी एक' की अवधारणा पर काम करते हुए शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे की कड़ियों को और मजबूत करने की दिशा में काम किया है । उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय को अपने क्षेत्र के बारे में बताऊंगा । अम्बाला से नारनौल तक जाने वाले एन.एच. –152'डी' की लम्बाई 227 किलोमीटर है । इसमें हर 10–12 किलोमीटर की दूरी पर कट दिये हुए हैं । मेरा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कहना है कि दादरी और कनीना के बीच में, बागौत और सेलंग के बीच में एंट्री/एग्जिट का प्रावधान करवाया जाए । केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने 22 मार्च, 2022 को इसे स्वीकृति भी दे दी थी लेकिन अभी तक यह काम पूरा नहीं हुआ है । उपाध्यक्ष महोदय, मेरा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि इस बारे में केन्द्रीय मंत्री को लिखकर इस कार्य को पूरा करवाया जाए । अध्यक्ष

महोदय, 19 और 20 मार्च को दो दिन लगातार वर्षा और ओलावृष्टि से किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं । मेरा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि 'क्षतिपूर्ति पोर्टल' पर एंट्री की बजाय फसल के नुकसान की स्पैशल गिरदावरी करवाकर उनको उचित मुआवजा दिया जाए । इसके अलावा खेत–खलिहान के रास्तों को भी पक्का करवाया जाए ।

श्री उपाध्यक्ष : यादव जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है । अगर आपकी कोई बात कहनी रह गई हो तो आप उसे मुझे दे दीजिए । मैं उसको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनवा दूंगा । (विघ्न)

श्री सीता राम यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ एक मिनट का और समय लूंगा । मेरे क्षेत्र के गांवों में गन्दे पानी की निकासी की भारी समस्या है । उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि गन्दे पानी की निकासी का प्रबंध किया जाए । इसके अलावा हमारी सरकार को 'निकम्मी' कहा जा रहा था तो इस विषय पर मैं कहना चाहूंगा कि वर्ष 2009 से 2014 तक हरियाणा की सम्मानित जनता ने कहा था कि –

बिजली–पानी जो दे न सकी वह सरकार निकम्मी है,
जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है ।

उस समय 5 वर्ष तक प्रदेश में इस तरह के नारे लगते रहे थे ।

श्री उपाध्यक्ष : यादव जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है । अगर आपकी कोई बात कहनी रह गई है तो आप मुझे अपने कागजात दे दीजिए । मैं उनको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनवा दूंगा । (विघ्न)

श्री सीता राम यादव : उपाध्यक्ष महोदय, उस समय सरकार ने बिजली और पानी का भी प्रबंध नहीं किया था । मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय और माननीय बिजली मंत्री जी का भी धन्यवाद करूंगा । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : यादव जी, आपका बोलने का समय पूरा हो गया है । अतः अब आप अपनी सीट पर बैठिये । (विघ्न)

श्री सीता राम यादव : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं ।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपको कोटि–कोटि धन्यवाद देता हूं । सभी जानते हैं कि किसी भी संस्था और सरकार को सफल संचालन के लिए आर्थिक मजबूती और कुशल वित्त प्रबंधन की जरूरत होती है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय जोकि स्वयं वित्त मंत्री का पदभार भी संभाले हुए हैं, ने बजट पेश करते हुए कहा कि मैं हरियाणा के लोगों की आशा, अपेक्षा के साथ विजन और प्रोविजन को लेकर और कौटिल्य जैसे अर्थशास्त्री के मूल–मन्त्र को लेकर यह बजट पेश कर रहा हूं । उन्होंने इसे 'अमृत काल' के बजट की भी संज्ञा दी । उपाध्यक्ष महोदय, पक्ष और विपक्ष के लोगों ने इस बजट के बारे में अपने–अपने विचार रखे हैं । कुछ ने इस बजट की सराहना की और कुछ ने उस पर आलोचना के साथ अपने सुझाव भी रखे। उपाध्यक्ष महोदय, इस सम्पूर्ण बजट के अवलोकन के बाद हम यह कह सकते हैं कि बजट में ऐसा कुछ भी नया नहीं है। सिर्फ शब्दों का बदलाव और अंकों की जादूगरी के अलावा कुछ भी नहीं है। मैं तो यही कहना चाहूंगा कि–

बहुत शोर सुना था, दिल का शाम ए महफिल में,
मगर जब चीर कर देखा तो कतरा एक खून ना मिला।

उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम कर रहित बजट पेश कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ याद दिलाना चाहूंगा कि जब कर्ज से सरकार चलती हो तो सरकार को कर लगाने की जरूरत कहां है ? मैं आपके माध्यम से वर्ष 2017–18 से लेकर वर्ष 2023–24 तक के कुछ फिगर्ज आपके सामने रखना चाहूंगा। हमारी वर्ष 2017–18 में बोरोईंग 26.42 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 20.72 प्रतिशत रही। वर्ष 2018–19 में बोरोईंग

27.83 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 23.01 प्रतिशत रही। वर्ष 2019–20 में बोरोईंग 32.86 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 27.91 प्रतिशत रही। वर्ष 2020–21 में बोरोईंग 32.08 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 28.61 प्रतिशत रही। वर्ष 2021–22 में तो कमाल कर दिया क्योंकि बोरोईंग 38.41 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 30.88 प्रतिशत रही। यही सिलसिला वर्ष 2022–23 और 2023–24 में भी रहा। इसमें बोरोईंग 35.96 प्रतिशत थी और रिपेमैंट 30.31 प्रतिशत रही। यानी सरकार कर्ज लेती रही और उसका हिस्सा काटकर रिपेमैंट करते रहे और कर्जा सिर पर चढ़ता रहा। यही एक कारण है कि आज हर आदमी यह कहता है कि आपने इतना कर्जा लिया था। अभी हमारे एक माननीय सदस्य सदन में जस्टिफिकेशन दे रहे थे कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में यह काम किया था और आज कर्जे की बात कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहना चाहता हूं कि कर्जे से सरकारें नहीं चलती हैं। सिर का वजन पैरों के ऊपर ही आता है। मैं तो यह भी कहना चाहता हूं कि जब कर्ज से सरकार चलानी है तो वही बात है कि जब डेयरी में दूध मिलता है तो घर में गाय/भैंस बांधने की जरूरत नहीं है। इसमें सरकार को चाहिए कि ऐसे प्रॉवीजन करें जिसमें कर को जनरेट कर सकें ताकि आज जो समस्याएं मुहं बाए खड़ी हुई हैं उनका सम्पूर्ण समाधान हो सके। फिर उनमें चाहे बेरोजगारी की बात है, चाहे मंहगाई की बात है, इन समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान करें। वरना लोग क्या कहेंगे? मैं आपके माध्यम से युवा साथियों की बात कहना चाहूंगा कि ऐसे प्रदेश के अन्दर हम इन परिस्थितियों में हैं कि–

न खुदा ही मिला, न विसाल ए सनम,
न इधर के रहे, न उधर के रहे।

आप लोगों को ये बातें सोचकर फिर इसके ऊपर फैसला लेना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा प्रदेश एक तरह से कृषि प्रधान प्रदेश के नाम से जाना जाता है। यह आज की बात नहीं है। जब सन् 1966 में हरियाणा प्रदेश बना था तो इसको एग्रीकल्चर इकोनॉमी के नाम से जाना जाता था। लेकिन आज किसान दुर्दशा में हैं। आज उसको न

तो खाद समय पर मिल पा रही है और न ही उसकी खराब फसलों का मुआवजा मिल रहा है। हमारे यहां पर 3 दिन पहले बेमौसमी वर्षा और ओलावृष्टि की वजह से भारी तबाही हुई है। इसका मुआवजा देने के लिए सरकार अभी तक पोर्टल खोलने का इन्तजार कर रही है। उनको चाहिए कि इसके लिए स्पैशल गिरदावरी करें और संबंधित किसानों का जो भी उचित मुआवजा बनता है, वह उनको दिया जाए। वे सरकार की तरफ आंखें उठाकर देख रहे हैं। मैं समझता हूं कि सरकार को उनकी तरफ भी देखना चाहिए। इसके बाद पशुधन की बात आती है। उपाध्यक्ष महोदय, आप समय के लिए घड़ी की तरफ देख रहे हैं और मुझे लग रहा है कि आप थोड़ी देर में कोई न कोई पाबंदी लगाने वाले हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में एक पशु विज्ञान केन्द्र खोला गया था, लेकिन सरकार ने पॉलिक्लीनिक खोलने की बात की थी। पशु विज्ञान केन्द्र खोला गया था, लेकिन आज तक उसका भी पूरा कार्य नहीं हुआ है, उस कार्य को पूरा करवाना चाहिए। जहां तक युवाओं की बात आती है तो इस हिन्दुस्तान के अन्दर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत युवा वर्ग की है और आज आप उसको एक तरह से बेरोजगारी के समर में धकेल रहे हैं। यहां तक की केन्द्र सरकार भी परमानैंट फौज को हटाकर के अग्निवीर के नाम से उनको एक तरह से निरूत्साहित कर रही है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कहना है कि सरकार इस पर ध्यान दे। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो शिक्षा के बिना कोई तरक्की नहीं होती है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में एक किसान मॉडल स्कूल है जोकि सरकार ने पैसा खर्च करके बना रखा है। इसके लिए सरकार ने पैसे दे रखे हैं लेकिन आज तक उसका कोई भी यूज नहीं किया जा रहा है।

श्री उपाध्यक्षः दान सिंह जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। अगर इनके अतिरिक्त आपकी कोई और बात हो तो उसको लिखित में दे दें। हम उसको प्रोसिडिंग्ज का पार्ट बनवा देंगे।

राव दान सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मनेठी का एम्स नहीं बन पाया है। हमारे यहां पर आज तक मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं हो पाया है।

श्री उपाध्यक्षः दान सिंह जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। अगर इनके अतिरिक्त आपकी कोई बात हो तो उनको लिखित में दे दें। हम उसको प्रोसिडिंग्ज का पार्ट बनवा देंगे। अब श्री सत्य प्रकाश जरावता जी अपनी बात रखेंगे।

राव दान सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरा एक सुझाव है कि मेडिकल टूरिज्म के रुप में महेन्द्रगढ़ जिले में बहुत संभावनाएं हैं।(विघ्न)

श्री सत्य प्रकाश जरावता (पटौदी) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया मैं इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट के अंदर जितनी योजनाएं और जितने विकास के कार्य दिये गये हैं, अभी इनकी सदन में नाम मात्र ही चर्चा हुई है। मैं आज अपने इलाके और अपने जिले की बात करूं तो गुरुग्राम एक ऐसा जिला और एक ऐसा शहर है, जो दुनिया के अंदर अपनी एक अलग पहचान रखता है। उस जगह पर उसकी पहचान दिलाने के लिए मानेसर जैसे गांव को एक बड़ा नगर निगम बनाकर और इसके अलावा एक औद्योगिक क्षेत्र को नई पहचान माननीय मुख्यमंत्री जी ने दी है। बजट में गुरुग्राम में हेली–हब बनाने की मंजूरी मिल चुकी है। दूर दराज से दुनिया के जितने भी लोग यहां पर आयेंगे तो उनके लिए हेलीकॉप्टर उतरने और चढ़ने की व्यवस्था 26 एकड़ में करने का काम इस बजट में किया गया है। गरीबों, मध्यम वर्गों और सभी के लिए 10 शहरों में आवासीय और औद्योगिक सैक्टर बनाने की घोषणा इस बजट में की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों मुझे कुछ प्रतिनिधिमंडल मिले थे और उन्होंने आई.टी.आई. डिपार्टमैंट के जो कुछ सरप्लस कर्मचारी हैं, उनकी बात रखी थी। मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि उन सरप्लस कर्मचारियों को हटाया न जाये और उनके अनुभव का फायदा उठाते हुए कौशल के डिवैल्पमैंट के लिए उनको आगे लाया जाये। इसी तरह से ब्लॉक एक्सटैंशन ऑफिसर्ज की बात है तो उनके

लिए भी रिजर्वेशन का प्रावधान रखते हुए गजटिड ऑफिसर का दर्जा दिया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, एक ड्रॉप आउट स्टूडैंट्स के लिए स्कीम चल रही है। वह स्कीम नौ महीने ही चलती है। उस स्कीम को 12 महीने तक चलाया जाये यह मेरा सरकार से अनुरोध है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट के अंदर गौ सेवा आयोग के लिए 400 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। मैं मुख्यमंत्री जी और डिप्टी सी.एम. साहब का आभार व्यक्त करना चाहूंगा क्योंकि हमारे माननीय सदस्य के निवेदन पर इन्होंने एस.आई.टी. गठित करने की बात कही है। मैं चाहूंगा कि उस एस.आई.टी. का विस्तार बड़ा हो और उस एस.आई.टी. में यह जांच भी हो कि मेवात और नूंह के अंदर कितनी गायों की हत्याएं हुईं? कितनी गौ तस्करी हुई? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मामन खान : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य गलत ब्यानबाजी कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : मामन खान जी, प्लीज आप बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश जरावता : उपाध्यक्ष महोदय, इसमें कितने पॉलिटिकल लोग इन्वॉल्व हैं? मेवात के अंदर दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं? इसका मेरे पास प्रूफ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : जरावता जी, आप एक बार रूकिये। मामन खान जी, इन्होंने कौन से ऐसे शब्द बोल दिये जो आपको ऑब्जैक्शन है। (शोर एवं व्यवधान) आपके खिलाफ माननीय सदस्य ने ऐसे कोई शब्द नहीं कहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश जरावता : उपाध्यक्ष महोदय, इनको किस बात की तकलीफ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मामन खान : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने जांच की बात की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : मामन खान जी, अगर इन्होंने जांच की बात की है तो इसमें ऐसी कौन सी बात है जो आपको गलत लगी। (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने ऐसा क्या गलत बोल दिया?

(शोर एवं व्यवधान) मामन खान जी, प्लीज आप बैठ जायें। आप ऐसे सदन की कार्यवाही को डिस्टर्ब नहीं कर सकते हो? (शोर एवं व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश जरावता : उपाध्यक्ष महोदय, कहीं न कहीं इनकी इन्वॉल्वमैंट है इसलिए ये लोग जांच से घबरा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर महिलाओं पर अत्याचार किया जा रहा है। इस बात की भी जांच एस.आई.टी. में होनी चाहिए। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : मामन खान जी, इसमें आपको क्या आपत्ति है। क्या माननीय सदस्य आपका नाम ले रहे हैं।

श्री सत्य प्रकाश जरावता : उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर हर चीज की जांच होनी चाहिए। हम चाहते हैं कि भाईचारा कायम हो और यही सब लोग चाहते हैं लेकिन इनका इस तरह का व्यवहार कि मेवात में आएं तो देख लेना ये कोई तरीका नहीं है। पूरा प्रदेश एक है, 'हरियाणा एक–हरियाणवी एक है'। इनको इस तरह की भाषा का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, ये कोई तरीका नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मामन खानः उपाध्यक्ष महोदय, क्या ये चर्चा बजट पर हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मामन खान जी, क्या आप भी अपनी सारे बातें बजट पर ही रखते हैं। माननीय सदस्य अपनी बात रख रहे हैं, आपको इस बात से क्या आपत्ति है। आपको कोई एतराज नहीं होना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आफताब अहमदः उपाध्यक्ष महोदय, क्या ये चर्चा बजट पर हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आफताब जी, क्या आप भी अपनी सारे बातें बजट पर ही रखते हैं। माननीय सदस्य जरावता जी अपनी बात रख रहे हैं, आप उन्हें ऐसे नहीं रोक सकते।

स्कूल शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): मामन जी, क्या मोहम्मद इलियास जी भी कल अपनी बात बजट पर बोल रहे थे। आप कार्यवाही निकलवाकर देख लीजिए, वे क्या बोल रहे थे।

आपको उनके बोलने पर आपत्ति नहीं हुई और न ही आपकी पार्टी के किसी मैम्बर ने उनको बोलने से रोका। माननीय सदस्य तो केवल जांच की बात कर रहे हैं।

श्री उपाध्यक्षः जरावता जी, आप अपनी बात कम्पलीट कीजिए।

श्री सत्य प्रकाश जरावताः उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने एक विधायक साथी की तारीफ भी करता हूं जिन्होंने कहा कि हम दोनों समुदाय की इक्ट्ठी पंचायत बुलाएंगे।(विघ्न)

परिवहन मंत्री (पंडित मूल चंद शर्मा): उपाध्यक्ष महोदय, आफताब जी मेरे साथी हैं तथा मेवात हमारा अपना जिला है। आज मेवात जिले में पांच गांव ऐसे हैं जहां चोरी की गाड़ी चली गई तो वहां से लायी नहीं जा सकती, बड़े बाजार लगते हैं। जो बात है वह सबके सामने कहनी तो पड़ेगी।(शोर एवं व्यवधान) अगर मेवात में एन.सी.आर. की गाड़ी चली गई तो वहां से उसे कोई ला नहीं सकता। उसके दो घंटे में पुर्जे–पुर्जे अलग कर दिये जाते हैं। मेवात के कुछ गांव ऐसे हैं जहां जा नहीं सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मामन खानः उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी मेवात के बारे में ऐसे नहीं बोल सकते।(शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मंत्री जी, प्लीज आप बैठ जाएं।

पंडित मूल चंद शर्माः उपाध्यक्ष महोदय, मेवात हमारा सबका है। उन लोगों के खिलाफ जो बात कह रहा हूं वह मुझे कहने दीजिए। मेवात में इस तरह की बदतमीजी है।

श्री उपाध्यक्षः मंत्री जी, प्लीज आप बैठ जाएं। जरावता जी, आप अपनी बात कम्पलीट कीजिए।

श्री सत्य प्रकाश जरावताः उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय विधायक इलियास जी की बात का समर्थन भी करता हूं कि हिन्दू–मुसलमान की सामूहिक रूप से पंचायत बुलायी जायी जिसमें गौ तस्करी पर चर्चा की जाए, डी.एस.पी. सुरेन्द्र की हत्या की चर्चा हो, हमारी बेटी निकिता की हत्या हुई है उसकी भी चर्चा हो एवं माननीय सदस्य बता रहे हैं कि राजस्थान के जिन भाईयों की हत्या हुई है तो उस बारे में भी चर्चा हो तथा एक भाईचारा कायम हो। इस

प्रकार की बातें होनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से एक और अनुरोध है कि जब तक वहां पर पूरा संरक्षण न मिले तब तक शिड्यूल कास्ट के लिए, दलितों के लिए एक स्पैशल फोर्स का प्रबंध किया जाए। धन्यवाद।

श्री उपाध्यक्षः मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि अभी 5 मैम्बर्स अपनी बात रखने के लिए बचे हुए हैं इसलिए वे अपनी बात 5 मिनट के अन्दर पूरी करें ताकि सभी मैम्बर्स अपनी–अपनी बात रख सकें।

श्री जगबीर सिंह मलिक (गोहाना): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया इसलिए लिए आपका धन्यवाद। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इन लम्बे–चौड़े आंकड़ों की बात तो नहीं करूंगा क्योंकि बजट में पता नहीं क्या दिया जाता है व गवर्नर एड्रैस में क्या दिया जाता है। मैं वर्ष, 2015 से सुनता आ रहा हूं लेकिन बजट में जो दिया जाता है, वह धरातल पर नहीं होता है। जो पिछला बजट था उसमें 54 प्रतिशत खर्च हुआ तथा 46 प्रतिशत लैप्स हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अन्दर ग्राम पंचायत का बजट 15 प्रतिशत, ग्राम विकास का 6.16 प्रतिशत, पशुपालन का 8.46 प्रतिशत, कंट्री एंड टाउन प्लानिंग का 0.56 तथा एम.एस.एम.ई. का 0.44 ही खर्च हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस सरकार के पास पैसा हो और वह खर्च न कर पाए, हम ऐसी सरकार को क्या कहेंगे। कर्ज तो बढ़ता जा रहा है जबकि काम धरातल पर नहीं उतर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा एग्रीकल्चर जिसके लिए दोगुनी आय करने के बारे में कहा गया था और वर्ष, 2018 के बजट में भी यह लिखा गया था कि हम किसानों की आय दोगुनी करेंगे लेकिन दुर्भाग्य इस बात का है कि इसका बजट भी 20.01 प्रतिशत खर्च हुआ। कृषि का बजट ही पूरा 20 प्रतिशत खर्च हुआ है तो सरकार किसानों की आय दोगुनी कैसे करेगी ? उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह एजुकेशन का बजट 39.72 प्रतिशत, सैकेण्डरी एजुकेशन का 45.96 प्रतिशत तथा सिंचाई का 48 प्रतिशत खर्च हुआ है। मतलब जो इम्पोर्टेंट विभाग हैं इनका भी 50 प्रतिशत बजट खर्च हुआ है। केवल स्वास्थ्य विभाग है जिसका 99 प्रतिशत बजट खर्च हुआ है लेकिन

हैल्थ डिपार्टमैंट की अगर बात की जाये तो गांवों में स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स केवल 6 प्रतिशत हैं यानी 94 प्रतिशत स्पैशलिस्ट डॉक्टर्स के पद खाली पड़े हुए हैं। अगर आई सर्जन की बात करूं तो पूरे हरियाणा के गांवों में केवल एक आई सर्जन है। आज सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है लेकिन जो मेडिकल कॉलेज पहले से चल रहे हैं उनकी हालत भी बहुत खराब है। खानपुर मेडिकल कॉलेज में ओनकॉलोजिस्ट नहीं है, न्यूरो सर्जन भी नहीं है तथा आज जिस बीमारी से बहुत अधिक मौतें हो रही हैं कार्डियोलॉजिस्ट भी नहीं है। अगर डॉक्टर्स ही नहीं है तो मेडिकल कॉलेजिज खोलने का कोई फायदा नहीं है। कहीं पर भी पूरा स्टाफ उपलब्ध नहीं है। यहां पर जितने भी मेरे साथी विधायक बोले हैं सभी ने यह कहा है कि हमारे यहां पर पर्याप्त स्टाफ नहीं है तथा स्पैशलिस्ट डॉक्टर्स की कमी है। स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार डॉक्टर्स की कमी है। एक विभाग जिसका 99 प्रतिशत बजट खर्च हो चुका है उसकी यह हालत है तो जिन विभागों का बजट भी पूरा खर्च नहीं हुआ है उनकी क्या हालत होगी? अब मैं कृषि विभाग के बारे में बात करना चाहूंगा। हमारे साथी विधायक श्री महीपाल ढांडा जी ने कृषि के बारे में बहुत कुछ बोला है। सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि आज किसान पर बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि की मार पड़ी है उसकी विशेष गिरदावरी करवा कर किसानों को उनकी खराब हुई फसल का मुआवजा दिया जाये। पिछली बार उप–मुख्यमंत्री जी ने सदन में आश्वासन दिया था कि मेरे और श्रीमती निर्मल चौधरी के निर्वाचन क्षेत्र के गांवों की हमारी मौजूदगी में बारिश से हुए नुकसान की विशेष गिरदावरी होगी लेकिन आज तक वहां पर कोई खराब हुई फसलों के नुकसान को देखने नहीं गया और न ही हमसे सम्पर्क किया गया। मैंने माननीय सदस्या से पूछा कि क्या आपके पास कोई मैसेज है तो उनका भी यही कहना था कि मेरे पास भी कोई मैसेज नहीं आया है। इसके साथ–साथ सदन में यह भी आश्वासन दिया गया था कि एक सप्ताह में इसकी रिपोर्ट आ जायेगी लेकिन वह रिपोर्ट आज तक नहीं आई है। मेरे विधान सभा क्षेत्र का पहले का 2 साल का मुआवजा अभी तक बकाया

है। मेरा निवेदन है कि इस बार उस प्रकार की विशेष गिरदावरी न करके अच्छी तरह से मौके पर जा कर विशेष गिरदावरी की जाये तथा किसानों को उनकी खराब हुई फसलों का उचित मुआवजा दिया जाये। आज सरकार किसान की आय दोगुनी करने की बात करती है लेकिन आज किसान की हालत बहुत खराब है। आज हरियाणा के हर किसान परिवार पर 1,82,000/– रुपये का कर्ज है। अगर किसान की विकास दर की बात की जाये तो पंजाब की 3 प्रतिशत है और हरियाणा के किसान की विकास दर –2.5 प्रतिशत है। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): उपाध्यक्ष महोदय, इन आंकड़ों को लेकर मुझे जवाब देने का समय दिया जाये। माननीय सदस्य गलत आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं और अगर ये आंकड़े गलत पाए जायें तो सदन इनके खिलाफ कार्रवाई करे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, क्या मेरी यह बात भी गलत है कि सदन में उप–मुख्यमंत्री ने मेरे और श्रीमती निर्मल रानी विधायक के निर्वाचन क्षेत्र में जल भराव से हुए फसलों के नुकसान का मुआयना हमारी मौजूदगी में करवाने का आश्वासन दिया था। लेकिन कोई मुआयना नहीं हुआ और न ही हमारे पास कोई मैसेज आया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश दलाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य गलत आंकड़े सदन के समक्ष रख रहे हैं इसलिए मुझे इनका जवाब देने के लिए समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक: उपाध्यक्ष महोदय, जिस समय हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार थी उस समय गोहाना में रेल कोच फैक्ट्री लगाने को मंजूरी दी गई थी तथा गोहाना में मेगा इंडस्ट्रियल टाउनशिप की भी मंजूरी दी गई थी। इस काम के लिए 6400 एकड़ जमीन भी एक्वायर की गई थी लेकिन यह मेरे क्षेत्र का दुर्भाग्य है कि इस सरकार के आने के बाद वे प्रोजैक्ट्स कैंसिल हो गये। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि वहां के लिए 23.05.2014 को टाऊन एण्ड कंट्री प्लानिंग विभाग

की तरफ से एक नोटिफिकेशन हुई थी जिसके तहत गोहाना निर्वाचन क्षेत्र के जौली, लाठ, बिधल, पिनाना, भैंसवाल कलां इत्यादि 10 गांवों को कंट्रोल्ड एरिया घोषित किया गया था और उन प्रोजैक्ट्स के कैंसिल हो जाने के बाद भी आज तक वह नोटिफिकेशन सरकार द्वारा वापिस नहीं ली गई है। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन है कि उस नोटिफिकेशन को वापिस लिया जाये ताकि लोग अपनी जमीन पर कोई काम–धन्धा कर सकें। इसी तरह से अगर मैं हैल्थ डिपार्टमैंट की बात करूं तो पूरे सोनीपत जिले में एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं है।

श्री उपाध्यक्षः मलिक साहब, आपका समय समाप्त हो गया है इसलिए अब आप बैठ जाइये।

श्री बिशन लाल सैनी (रादौर): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। बजट अच्छा है या अच्छा नहीं है इसके बारे में मैं कुछ नहीं कहना चाहता। मैं तो आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मेरी एक सड़क चोरी हो गई है। रादौर में 2 किलोमीटर की सड़क ही नहीं रही है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि या तो उस सड़क को ढुंढवा दिया जाये या उसको दोबारा से बना दिया जाये।

शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उस सड़क के साइड में नाला बनने लग रहा है इसलिए सड़क का काम रुका हुआ है। जब यह नाला बन कर तैयार हो जायेगा तो सड़क भी बन जायेगी।

श्री बिशन लाल सैनीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि अभी कुछ दिन पहले सी.एम. साहब इनके पास गये थे और वे जोड़ियों गुरूद्वारे में भी गये थे। जोड़ियों तक लगभग डेढ़ किलोमीटर सड़क की हालत बहुत खराब है। पहले जब मुख्यमंत्री किसी एरिया में जाते थे तो उस एरिया की सड़कें रातों–रात बन जाया करती थी। मुझे पता नहीं कि वहां के अधिकारी ही ज्यादा सुस्त हो गये हैं या

माननीय मुख्यमंत्री जी को ही ज्यादा शरीफ मान लिया है कि ये कुछ नहीं कहेंगे? उस सड़क के गड्ढे मिट्टी से भर दिये तथा उसके ऊपर पानी का स्प्रे कर दिया गया कि गड्ढे दिखाई न दें। जब मुख्यमंत्री जी वहां से चले गये तो फिर वे गड्ढ़े वैसे ही हो गये। उसके बाद जब हवा चली तो वह मिट्टी उड़कर फलों तथा मिठाइयों की दुकानों पर आधा–आधा इंच जम गई। अब मैं बिजली के बारे में बोलना चाहता हूं। यहां पर बिजली मंत्री जी बैठे हुए नहीं हैं। उस समय ये कांग्रेस में थे और मैं लोकदल में था तो ये मुझे हुड्डा साहब के पास लेकर गये कि आपको कांग्रेस पार्टी की टिकट दिलवाना मेरी जिम्मेदारी है। इन्होंने मुझे तो कांग्रेस पार्टी की टिकट दिलवा दी लेकिन इनकी अपनी टिकट कट गई। उपाध्यक्ष महोदय, हम जब भी किसी टेलर के पास कपड़े सिलवाने के लिए जाते हैं तो पुराने कपड़े वापिस अपने साथ लेकर आते हैं। जब किसी प्लाट के ऊपर से बिजली की तार हटवानी हों तो विभाग द्वारा नई तारों, खम्बों और लेबर का सारा खर्च उस प्लाट धारक से लिया जाता है तथा जो पुरानी तारें और खम्बे वहां से हटाए जाते हैं उनको भी बिजली विभाग अपने साथ ले जाता है तो फिर यह नियम क्यों बनाया गया है। जब नई तारों, खम्बों और लेबर का सारा खर्चा प्लाट धारक देता है तो पुरानी तारें और खम्बे तो उसको दिये जाने चाहिएं ताकि उसका कुछ खर्चा कम्पनसेट हो सके। जब उससे सारे सामान का खर्चा ले लिया जाता है तो पुराने सामान का हकदार तो वही हुआ। अगर मेरी बात गलत है तो बताओ। मुख्यमंत्री महोदय ने एक काम तो सही किया है और यह पहली बार किया है कि बजट से पहले सभी एम.एल.एज. को चिट्ठियां लिख कर कहा गया कि आप अपनी डिमांड भेज दो हम उनको बजट में डाल देंगे। मेरे पास भी चिट्ठी आई थी तो मैंने भी अपनी डिमांड भेज दी। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि मैंने भी कुछ डिमांड भेजी हैं वे पूरी करवा दी जायें। इनमें कुछ सामुदायिक केन्द्र हैं उनके पैसे डाले जायें तथा कुछ काम पोर्टल पर भेजे हुए हैं वे सभी पूरे करवा दिये जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कंवर पालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि इनके वे सभी काम करवा दिये जायेंगे। इसके अतिरिक्त मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इनकी पंचायतों में 15 करोड़ रुपये तो सीधे तौर पर डाले गये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय प्रकाश दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि वे अब तो माननीय मंत्री जी का धन्यवाद कर दें।

श्री बिशन लाल सैनीः उपाध्यक्ष महोदय, अगर मेरे काम हो जायेंगे तो मैं माननीय मंत्री जी का धन्यवाद भी कर दूंगा। जो 25 करोड़ रुपये विधायकों को सड़कों के लिए दिये गये हैं इनसे सारी सड़कों की हालत नहीं सुधरनी है इसलिए एक बार 25 करोड़ रुपये और दे दिये जायें। इसके अतिरिक्त बहुत से काम अधूरे पड़े हुए हैं जिनमें एस.सी., बी.सी. चौपाल तथा सामुदायिक केन्द्र हैं। उनमें किसी में दरवाजे नहीं हैं, किसी में खिड़कियां नहीं हैं, किसी में प्लस्तर नहीं है तथा किसी में फर्श नहीं डला हुआ है। इस प्रकार से पूरे हल्के में 10—12 करोड़ रुपये के ये काम हो जायेंगे, ये भी करवा दिये जायें।

श्री कंवर पालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि पंचायतों में जो पैसा दिया जाता है वह इन्हीं कामों के लिए दिया जाता है।

श्री उपाध्यक्षः सैनी साहब, आपका समय समाप्त हो रहा है इसलिए आप अपनी बात कहिए। आप जो बोल रहे हैं वह सारा रिकॉर्ड हो रहा है और माननीय मुख्यमंत्री जी जब जवाब देंगे तो उस समय आपकी बात मानी जायेगी।

श्री बिशन लाल सैनीः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं। मैं अपनी बात ही कह रहा हूं। मेरे हल्के में 20 सामुदायिक केन्द्रों की जरूरत है।

श्री उपाध्यक्षः सैनी साहब, शिक्षा मंत्री जी आपके पड़ोस में ही रहते हैं इसलिए आप इनसे घर पर भी बात कर सकते हैं।

श्री बिशन लाल सैनी : उपाध्यक्ष महोदय, ये तो मेरे घर के आगे की सड़क भी नहीं बनवाते। मेरे घर के आगे सड़क टूटी पड़ी हुई है और इनके हल्के में है। वह सड़क भी इन्होंने 5 साल से नहीं बनवाई और काम तो ये क्या करेंगे। इनका ध्यान तो माईनिंग की तरफ है।

श्री कंवर पाल : उपाध्यक्ष महोदय, उस सड़क से मेरा कोई लेना देना नहीं है।

श्री बिशन लाल सैनी : उपाध्यक्ष महोदय, वहां इनका लेना देना क्यों नहीं है। मैं वहां इनको हर रोज देखता हूं।

श्री उपाध्यक्ष : सैनी साहब, आप अपनी बात रखो।

श्री बिशन लाल सैनी : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे ये काम करवाए जाएं। अभी मेरे साथी सदस्य कह रहे थे कि बड़ा अच्छा बजट है। इसमें ये काम होगा, वह काम होगा। मैं यह कह रहा हूं कि अबकी बार जब ये सत्ता पक्ष के सदस्य वोट मांगने के लिए जाएंगे तो इनको चांटें लगेंगे। यह देख लेना क्योंकि फील्ड में कुछ काम नहीं हो रहे हैं।

श्री उपाध्यक्ष : आफताब जी, जब जरावता जी बोल रहे थे उस समय तो आप कह रहे थे कि यह बजट की बात नहीं है। अब जो ये सैनी साहब बोल रहे हैं क्या यह बजट की बात है?

श्री बिशन लाल सैनी : उपाध्यक्ष महोदय, ये बातें बजट की ही हैं। अगर बजट बढ़िया करेंगे तभी तो कुछ काम होगा।**(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए ।)**अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) : अध्यक्ष महोदय, बजट पर बोलने से पहले मैं दो बातें कहना चाहता हूं कि जब भी कोई सदस्य बोलता है तो मैं किसी के भी बीच में नहीं बोलता हूं। अतः मेरी बात के बीच में भी कोई सदस्य ना बोले। दूसरी मेरी बात यह है कि मेरे सभी माननीय सदस्य बहुत अच्छे हैं मैं उनका मन से आदर करता हूं। आदरणीय बतरा जी

ने लोन लेने पर बड़ी आपत्ति जताई थी। हम जब मकान बनाते हैं तो भी लोन लेना पड़ता है और गाड़ी खरीदते हैं तो भी लोन लेना पड़ता है और देश को चलाने के लिए लोन लेने में कोई बुराई नहीं है। हमारे पास देश में लोन लेने का समाधान है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने वित्तमंत्री जी के नाते जो बजट पेश किया है वह बहुत ही सराहनीय है उसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। मैं तो यह कहना चाहूंगा कि इस बजट में एस.सी., एस.टी. कैटेगरी को 20 प्रतिशत आबादी के हिसाब से बजट कम दिया गया है लेकिन हम तो अपना बजट अगली बार ले लेंगे। मेरा उन साथियों से भी निवेदन है जो इस बजट पर आपत्ति जता रहे हैं। यदि पूरे संसार का बजट भी आप लोगों को दे दें तो भी आप लोगों ने तो आपत्ति ही जतानी है, विरोध करना है। सच्चाई तो यह है कि इनको बजट से दिक्कत नहीं है इनको तो दिक्कत इस बात से है क्योंकि इनके कुछ साथी हमारी तरफ आ गये थे। मैं कहता हूं कि अगला चुनाव जल्दी आने वाला है, आपके लिए भी दरवाजे खुले हैं जो हमारी तरफ आना चाहता है वह आ सकता है। अध्यक्ष महोदय, इनको सच्चाई सुनने की हिम्मत रखनी चाहिए। बजट में कोई कमी नहीं है। अगर विपक्ष को कहीं कमी लगती हो तो हम वर्ष 2034 तक आपको बजट देते रहेंगे और आप लोग मांगते रहना। इसी के साथ मेरे हल्के में जितना काम हुआ है वह बाकी सभी हल्कों से ज्यादा है। उसमें चाहे कॉलेज बनाने की बात हो, चाहे आई.टी.आई. बनाने की बात हो और चाहे रैस्ट हाऊस बनाने की बात हो, बिजली बोर्ड की सब डिविजन हो, चाहे पब्लिक हैल्थ की सब डिविजन हो या सड़कें हों। मेरे हल्के का काम माननीय मुख्यमंत्री जी ने कभी नहीं रोका बल्कि सारे ही काम करवा दिये हैं। आज मेरे पास नीलोखेड़ी में करवाने के लिए कोई काम नहीं है। (विघ्न)

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय, गोंदर जी तो एक ही दिन में बदल गये हैं।(विघ्न)

श्री धर्मपाल गोंदर : अध्यक्ष महोदय, वह तो हमारे घर की बात थी।(विघ्न) हम उसको सुधारेंगे।

श्री अध्यक्ष : आफताब जी, जब ये बोल रहे थे तो आप बड़े हंस रहे थे। अब उनको बोलने तो दो।(विघ्न)

श्री धर्मपाल गोंदर : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो पहले ही कहा था कि आप सच्चाई सुनने की हिम्मत रखो। अभी जब मैं जीरो आवर में बोल रहा था तो उसमें मैंने एक बात रखी थी कि जो बच्चे दूसरी कास्ट में शादी करते हैं उनको सरकार कुछ राशि देती है तो वह राशि उनको न दी जाए। मेरा सरकार से अनुरोध है कि जो एस.सी., बी.सी. कैटेगरी की बेटियां किसी दूसरी कैटेगरी में अपनी मर्जी से या धक्के से बहला–फुसलाकर शादी करवाती हैं तो उनके एस.सी., बी.सी. के सर्टिफिकेट को उसी समय रद कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, लोन की बात के संदर्भ में माननीय विधायक बतरा जी ने सदन में बात कही थी, उसके संदर्भ में मैं कहना चाहूंगा कि देश का काम चलाने के लिए लोन तो लेना ही पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, गीता ग्रंथ, हमारे लिए एक आस्था है। गीता महज एक किताब नहीं बल्कि ज्ञान है। अध्यक्ष महोदय, जैसे हमारा कोई वित्त मंत्री लोन लेने के लिए विदेश में जायेगा या काम बढ़ाने के लिए विदेश का दौरा करेगा तो स्वाभाविक सी बात है कि लोन के लिए एग्रीमैंट वगैरह भी होगा और साथ में हमारे वित्त मंत्री जी उनको एग्रीमैंट के साथ गीता को भी देने का काम करेंगे। विदेशी लोग तो हमारे गीता ग्रंथ के ज्ञान के लिए इंतजार में खड़े हैं। वे मानते हैं कि गीता एक सर्वोच्च ज्ञान का ग्रंथ है और इसको पढ़ने के लिए विदेशी लोग तरसते हैं। जब हमारे प्रधानमंत्री जी या वित्त मंत्री जी लोन के लिए एग्रीमैंट करके आयेंगे तो उन्हें गीता ग्रंथ भी देकर आयेंगे। लोन लेने का कम से कम 50 साल का एग्रीमैंट होता है। इतने समय बाद न लोन देने वाले ने बचना है और न ही लोन लेने वाला ने बचना है और 50 साल बाद जब वहां कोई दूसरा वित्त मंत्री आयेगा तो वह किताब खोलकर देखेगा कि भारत ने तो लोन लिया हुआ है और इसके बाद जब वह उसमें रखी गीता मईया रूपी ग्रंथ को देखेगा और पढ़ेगा तो उसमें लिखा हुआ पायेगा कि क्यों व्यर्थ की चिंता करते हो–आपका क्या गया जो आप चिंता करते हो। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मेरे

इस बात का कहने का मतलब सिर्फ यही है कि प्रदेश के विकास के लिए लोन तो लेना ही पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने और माननीय उप–मुख्यमंत्री जी ने हमारे क्षेत्र को 8 उपमंडल देने का काम किया था तो मेरा सदन के माध्यम से निवेदन है कि यहां पर संबंधित आफिसर्ज को भी बैठाकर चार्ज देने का काम सरकार द्वारा किया जाये।

श्री लीला राम (कैथल): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, चर्चा होती है, वाद–विवाद भी होता है और ठीक इसी प्रकार से सत्ता पक्ष के लोग बजट की तारीफ भी करते हैं और विपक्ष के हमारे गोगी जैसे साथी बीच–बीच में टोका–टिप्पणी भी करते रहते हैं और उनका फर्ज भी बनता है कि वे बीच में कोई न कोई नुक्ताचीनी निकालते रहें। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने चौथी बार 184000 करोड़ रूपये के लगभग बजट प्रस्तुत किया है और इस बजट में माननीय मुख्यमंत्री जी ने किसान को, व्यापारी को, छोटे दुकानदार को, कर्मचारी को, छात्राओं को, महिलाओं को बल्कि हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर यह बजट प्रस्तुत करने का काम है और इस बजट की जितनी तारीफ की जाये उतनी कम है। यह बजट हरियाणा प्रदेश को नई दिशा देने वाला है। माननीय अध्यक्ष जी, जब हमारे संसदीय कार्य मंत्री जी किसान के बारे में बोल रहे थे तो उधर से हमारे विपक्ष के साथी कह रहे थे कि आलू पिट गया, टमाटर पिट गया और प्याज पिट गई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गोगी जी को कहना चाहूंगा कि यह समय–समय की बात होती है। कभी पूरे हिंदुस्तान में कांग्रेस का राज होता था और आज कांग्रेस पूरे हिंदुस्तान में पिट गई है। कर्नाटक में पिट गई, यू.पी. में पिट गई, मध्यप्रदेश में पिट गई, पंजाब में पिट गई और हरियाणा प्रदेश में भी पिट गई है। हरियाणा में तो दो बार कांग्रेस पिट चुकी है और तीसरी बार पिटने की तैयारी में है। यह तो समय समय की बात है। (शोर एवं विघ्न)

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, यह लीला राम पता नहीं किस मजबूरी में किसान का बेटा है लेकिन मेरा मित्र भी है। इसके बावजूद भी यह आलूओं के बारे में कैसे–कैसे बोल रहा है। अगर किसान का नाश हो गया तो लीला राम कहां से बचेगा ? किसान अगर बचेगा तो लीला राम भी तभी बचेगा। कहीं ऐसा न हो जाये कि लोग कहने लग जायें कि यह कपूत पैदा हो गया है। (शोर एवं विघ्न)

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, गोगी जी आपको अपने हल्के की सड़कों की हालत के बारे में बात करते हुए कह रहे थे कि आप उनके साथ उनके एरिया में चलो, वह आपको उनके यहां की सड़कों की हालत दिखाना चाहता है। अध्यक्ष महोदय, मैं ईमानदारी से सदन में कहता हूँ कि मैंने असंध दो तरह की देखी है। असंध का गांव से भी गया गुजरा और बुरा हाल हुआ करता था। पूरा असंध चारों तरफ से फल्डिड एरिया हुआ करता था और हमेशा पानी में डूबा रहता था लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने छः–छः फुट की दीवारें बनाकर तथा मिट्टी भरवाकर व बीच में डिवाइडर बनाकर, गोगी जी के यहां बहुत ही बढ़िया इस प्रकार का बाई–पास देने का काम किया है जोकि पूरे हरियाणा प्रदेश में अपने आप में एक मिसाल है। रात के समय भी यहां से फर्राटे से जा सकते हैं और गोगी जी की एक चवन्नी भी खर्च नहीं हुई। (शोर एवं विघ्न)

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, क्या मेरे असंध की सारी चिंता केवल लीला राम जी को ही है ? हमारा बाई पास तो अभी बनने ही लग रहा है और यह इतनी बातें कह रहे हैं।

श्री अध्यक्षः चलो बन तो रहा है। आप यह तो मान ही गए। (शोर एवं विघ्न)

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, अच्छी बात सदन में जरूर बतानी चाहिए। पूरे हरियाणा प्रदेश में असंध से बढ़िया सड़क और बाईपास नहीं बना है। हरविन्द्र कल्याण जी भी कुछ इसी तरह की डिमांड कर रहे थे और हमारे पुराने साथी मेवा सिंह जी भी कुछ इसी प्रकार

की डिमांड कर रहे थे लेकिन गोगी जी का बाई पास तो बनकर भी तैयार हो गया है और इसके बारे में इन्हें सदन में बताना चाहिए था। गोगी जी तो राधा स्वामी के अनुयायी है और कभी झूठ नहीं बोलते हैं लेकिन सदन में वे सबसे ज्यादा झूठ बोलते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, पहले यह कांग्रेस के सरकार के समय में 12 फुट का बना था। बाद में इसमें सुधार कर दिया और आधा बनाया और आधा बनाना शेष रह गया था। मैंने यही बोला था और आपको याद भी होगा और यहां वे अफसर भी बैठे हैं जिनसे उसकी मंजूरी लेने का काम किया गया था और अब इरीगेशन डिपार्टमैंट की जगह लेकर यह बाई पास बनने लग रहा है।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, बाई पास बन रहा है तो इनको इसके लिए सरकार का धन्यवाद भी तो करना चाहिए था।

श्री शमशेर सिंह गोगीः अध्यक्ष महोदय, यदि लीला राम जी सरकार से बजट में असंध के लिए एक आधा रूपया दिलवाने का भी काम कर दे तो मैं लीला राम जी की भी तारीफ कर दूंगा ।

श्री लीला रामः अध्यक्ष महोदय, यह बाई पास बनने लग रहा है और खुद माननीय सदस्य इस बात को मान भी रहे हैं और इसको हरियाणा का सबसे बढ़िया बाई पास बनाकर, माननीय मुख्यमंत्री जी देने का काम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, बी.जे.पी. वाले बड़ा दिल रखते हैं लेकिन गोगी जी की तरह सदन में झूठ बोलने का काम नहीं करते हैं। इस बजट के अंदर चाहे उद्योग है, शिक्षा है, किसान है और चाहे सडकें हैं, इन सबको ध्यान में रखा गया है। बजट के अंदर यह प्रावधान भी किया गया है कि जो बच्चा जिस दिन स्कूल में दाखिला लेगा, उसी दिन उस बच्चे को उसकी क्लास के सिलेबस की सारी की सारी किताबें दे दी जायेंगी। शायद हरियाणा के इतिहास में शिक्षा विभाग की

तरफ से शिक्षा मंत्री जी के द्वारा पहली बार इतना बढ़िया प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष महोदय, सदन में सड़कों का मामला बड़े जोर–शोर से उठाया जाता है और यही कारण है कि हमारी सरकार ने सभी 90 हल्कों में 25–25 करोड़ रूपये, सड़कों की मरम्मत व रिपेयर के लिए देने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपने अपने हल्के की बात करूं तो यहां पर बाईस करोड़ रूपये की लागत से, साढ़े अठारह करोड़ रूपये की लागत से, पांच करोड़ रूपये की लागत से तीन अलग–अलग सड़कें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा बनाकर तैयार कर दी गई हैं और मार्केटिंग बोर्ड की वे सड़कें जो 15 साल पहले मंजूर हुई थी, वे सड़कें भी आज बनकर तैयार हो गई हैं। ऐसा करके माननीय मुख्यमंत्री जी ने कैथल जिले को एक बहुत बड़ा तोहफा देने का ही काम किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त दो साल पहले जो भगवान परशुराम जी के नाम से मैडीकल कालेज बनाने की घोषणा हुई थी, उस पर भी जल्द से जल्द काम शुरू किया जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मेरी कुछ डिमांड और भी हैं जैसे गांव क्योड़क को सब तहसील का दर्जा दिया जाये, कैथल में सब्जी मंडी बनाई जाये, कैथल हल्के को अलग ब्लॉक बनाया जाये, कैथल शहर में ग्योंग ड्रेन को पक्का किया जाए, कैथल शहर से लेकर सजूमा गांव तक ड्रेन की पटरी पर सड़क निर्माण करवाया जाए, गांव नोच से गांव रामगढ़ रोड तक कच्चे रास्ते का पक्का किया जाये, गांव–गांव में चमार जाति व बाल्मिकी जाति के जरूरमंदों को 100–100 गज के प्लॉट दिए जाए, गांव धौंस, गांव पाड़ला, गांव सजूमा, गांव ग्योंग, गांव खनोदा तथा गांव मानस में कम्युनिटी सैंटर बनाया जाये। कैथल शहर में रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का निर्माण करवाया जाये। गांव मानस में लड़कियों का 10+2 स्कूल बनाया जाये। कैथल शहर की सफाई व कूड़ा उठान का जो ठेका 20 वर्षों के लिए दिया गया है, उसको रद्द किया जाए ताकि नगर परिषद, कैथल को बड़े घोटाले से बचाया जा सके। कैथल शहर में ताऊ देवी लाल पार्क के समकक्ष ग्रीन बैल्ट को रद्द किया जाए ताकि हजारों लोगों का भला किया जाए।

श्री महीपाल ढाण्डा (पानीपत ग्रामीण) : धन्यवाद अध्यक्ष महोदय । मैं 'अमृत काल' में माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा वित्त वर्ष 2023–24 के बजट को पेश करने के लिए उनका धन्यवाद करता हूं । मैं इस सम्मानित सदन में इस बजट का अनुमोदन करने और इसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । अध्यक्ष महोदय, कर्मयोगी माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में इस सम्मानित सदन और सत्तारूढ़ भाजपा का सदस्य होने पर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं । हमारी सरकार ने 1 करोड़ 83 लाख 950 करोड़ रुपये के आबंटन के साथ इस बजट को व्यापक विचार–विमर्श के बाद तैयार किया है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने समाज के सभी वर्गों के साथ विचार–विमर्श किया है क्योंकि उनका मानना है कि सरकार की असली मालिक हरियाणा प्रदेश की जनता है, इसलिए हरियाणा प्रदेश की जनता के हर वर्ग से बातचीत करके उनके सुझाव आने के बाद इस बजट का प्रारूप तैयार करके हरियाणा प्रदेश की जनता के समक्ष रखा गया है । अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार एक आत्मनिर्भर हरियाणा बनाने के लिए 'सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास और विश्वास' के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध है । हमारी सरकार समाज के गरीब और सीमान्त वर्गों के सम्पूर्ण कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से राज्य के सभी नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताएं और सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है । अध्यक्ष महोदय, अगर मैं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की बात करूं तो उसके विषय में बहुत–से लोग कह रहे थे कि क्या काम हुआ है । वर्ष 2022–23 के संशोधित अनुमान 3,264 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2023–24 में बजट अनुमान 3,900 करोड़ रुपये रखा गया है जोकि वर्ष 2022–23 की तुलना में 19.49 प्रतिशत वृद्धि है । अगर मैं इसकी तुलना वर्ष 2014–15 के 651 करोड़ रुपये के बजट से करूं तो इसमें 500 प्रतिशत की वृद्धि है । यहां पर बैठे हुए वकील से लेकर और कई सम्मानित सदस्य बोल रहे थे कि बजट में कितनी वृद्धि हुई है और इसके बारे में कह रहे हैं कि यह तो ऊंट के मुंह में जीरा है । अध्यक्ष महोदय, किसान

के लिए बजट में 651 करोड़ रूपये रखकर वाहवाही लूटने वाले लोगों को मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने किसानों के लिए बजट में 3900 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है । मेरा कहना है कि यह ऊंट के मुंह में जीरा नहीं है बल्कि हमने ऊंट के मुंह में देसी घी की नाल दी है । विपक्ष के साथी कहते हैं कि हमने किसान के लिए क्या किया है ? अध्यक्ष महोदय, किसान के लिए इतना करने के बावजूद भी विपक्ष पता नहीं कहां से ऐसे आंकड़ें उठाकर लाता है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक निवेदन करूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने एक बहुत बड़ा निर्णय लिया है कि हम लोग प्राकृतिक खेती की तरफ ध्यान देंगे । उन्होंने 20 हजार एकड़ का रकबा तय किया है कि इतनी भूमि पर प्राकृतिक खेती के लिए हम लक्ष्य निर्धारित करते हैं । मैं हाल ही में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी के एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौटा हूं । मुझे वहां पर प्राकृतिक खेती करने वाला सोनीपत का कपिल शर्मा नाम का एक किसान मिला । उसने बताया कि वह डेढ़ एकड़ जमीन पर खेती करता है और उससे उसको 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष से भी ज्यादा आमदनी होती है । उसने प्राकृतिक खेती के लिए बैंक की नौकरी को भी छोड़ दिया है । वह कहता है कि लोग आयें और उसके खेत में जाकर प्राकृतिक खेती को अवश्य देखें । प्राकृतिक खेती का मतलब क्या है ? इसका मतलब है कि जंगल में अगर कोई पेड़ उगता है तो उसको न तो कोई दवाई डालता है और न ही किसी प्रकार का कोई स्प्रे किया जाता है । इसके बावजूद अगर उस पेड़ पर कोई फल लगता है तो उसमें गुणों की कोई कमी नहीं होती । वह एकदम नैचुरल होता है । जैविक खेती और प्राकृतिक खेती में बड़ा भारी अन्तर होता है । अगर हम नैचुरल खेती की तरफ जाएंगे तो पहली बार में ही हमें अच्छे परिणाम मिलेंगे । (विघ्न) मैं निवेदन कर रहा हूं कि प्राकृतिक खेती के बहुत ज्यादा फायदे हैं । पहले साल में ही किसानों को सीधा लाभ मिलता है । आप देखिये कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की कितनी बड़ी सोच है । हम उसको लागू भी करेंगे और किसानों को इसके लाभों के बारे में भी बतायेंगे । प्राकृतिक खेती से किसान की उपज में

सुधार होगा, हमारे स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा, पर्यावरण सुरक्षित होगा। अध्यक्ष महोदय, इससे किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और मैंने अभी किसानों की आय की वृद्धि की बात की भी है। इससे रोजगार के साधन भी सृजन होंगे और पानी की खपत में भी बहुत बड़ी कमी आएगी। इससे उत्पादन में न्यूनतम लागत भी सुरक्षित कर पाएंगे। अध्यक्ष महोदय, केवल इतना ही नहीं है बल्कि सिंथेटिक रसायनिक इनपुट के प्रयोग को समाप्त करना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी इसलिए प्राकृतिक खेती की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी था।

श्री अध्यक्षः महीपाल जी, आपके बोलने का समय समाप्त हो गया है। प्लीज, अब आप वाईंड अप करें।

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, मैं केवल 2 मिनट में ही अपनी बात समाप्त कर दूंगा। हमारी सरकार ने सिरसा जिले में उर्वरकों और कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए भी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के माध्यम से पानी के उपयोग के अनुकूलन के लिए भी ड्रोन इमेजनरी के माध्यम से फसल स्वास्थ्य निगरानी के लिए मृदा स्वास्थ्य निगरानी, स्थानीय क्षेत्र की बीमारी और कीट निगरानी और सौर पम्पों को चलाने के लिए प्रावधान किया है।

श्री अध्यक्षः महीपाल जी, आपके बोलने का समय पूरा हो चुका है। प्लीज, आप बैठ जाएं। इसके अतिरिक्त आपकी कोई बात रह गयी तो उसको लिखित में दे दें। हम उसको प्रोसिडिंग्ज का पार्ट बनवा देंगे। अब माननीय सदस्य श्री रामकुमार कश्यप जी अपनी बात रखेंगे।

श्री रामकुमार कश्यप (इन्द्री): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका दिल की गहराइयों से धन्यवाद करता हूं।

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय सदस्य खड़े होकर कभी कहते हैं कि ऊंट के मुहं में जीरा और कभी कहते हैं कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया। ये इससे बाहर कोई बात नहीं कहते। इनको बजट पढ़ना चाहिए और अपनी पार्टी की सरकार के समय

के बजट से तुलना करनी चाहिए। इस बार खोदा पहाड़ निकली चुहिया नहीं बल्कि खोदा पहाड़ और निकला कोहीनूर है।

श्री रामकुमार कश्यपः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो वर्ष 2023–24 का बजट बतौर वित्त मंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया है, वह बहुत ही सराहनीय है। मैं इसका स्वागत करता हूं और मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद भी करता हूं। इसमें चाहे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात हो, चाहे बेसहारा गायों व पशुओं के देखभाल व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात हो, चाहे युवाओं, महिलाओं व पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने की बात हो, चाहे सभी के लिए आवास व अच्छी शिक्षा प्रदान करने की बात हो या फिर पर्यावरण को शुद्ध करने की बात हो या फिर 54 प्रतिशत आबादी को चिरायु आयुष्मान भारत से जोड़ने की बात हो। इस बजट में हर वर्ग व हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। इसमें सभी के लिए विकासकारी योजनाएं और कल्याणकारी योजनाएं लाने की बात है। मैं यहां पर 2–3 कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करना चाहूंगा। मैं सबसे पहले नागरिकों के स्वास्थ्य की बात करना चाहूंगा। अगर हम पिछले बजट और इस वर्ष के बजट की तुलना करके देखें तो आज हरियाणा प्रदेश की 54 प्रतिशत आबादी चिरायु आयुष्मान भारत योजना से जुड़ जाएगी। इस योजना के तहत संबंधित लाभार्थी अपना 5 लाख रुपये तक का ईलाज मुफ्त में करवा सकेंगे। पहले यह योजना माननीय प्रधान मंत्री श्री मोदी जी ने शुरू की थी तो मैं उस समय पार्लियामैंट में था। उस समय इस योजना के बारे में लोगों को जागरूकता नहीं थी जिसके कारण लोगों ने इस योजना को नहीं अपनाया था। इसके बाद जैसे–जैसे इस योजना की लोकप्रियता बढ़ी है तो लोगों ने इसको अपनाना शुरू कर दिया। हमारे स्टेट में भी इसको लोगों ने बढ–चढकर अपनाया है। यह योजना वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित की गयी थी। इसमें बहुत सी डिमांड गरीब परिवारों की तरफ से आयी तो पिछले बजट में माननीय

मुख्यमंत्री जी ने जिन परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम थी, इसमें उन सभी परिवारों को जोड़ने का काम किया गया है। अबकी बार के बजट में और भी आगे बढ़ाकर बात की गई है जिसमें 8 लाख ऐसे परिवारों को भी जोड़ने का काम किया गया है जिनकी वार्षिक इन्कम 1.80 लाख रुपये से बढ़कर 3 लाख रुपये तक है। ऐसे वर्ग के लोगों को जोड़ने का काम किया गया है जिसमें चौकीदार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायक, आशा वर्कर, मिड डे मिल बनाने वाले कार्यकर्ता और नम्बरदार शामिल हैं। इन सभी को भी इस योजना में लेकर आए हैं और ये सभी इस योजना का फायदा उठा पाएंगे। माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक शर्त रखी है कि अगर इस योजना का फायदा उठाना है तो इनको 1500 रुपये वार्षिक योगदान देना पड़ेगा। यह बड़ी राशि तो नहीं है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि अगर इस 1500 रुपये की राशि को खत्म कर देंगे तो एक बहुत बड़ा लाभ इन लोगों को मिल जाएगा। चूंकि ये चौकीदार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायक, आशा वर्कर, मिड डे मिल बनाने वाले कार्यकर्ता और नम्बरदार निम्न वर्ग से आते हैं। इससे इनको बहुत बड़ा फायदा होगा। इसलिए इस कंडीशन को भी हटा दें तो बहुत अच्छा होगा। इसके बाद एक मूलभूत सुविधा की बात आती है। सभी को आवास की सुविधा मिलनी चाहिए क्योंकि एक नागरिक की मूलभूत सुविधाओं में मकान, भोजन और कपड़े शामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में ऐसे बहुत से परिवार हैं जिनके मकान अभी कच्चे हैं, वे भी इस सुविधा से वंचित हैं। मुख्यमंत्री जी ने इस बजट में ऐसे परिवारों को जोड़ने का काम किया है। उन सभी के आवास बनाये जायेंगे जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। इसमें इन परिवारों को 1.5 लाख रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी भी दी जायेगी। वर्ष 2023–24 के बजट अनुसार 1 लाख घर उपलब्ध करवाये जायेंगे। हमारे हरियाणा में 90 हल्के हैं। अगर 90 हल्कों में बांटा जाये तो एक हल्के में 1100 मकान गरीबों के लिए बनाये जायेंगे। अगर 1100 मकान बनते हैं तो बहुत बड़ी उपलब्धि सरकार

की होगी। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब हम फील्ड में जाते हैं तो सबसे पहले गरीब आदमी अपना कार्ड लेकर आते हैं कि मेरे पास मकान नहीं है और मेरे पास चिरायु कार्ड नहीं हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इन दोनों जरूरतों को इस बजट के माध्यम से पूरा करने का काम किया है। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को बहुत–बहुत बधाई देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्राकृतिक खेती की बात है तो आज प्राकृतिक खेती की बहुत जरूरत है क्योंकि आज हमारा भोजन दूषित हो गया है। भोजन दूषित होने के कारण आज हमारा स्वास्थ्य भी खराब होता जा रहा है। छोटी–छोटी उम्र में पता नहीं कितनी–कितनी भंयकर बीमारियां पैदा हो रही हैं जैसे कैंसर है, डायबिटीज है और हाई बी.पी. आदि हैं। इसका एक मात्र इलाज है कि हमें वापिस पुरानी प्राकृतिक खेती की ओर आना पड़ेगा। हम जो आज अनाज खा रहे हैं, वह खाद और पैस्टीसाइज से भरा हुआ अनाज है। ये चीजें हमारे अनाज को दूषित कर रही हैं इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमारे स्वास्थ्य की चिंता की है। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि हमारे किसानों को प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ावा मिलेगा। मैं इसमें माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे किसान प्राकृतिक खेती की तरफ तो आगे बढ़ेंगे ही लेकिन जब प्राकृतिक उत्पादन होगा तो उसको खरीदने का भी सरकार की तरफ से कोई प्रोविजन होना चाहिए। सरकार उसका भी रेट एडवांस में फिक्स कर दे। मैं मानता हूं कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा और हमारे स्वास्थ्य को फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरे हल्के की 33 सड़कों की बात है। मैं इन सड़कों की डिटेल को सदन की टेबल पर रखना चाहता हूं इसको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनाया जाये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप इन सड़कों के नाम लिखित रूप में दे दें, इनको प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बना दिया जायेगा।

***श्री राम कुमार कश्यप :** अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्का इंद्री में पी.डब्ल्यू.डी. (बी एंड आर) रोड के नाम इस प्रकार से हैं जैसे करनाल रोड से संगोडा, शेखपुरा से ट्रिनोरी अपरोच रोड, ट्रिनोरी से मौजी, बीड माजरी अपरोच रोड, नठौडी से कलरी जगीर, मुखाला से गढी बीरबल, ट्रिनोरी अपरोच रोड से छपरियां, खानपुर से बुडनपुर रोड, शेरगढ़ से थानोखेड़ी, मिंसिग लिंक बियाना रोड, बीबीपुर जटान से कमालपुर रोडान, बीबीपुर जटान से नगला रोडान, चुरनी से समौरा, ब्याना से शादुपूर, सलारू से टपराना, चान्दसमन्द से बीड माजरी, नंगला रोडान से घीड, घीड से शेरगढ टापू रोड आदि। इसके अतिरिक्त मेरे हल्का इंद्री में मार्केटिंग बोर्ड रोड के नाम इस प्रकार से हैं जैसे धानोखेड़ी से धनोरा, रंदोली से डबकौली, गढ़ी जटान से धूमसी, रामपुर से डेबतपुर, छापरा से भूत माजरा, जोदूर माजरा से फाजिलपुर, करनाल इन्द्री रोड से चुरनी जगीर, कमालपुर रोडान से चुरनी, सैयद छपरा वाया डेरा हलवाना सिकलीगरान, दरड से संगोड़ा, कलसौरा से जपति छपरा, घिसरपड़ी से जोदूर माजरा, गढ़ी बीरबल से घाट, गढ़ी बीरबल रोड से इन्द्रगढ़ प्राइमरी स्कूल और डबकौली बस स्टैंड कोस (cause way) डबकौली आदि।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब माननीय वित्त मंत्री वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुमानों पर हुई चर्चा का उत्तर देंगे।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री के साथ–साथ सरकार में वित्त मंत्री का दायित्व भी निभा रहा हूं इसलिए वित्त मंत्री के नाते मुझे इस बार लगातार चौथे बजट अनुमानों पर हुई चर्चा का उत्तर देने का अवसर मिल रहा है। पहले के 3 साल लगातार स्टेक होल्डर्ज के साथ बहुत सी मीटिंग्ज की हैं और अलग–अलग विभाग चाहे वह कृषि के नाते से जुड़े हों, चाहे उद्योग के नाते से जुड़े हों, चाहे विनिर्माण के नाते से जुड़े हों, चाहे सेवा के नाते से जुड़े हों, चाहे सांसद के नाते से जुड़े हों अथवा चाहे विधायक

***चेयर के आदेशानुसार माननीय सदस्य द्वारा लिखित में दी गई उपरोक्त सड़कों के नाम को प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बनाया गया।**

के नाते से जुड़े हों, हमने इन सब बंधुओं से विचारविमर्श किया है। मुझे आपको बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे पास कुल मिलाकर 700 सजैशन आये थे, जिनमें से 68 सुझावों को इस बजट में शामिल किया गया है। कुछ सुझाव इनमें डबल भी थे, इसलिए हमने 68 सुझावों को इस बजट में जोड़ा है। अध्यक्ष महोदय, बहुत से सुझाव काफी अच्छे थे, बहुत से सुझाव दूरगामी भी थे। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि बजट की सीमाएं होती हैं, तो बजट की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए जो भी जोड़ना संभव था, हमने उनको जोड़ा है। बजट का उपयोग सामान्यतया दिखने वाला विकास होता है जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर और भौतिक विकास आदि। अध्यक्ष महोदय, मुख्य रूप से ऐसा माना जाता है कि सारा पैसा इन्हीं पर लगेगा लेकिन मेरा यह मानना है कि केवल उस पर नहीं तो बहुत सी चीजें ऐसी होती है जो व्यवस्था परिवर्तन की चीजें भी होती हैं और बहुत दूरगामी कार्यक्रम भी होते हैं, उनको ठीक करने के लिए ताकि आने वाली जो हमारी पीढ़ियां हैं उनको भी उसमें सुविधा मिले। कुल मिलाकर के इस उदाहरण को देखकर यह कहा जाये कि मान लो किसी व्यक्ति को यह कहते हैं कि सामने एक गिलास रखा है और उस गिलास में दूध है लेकिन कम है, पूरा नहीं है। पूछा जाये कि आप सामने देख रहे हो, आपको क्या दिख रहा है। एक व्यक्ति कहता है कि दूध भरा हुआ है, आधा है। उसको आधा गिलास दूध का दिखता है। दूसरा व्यक्ति कहता है कि आधा गिलास खाली है। इसमें बातें दोनों व्यक्तियों की सत्य हैं लेकिन इसमें अन्तर मनोभाव का है। मनोभाव में एक न्यूनता आ जाती है कि मुझे गिलास भरा हुआ दिख रहा है या खाली दिख रहा है। यह अन्तर थोड़ा स्वाभाविक भी होता है। इस पक्ष वाले कह देंगे कि दूध से गिलास भरा हुआ है एवं उस पक्ष वाले कह देंगे कि गिलास आधा खाली है। यह मनोभाव का अन्तर होता है लेकिन कभी–कभी इससे आगे भी कठिनाई होती है। मैं तो कह रहा हूं कि इसमें दृष्टि का अन्तर होता है। यह जो दोष है, मनोभाव का दोष है, यह दृष्टि दोष में बदल जाता है। अगर कोई गिलास को देखकर कहता है कि

ये तो खाली है यानी उसे सारा ही गिलास खाली दिखता है, यह दृष्टि दोष होता है। हमारे कुछ भाईयों में दृष्टि दोष भी है। वे लगातार आलोचना भी करेंगे और बाहर अन्दरखाते बैठकर के व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और कहेंगे बहुत अच्छा है बहुत बढ़िया है, बहुत अच्छा किया है, ये भी कहते हैं। व्यक्तिगत रूप से सब कहते हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं कि बजट में अपेक्षा, जैसे मैंने बताया कि एक भौतिक रूप से दिखने वाला विकास दिखता है लेकिन अगर देखा जाए तो राजनीति में इससे ऊपर उठकर भी विचार करना होता है और उसमें हमने अपने इन 8 सालों में बहुत से काम भी किए हैं। जैसे उदाहरण के तौर पर 'बेटी–बचाओ बेटी–पढ़ाओ' कार्यक्रम है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है। यह एक सामाजिक कार्यक्रम है जो दूर दृष्टिता का कार्यक्रम है। अगर दूर दृष्टिता नहीं होगी तो इसमें आगे आने वाला समाज विकृत समाज होगा। हमने पानी बचाने की बात कही है। आज जमीन के अन्दर पानी खत्म हो रहा है। हर साल एक मीटर के लगभग ये पानी डाउन जा रहा है। इस बात को हमारे किसान भाई जानते हैं जो ट्यूबैवल चलाते हैं। उनको हर दो–तीन साल के बाद एक दस फुट का पाइप डालना पड़ता है। अगर आज हम नहीं संभले तो फिर आगे बहुत बड़ा संकट आने वाला है। हमने इस काम को लेकर बहुत से कार्यक्रम चलाए ताकि अगली पीढ़ी का ध्यान रखा जा सके। हमने इस योजना का नाम 'मेरा पानी–मेरी विरासत रखा है। विरासत सामान्यतः जब कोई व्यक्ति छोड़कर जाता है तो वह उसकी संपदा होती है। जैसे बैंक अकाउन्ट, धन–दौलत, जमीन तथा गहने आदि सब छोड़कर जाता है। लेकिन उसे अभी ये चिन्ता पिछले सालों से नहीं हो रही है कि हमें विरासत में पानी भी छोड़कर जाना है क्योंकि पानी की मात्रा बड़ी सीमित है। अब ये चीजें आज से नहीं बहुत पहले से गिर रही हैं, इन्हें वर्षों हो गए, इसमें चाहे 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' की बात हो, चाहे पानी की बात हो या पर्यावरण की बात हो। दुनिया पर्यावरण के प्रति बहुत सचेत हुई है। हम लोगों ने भी पर्यावरण पर ध्यान दिया है लेकिन इस पर और गति बढ़ाना हमारी आवश्यकता है। इसी प्रकार से प्राकृतिक

खेती की बात आती है। हमारे एक माननीय विधायक जी कह रहे थे कि प्राकृतिक खेती की आवश्यकता क्यों पड़ी ? ठीक है, समय की आवश्यकता के अनुसार हमने 60 के दशक में ग्रीन रेवोल्यूशन पर काम किया। उस समय अन्न की आवश्यकता थी क्योंकि अन्न कम हो गया था। एक समय व्यक्ति खाना न खाए यह अपील भी उस समय के माननीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा की गयी थी, जिसे बहुत लोग वर्षों तक निभाते रहे। अन्न की आवश्यकता थी कि अन्न ज्यादा उपजाओ, कैसे उपजाना है, इसके ऊपर बहुत से रिसर्च हुए। यह कोई गलत नहीं है। हम आत्मनिर्भर हुए लेकिन उसके साथ जो दोष पनपे उससे हमारे शरीर के अन्दर बीमारियां बढ़ने लगीं। आज आवश्यकता यह है कि हम आग्रहपूर्वक प्राकृतिक खेती करें, ऑर्गेनिक खेती करें। हमारे जो परंपरागत खाद होते थे उनका उपयोग करें। गौ पालन करें जिससे गायों के खाद का उपयोग कर सकें। इन सब कामों को करने के लिए भी हमने बहुत से प्रयत्न किए हैं और आगे भी करते रहेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यही है कि अगर इन चीजों की तरफ ध्यान नहीं जाएगा तो उसे दृष्टि दोष नहीं बल्कि दूर दृष्टि दोष कहा जाएगा। इसलिए हमें दूर दृष्टि के हित में काम करने हैं ना कि दूर दृष्टि से ओझल होकर के काम करने हैं। इन पर भी बजट का बहुत बड़ा भाग खर्च होता है। यहां सदन में लगातार चर्चा होती है कि मेरे हल्के में सड़क नहीं बनी, स्कूल नहीं बना, कॉलेज नहीं बना तथा बस अड्डा नहीं बना। ठीक है, ये बनने हैं और सरकार को इन्हें बनाना हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार वर्तमान आवश्यकताओं को दरकिनार करेगी लेकिन उन चीजों पर भी उतनी ही गंभीरता से चर्चा करनी चाहिए जिन्हें शायद हम भूल जाते हैं, चर्चा नहीं करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने पानी के लिए भी माइक्रो इरीगेशन को सख्ती से लागू करने की बात कही है। हमने यहां तक कहा है कि जहां पर पानी 30 मीटर से ज्यादा चला गया है, 100 फुट से ज्यादा चला गया है वहां पर बिजली का कनैक्शन भी तब देंगे जब वहां पर माइक्रो इरीगेशन का प्रोजैक्ट लगाओगे। उस पर सरकार 85 प्रतिशत सब्सिडी देगी। इसलिए इतनी तैयारी तो हमें करानी ही चाहिए जिससे

हमारे समाज में जागृति आए कि पानी को बचाना है क्योंकि पानी बहुत सीमित है और हमारा अपना पानी का कोई सोर्स नहीं है। यह हम सभी को पता है कि एस.वाई.एल. के झगड़े में हम कितने सालों से लड़ाई लड़ रहे हैं। आगे भी लड़कर अपने हिस्से का पानी लेंगे। ऐसी बात नहीं है कि नहीं लेंगे, हम अपने पानी का हिस्सा लेने के बहुत नजदीक हैं लेकिन जो पानी अभी हमारे पास अवेलेबल है अगर हम उसका प्रबंधन नहीं करेंगे तो आने वाले समय में पीने के पानी का संकट भी हो सकता है। मित्रों, मेरे कहने का मतलब यही है कि बजट के अंदर हमने इन सब बातों का ध्यान रखा है कि हम इन सभी चीजों का उपयोग करेंगे। हमारे इस पांच वर्ष के कार्यकाल में मैं बीते वर्ष को एक विशेष वर्ष मानता हूं। दुर्भाग्य से पहले दो वर्ष कोविड–19 से प्रभावित रहे और कोविड में जो हमारे विकास की गति थी वह रूकी थी यह मानने में हमें कहीं कोई भी आपत्ति नहीं है। अच्छी बात यह है कि हम सभी ने उस चुनौती का मिलकर सामना किया और उससे पार भी पाया। हमारी इस विषय पर सर्वदलीय बैठकें भी हुई और सर्वदलीय बैठकों में बहुत सी समस्याओं का हल करने के लिए निर्णय भी लिये लेकिन वह संकट बहुत बड़ा था इसलिए उन दो वर्षों में हमें रेवेन्यू में भी सैट–बैक लगा, खर्च में भी सैट–बैक लगा और विकास में भी सैट–बैक लगा। उसके बाद जो पिछला वर्ष 2022–23 का गया इसमें हमको पिछले दो वर्ष की कमी को भी पूरा करना था। हमने बहुत से रूके हुए कामों को शुरू किया। बहुत सी चीजों को करने के बाद भी आज उन दो वर्षों की विकास की जो कमी पूरी होनी चाहिए थी वह नहीं हो पाई है लेकिन हम उसके ऊपर प्रयत्न करके अब मेहनत करके इस अगले वर्ष में सब चीजों को पूरा करेंगे। हमको पिछले दो वर्ष और इन दो वर्ष का मिलाकर चार वर्षों का काम सिर्फ दो वर्षों में ही पूरा करना होगा। इसके लिए हमें अपनी स्पीड डबल करनी ही होगी। इसका हमने पूरा प्रबन्ध किया है। अब इसके साथ एक चीज और भी है जो मैं ध्यान कराऊंगा कि हमने एक चैलेंज ले लिया है और चह चैलेंज ले लिया व्यवस्था परिवर्तन का और खास करके व्यवस्था परिवर्तन के सारे के सारे विषयों की

हमने जो तैयारी की वह कोविड–19 के उन दो वर्षों में की कि क्या–क्या व्यवस्था परिवर्तन हो सकते हैं? हमने किसी काम को रोका नहीं है। हम बैठे नहीं हैं। जैसे सबके लिए था work from home तो work from home के नाते हमने भी चाहे ऑफिस में बैठकर या कमरे में बैठकर या कहीं पर भी बैठकर व्यवस्था परिवर्तन के बहुत बड़े–बड़े काम किये और बड़ा हमने बड़ा सपना भी लिया। जब कभी व्यवस्था परिवर्तन के काम ज्यादा होते हैं उसके परिणाम निकलने में समय लगता है और उस परिणाम निकलने में समय लगने के कारण से कहीं परेशानी भी होती है। उस परेशानी को हमारे विपक्षी दल भी उठाते हैं और आम नागरिक भी उठाते हैं। कहीं–कहीं हमारे विधायक भी हमें कहते हैं कि ये कठिनाई आ गई। मुझे मालूम है कि हमने व्यवस्था परिवर्तन में कितने विषय शुरू किये। हमने सबसे बड़ा व्यवस्था परिवर्तन परिवार पहचान–पत्र का किया। यह एक बहुत बड़ा व्यवस्था परिवर्तन है और पूरे देश व दुनिया में किसी ने भी ऐसा सिस्टम खड़ा नहीं किया है। हमको विश्वास है कि हम इस पर एक ऐसा बड़ा प्रयोग करके दिखायेंगे कि हरियाणा प्रदेश का प्रत्येक परिवार हमारे नैट पर आ जाये अर्थात् हमारे दायरे में आ जाये ताकि उस तक हमारी पहुंच बहुत सीधी–सीधी हो जाये। लोगों के परिवार तक पहुंचने का लम्बा रूट होता है उस रूट को शॉर्ट–कट करके सरकार का सीधा सम्पर्क उस व्यक्ति व परिवार के साथ हो जो गरीब से गरीब है। परिवार पहचान पत्र से हमें इसमें सफलता मिल रही है। यह एक नया प्रयोग है। जैसा मैंने बताया कि नये प्रयोग में कठिनाईयां आती ही हैं। इसी प्रकार से हमने किसानों के लिए मेरी फसल, मेरा ब्यौरा का कांसैप्ट तैयार किया। इसकी भी खूब आलोचना हुई लेकिन आज जब लोगों को पता चल गया कि इसके क्या–क्या लाभ हैं तो अब इसका सभी स्वागत कर रहे हैं। अब फसल की डॉयरैक्ट पेमैंट किसान को होती है। पेमैंट सीधी उसके खाते में जाती है। सरकार की इस योजना का बीच में किसानों ने भी विरोध किया। पॉलिटिकल लोगों ने भी किया और आढ़ती बंधुओं सहित बहुत से लोगों ने इस योजना का विरोध किया लेकिन वास्तव में

सरकार की इस योजना का कितना लाभ किसानों को हुआ है उसका कोई भी सहज में अंदाजा लगा सकता है। मेरा अनुमान है कि यह राशि सीधे–सीधे किसानों के बैंक अकाउंट्स में पहुंचेगी। इससे कम से कम पांच से दस परसैंट का लाभ सीधा–सीधा किसानों को होगा ही होगा। हां, यह बात जरूर है कि सरकार की इस योजना से किसानों का लाभ होगा तो हो सकता है कि किसी का नुकसान भी होगा लेकिन किसान के लाभ की हमारी कमिटमैंट है उसके लाभ के लिए हमने इस योजना को लागू किया। इसी प्रकार से हमने हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल बनाया है। कुल मिलाकर मेरा यही कहना है कि बहुत बड़े भ्रष्टाचार का रास्ता बंद करने के लिए हम प्रयत्न कर रहे हैं कि जो इंजीनियरिंग कामों में बहुत शिकायतें होती हैं और उनकी बहुत सी इंक्वॉयरीज भी चल रही हैं। बहुत से लोगों के खिलाफ कार्यवाही भी होती है लेकिन सबके खिलाफ ऐसा नहीं होता है। इसमें अगर अवसर को ही बंद कर दिया जाये तो कुछ चीजें अपने आप ठीक होती हैं। इसको करने में एक कठिनाई आ रही है। मैं उसको आप सभी के साथ सांझा करना चाहता हूं कि जो बीच का सिस्टम है, जिनको गलत आदतें पड़ी हुई थी, उनके कारण से वह सिस्टम थोड़ा हिला है। उन सभी को यही लगता है कि यह क्या हो गया? वे यह भी सोचते हैं कि हम तो इसी कारण से सरकार में नौकरी करते थे। यहां तक सुनने को मिलता था कि हम किसी नौजवान को यह कहते थे कि तुम्हें काम नहीं है तो चलो तुम्हें 15 हजार रूपये प्रति महीने की प्राईवेट नौकरी दिलवा देते हैं। इस पर वह कहता था कि नहीं, मुझे तो डी.सी. रेट की नौकरी दिलवा चाहे वह उसमें 10 हजार रूपये प्रति महीना ही क्यों न मिलते हों। डी.सी. रेट वाली नौकरी भी अस्थाई नौकरी ही है और इसी प्रकार से प्राईवेट नौकरी में भी कोई सुरक्षा नहीं है लेकिन 15 हजार रूपये प्रति महीना की नौकरी छोड़कर 10 हजार रूपये प्रति महीना की नौकरी सरकारी ऑफिस में मुझे मिल जाये तो मैं सरकारी बाबू की तरह काम करूंगा उसमें से क्या–क्या लाभ वह उठाता है इससे सम्बंधित किस्से हर रोज सुनने को मिल जाते हैं। सरकारी नौकरी कोई सुरक्षित

नौकरी भी नहीं मिल रही क्योंकि वह भी डी.सी. रेट की है। हमने भ्रष्ट व्यवस्था पर लगाम लगाने के लिए और सरकारी कामों में पारदर्शिता लाने के लिए अनेक सिस्टम बदले हैं। हम उस सिस्टम को इंजीनियरिंग के कामों में भी लागू कर रहे हैं। हमने ज्यादातर सिस्टम लागू कर दिये हैं। हमारी इस प्रकार की अधिकतर योजनाओं का विरोध भी हो रहा है। हमारे सरपंच बंधू भी इसी प्रकार का ही विरोध कर रहे हैं। हमें गांवों के स्तर पर विकास के काम तो करवाने हैं जिसके लिए हम पैसा भी दे रहे हैं। गांवों के विकास के लिए पैसे की कमी है यह बात किसी भी सरपंच ने नहीं कही है। किसी भी सरपंच ने यह नहीं कहा कि हमारे पास बजट कम है। उनकी तो यही मंशा है कि सरकार पहले पैसा उनके हाथ में यानि उनके अकाउंट में डलवाये। उसके बाद जैसे वे चाहेंगे वैसे काम करवायेंगे। बहुत से लोगों ने तो यहां तक भी कह दिया है कि वे लाखों रूपये खर्च करके सरपंच बने हैं अगर उन्हें पता होता कि यह सिस्टम लागू होगा तो वे इतना पैसा खर्च करके सरपंच क्यों बनते? इससे इनडॉयरैक्टली तो यही क्लीयर हो जाता है कि वे वास्तव में क्या कहना चाहते हैं? इसके बाद वे यह भी कहते हैं कि वर्तमान सिस्टम के लागू हो जाने के उपरांत उनके गांव के कामों को करने का ठेका पता नहीं कौन व्यक्ति ले जायेगा? पूछने पर उन्होंने बताया कि उनके गांव के प्रत्येक काम का ठेका उनके आदमी को ही मिलना चाहिए ताकि वे उससे अपने हिसाब से काम करवा सकें। किसी भी सरपंच के गांव के सभी कामों को करने का ठेका उनकी पसंद के आदमी को ही मिले इसकी सरकार कोई भी गारंटी नहीं देती। वर्तमान सिस्टम के तहत गांवों के कामों को करने के लिए किसी को भी ओपन कम्पीटिशन में ठेका मिलेगा। इस प्रकार से हमने जो व्यवस्था बदली है इसमें हमने अपने–पराये का कोई लिहाज नहीं करके सभी को एक समान समझा है। अगर किसी भी व्यवस्था को बदलने के रास्ते में हमारे रास्ते में किसी भी प्रकार का गतिरोध आयेगा तो हम उसको भी बर्दाश्त करेंगे। हम किसी भी प्रकार के गतिरोध से नहीं

घबरायेंगे। हमारा तो यही एकमात्र मकसद है कि चाहे कोई भी गतिरोध आये हमें तो सभी व्यवस्थाओं को ठीक करना है। इस बारे में मेरा यही कहना है कि–

इस बात का तो इल्म था कि गतिरोध होगा,
कुछ तो मेरी भलाई का विरोध होगा।
पर इस डर से अगर कोई कर्म न करूं तो
किसी का कैसे भला होगा।।

गतिरोध के डर से हम कर्म करना नहीं छोड़ेंगे। हम हर चुनौती का सामना करते हुए अपना कर्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हर अच्छे काम का विरोध तो होता ही है। जब किसी भी अच्छे काम को शुरू किया जाता है तो शुरूआत में उसका विरोध होता है। ऐसा होना स्वाभाविक है। हमने जो अपनी प्राथमिकतायें तय की हैं उनमें जो प्रदेश में बहुत सी अनाप–शनाप अनअथोराईज्ड कालोनीज लगातार बढ़ रही हैं उनके विषय को भी शामिल किया गया है। ऐसा समय किसी भी सरकार का नहीं रहा जिसमें ये अनअथोराईज्ड कालोनीज न बढ़ी हों। इस मामले में हमारी सरकार द्वारा सख्ती बरतते हुए म्युनिसिपैल्टी एरिया में रजिस्ट्री के लिए एन.डी.सी. और कंट्रोल्ड एरिया में रजिस्ट्री के लिए एन.ओ.सी. का प्रावधान किया है। अगर कोई एरिया म्युनिसिपैल्टी में है तो वहां की रजिस्ट्री के लिए सम्बंधित म्युनिसिपैल्टी से एन.डी.सी. लाना होगा तभी रजिस्ट्री होगी। इसी प्रकार से कंट्रोल्ड एरिया की रजिस्ट्री के लिए टाऊन एण्ड कंट्री प्लॉनिंग डिपार्टमैंट से एन.ओ.सी. लाना होगा तभी कोई रजिस्ट्री होगी। इनके अभाव में कोई भी रजिस्ट्री नहीं होगी। हां एक बात मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि सरकार के इस आदेश के बावजूद अगर कोई नया घर बनायेगा तो उसको सरकार द्वारा गिरा दिया जायेगा। साथ में जो गरीब आदमी है उसको मकान मिले यह भी हमारी प्राथमिकता में है। मेरा यह मानना है कि अनअथोराईज्ड कालोनीज बनने का एक बड़ा कारण यह है कि गरीब के पास इतना पैसा नहीं होता जितना पैसा हमारे बिल्डर्ज और डिवैल्पर्ज उनके द्वारा बनाये गये फ्लैट्स के रेट तय करते हैं। गरीब लोगों के लिए केन्द्र सरकार के स्तर पर प्रधानमंत्री आवास योजना

पहले ही चल रही है। हम हरियाणा प्रदेश में भी ऐसी ही योजना लाने जा रहे हैं जिसके बारे में हमने बजट में भी उल्लेख किया है कि ऐसे गरीब आदमियों को रियायती दरों पर मकान कैसे दिये जायेंगे हम इसका प्रबन्ध करेंगे। हम लेबर क्लास के लोगों को उनके काम के स्थान पर ही लीज पर या किराए पर कुछ आवासीय व्यवस्था उपलब्ध करवायेंगे। हम इण्डस्ट्री की व्यवस्था भी खड़ी करेंगे और इसके साथ ही साथ सभी गरीब व मजदूर परिवारों को रहने का मकान मिले यह भी हमारी प्राथमिकता में है। इस प्रकार से हमने अनअथोराईज्ड कालोनीज को बनने से रोकने की दिशा में अनेकों कदम उठाने का काम किया है। लोकल सैल्फ गवर्नमैंट्स को इंडीपैंडैंट कैसे किया जाये और इनको ऑटोनोमस कैसे किया जाये इसके लिए हम इनके अधिकारों को पूरी तरह से इन्हीं को सौंपने का काम कर रहे हैं। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। वर्ष 1993–94 में पंचायती राज एक्ट के सम्बन्ध में संविधान में संशोधन हुआ था। इस मामले में बीते वर्षों में दूसरे प्रदेश हमारे प्रदेश से बहुत आगे निकल गए। केरल हमारे से आगे निकल गया, कर्नाटक हमारे से आगे निकल गया और महाराष्ट्र भी हमसे आगे निकला हुआ है। इस मामले में हम बहुत पीछे थे। अब हमने चाहे जिला परिषदें हों, चाहे पंचायत समितियां हों या चाहे पंचायतें हों और ऐसे ही अर्बन लोकल बॉडीज में चाहे नगर निगम हों, चाहे कमेटियां हों या चाहे परिषदें हों इन सभी को निश्चित मात्रा में फण्ड्ज जायें। इसके लिए हमने इनके लिए seven percent of S.O.T.R. अर्थात् स्टेट ऑन्ड टैक्स रेवेन्यू का 7 परसैंट फिक्स कर दिया है। इसमें 55:45 की रेशो तय कर दी कि इसका 55 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में और 45 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में जाये। इसके अलावा हमने कमी वाली ग्रामीण व शहरी ईकाइयां के लिए डिस्क्रिएशन के तौर पर दो परसैंट अपने पास बचाकर रखा है ताकि जरूरत के अनुसार उनको फण्ड रिलीज किये जा सकें। अगर कहीं के विकास में कमी आ गई और कहीं से डिमाण्ड आ गई तो उनको सम्बंधित डिपार्टमैंट मुख्यमंत्री कार्यालय के साथ विचार–विमर्श करके फण्ड रिलीज करने का काम करेगा। इस प्रकार के फण्ड्ज भी हमने अपने पास

रखने का प्रावधान किया है। इसके अलावा जो दो परसैंट स्टॉम्प ड्यूटी पहले केवल शहरों में होती है अब उसी प्रकार से दो परसैंट स्टॉम्प डॅयूटी ग्रामीण क्षेत्रों में भी करने का प्रावधान किया है क्योंकि अग ग्रमीण क्षेत्र में भी बहुत महंगी जमीनें बिकने लग गई हैं। ग्रामीण इलाकों में भी बहुत सी इण्डस्ट्रीज पहुंच गई हैं और वहां पर भी नित बहुत से नये–नये प्रकल्प आ रहे हैं। ग्रामीण इलाके की जमीन की स्टॉम्प ड्यूटी के दो परसैंट पैसों में से एक परसैंट पंचायतों को, आधा परसैंट जिला परिषद् को और आधा परसैंट पंचायत समितियों को जायेगा। इसी प्रकार से ग्रामीण क्षेत्र में बिजली के बिलों का दो परसैंट पैसा बिल रिकवरी के समय ग्राम पंचायतों को मिलेगा। इसके अलावा ग्राम पंचायतें स्थानीय स्तर पर भी जितनी इंकम बढ़ा सकती हैं इसके लिए भी सरकारी स्तर पर उनको पूरी छूट दी गई है। इस प्रकार से ऐसी बहुत सी मदें हैं जिनमें ग्राम पंचायतों को छूट दी गई है ताकि वे अपनी इंकम को बढ़ायें। इस प्रकार से अगर सभी शहरी और ग्रामीण संस्थाओं को अनेक स्त्रोतों से पैसा मिलेगा तो वे ज्यादा से ज्यादा इंडीपैंडैंट होंगी। इसी के साथ–साथ हमने जिला परिषदों को इंजीनियरिंग विंग बनाने की भी मंजूरी दी है। इसके लिए उनको इंजीनियरिंग का स्टॉफ रखने का भी अधिकार दिया है ताकि धीरे–धीरे हम उनमें कुछ चीजें आगे बढ़ा सकें। इसमें भी हमने उनको कुछ राहत दी हैं। पंचायती राज में स्कूल्ज की बिल्डिंग्ज की मुरम्मत का काम, शमशान घाट और कब्रिस्तान के लिए जो हमारी शिव धाम योजना है उसका काम, मार्केटिंग बोर्ड के पांच करम के रास्तों की मुरम्मत का काम, उससे छोटे चार करम के रास्तों को बनाने का काम, बस क्यू शैल्टर्स, ई–लाईब्रेरीज, हर ब्लॉक के अन्दर पांच–पांच गांवों में स्ट्रीट लाईट लगाने का काम, आंगनवाड़ी के रख रखाव की व्यवस्था, मिड–डे–मिल की मॉनेटिरिंग करने का काम, ग्रामीण क्षेत्र के बड़े गांवों में घर–घर कूड़ा इक्ट्ठा करने की व्यवस्था बनाने आदि सारे काम हमने जिला परिषदों को सौंपे हैं। इसी प्रकार से आगे चलकर हम पंचायत समितियों के कामों का भी उल्लेख करेंगे। उनको भी इस प्रकार से थोड़ा बजट दिया जाएगा ताकि पंचायतों

का बजट ठीक पारदर्शिता से खर्च हो। पंचायतों में जितने पैसे की आवश्यकता होगी हम वहां पर्याप्त पैसा दे रहे हैं। अगर और आवश्यकता होगी तो हम और देंगे, पैसे की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। कुल मिलाकर उसके अन्दर पारदर्शिता हमारा पहला विषय रहेगा जिसके ऊपर हम काम करेंगे। हमने कर्मचारियों के वैल्फेयर के लिए बहुत से विषयों पर काम किये हैं। यानि ऐसे ऐसे वर्ग जिनकी तनख्वाएं बहुत कम थी और वे आउटसोर्सिंग के तहत लगे हुए थे और जो रिटायर हो गये हैं उनको भी हमने पैंशन देने का काम किया है। इसी प्रकार से हमने एम.आई.टी.सी. (माईनर इरीगेशन एण्ड ट्यूबवैल कॉरपोरेशन लि.) के कर्मचारियों को तथा अन्य कुछ विभाग जो बंद हो गये हैं, उनके कर्मचारियों को भी हमने पैंशन देने का काम किया है। हमने सैलरीज भी खूब बढ़ाई हैं। जो कर्मचारी 10000, 12000, 13000 रुपये सैलरी ले रहे थे जैसे–जैसे वे एच.के.आर.एन. में आए हैं तो उन सब की सैलरीज 2000, 3000, 4000 रुपये बढ़ गई हैं। इसी प्रकार सारे देश में आंगनवाड़ी वर्कर्स की सैलरी हमारे यहां सबसे ज्यादा है, आशावर्कर का प्रभुत्व हमारे यहां सबसे ज्यादा है। यानि बी.पी.एल. के लैवल को भी हमने ऊपर उठाया है क्योंकि सारे देश में बी.पी.एल. के लैवल के लिए वार्षिक आय 1 लाख 20 हजार रुपये है। हमने परिवार पहचान पत्र में उस आय को बढ़ाकर 1 लाख 80 हजार रुपये किया है ताकि इसमें और ज्यादा परिवार कवर हो जाएं। अगर हम देश की तर्ज पर इसको 1 लाख 20 हजार रुपये रखते हैं तो मुझे अनुमान है कि इसमें 12–15 लाख परिवारों से ऊपर नहीं आएंगे लेकिन हमने इसके लेवल को 1 लाख 80 हजार रुपये कर दिया है जिससे इसमें अब 34 लाख परिवार हो गये हैं। अब जो रजिस्ट्रेशन हो रही हैं उसमें एक छोटा सा दोष भी आ रहा है जैसे अगर परिवार की आय ज्यादा है तो बाईफ्रकेशन कर दो अर्थात दो परिवार बना लो ताकि उनकी आय आधी हो जाए और वे दोनों परिवार बी.पी.एल. में आ जाएं। यह अच्छा विषय नहीं है, इससे परिवार टूटने के खतरे होंगे इसलिए हमें इसमें से भी कोई रास्ता निकालना पड़ेगा ताकि जो ज्वायंट फैमिली रही हैं वे इस प्रकार से टूटे नहीं, ऐसे विषय हम कर रहे हैं।

इसी प्रकार से डिजिटलाईजेशन का हम भरपूर उपयोग कर रहे हैं। इसमें भी जहां जिस चीज की आवश्यकता होगी उसमें चाहे मैन पावर रखनी है वह रखते हैं, चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर लगाना हो वह लगाते हैं, जहां कहीं नई ब्रांचिज खोलनी होंगी वे खोलते हैं। जो नई रिक्रूटमैंट की हैं उनमें भी अब हमने कम्प्यूटर जरूरी कर दिया है और अब हम ग्राम सचिव के लिए भी कम्प्यूटर जरूरी करने जा रहे हैं क्योंकि इसके बिना आगे कोई चीज संभव नहीं होगी। अब हर आदमी को चाहे वह किसान है, पढ़ा हुआ है, अनपढ़ है, मजदूर है, दुकानदार है, व्यापारी है हर एक को कम्प्यूटर विन्डो पर ही जाकर काम करना पड़ेगा। अब हमारे सामने भी कम्प्यूटर का एक नेवा पार्टल खड़ा किया गया है कि हम भी इस पर काम करना शुरू करें। कुल मिलाकर हमारे सामने पारदर्शी रिक्रूटमैंट का एक बहुत बड़ा मेजर चैलेंज था क्योंकि इसमें गड़बड़ें बहुत होती थी। गड़बड़ हमारे समय में भी हुई हैं लेकिन हमने उनको बख्शा नहीं है। हमने एक पेपर लीकिंग मामले में 672 लोगों को पकड़ा है। पेपर लीक हुआ है और वह पेपर कैंसिल भी किया है लेकिन 672 लोगों को पकड़ा भी है। हम किसी को छोड़ते नहीं हैं, बख्शते नहीं हैं। रिक्रूटमैंट में हमारी पारदर्शिता कैसे बने इस पर हम आगे बढ़ रहे हैं। ट्रांसफर हमारे ऑन लाईन हो जाएं और ये सारी चीजें यानि ह्यूमन इंटरवैंशन की बजाए हम किस प्रकार से ऑटोमैटिक इन सारी व्यवस्थाओं को आगे लेकर चलें इस पर हम आगे बढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर हम इन चीजों को आगे बढ़ा रहे हैं। ऑडिट का जो सिस्टम है वह अभी तक बहुत जगहों पर पूरा होता नहीं था। वे सी.ए.जी. के ऊपर ही निर्भर होते थे। हम अगले वर्ष से स्टेट के ऑडिट डिपार्टमैंट को भी मजबूत करने जा रहे हैं। जहां सरकार का एक रुपया भी जाएगा वहां ऑडिट होगा। अन्यथा वे सरकार से पैसे नहीं लेंगे क्योंकि बहुत सी संस्थाएं ऐसी हैं जो पैसे सरकार से लेती हैं लेकिन अभी तक उनका ऑडिट नहीं होता था। सैल्फ फाईनांस स्कीम में आकर संस्थाएं अपना ऑडिट अपने आप कर लें, हमें उसकी दिक्कत नहीं है। कुल मिलाकर मेरा यह कहना है कि हम इन चीजों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। जो दोष हैं, उनको रोकने के लिये

भी हमारे कई अभियान चल रहे हैं। हम भ्रष्टाचार के ऊपर चोट मारने का काम पूरा कर रहे हैं। पुलिस विभाग में भी इन्फॉर्समैंट ब्यूरो अलग बनाया है। पहले हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो स्टेट लैवल पर था, अब डिविजन लैवल पर भी 6 इकाइयां उसमें जोड़ दी गई हैं। इस नाते से इन चीजों को हम जितना सख्त कर सकते हैं वो करते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस महान सदन में उन चीजों का जरूर उल्लेख करना चाहूंगा जो बजट के आंकड़ों को लेकर बहुत से विषय सदन में उठाये गये हैं। एक विषय तो नेता प्रतिपक्ष के सामने मैं रखना चाहता था लेकिन संयोग से जैसे पता चला है कि रात से उनकी तबीयत खराब होने की वजह से वे इस समय सदन में उपस्थित नहीं हो पाये हैं। माननीय नेता प्रतिपक्ष ने ऋण को लेकर बजट के आंकड़े कई बार दिये हैं। नेता प्रतिपक्ष ने दिनांक 22 नवम्बर, 2022 को कहा कि आज प्रदेश पर 3,11,779 करोड़ रुपये का कर्ज हो गया है। इसी प्रकार दिनांक 29 दिसम्बर, 2022 को चण्डीगढ़ में कहा कि इस सरकार को श्वेत–पत्र जारी करना चाहिये क्योंकि इस सरकार ने हरियाणा प्रदेश को चार लाख करोड़ रुपये के कर्ज में डूबो दिया है, जिसमें 3,25,000 करोड़ रुपये कर्जा और 1,22,000 करोड़ रुपये की देनदारियां हैं। अध्यक्ष महोदय, उनकी तीसरी स्टेटमैंट दिनांक 1 फरवरी, 2023 को बजट पर बोलते हुए आई है कि इस सरकार ने प्रदेश को कर्जवान बना दिया है और प्रदेश पर चार लाख करोड़ रुपये का कर्जा कर दिया है। यही कर्ज लेकर देनदारी वाली बात हो गई। उसके बाद फिर यही विषय दिनांक 22 फरवरी, 2023 को आया और उन्होंने कहा कि प्रदेश पर 2,43,000 करोड़ रुपये का कर्ज है। कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश पर 3,19,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। दिनांक 23 फरवरी, 2023 को ही प्रदेश पर 2,85,885 करोड़ रुपये का आंतरिक कर्ज बताया था और 64,840 करोड़ रुपये सरकार लोन लेने जा रही है यह बात कही। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2,29,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्जा है। मेरा यह कहना है कि दो महीने में अलग–अलग पांच बार आंकड़ों की स्टेटमैंट दी गई है।

किसी एक बात को बोलकर चाहे वह सत्य हो या झूठ हो, जब तक उस बात के विपरीत सत्य साबित नहीं होती तब तक तो अपनी बात पर टिके रहना चाहिये। हर बार अलग–अलग स्टेटमैंट देना, इस प्रकार से नेता प्रतिपक्ष की अपनी भी साख नहीं रहेगी। साख तो तभी रहेगी जब जो बोला है चाहे वह सत्य है या असत्य है उस पर अडिग रहे। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि–

झूठ बोला है तो कायम भी रहो उस पर 'जफर'
आदमी को साहब–ए–किरदार होना चाहिए

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री ने बतौर वित्त मंत्री बजट के संबंध में शुरू में यह कहा कि एक साइकोलॉजिकल दृष्टि का अंतर है। पॉजिटिविटी और नैगेटिविटी का अंतर है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने पहले भी सदन के पटल पर कहा हुआ है कि आधा गिलास भरा हुआ है और आधा गिलास खाली है। यह तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने मान लिया है कि बजट का आधा गिलास खाली है और आधा गिलास भरा हुआ है। यदि नेता प्रतिपक्ष ने उस आधे गिलास के बारे में सच कह दिया तो क्या गलत कह दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरा ऐसा मानना है कि आलोचना को सुनना और स्वीकार करना मैच्योरिटी का साइन होता है। अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट को अच्छा कहलवाने की प्रवृत्ति है, उससे ऊपर उठ कर माननीय मुख्यमंत्री महोदय को इस महान सदन के पटल पर बात रखनी चाहिये। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने नेता प्रतिपक्ष के ऊपर जो बातें उठाई हैं वे नहीं उठानी चाहिये थी। मेरे पास सारा का सारा रिकॉर्ड उपलब्ध है। माननीय मुख्यमंत्री जी दोनों तरफ से श्वेत–पत्र जारी कर दें, सच्चाई सबके सामने आ जायेगी। दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय,

अपना यदि मान चाहो तो,
औरों का भी मान रखो।
कहने को अगर जीभ मिली है तो,
सुनने के लिए भी कान रखो।

अध्यक्ष महोदय, बजट में स्टेट डैट (Debt) की बात आई है तो विपक्ष के माननीय सदस्यों ने इसके ऊपर अपने–अपने विचार रखे हैं। उन्होंने तीन चीजों को मिक्स कर रखा है। उसमें एक पब्लिक डैट है, उसमें कभी–कभी अदर लायबिलिटीज को भी जोड़ देते हैं। पब्लिक डैट की फीगर अलग होती है। पब्लिक डेट एण्ड अदर लायबिलिटीज का हैड अलग होता है। उसका नाम नहीं है यह केवल पब्लिक डैट, पब्लिक डैट एण्ड अदर लायबिलिटीज है। इसी प्रकार से कई जगह स्टेट पब्लिक इन्टरप्राइजिज हैं। हम उनको भी इनके साथ जोड़ देते हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि कोई भी बात करनी है उसका कम्पैरीज़न एप्पल टू एप्पल करें। हम केले और अमरूद का कम्पैरीज़न ना करें। हमको दो चीजों की एक साथ तुलना करनी चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी इस महान सदन से कहना चाहता हूँ कि पब्लिक डेट में पांच चीजें आती हैं। इनमें मार्किट लोन, स्टेट डिवैल्पमैंट लोन, बाँड इशूड बाई दी स्टेट (जैसे 'उदय' का पावर डिपार्टमैंट में हुआ था), लोन फ्रॉम फाइनैंशियल इंस्टीच्यूशंज नाबार्ड नैशनल कोओपरेटिव डिवैल्पमैंट कोरपोरेशन (एन.सी.डी.सी.), लोन फ्रॉम नैशनल स्मॉल सेविंग फंड और लोन एण्ड एडवांसिज फ्रॉम सैंट्रल गवर्नमैंट। अध्यक्ष महोदय, केवल ये पांच हैड्स हैं जो पब्लिक डैट में आते हैं। पब्लिक डेट के अलावा अदर लॉयबिलिटीज में आते हैं कर्मचारियों का जी.पी.एफ., जनरल इंश्योरेंस स्कीम स्टेट डिजास्टर रिलीफ फंड आदि। ये सब पब्लिक डैट में नहीं आती हैं। सी.ए.जी. की परम्परा भी यही है। सी.ए.जी. इसको अलग–अलग करती है। अध्यक्ष महोदय, पब्लिक डैट और अदर लॉयबिलिटीज दोनों बजट का हिस्सा होती है। इस प्रकार से पब्लिक अकाउण्ट्स रिपोर्ट में दोनों चीजें अलग–अलग लिख कर आती हैं,

इसलिए इसको कभी भी मिक्स करके यूज नहीं करना चाहिये। इसी प्रकार जहां तक स्टेट पब्लिक इन्टरप्राइजिज लोन का विषय है वह पब्लिक डैट का हिस्सा कभी भी नहीं रहा है। यह हिस्सा न तो कांग्रेस सरकार के समय रहा है, न ही अभी हमारे समय है और न ही आगे कभी होगा। यह जो स्टेट पब्लिक इन्टरप्राइजिज हैं चाहे इसमें एच.एस.आई.आई.डी.सी. है, चाहे एच.एस.वी.पी. है, चाहे पावर है, चाहे और संगठन व संस्थाएं हैं इन सबका डैट का हिसाब–किताब अलग होता है। अध्यक्ष महोदय, यदि इस संबंध में कैम्परीज़न किया है तो वो भी मैं सदन में बताना चाहूंगा कि वर्ष 2014–15 की रिपोर्ट में स्टेट पब्लिक इन्टरप्राइजिज का कुल लोन 69,922 करोड़ रुपये था। अध्यक्ष महोदय, फाईनैंस डिपार्टमैंट की बुक प्रोफाइल ऑफ स्टेट पब्लिक इन्टरप्राईजिज में वर्ष 2014–15 से 2015–16 तक में हरियाणा सरकार का डॉक्यूमैंट छपा हुआ है। इस बुक में लोन के बारे में स्पष्ट लिखा हुआ है कि सैंट्रल गवर्नमैंट लोन 7,200 करोड़ रुपये है। इस बुक में स्पष्ट लिखा हुआ है कि स्टेट गवर्नमैंट लोन इतना है और अदर लोन इतना है। इस प्रकार से कुल मिलाकर स्टेट पब्लिक इन्टरप्राइजिज में 69,922 करोड़ रुपये का लोन है। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2014–15 का 69,922 करोड़ रुपये लोन है । 69,922 करोड़ रुपये के बदले वर्तमान में हम 47,211 करोड़ रुपये पर आ गए हैं । अतः लोन घटा है । इसी प्रकार अदर पब्लिक लायबिलिटीज का है, इसमें सी.ए.जी. की रिपोर्ट वर्ष 2005–06 से शुरू होती है । वर्ष 2004–05 की रिपोर्ट में अदर पब्लिक लायबिलिटिज 7,918 करोड़ रुपये है । वर्ष 2014–15 में अदर पब्लिक लायबिलिटिज बढ़कर 21,721 हो जाती है । हरियाणा सरकार की फाइनैंस अकाउंट्स के नाम से किताब छपी हुई है । इस किताब में सबके देखने लायक आंकड़े हैं । उसमें सिद्ध आंकड़े होते हैं । मैंने आपको अदर लायबिलिटीज़ के अलग से आंकड़े बताये हैं कि हमने जो कुछ भी कहा है वह इन आंकड़ों के हिसाब से कहा है । हमने इसमें कोई चीज छुपाकर नहीं रखी है । वर्ष 2021–22 का लोन 40,525 करोड़ रुपये है । अगर मैं वर्ष 2005–06 और वर्ष 2014–15 की तुलना करूं तो इन 9 सालों में लोन 2.87 टाइम्स बढ़ा है । अगर

मैं वर्ष 2014–15 को वर्ष 2023–24 के अनुमानों के साथ कंपेयर करूं क्योंकि 9 साल वर्ष 2023–24 में होंगे, यह 8 साल में तो और कम था लेकिन उसी प्रपोर्शन में यदि वर्ष 2023–24 का मैं 45,000 करोड़ रुपये मान लेता हूं तो उसमें 2.07 गुना की वृद्धि होती है । यानी उस समय के 10 सालों में 2.87 गुना वृद्धि हुई थी और अब 2.07 गुना की वृद्धि हुई है । हम 9 साल के लोन को 9 सालों के लोन के साथ कंपेयर कर रहे हैं । अतः अब दोनों चीजों में लोन घटे हैं । इस नाते से मेरा यह कहना है कि अगर हम हाउस में कोई भी आंकड़ा बोलें तो हमको ठीक तैयारी करके आना चाहिए अन्यथा कई बार आंकड़ें भ्रम पैदा करने वाले भी हो जाते हैं । अब मैं एच.एस.वी.पी. विभाग के बारे में बताना चाहूंगा । इस विभाग के लिए हमने जमीनें खरीदी थी । उन जमीनों की एनहांसमैंट आ गई और उसके बाद लोन की राशि बढ़नी शुरू हो गई । मैक्सिमम लोन 14,334 करोड़ रुपये तक चला गया था । इसमें हमारे समय का लोन भी है और हमसे पहले का भी लोन है, लेकिन हमारे समय का लोन ज्यादा है । हमारे समय का लोन ज्यादा है क्योंकि हमारे समय में ही कोर्ट्स के द्वारा सभी जमीनों पर एनहांसमैंट आनी शुरू हुई थी । अभी हमने एच.एस. वी.पी. के 14,334 करोड़ रुपये के लोन में से एक साल के अन्दर ही लगभग 6 हजार करोड़ रुपये कम करके 8,434 करोड़ रूपये कर दिए हैं । इसी प्रकार से एच.एस.आई.आई. डी.सी. का मामला है । इसका वर्ष 2017–18 का लोन जो 13,881 करोड़ रुपये हो गया था इसका कारण भी जमीन का एनहांसमैंट था । इसमें अब लगभग 7,000 करोड़ रुपये कम होकर 6,944 करोड़ रुपये लोन रह गया है । इसी प्रकार से पावर युटिलिटीज का मामला है । इनका वर्ष 2014–15 में जो 37,821 करोड़ रुपये का लोन था वह कम होकर आज 14,813 करोड़ रुपये रह गया है । इसमें एक बहुत बड़ी बात यह है कि हम 'उदय' स्कीम के 25,850 करोड़ रुपये को स्टेट के हैड में लेकर आये थे क्योंकि अगर पावर युटिलिटीज का 37,821 करोड़ रुपये का लोन बकाया रहता और उस पर 11 परसैंट का इंट्रस्ट भी चलता रहता तो कर्ज के इस दबाव में बिजली विभाग इस समय तक शायद

60–70 हजार करोड़ रुपये के लोन का कर्जदार हो जाता । इससे यह खतरा उत्पन्न हो गया था कि कहीं कल को पावर युटिलिटीज बंद ही न हो जाएं । ऐसी हालत केवल हमारे प्रदेश की नहीं बल्कि सारे देश की थी । सभी स्टेट्स ने मिलकर लगभग अढाई लाख करोड़ रुपये के लोन को सब्श्यूम किया था । उसके बाद जो लोन बचा था हम उसको भी धीरे–धीरे उतार रहे हैं । हमने उस समय जो लोन लिया था अब हम उसको धीरे–धीरे उतार रहे हैं । अब उस लोन पर रेट ऑफ इंट्रस्ट 8.2 प्रतिशत है । पहले लोन पर रेट ऑफ इंट्रस्ट 11 प्रतिशत से भी ज्यादा था । अतः हमने इसमें भी रेट ऑफ इंट्रस्ट कम होने से 6,000 करोड़ रुपये को बचाया है । उस समय पावर डिपार्टमैंट का जो इंट्रस्ट छोड़ा गया था अगर उसको भी इसमें जोड़ लिया जाए तो यह राशि 20,000 करोड़ के आसपास हो जाती है क्योंकि वर्ष 2014–15 में ही लगभग 12,000 करोड़ रुपये इंट्रस्ट छोड़ा गया था । वर्ष 2014–15 में जो लगभग 12,000 करोड़ रुपये की राशि को छोड़ा गया था अगर उस पर इंट्रस्ट लगता तो अब तक यह राशि लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक हो जाती जोकि आज 14,800 करोड़ रुपये है। इसका मतलब यह है कि 6,000 करोड़ रुपये पॉवर डिपार्टमैंट ने अपने सिस्टम में से कम किये हैं। इस प्रकार पॉवर डिपार्टमैंट लगातार प्रॉफिट में है। इस प्रकार से हमारी ये सारी चीजें आ रही हैं। इसके अतिरिक्त एक विषय इन्वैस्टमैंट का आया था जोकि हमारे माननीय सदस्य श्री राकेश दौलताबाद जी ने उठाया था। माननीय सदस्य इस वक्त सदन में उपस्थित नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हमने इन्वैस्टमैंट सम्मिट तो एक ही की है, लेकिन इन्वैस्टमैंट सम्मिट से पैसा आता है, ऐसी बात नहीं है। यह वातावरण बनाने के लिए ठीक होता है। वरना हमारे पास कितने लोग आ रहे हैं और हम उनको क्या सुविधाएं दे रहे हैं, उनसे ही यहां पर इन्वैस्टर आता है। देश भर में इन्वैस्टमैंट में हमारा स्थान पॉपुलेशन के हिसाब से तीन नम्बर पर है। इस समय एक नम्बर पर कर्नाटक है, दूसरे नम्बर पर महाराष्ट्र है और तीसरे नम्बर पर हरियाणा प्रदेश है। यानी इन्वैस्टमैंट में गुजरात भी हमारे प्रदेश से पीछे है। इसके

अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के बारे में बात की गयी है कि वहां पर इन्वैस्टर्ज आये थे और करोड़ों रुपये के एम.ओ.यूज. साईन हुए। ये एम.ओ.यूज. हुए हैं, लेकिन आगे चलकर क्या होता है यह देखेंगे? आज के समय में हरियाणा प्रदेश में पर व्यक्ति पॉपुलेशन के हिसाब से 90 रुपये का इन्वैस्टमैंट है। यानी पिछले 8 वर्षों में 260 करोड़ रुपये का इन्वैस्टमैंट आया है और हमारी पॉपुलेशन 3 करोड़ है। इस नाते से एक व्यक्ति के हिसाब से 90 रुपये इन्वैस्टमैंट है। ये हमारे आंकड़े हैं। हमारे यहां पर प्रति व्यक्ति 90 रुपये की इन्वैस्टमैंट है, कर्नाटक की प्रति व्यक्ति 303 रुपये की इन्वैस्टमैंट है और महाराष्ट्र की 108 रुपये प्रति व्यक्ति इन्वैस्टमैंट है। मैं ये बातें एक कम्पैरीजन के नाते से बता रहा हूं।

राव दान सिंहः अध्यक्ष महादेय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि हैपनिंग हरियाणा में 5 लाख 28 हजार करोड़ रुपये के एम.ओ.यूज. साईन हुए थे तो क्या उनमें से कोई एम.ओ.यू. करने वाला आया है?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उनमें से लगभग 60 प्रतिशत एम.ओ.यूज. करने वाले आये हैं। ये एम.ओ.यूज. तो एक गुडविल के नाते से सबको लगता है कि इनको यहां पर साईन कर लो क्योंकि इनमें कोई कंडीशन तो होती नहीं है। एम.ओ.यू के बाद उनकी कंडीशन बनाकर आगे चलकर कान्ट्रैक्ट होते हैं तब वे आते हैं। इनमें से एक साल में 8 प्रतिशत, 10 प्रतिशत या 12 प्रतिशत ही इन्वैस्टमैंट आता है। यह पूरे देश भर के राज्यों का आंकड़ा है। इसमें जितने भी एम.ओ. यूज. होते हैं वे कई सालों के बाद जाकर के एग्जीक्यूट होते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से यही कहना है कि ये बजट की सारी कहानियां हैं। ये सब आज हमारी खराब हुई हैं, ऐसा नहीं है। बल्कि मैं तो यह कह रहा हूं कि अगर उससे पहले सुधार ली जाती तो आज और ज्यादा सुधार हो जाता। अगर उस समय इनको सुधार जाते तो हम भी वाह–वाह करते। लेकिन इनकी पार्टी की सरकार बहुत घाटे छोड़कर गयी थी। उसमें हमसे पहले भी कई मुसाफिर गुजरे होंगे, लेकिन राह के पत्थर तो हटाते

जाते। विपक्ष के माननीय सदस्यों की सरकार के समय में पत्थर तो हटाए नहीं और हम उन पर चल रहे हैं।

श्री आफताब अहमद: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि वे बजट के बारे में मश्विरा लेते हैं या इनपुट लेते हैं तो क्या इन शेरों के लिए भी कोई अलग से मद बना रखा है। चूंकि आपने बहुत से इकट्ठे कर रखे हैं तो क्या इनके लिए भी कोई सोर्स है क्योंकि आप हरेक बात पर शेर पर शेर सुनाते हैं।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि ये सारी शेरो–शायरी आपने और मामन खान जी ने सिखायी है तो फिर क्या कहेंगे?

श्री आफताब अहमदः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह बात तो ठीक है कि उनको किसी ने सिखाया होगा। लेकिन उसका भी सोर्स रिवील कर दें कि इतने सारे शेर कहां से लाते हैं?

श्री नीरज शर्मा: अध्यक्ष महोदय, आप साल में एक दिन का सैशन शेरो–शायरी के लिए रख लें।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त एक कृषि क्षेत्र का विषय आया है। अब मैं जो एक–एक विषय उठाए गये हैं, उनके बारे में बता देता हूं। देखिए, सब विषय इसलिए डिस्कस नहीं किये जा सकते क्योंकि बहुत से विधायकों ने तो अपने क्षेत्र की डिमांड्स उठायी हैं। ये डिमांड्स तो विभाग के पास चली जाएंगी। यहां पर केवल बजट की चर्चा होती है कि किस विभाग को कितना बजट दिया गया है और उसको पहले से कितना बढ़ाया गया है, इसमें कम बजट बढ़ाया गया है या ज्यादा बजट बढ़ाया गया है। यानी हमारी जो ईयर टू ईयर वृद्धि होती है, एबसोल्यूट वृद्धि भी नहीं जो ईयर टू ईयर वृद्धि होती है वह कितने प्रतिशत हुई है, हम उसके हिसाब से ही मूल्यांकन कर सकते हैं। कृषि के ऊपर कहा गया है कि यहां कुल बजट का 3.9 प्रतिशत ही दिया गया है। मेरा यह कहना है कि आखिर यह वर्ष 2020–21 से चला आ रहा है। यह कृषि का बजट खेती के

मद के लिए रखा जाता है। यह सारे किसानों के लिए रखा जाता है या किसान परिवारों के लिए रखा जाता है, ऐसा नहीं है। किसान परिवार की कैपेसिटी तो हर जगह पर है, उसमें गांव की भी है, उसकी शिक्षा की बात भी है, उनके स्वास्थ्य की भी बात है और बाकी चीजों की बात भी है। कृषि क्षेत्र के लिए वर्ष 2021—22 का एक्चुअल बजट 4100 करोड़ रुपये था और वर्ष 2022—23 का आर.ई. 5758 करोड़ रुपये था। वर्ष 2023—24 का बी.ई. 7341 करोड़ रुपये है। अर्थात् हमने कृषि के क्षेत्र में 27 परसैंट की वृद्धि की है। इसमें यह बात कहना कि बहुत कम बजट कृषि के लिए रखा है, ऐसा नहीं है। हमें जितनी आवश्यकताएं होती हैं, डिपार्टमैंट जितनी मांग करता है, उसके हिसाब से हम बजट रखते हैं और मैं समझता हूं कि उसके अंदर कोई कमी नहीं आई है। अगर मैं वर्ष 2014—15 के बजट के बारे में बात करूं तो कृषि के क्षेत्र में 2156 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था, जो मात्र 3.4 प्रतिशत था। आज भले ही ये लोग वह 3.9 प्रतिशत बता रहे हैं लेकिन कृषि का उस समय टोटल बजट का परसैंटेज देखें तो 3.4 परसैंट बनता था लेकिन आज 3.9 परसैंट बनता है। कृषि का आज आधा परसैंट बजट बढ़ा है, कम नहीं हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि कितना बजट यूज किया गया?

श्री मनोहर लाल : मलिक जी, बजट यूज भी होता है। (विघ्न) कैपीटल अलग चीज है। टोटल बजट में कैपीटल भी आयेगा रेवेन्यू भी आयेगा और सब चीजें आयेंगी परन्तु आपके जो सहायक हैं, जो आप लोगों को समझाते, पढ़ाते और सिखाते हैं, आप थोड़ा उनका भी लैवल देख लो कि वे लोग किस लैवल के हैं कौन पढ़ाता और सिखाता है वरना सारे झूठ यहां पर बोले हुए हैं।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, जो वर्ष 2020—21 की कैग की रिपोर्ट है, वह entirely different है।

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आपको कैग की रिपोर्ट बिल्कुल समान मिलेगी। आपने जो पहले सदन में बोला है मैं उसका जवाब लेकर लाया हूं। अगर आप आगे कोई चीज देंगे तो मैं उसका जवाब तुरन्त निकलवाकर दूंगा लेकिन इस पर कोई बहस नहीं हो सकती है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, मैं कोई बहस नहीं कर रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आपने पहले जो फाइडिंग दी है....................... (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, आपने वर्ष 2020–21 के बजट का ओवरव्यू दिया है उसके बाद Budgetary Management है, फिर Quality of Accounts & Financial Report and Practices है, फिर Finance of the State है। (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, यह लगातार चलने वाले काम हैं इसलिए इनमें 10 प्रकार की ऑब्जर्वेशंज आयेंगी। आज विषय यह है कि आंकड़ा कितना रखा है, कितना हमने बजट एलोकेट किया है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि खर्च हमेशा एलोकेशन से कम ही हुआ है चाहो तो आप पिछला बजट उठाकर देख सकते हो। हमारा केवल वर्ष 2015 में जो टोटल खर्च है और पिछला जो अनाउंस हुआ था उसका 109 परसैंट है। ऐसे ही इनके समय में भी एक समय या दो समय का 100 परसैंट के आसपास पहुंचा है। इसमें ऐसा नहीं है, लेकिन हमें महत्वाकांक्षी बजट रखना पड़ता है कि बजट कभी कम न पड़ जाये बल्कि बाद में इसको दो बार रिवाइज भी करते हैं। पहले बजट एक बार ही रिवाइज होता था। अब हमने बीच में दो बार सप्लीमैंट्री रखना शुरू कर दिया है। आवश्यकता पड़ने पर बजट और भी लिया जा सकता है और हम कोशिश करते हैं कि रेवेन्यू ज्यादा से ज्यादा बढ़ाया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, फिर तो दो बजट सैशन रख दो। एक सैशन वह है जो बजट पेश किया है और एक सैशन बजट के यूटिलाइजेशन का रख दो। कहां बजट खर्च किया और क्या प्रोग्रैस हुई, बजट का दूसरा सैशन हो जाये। सप्लीमैंट्री डिमांड हैं, सारा सौदा है। अब सारा कुछ पूछ भी लिया और फिर से सारा सौदा आयेगा। फिर सप्लीमैंट्री डिमांड भी आयेंगी। मुख्यमंत्री जी, इसमें ऐसा है कि बजट घूम फिर कर नहीं बनता है। बजट विजन से बनता है। सरकार का क्या विजन है? मैंने वर्ष 2014 में अपना मांग पत्र रखा था और आज वही मांग पत्र दोबारा रख रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

बिजली मंत्री (श्री रणजीत सिंह) : कादियान जी, राजीव गांधी जी कहते थे कि हम 1 रुपये भेजते हैं लेकिन 20 पैसे खर्च होते हैं इसलिए आपके आंकड़ों और हमारे आंकड़ों में फर्क है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, आप इसमें उनके हल्कों के मांग पत्र रख लो। यह मेरा सुझाव है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आप जो बजट रखते थे उससे बढ़िया बजट है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, it is only jugglery of the data. इससे ज्यादा कुछ नहीं है। इसमें इधर से डाटा पकड़ लिया और उधर से डाटा पकड़ लिया। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, कैग की रिपोर्ट आई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आप मुझे इसके आंकड़े दे दो। आप मुझे ऐसे मत दिखाओ। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, मैं आपको ये आंकड़े दे दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, आपको मुझे आंकड़े देकर जाना है। आप मुझे ये आंकड़े अभी दो या बाद में दो लेकिन मैं आपको इसका उत्तर दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, मेरे पास कैग की रिपोर्ट है।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, आप पहले बैठकर आंकड़े ढूंढ लो।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं on the floor of the House बता देता हूं कि मेरे पास कैग की रिपोर्ट है।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, आपने पहले जो आंकड़े दिये सदन में लगातार तीन दिन इसी विषय पर चर्चा चली है और अब जो आपने आंकड़े दिये, मैंने उसका जवाब दिया है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मुख्यमंत्री जी, मैंने पहले कब दे दिये, मैंने पहले कब दे दिये। मैंने तो आपको दिये थे।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, अभी जो तीन दिन में आंकड़े दिये गये हैं मैं उनके जवाब दे रहा हूं।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मुख्यमंत्री जी, आपने कहा कि भावान्तर योजना में सारी पेमैंट हो गई है।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, भावान्तर योजना में सारी पेमैंट हो गई है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मुख्यमंत्री जी, मैंने कहा कि भावान्तर योजना में सारी पेमैंट नहीं हुई है। आपने कहा कि मुझे डाटा दिखाएं। मैंने आपको डाटा दिया कि छारा गांव के 2 करोड़ रुपये बकाया है।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, आप जो डाटा लाकर दोगे उसका जवाब आपको लाकर देंगे। आप डाटा लाकर के दे दीजिए।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मुख्यमंत्री जी दो दिन की चर्चा का जवाब दे रहे हैं। आप पहले यह बात कह देते।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, यह तो कैग की रिपोर्ट की बात है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप कैग की रिपोर्ट पहले रख देते तो शायद जवाब आ जाता।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, कैग की रिपोर्ट के बारे में ऑफिशियली सबको सारा पता है कि क्या–क्या ऑब्जैक्शन कहां लिखे हैं। हमारे लैप्सिज कहां–कहां हैं? कहां–कहां हमारी वीकनैस है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप दो दिन पहले जब बोले थे उसमें कैग की रिपोर्ट के बारे में भी बोल देते तो उसका जवाब भी आ जाता। अब आप पुट अप करोगे तो उसका जवाब एकदम से थोड़े आएगा।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, मैं कैग की रिपोर्ट दे दूंगा लेकिन आप वाहवाही लूटते रहोगो तो कहां जाओगे। सरकार दूसरा पक्ष भी तो रखे, जो कमियों रह गई हैं उन पर भी तो अपना पक्ष रखे। दूसरा पक्ष कमियों का हैं, अगर कमियों को छुपाया जाएगा तो कौन सफर करेगा। डेमोक्रेसी में पब्लिक सफर करेगी। सवाल तो पब्लिक का है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, पहले आप एक मिनट मेरी बात सुनिए।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, सरकार पब्लिक में जाकर देखे, वहां त्राहिमाम–त्राहिमाम हो रही है, बेरोजगारी है, गरीबी है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, ये समय भाषण देने के लिए नहीं है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को कहना चाहूंगा कि वे मुझे डाटा लाकर देंगे तो मैं उसका जवाब दे दूंगा। अगर इससे पहले माननीय सदस्य मुझे डाटा देते तो उन्हें जवाब दे दिया जाता। अगर माननीय सदस्य मुझे अब भी डाटा दे देंगे तो उनको उसका जवाब मिल जाएगा। माननीय सदस्य ने पहले तीन दिन बोल लिया। अगर पहले मुझे डाटा दे देते तो जवाब मिल जाता।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, मैंने तीन दिन का समय बजट पर चर्चा के लिए दिया था। अगर उसमें आप ये बात रख देते तो शायद उसका जवाब आ जाता। अगर आप इसे अब दोगे तो उसका जवाब अभी थोड़े ही आ जाएगा उसके लिए कुछ समय तो लगेगा ही।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, कोई जवाब तो आता ही नहीं है। मैंने अपने हल्के की मांग रखी थी क्या उसका कोई जवाब आया है ?

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आपको जवाब दिया तो जा रहा है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, कोई जवाब तो आता ही नहीं है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, जवाब दिया जा रहा है।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, जवाब बजट का है जीरो आवर का नहीं है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, यह मांग पत्र का जवाब नहीं है। बजट के अन्दर जो एड किया गया है या कम किया गया है उसका जवाब दिया जा रहा है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, आप कह रहे हैं कि गवर्नमैंट नोटिस लेती है।

श्री अध्यक्षः नहीं, कादियान साहब, मैं यह कह रहा हूं कि अगर आपका प्रश्न समय से मिलता तो शायद आपको जवाब मिल जाता। अगर आप अभी सवाल पूछोगे तो इसी टाइम जवाब कहां से आ जाएगा।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, इनका तो ये हाल है कि जो चाहे वह बोल दो। यानी एक बार गली से आवाज आई कि सौ रुपये में पूरा परिवार जिंदगी भर बैठकर के खाइए। गली से आवाज आई कि सौ रुपये में पूरा परिवार जिंदगी भर बैठकर खाइए। ये आवाज आई। बाहर निकलकर देखा तो चटाई बेचने वाला था। माननीय सदस्य जो कुछ बोलते हैं उसके अन्दर तो कुछ नहीं है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, ऐसा नहीं है जो बातें कहीं गई हैं उनमें सजैशंज भी आये हैं। ऐसी कोई बात नहीं है कि इधर से सारी बातें डिस्ट्रक्टिव ही आई हैं। इसलिए इन बातों का भी उल्लेख किया जाए।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, सारी बातें डिस्ट्रक्टिव नहीं है। मैं सभी बातों का उल्लेख कर रहा हूं आप सुन तो लीजिए। आपको जल्दी तो नहीं है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, मैंने यहां बैठे–बैठे सभी माननीय सदस्यों को सुना है।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप सुन तो लीजिए। अब जवाब दे रहे हैं तो आप जवाब तो सुन लीजिए। उसके बाद बोल लेना।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, मैं कैग की रिपोर्ट टेबल कर देता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है। कादियान साहब, आप रिपोर्ट को टेबल कर दीजिए।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य रिपोर्ट को टेबल करे दें नहीं तो फिर थोड़ी देर बाद में कहेंगे, मैं यह रिपोर्ट नहीं दूंगा।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, कैग की रिपोर्ट ऑलरेडी हाऊस में टेबल हो रखी है। अगर आपको इसे दोबारा से टेबल करना है तो इसे दोबारा टेबल कर दीजिए।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष जी, क्या मुझे इस रिपोर्ट की फोटो कॉपी मिल जाएगी।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आपको इसकी फोटो कॉपी यहीं थोड़ी देर बाद मिल जाएगी।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष जी, इसकी फोटो कॉपी करवाकर सेक्रेटरी, फाइनेंस को देनी है। अब इसके लिए माननीय सदस्य मना न करें। अध्यक्ष महोदय, इनका तो पता ही नहीं चलता है कि किस चीज में अच्छा मान जायें और किस चीज में बुरा मान जायें। धर्म की शिक्षा अगर लोमड़ी से ली जाये तो मुर्गी चुराना भी पूण्य का काम माना जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि इनकी दुकान तो इन्हीं बातों से चलती है और कभी शायरी करने लग जाते हैं। मैं तो यही कहना चाहता हूं कि धरातल पर काम करके दिखायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, आप जवाब के बीच में इंटरफियर न करें। मुख्यमंत्री जी को बजट स्पीचिज का जवाब देने दीजिए।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरी सब्मिशन यह है कि इसमें गवर्नर ऐड्रस, बजट और उनके रिप्लाई में कोई दशा और दिशा नहीं है। सरकार का कोई भी मंत्री तथा मुख्यमंत्री आज गांवों में नहीं जा पाता है। आप पिछले 5 साल का रिकॉर्ड देख लीजिए। झज्जर जिले में तो कोई मंत्री नहीं गया है और जनता त्राही–त्राही कर रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, गांवों में मैं भी जाता हूं और हमारे मंत्री भी जाते हैं। कादियान साहब का यह कथन सही नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल): अध्यक्ष महोदय, मैं तो विधान सभा के सत्र के दौरान भी गांवों में प्रोग्राम करके आया हूं। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री जय प्रकाश दलाल): अध्यक्ष महोदय, हम तो गांवों में ही रहने वाले लोग हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, **

श्री अध्यक्षः डॉ. कादियान बिना मेरी अनुमति के जो भी बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाये। यह कोई स्पीच देने का समय नहीं है। आप सभी अपनी सीटों पर बैठ जायें और मुख्यमंत्री जी को अपना रिप्लाई देने दीजिए।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, यहां पर जो–जो प्वायंट उठाये गये हैं उन सभी का मैं जवाब दे रहा हूं और खास कर जो बजट से जुड़े हुए विषय हैं उनका तो सभी का जवाब दे रहा हूं। जो डिमांड्स के तथा कांस्टीच्युंसी के विषय हैं वे सभी विभागों को भेज दिये गये हैं। जो भी काम होने वाले होंगे वे सारे होंगे इसलिए उनकी चिन्ता न की जाये।

विधान सभा का दायित्व पूरी स्टेट के बजट को डिस्कस करना है। यहां पर एक बात जी.एस.टी. और डेबिट लायबिलिटी के अनुपात के बारे में कही गई है। जी.एस.टी. हमारा टैक्स कलैक्शन का एक सिस्टम है और डेबिट लायबिलिटी को उसके साथ जोड़ेंगे तो उसका कोई औचित्य नहीं बनता है। उसका कारण यह है कि जो जी.एस.डी.पी. और जी.एस.टी. होती है वह यह होती है कि हमारी स्टेट में कुल कितना प्रोडक्शन हुआ है और उस प्रोडक्शन की टोटल वैल्यू क्या बनती है और टोटल वैल्यू को आबादी से डिवाइड कर दें तो वह जी.एस.डी.पी. आ जाती है। इसमें जो टैक्स रेवेन्यू है या डेबिट लायबिलिटी है वह हमारे बजट का हिस्सा है। अगर बजट की इन्कम ज्यादा है तो हमारी लायबिलिटी कम हो जायेगी और खर्चा ज्यादा है तो हमारी लायबिलिटी बढ़ जायेगी लेकिन जी.एस.डी.पी. के साथ टैक्स का कोई रेशो नहीं बनता है। उसमें बहुत से प्रोडक्ट ऐसे होते हैं जिस पर हमें कोई टैक्स नहीं मिलता है। उदाहरण के लिए कृषि उत्पादन को ही ले लीजिए। हमारे यहां पर जितना धान या गेहूं पैदा होगा या कुछ और फसल पैदा होगी तो उस पर तो राज्य सरकार को कोई रेवेन्यू नहीं मिलता है। पैदावार अधिक होगी तो जी.एस.डी.पी. तो बढ़ जायेगा लेकिन उससे हमारे रेवेन्यू या टैक्स रेवेन्यू रिसीट्स घट रही है या बढ़ रही है उसका उससे कोई सम्बन्ध नहीं है। यह बात सही है कि हमारा जी.एस.डी.पी. लगातार बढ़ रहा है। आज 10 लाख करोड़ रुपये के आसपास हमारा जी.एस.डी.पी. हो गया है। वह जो जी.एस.डी.पी. बढ़ा है वह हमें एक फैसिलिटी देता है कि हम अपनी स्टेट के विकास के लिए कितना लोन ले सकते हैं। हम कितना बोरो कर सकते हैं उसकी एक लिमिट है। पहले इसकी लिमिट 25 प्रतिशत होती थी लेकिन कोविड की वजह से इसकी लिमिट 33 प्रतिशत कर दी गई है। 33 प्रतिशत होने के बावजूद भी हम आज 26–27 प्रतिशत के आसपास ही हैं। इसकी डिटेल मैं बता दूंगा।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सरकार की ट्रसरी सैक्टर की रेवेन्यू रिसीट्स कम हो रही हैं इसलिए आपको लोंग रन में महंगाई फेस करनी पड़ेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कादियान साहब को कहना चाहूंगा कि इस बारे में सभी की अलग–अलग राय हो सकती है लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि हमारी ट्रसरी की रिसीट्स बढ़ी हैं, सैकेंड्री सैक्टर की रिसीट्स उससे कम बढ़ी हैं और प्राइमरी सैक्टर की रिसीट्स कम हुई हैं। लगातार यही ट्रेंड चल रहा है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आप इसका पिछला रिकॉर्ड उठा कर देख लीजिए ट्रसरी सैक्टर की रिसीट्स घटी हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को इस बारे में बता दूंगा। एक विषय श्री वरूण चौधरी जी ने उठाया था कि जो पड़ोस के राज्य हैं उनकी तुलना में हमें केन्द्र से कम मदद क्यों मिलती है। इस बारे में मेरा कहना यह है कि इस बारे में सैंट्रल फाइनेंस कमीशन के अपने फार्मूले हैं। हम उसमें जा कर जबरदस्ती मदद ले सकते हैं ऐसा नहीं है, उनका अपना एक सिस्टम है। उसमें एक सिस्टम ऐसा है शायद वह हमें अच्छा न लगे कि the more progressive State is, the lesser grant will come from the Centre. यह उनका फार्मूला है कि जो जितने पिछड़े स्टेट्स हैं उनको अधिक मिलेगा। पहाड़ी राज्यों को ज्यादा मिलेगा और यहां तक कि हमसे प्रतिशत के हिसाब से राजस्थान को भी ज्यादा मिलेगा। हमारे यहां जी.एस.डी.पी. सबसे ज्यादा है और हमारी परकैपिटा इन्कम भी सबसे ज्यादा है तथा हमारी एस.ओ.टी.आर. भी ज्यादा है। ये सभी आंकड़े उनके पास भी होते हैं। अब या तो सैन्ट्रल ऐड लेने के लिए अपनी प्रोग्रैस रोक दें या फिर हम अपनी प्रोग्रैस जितनी बढ़ती है बढ़ाते रहें और इस फार्मूले से जितनी सैंट्रल ऐड मिलेगी

उतनी ले लेंगे। यह प्रोपोसनेटली नहीं मिलती है बल्कि यह केन्द्रीय सहायता का एक नियम है।

श्री वरूण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, हम वर्ष 2023–24 के लिए 84 हजार करोड़ रुपये का लोन ले रहे हैं और हम कह रहे हैं कि हमारा वित्तीय प्रबंधन बहुत अच्छा है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य से कहना चाहता हूं कि 84 हजार करोड़ रुपये की सुविधा हमें मिली है इसलिए हम ले रहे हैं। अगर आज हम इसको रोकेंगे तो हमारे प्रदेश में जो काम चल रहे हैं वे काम रुकेंगे। एक आदर्श स्टेट वही है जो एक लिमिट के अन्दर डैट लेती है। अगर कोई स्टेट लिमिट से बाहर जाती है उसको हम नैगेटिव कह सकते हैं। जैसा मैंने पहले बताया है कि 33 प्रतिशत की हमारी लिमिट है और हम 25–26 प्रतिशत पर हैं। आज आप पंजाब को देख लीजिए पंजाब 48 प्रतिशत पर गया हुआ है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, हमें अपने टैक्स स्ट्रक्चर को मजबूत करना चाहिए। मैं इसका एक उदाहरण बताना चाहता हूं। सोनीपत में माईन्ज हैं और उनका लाइसैंस दिया हुआ है। वह जो लाइसैंसी है वह लाइसैंस फीस जमा नहीं करवा रहा है। विभाग ने 3 बार उसका लाइसैंस कैंसिल कर दिया है और उसकी 100 करोड़ से ऊपर की लाइसेंस फीस बकाया है। मैं ऑन दा फ्लोर ऑफ दा हाउस बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि वहां पर आज भी माईनिंग चल रही है। आप ऑन दा स्पोट जा कर देख सकते हैं। विभाग उनके लाइसैंस रद्द कर चुका है लेकिन फिर भी वहां पर माईनिंग हो रही है और उनका सैंकड़ों करोड़ रुपया बकाया भी है। मेरा कहने का मतलब यह है कि सरकार अपने टैक्स स्ट्रक्चर को मजबूत करे। आपके शराब घोटाले, धान घोटाले तथा माईनिंग इत्यादि में आपका टैक्स चोरी हो रहा है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं कादियान साहब को बताना चाहता हूं कि आप पिछले सालों के आंकड़े उठा कर देख लीजिए कि हमारे एक्साइज के टैक्स का रेवेन्यू कितना बढ़ा है, हमारा माइन्ज के टैक्स का रेवेन्यू कितना बढ़ा है? इनके समय में ऐसा भी होता था कि योजना से माईन्ज को कोर्ट में केस लगवा कर उस पर रोक लगवा दी और इल्लीगल माईनिंग चलती रही। उस इल्लीगल माईनिंग के कारण जब वर्ष 2014 में हमने टेकओवर किया उस समय माईनिंग से साल का 200 करोड़ रुपया भी नहीं आ रहा था आज वह 1000 करोड़ से भी ऊपर आ रहा है।

उप–मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो स्टेट की माईनिंग बंद करवा कर अपनी माईनिंग चलवाई थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत में तीन माईन्ज का 65 करोड़ रुपये बकाया है और इनमें से दो माईन्ज की तो रवानगी जारी है। इनको वर्ष 2022 में नोटिस भी जारी हो चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं मलिक साहब को बताना चाहता हूं कि जिनको नोटिस दिये गये हैं उनको तो हमने बंद किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, उनको बंद नहीं किया गया है, वे आज भी चालू हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य इस बारे में शिकायत दे दें हम उन पर कार्रवाई करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, वे लोग सरकार से ज्यादा पॉवरफुल हैं इसीलिए उन पर कार्रवाई नहीं हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, वे सरकार से पॉवरफुल नहीं हैं। अगर आपके पास कोई केस है तो आप लिख कर दे दीजिए हम कार्रवाई करेंगे। इंडिविजुवल केस पर बजट पर चर्चा नहीं हो सकती है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मैं लिस्ट दे देता हूं सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करे।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, किरण चौधरी जी बैठी नहीं हैं उन्होंने जी.एस.टी. के एवज में जो बैक टू बैक लोन लिया जाता है उसके संबंध में पूछा था। उसमें मेरा यह कहना है कि जब जी.एस.टी. लागू हुआ था उस समय एक प्रावधान किया गया था कि अगर इससे 14 प्रतिशत की वृद्धि नहीं होती है तो उसमें जितना कम रहेगा उसकी कम्पनसेशन सैंट्रल गवर्नमैंट करेगी। सैंट्रल गवर्नमैंट ने उसका कम्पनसेशन दिया लेकिन आखिरी सालों में आकर उनके पास इतना पैसा नहीं था क्योंकि यह लोन पांच साल से चालू था और पांच साल के बाद यह लोन बंद होना था। बंद होने के बाद भी वह कम्पनसेशन का पैसा नहीं दिया गया था। जी.एस.टी. काउंसिल ने उसका निर्णय किया कि एक सैस लगाया जाए और उस सैस में से यह पैसा प्रदेश सरकारों को दिया जाए। यह सैस लगाने के बाद एक निर्णय आया कि अब इसको तुरंत रिकवर कहां से करें। तब जी. एस.टी काउंसिल ने यह फैसला किया कि एक लोन लिया जाएगा और उस लोन में जितना गैप है उस गैप के आधार पर उसका इंट्रस्ट सैंट्रल गवर्नमैंट देगी और उस लोन के पैसे की भरपाई सैंट्रल गवर्नमैंट उस सैस में से ही करेगी लेकिन बुक्स में वह लोन स्टेट के नाम रहेगा। उसमें स्टेट का नाम लिया जाएगा लेकिन बाद में सैंट्रल गवर्नमैंट सैस में से ही उसकी भरपाई करेगी। इस नाते से बैक टू बैक लोन का विषय इतना ही है कि सारा पैसा जितना 14 प्रतिशत के हिसाब से हमें आना है वह पूरे का पूरा पैसा आएगा और जितना बकाया है उसको बैक टू बैक लोन रखा गया है। इसके अन्दर हमारा और कोई

ऐसा विषय नहीं है। आंकड़ों के अन्दर सभी जगह का यही प्रावधान है और इसका बजट की गणना में प्रावधान किया गया है। एक विषय पैंशन का था अर्थात् ओ.पी.एस. का विषय था। हमारे बतरा जी, यहां बैठे हुए हैं। बतरा जी ने जो विषय कल यहां सदन में उठाया था, उसमें इन्होंने यह कहा था कि 13 हजार करोड़ रुपये का बजट एस्टीमेट है। यह बिल्कुल ठीक है। उसके बाद इन्होंने कहा कि सुपरान्येुशन और रिटायरमैंट अलाउंसिज 7500 करोड़ रुपया है। अब जो यह 7500 करोड़ रुपया है उसको यह कहें कि यह पैंशन नहीं है तो यह ठीक नहीं है। मेरा कहना यह है कि अगर आप ध्यान करें तो यह पैंशन ही है। जो ओ.पी.एस. है, जो हम पैंशन देते हैं उसका नाम सुपरान्येुशन एण्ड रिटायरमैंट अलाउंसिज ही है। यह पैंशन का ही हिस्सा है। पैंशन का दूसरा हिस्सा होता है कॉम्यूटिड वैल्यू ऑफ पैंशन । जो कॉम्यूटिड वैल्यू है वह भी 1100 करोड़ रुपया है। इसी प्रकार जिसको बतरा जी ने केवल पैंशन कहा है कि वह पैंशन है। वहीं एक तीसरा पार्ट है फैमिली पैंशन। केवल फैमिली पैंशन को पैंशन नहीं मानना है। Family pension is one of the part of the pension. पिछले तीनों पार्टस को मिलाकर के यह पैंशन लगभग 10 हजार करोड़ रुपये बनती है। इसमें उन्होंने जो अगला विषय बोला है वह न्यू पैंशन स्कीम के बारे में बोला है कि वह 2225 करोड़ है। वह 2225 करोड़ नहीं है, वह आंकड़ा 1225 करोड़ है क्योंकि आपने कहा कि फैमिली पैंशन 1375 करोड़ है और 2225 करोड़ बोलकर आप कह रहे हैं कि 50 करोड़ का ही अन्तर रह गया है। अतः 50 करोड़ का अन्तर तब रहेगा जब आप 1225 करोड़ बोलेंगे तो 1225 करोड़ न्यू पैंशन है और पुरानी पैंशन में अभी भी 10 हजार करोड़ रुपये जा रहा है। अब यह 10 हजार करोड़ रुपया लगातार आगे जैसे–जैसे पुरानी पैंशन स्कीम के कर्मचारी कम होते जाएंगे तो वह घटता जाएगा। जैसे–जैसे टाईम जाता जाएगा उसमें फैमिली पैंशन भी कम होती जाएगी। उसी के अन्दर कॉम्यूटिड वैल्यू ऑफ पैंशन भी कम होती जाएगी और साथ–साथ जो नये कर्मचारी आते जाएंगे उनकी न्यू पैंशन बढती चली जाएगी और न्यू पैंशन बढ़ने के बाद सैंट्रल गवर्नमैंट में जो एक कमेटी

बनी थी जिसने सैंट्रल गवर्नमैंट की जो एक लायब्लिटी बताई थी उसमें आंकड़े तो सैंट्रल गवर्नमैंट के हैं लेकिन टाईमिंग बड़ी महत्वपूर्ण है। वे टाईमिंग जैसे वहां लागू होंगी वैसे ही यहां लागू होंगी। सैंट्रल गवर्नमैंट में जब भी न्यू पैंशन शुरू हुई उसके बाद अगर केवल पुरानी पैंशन रहती और न्यू पैंशन न होती तो उनके ऊपर 48 करोड़ रुपये का एक्स्ट्रा बर्डन न होता जो पहले साल से शुरू हुआ था और अब वर्ष 2022 में सैंट्रल गवर्नमैंट का 2888 करोड़ रुपया अर्थात् 3000 करोड़ रूपये का एक्स्ट्रा बर्डन है। अभी यह एक्स्ट्रा बर्डन 2888 करोड़ रुपया है और उससे पिछले साल वर्ष 2021–22 में 2938 करोड़ रुपया एक्स्ट्रा बर्डन था। अब पिछले साल से उन्होंने एक्स्ट्रा बर्डन कम दिखाया है। जैसे एवरेज बेस होता है। उन्होंने आगे के लिए प्रोजैक्शन दी है कि यह एक्स्ट्रा बर्डन कम होकर के वर्ष 2037–38 में जीरो हो जाएगा। यानि उस समय कोई एक्स्ट्रा बर्डन नहीं होगा। जितनी पुरानी पैंशन हैं वे पुरानी पैंशन में जाएंगी। न्यू पैंशन स्कीम के कारण से जितनी पुरानी पैंशन में बचत होगी वह न्यू पैंशन में जाएगी। कुल मिलाकर ऐसा एक्स्ट्रा बर्डन कोई नहीं होगा और उसके बाद जो अब लोस हो रहा है, यह लोस वर्ष 2037–38 में जाकर पूरा होना शुरू होगा। 196 करोड़ रूपये से बढ़ते–बढ़ते, वर्ष 2062–63 तक 44 हजार करोड़ रूपये का बेनिफिट हो जायेगा। जो अब इस समय नुकसान हो रहा है, यह उस समय फायदा होगा। अब यह केवल इसलिए लागू किया गया है कि आज की जो हमारी वर्क फोर्स है, उस वर्क फोर्स में काम करने वालों को जो भी लाभ मिलने हैं या जो भी सेलरी आज मिलती है, उसके दृष्टिगत उनके लिए, उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए भी आज ही रिजर्व कर ली जाये। अगर ऐसा नहीं होगा तो हम कहीं न कहीं बंध जायेंगे और बंधने के बाद जो आज की हमारी वर्क फोर्स है, जैसे–जैसे यह बढ़ती चली जायेगी, क्योंकि आगे आवश्यकता बढ़ेगी, वर्क फोर्स भी बढ़ेगी और साथ साथ सैलरी भी बढ़ेगी, सैलरी बढ़ेगी तो साथ–साथ पैंशन का बर्डन भी बढ़ेगा तो जितना काम बढ़ेगा, उस नाते से जो आज का काम है, इस वजह से जो हमारी अगली पीढ़ी होगी, उसको लायबिलिटी बैठेगी। हमको कोई अधिकार नहीं है

कि जिनसे हम आज काम ले रहे हैं, जोकि 25–30 साल बाद रिटायर होंगे, उनकी पैंशन का बोझ अगली पीढ़ी के लिए छोड़कर जायें। अध्यक्ष महोदय, जब ये रिटायर हों, उस समय इनको आज का जमा किया हुआ पैसा मिल जाये, उसके लिए एक फार्मूला बनाया गया है। यह भी सारी की सारी इंवैस्टमैंट ही होती है। अब इसके अंदर कुछ आलोचनायें भी हैं जैसे कि इंवैस्टमैंट से पता नहीं कितना रिटर्न मिलेगा या फिर मिलेगा भी नहीं या इंवैस्टमैंट कहां होगी और कौन सी संस्था में होगी। अध्यक्ष महोदय, इस तरह की चीजों में सुधार के लिए भी लगातार सुझाव आते रहते हैं और मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इस तरह के प्रावधान तो हमारे यहां वर्ष 2009 में ही शुरू हो गए थे। वर्ष 2006 में नए एम्पलाइज आने शुरू हो गए थे लेकिन वर्ष 2009 में पहली बार उनका हिसाब न्यू पैंशन स्कीम की एडजस्टमैंट में शुरू हुआ था। अध्यक्ष महोदय, पावर डिपार्टमैंट ने अपने यहां पर यह प्रावधान वर्ष 2000 में ही अर्थात् हमारे से 9 साल पहले ही शुरू कर दिया था और उनके यहां पर जो कर्मचारी लगे हुए हैं, वे तो आज रिटायरमैंट की स्टेज पर आने लग गए हैं। आज इस बात को हुए 23 साल हो गए है तो हम सब जानते हैं कि सर्विस में 23, 25 या 30 साल के बाद लोग रिटायर होना शुरू हो जाते हैं, इसलिए जो इस स्कीम के लागू होने से पहले के एम्पलाईज हैं, उनको तो पुरानी स्कीम का लाभ बराबर मिल ही रहा है। वे इंवैस्टमैंट भी अपने हिसाब से ही करते हैं। वहां कोई न्यू पैंशन नहीं चल रही है लेकिन जब से यह स्कीम शुरू हुई है, उसके बाद से आज देश भर के ज्यादातर प्रांतों में न्यू पैंशन स्कीम लागू हो चुकी है। कुछ प्रांतों में जो कुछ हुआ है, उसके राजनीतिक कारण भी कहे जा सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतराः अध्यक्ष महोदय, कर्मचारी मांग तो फैमिली पैंशन ही रहे हैं। They are demanding family pension. 1200 करोड़ की ग्रेज्युटी तो आपको इन्हें देनी ही देनी होगी। 6 हजार करोड़ रूपये आपका साल का खर्चा है। आप एन.पी.एस. में नैशनल पॉलिसी के अंदर 1225 करोड़ रूपये जमा करवा रहे हैं, मैं उस बात को छोड़ देता हूँ। जैसे न्यू

पालिसी और ओल्ड पालिसी की बात है, 1275 करोड़ रूपया फैमिली पैंशन में, जिस दिन वे रिटायर होंगे तो जो यह पैसे आप देते हैं that is counted ‘family pension’.

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, बतरा जी जो फैमिली पैंशन की बात कह रहे हैं, उसके संदर्भ में मैं बताना चाहूंगा कि वास्तव में वे न्यू पैंशन स्कीम की जगह ओल्ड पैंशन स्कीम में आना चाहते हैं। आप जो बात कर रहे हैं ये सभी सुविधायें तो ओल्ड पैंशन स्कीम वालों को मिल रही हैं। न्यू पैशन वालों को यह नहीं मिलना है।

श्री भारत भूषण बतराः स्पीकर सर, यही 1275 करोड़ रूपये ही तो वे लोग मांग रहे हैं। सुपरान्युेशन के तथा दूसरे जो ड्यूज बनते हैं, वे तो आपको देने ही देने पड़ेगे और उनकी ग्रेच्युटी 1300 करोड़ रूपये बनती है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी इस मांग के अलावा और भी कईं चीजें हैं। जो हमको देना है वह तो हमें देना ही है लेकिन इनकी कुछ और डिमांड भी हैं। जो पैसा जी. पी.एफ. में जमा है, वह तो उनका ही है। वह आज इसमें जो पैसा जमा करायेंगे या जब तक करायेंगे, वह पैसा तो इनको मिलेगा ही। जहां तक ग्रेच्यूटी की बात है, चाहे न्यू है या ओल्ड है, उनको जायेगी ही जायेगी। अब तीन विषय रह गए अर्थात् फैमिली पैंशन, सुपरान्युेशन और कम्यूटिड वैल्यू पैंशन।

श्री भारत भूषण बतराः अध्यक्ष महोदय, अगर कोई पैंशन कम्यूट नहीं करवायेगा तो यह अलग बात है लेकिन अगर कोई कम्यूट करवायेगा तो वह पैसा तो सरकार को देना ही पड़ेगा ?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, कम्युट वाली स्टेज तभी आयेगी जब कर्मचारी की सुपरान्युेशन होने के बाद रिटायरमैंट होगी और ये चीजें उनकी हैं ही नहीं। आपको यह बात भी याद रखनी चाहिए कि एन.पी.सी में सरकार 14 परसैंट शेयर भी तो जमा करवा रही है। वह कोई ऐसे थोड़े ही करा रही है।

श्री भारत भूषण बतराः अध्यक्ष महोदय, आपके बजट का टोटल पैसा अर्थात् .69 परसैंट ही टोटल पैंशन का बनता है। इससे ज्यादा नहीं बनता है। आप यदि एम्पलाईज को यह नहीं देना चाहते हैं तो यह आपकी मर्जी है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि यही गलत आंकड़े हैं जिनके द्वारा लोगों को बरगलाया जाता है। आंकड़े ये हैं कि आज 10000 करोड़ रूपया जो है, वह साल का न्यू पैंशन स्कीम में जाने वाला है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, इस विषय को बहुत समय हो गया है। अब मेरी भी बात सुनी जाये। हमारे यहां सोनीपत में माईनिंग का लाइसैंस दिया हुआ है लेकिन माईनिंग फीस जमा नहीं करवाई जा रही है और 200 करोड़ रूपये से उपर यह फीस बनती है। यह केस चार–पांच बार मुख्यमंत्री महोदय के पास ई–मेल से भी भेजा जा चुका हैं और यही नहीं डी.जी. विजिलेंस तथा एस.पी. सोनीपत को भी यह केस भेजा जा चुका है। जब माइनिंग फीस जमा नहीं हो रही है तो माईनिंग बंद होनी चाहिए। इस प्रकरण में 16.12.2022 का भी नोटिस है और लास्ट नोटिस 18.12.2022 का भी है और अन्य नोटिसिज भी हैं। अध्यक्ष महोदय, ये माइनिंग आज भी चल रही हैं और यह सिर्फ सोनीपत का मामला नहीं है। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि आखिरकार इनको कौन चला रहा है ? जो लोग इनको चला रहे हैं, इनके फोटो व दूसरे डाक्यूमैंट्स भी मेरे पास हैं। मैं इनको माईनिंग मिनिस्टर को दे रहा हूँ और मांग करता हूँ कि इसकी इंक्वायरी करने का काम किया जाये।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह रनिंग केस है लेकिन चूंकि माननीय सदस्य ने यह बात सदन में उठाई है तो हम इसका भी पता कर लेंगे। हम इनकी इंक्वायरी भी कराने का काम करेंगे और इंक्वायरी में अगर कुछ निकलता है तो माइनिंग बंद करने का भी काम करेंगे। अध्यक्ष महोदय, एक विषय बी.पी.एल. का आया था, उसके बारे में मैंने बता

दिया है कि हमने बी.पी.एल. का लैवल बढ़ाया है अर्थात् उसके लिए 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय तय की है। यदि इस राशि को नहीं बढ़ाते और पुरानी ही चलती रहती तो बी.पी.एल. परिवार 14–15 लाख ही रह जाते। 15 लाख परिवार का मतलब यह है कि कुल 5वां हिस्सा यानि 20 परसैंट ही होता। अब इसमें 34 लाख परिवार का मतलब है कि 49 परसैंट लोग बी.पी.एल. परिवारों में आये हैं। हमारी सरकार का टारगैट है कि जो गरीब परिवार हैं उनको हर प्रकार की सुविधाएं मिलें। ऐसा भी नहीं है कि यदि एक बार बी.पी.एल. कार्ड बन गया तो उसकी 10 साल तक चिंता खत्म हो जायेगी। हम इस ऑनलाइन सिस्टम को कंटीन्यू अप–टू–डेट करते रहेंगे। जितने परिवार बी.पी.एल. की लिस्ट में जुड़ेंगे उनको जोड़ेंगे और जितने बाहर निकलेंगे वे इस लिस्ट से बाहर जायेंगे। सरकार की प्राथमिकता उनको बी.पी.एल. लिस्ट में जोड़े रखने की नहीं है बल्कि उन परिवारों की इंकम बढ़ाकर के बी.पी.एल. लिस्ट से बाहर करने की है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, जो इंकम का क्राइटेरिया है, वह एक सॉलिड क्राइटेरिया होना चाहिये। इसमें संबंधित तहसीलदार या एस.डी.एम. तसदीक करें कि इस परिवार की इतनी इंकम है। मुझे एक मजदूर मिला था और वह मजदूर अपना बिजली का बिल 9 हजार रुपये का लिये हुए था। उसका छोटा परिवार है और उसके घर में एक पंखा और एक–दो बल्ब ही जलते हैं। उसका साल का बिल 9 हजार रुपये आ गया। साल के 9 हजार रुपये के बिजली के बिल के ऊपर उसका बी.पी.एल. कार्ड काट दिया। आदमी और उसकी घरवाली दोनों मनरेगा के मजदूर हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता सदन को इस संबंध में एक सॉलिड क्राइटेरिया बनाने का आश्वासन जरूर दें।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो यह है कि 9 हजार रुपये वाला हमारा विषय नहीं है। यह कानपुर यूनिवर्सिटी के रिसर्च सैंटर ने एक फॉर्मूला निकाला हुआ है कि बिजली का जो डोमैस्टिक बिल है वह इंकम का 5 परसैंट होता है। अब 5 परसैंट के

कारण से ही 9 हजार रुपये के हिसाब से वार्षिक 1.80 लाख रुपये इंकम है। अध्यक्ष महोदय, 9 हजार रूपये उसका बिल है तो इंकम 1.80 लाख रुपये है।

श्री भारत भूषण बतराः अध्यक्ष महोदय, एक्च्युअल में उसकी इंकम कितनी है, इस बात का सर्वे होना चाहिये। यदि किसी कारण से या उसके बच्चों की पढ़ाई के कारण एक बार बिजली का बिल ज्यादा आ गया तो इससे उसकी इंकम का हिसाब नहीं लगता है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, यदि मुझे कोई काम हो गया और बैंक से 10–15 हजार रुपये विदड्रा कर लिये, उस स्टेज पर भी बी.पी.एल. कार्ड कट जाता है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, बैंक से विदड्रॉल अलग बात है और बिजली का बिल अलग बात है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास इसका रिकॉर्ड है। सरकार को इस संबंध में कोई क्राइटेरिया तो बनाना चाहिये। यह तो गरीब आदमी के साथ ज्यादती हो रही है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, डिपार्टमैंट के पास इसका क्राइटेरिया बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, फिर भी हम इसका एक बार अध्ययन करवा लेते हैं। अगर बिजली का बिल 9 हजार रुपये वार्षिक वाले में थोड़ी सीमा बढ़ानी पड़े तो उस पर विचार करेंगे। अध्यक्ष महोदय, लगभग सभी माननीय सदस्यों ने एक विषय सदन में रखा है, इसलिए उनके आग्रह पर सदन में 'विधायक आदर्श ग्राम योजना' के अन्तर्गत 2 करोड़ रुपये के संबंध में मैं घोषणा करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, ऐसे भी विधायक हैं जिनका क्षेत्र केवल शहरी ही लगता है और कुछ माननीय सदस्यगण ऐसे हैं जिनका क्षेत्र ग्रामीण और शहरी दोनों लगता है। मैं अब इस संबंध में घोषणा करता हूँ कि विधायक अपने दो करोड़ रुपये की ग्रांट यदि उनका क्षेत्र ग्रामीण और शहरी लगता है तो वे इस राशि को दोनों क्षेत्रों में खर्च कर सकते हैं और जिनका शहरी क्षेत्र लगता है तो वे शहरी क्षेत्र में और यदि उनका ग्रामीण क्षेत्र लगता है तो वे ग्रामीण क्षेत्र में खर्च कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब यह 'विधायक

आदर्श ग्राम योजना' की जगह 'विधायक आदर्श नगर एवं ग्राम योजना' होगी। (इस समय मेजें थपथपाई गईं) अध्यक्ष महोदय, इसका नोडल अधिकारी डॉयरेक्टर पंचायत रहेगा। यदि शहर की डिमाण्ड आयेगी तो वह अपने आप शहरी डॉयक्टोरेट को चली जायेगी।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सदन के नेता से अनुरोध है कि इस संबंध में इसकी राशि को भी बढ़ाया जाये।

श्री वरूण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, इस योजना में यह किया हुआ है कि जब तक दो करोड़ रुपये की 'वेगी' में 90 परसेंट यू.सीज. नहीं आ जायेंगे तब तक आगे ग्रांट नहीं दी जायेगी। यू.सीज. विधायकों ने तो देने नहीं और न ही गांव की जनता ने देने हैं, ऐसे में विधायकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले हरियाणा वासियों के लिए करवाये जाने वाले विकास कार्य क्यों रोके जाएं ?

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को कहना चाहता हूं कि 2 करोड़ रुपये इतनी बड़ी अमाउंट तो होती नहीं है कि उसको साल में थोड़ा–थोड़ा करके अलग–अलग देंगे । अगर यू.सी. नहीं देते हैं तो फिर कार्यवाही होगी ।

श्री वरूण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि यू.सी. के लिए काम को तो न रोकें । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, यू.सी. तो हम लेंगे ही ।

श्री वरूण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मान लीजिए अधिकारी यू.सी. 2 साल बाद बनाएंगे तो क्या होगा ?

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर अधिकारी समय पर यू.सी. नहीं देंगे तो इस कार्य को हम देखेंगे । ऐसा है कि अधिकारी समय पर यू.सी. क्यों नहीं देंगे ? अगर किसी माननीय सदस्य का बताया हुआ काम नॉन–फिजिबल होगा तो उनके पास इससे संबंधित पत्र भेजा जाएगा कि आपका यह काम होने वाला नहीं है । अगर वह काम होने वाला होगा तो उसको टाईम पर करना ही पड़ेगा । हम उसका टाईम तय कर देंगे ।

श्री जोगी राम सिहाग : अध्यक्ष महोदय, मैंने 'वैगी' से एक लाइब्रेरी बनवाई थी । उनकी इंक्वायरी करवा दी लेकिन वह इंक्वायरी पूरी नहीं हुई । वह काम पूरा हो चुका है । उसमें कुछ दिक्कतें आई थी । मेरा कहना है कि अब उसका यू.सी. कैसे आएगा ?

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर कोई व्यक्ति गलत काम करेगा तो उसकी इंक्वायरी तो होगी ही ।

श्री जोगी राम सिहाग : अध्यक्ष महोदय, उसका यू.सी. तो इशू नहीं हुआ ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि यह जिम्मेवारी उसकी है जिसने काम करवाना है । यह जिम्मेवारी माननीय सदस्य की नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री महोदय, इसकी वजह से अगला कार्य नहीं हो पाता है । जब तक हो चुके काम का यू.सी. नहीं आएगा तब तक नैक्स्ट कार्य नहीं हो पाएगा ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य 2 करोड़ रुपये की राशि के काम एक–साथ दे दें, बाकी सब काम करवाना हमारा काम है । अगर माननीय सदस्य 10–10 लाख रुपये की राशि के काम देंगे तो फिर शायद काम रूकें ।

श्री अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री महोदय, काम तो अलग–अलग ही होंगे ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, काम तो अलग–अलग होंगे लेकिन माननीय सदस्य इकट्ठा दे दें बाकी दूसरे काम से उसका कोई संबंध नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) यू.सी. तो जिस एस.डी.ओ. या एक्सियन या अन्य अधिकारी ने देना है वही देगा । अगर वे यू.सी. नहीं देंगे तो उनके खिलाफ कार्यवाही होगी । या फिर वे लिखकर भेजेंगे कि यह काम नॉन–फिजिबल है । बाकी काम क्यों रोकेंगे ? बाकी काम रोकने का कोई कारण नहीं है । (शोर एवं व्यवधान) बाकी काम रूकंगे भी नहीं । अगर माननीय सदस्य कोई 4 काम देंगे तो हर एक काम का अलग–अलग यू.सी. आएगा ।

श्री वरूण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, हमारे पास इससे संबंधित पत्र आया है और उसमें इस बारे में साफ–साफ लिखा हुआ है ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हम उसे बदल देंगे ।

श्री वरूण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, हम उसे बदलने के लिए ही तो कह रहे हैं ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हम उसे बदल देंगे । मेरी इस बात को ए.सी.एस., रूरल डिवैल्पमैंट डिपार्टमैंट सुन रहे हैं । वे इस कार्य को अपने आप करेंगे ।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह बहुत अच्छा फैसला किया है । इसका सभी को बहुत लाभ होगा । यह स्वागत योग्य फैसला है । मेरा कहना है कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय एक छोटी–सी घोषणा और कर दें । कुछ नगरों में खेत हैं । अतः माननीय मुख्यमंत्री महोदय इसे उनमें भी लागू कर दें ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य मुझे अपना सुझाव लिखकर दे दें, हम उस पर विचार कर लेंगे । हम इसे एक बार दिखा लेंगे, उसके बाद कोई फैसला करेंगे । (विघ्न) कोई भी चीज खड़े–खड़े पूरी नहीं होती है । अतः माननीय सदस्य मुझे अपना सुझाव लिखकर दे दें, हम उस पर विचार कर लेंगे ।

श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमें वर्ष 2019–20 में जो वैगी ग्रांट मिली थी उसकी हर एम.एल.ए. की 25 परसैंट राशि होल्ड कर रखी थी कि आपको 50 लाख रुपये सोलर में ही यूज करने पड़ेंगे । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, उसका इसके साथ कोई संबंध नहीं है । मुझे एक और घोषणा करनी है । चौधरी भजन लाल जी हमारे प्रदेश के कई वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे थे । उनके संबंध में एक बहुत छोटी–सी डिमांड आई है । मुझे लगा कि हमको इसे पूरा करने में कोई दिक्कत नहीं है । बालसमंद में जो गर्ल्ज कॉलेज बनेगा उसका नाम चौधरी भजन लाल जी के नाम पर रखा जाएगा । अब मैं माननीय सदस्यों ने जो विषय उठाए थे उनके बारे में जवाब दे रहा हूं । एक माननीय सदस्य ने कहा कि प्रदेश में 4000 प्लेवे स्कूल खोलने की घोषणा वर्ष 2021 में भी की थी और अब फिर वर्ष 2023 में भी कर दी । यह बात ठीक है । मैं बताना चाहता हूं कि वर्ष 2021 में जिन आंगनवाड़ियों को प्लेवे स्कूल में

कंवर्ट करना था उनमें से अधिकांश आंगनवाड़ियों को कंवर्ट कर दिया गया है । मेरा कहना है कि अब प्रदेश में नये 4000 प्लेवे स्कूल खोलने के लिए घोषणा की गई है । अतः वर्ष 2021 की घोषणा के साथ इस घोषणा का कोई संबंध नहीं है । माननीय सदस्या श्रीमती किरण चौधरी ने बाजरे का विषय उठाया था । उनका कहना है कि वर्ष 2022 में हैफेड ने केवल 1169 मीट्रिक टन बाजरा ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा है । मैं बताना चाहता हूं कि हैफेड दो तरह की खरीद करता है । एक तो हैफेड कॉमर्शियल खरीद करता है और दूसरा नैफेड के आधार पर हैफेड खरीद एजेंसी के रूप में काम करता है । नैफेड के आधार पर हैफेड द्वारा 25 परसैंट बाजरा खरीदने का भी एक विषय है ।

....

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 1 घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए ?

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, सदन की बैठक का समय 1 घण्टे के लिए बढ़ाया जाता है ।

....

वर्ष 2023–24 के बजट अनुमानों पर सामान्य चर्चा पुनरारम्भ तथा वित्त मंत्री द्वारा उस पर उत्तर देना (पुनरारम्भ)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंगल–सिंगल माननीय सदस्यों की बातों का जवाब दे रहा हूं। मैं अभी बाजरे के बारे में बता रहा था। माननीय सदस्या ने कहा है कि 11,070 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद की गयी है। इसमें 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत 2 प्रकार से पैसा दिया जाता है। जब इसकी कॉमर्शियल खरीद करते हैं तो बाजार भाव पर ही खरीदते हैं क्योंकि उनको इसका अपने लिए स्वयं यूज करना होता है। फिर उनको जितना 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत पैसा देना होता है, वह उनको अलग से चला

जाता है। लेकिन जो सरकार की ओर से नहीं नैफेड की ओर से खरीदते हैं, हम उसके लिए हैफेड को 450 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पहले दे देते हैं। इस प्रकार से यह 450 रुपये मिलाकर किसानों का 2350 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा खरीदा जाता है। इस प्रकार 2350 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से जो पर्चियां कटी हैं, वे 11,000 क्विंटल की कटी हैं। बाकी जो 69,000 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया है, उसमें किसान के खाते में 450 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसे गये हैं। इसलिए इसमें कहीं पर कोई समस्या नहीं है। इसके अतिरिक्त हमने किसानों को एक और लाभ दिया है कि ऑन एवरेज बेसिज पर अगर कोई किसान अपना बाजरा नहीं बेचता है और उसकी घर में ही कंजम्पशन होती है क्योंकि बहुत से परिवार अपना बाजरा साल भर यूज करते हैं, उनके खाते में भी 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत 450 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा जाता है। माननीय सदस्य ईश्वर सिंह जी ने एक विषय उठाया था।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इसमें किसानों को कैसे पता लगेगा कि उनके खाते में 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत पैसा आया है?

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इसके बारे में तो संबंधित किसानों को ही पता लगेगा। हमारे पास तो उनके रकबे का रिकार्ड है कि इसमें कितना रकबा बोया हुआ है, वह मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पर दर्ज है। इसमें संबंधित किसान अपने आप बताता है कि उसके खाते में 'भावांतर भरपाई योजना' के तहत पैसा आया है या नहीं आया है। इसके लिए माननीय सदस्य को चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति के हिसाब से जो बताया गया है, उसमें यह ठीक है कि अभी इस बार नम्बर ऑफ बैनीफिशरीज पिछले साल की तुलना में कम आये हैं।

श्री अध्यक्ष: माननीय मुख्यमंत्री जी, इस समय माननीय सदस्य श्री ईश्वर सिंह जी सदन में उपस्थित नहीं हैं।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि इस संबंध में बजट देने बारे एक पत्र एफ.डी. के पास गया हुआ है जिसमें उन्होंने लगभग 20 करोड़ रुपये रिलीज करना है। यह पैसा आजकल में रिलीज हो जाएगा। इसमें 41,000 के बजाए अनुमान यह है कि लगभग 50,000 छात्रों के पास यह छात्रवृति पहुंचेगी। इसको बीच में एक बार बन्द करने का यह कारण हुआ था कि इसमें एक एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी क्योंकि एक घोटाला हुआ था। इसमें किसी ने ऑनलाईन बैंक अकाउंट बदलकर पैसा निकलवा लिया था जिसमें 40—50 करोड़ रुपये का गबन हुआ था। इसमें कुछ रिकवरी भी हुई है और कुछ केसिज चल भी रहे हैं। उस समय इसकी एक व्यवस्था बनायी गयी थी जिसके कारण यह लेट हुई थी। लेकिन प्रदेश के हरेक एस.सी. छात्र को इसका पैसा जाता है। इसमें प्रदेश से बाहर के लोग भी अपना नाम और नम्बर बदल लेते थे क्योंकि इसमें पहले वैरिफिकेशन नहीं होती थी। अब इसमें हरेक की वैरिफिकेशन होती है और सबको यह छात्रवृति मिलती है। एक सोनीपत और रोहतक का डिपार्टमैंटल एलोकेशन का विषय आया था। इसमें माननीय सदस्य श्री सुरेन्द्र पंवार जी ने भी विषय उठाया था और श्री भारत भूषण बत्तरा जी ने भी विषय उठाया था। मैं इसमें जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले सालों में रोहतक में वर्ष 2017 में 90 करोड़ रुपये गये हैं, वर्ष 2018—19 में 101 करोड़ रुपये गये हैं, वर्ष 2019—20 में 261 करोड़ रुपये गये हैं, वर्ष 2020—21 में 331 करोड़ रुपये गये हैं, वर्ष 2021—22 में 151 करोड़ रुपये गये हैं, वर्ष 2022—23 में भी 8 दिन पहले के डाटा के अनुसार 159 करोड़ रुपये जा चुके हैं।

श्री भारत भूषण बत्तरा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि क्या इन पैसों से वहां पर डिवैल्पमैंट किया गया है क्योंकि उनके खर्चे ही पूरे नहीं होते हैं। उनकी सैलरीज के पैसे भी पूरे नहीं होते हैं। हमें तो वहां पर डिवैल्पमैंट के लिए पैसा चाहिए।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमने अपनी प्रस्तावना में विषय रखा है कि अब लोकल सैल्फ गवर्नमैंट्स का एक अलग गवर्नमैंट की तरह सिस्टम बनाएंगे। इसके लिए पिछले 2 सालों से लगे हुए हैं। Local self-Governments are the separate Governments from the State Government. इनकी एक निश्चित राशि होती है, जो स्टेट गवर्नमैंट उनको अनुदान देती है। जैसे हमें सैंट्रल गवर्नमैंट अनुदान देती है, उसी प्रकार से स्टेट गवर्नमैंट भी उनको अनुदान देती है। इसके 3–4 प्रकार हैं। ईवन, सैंट्रल गवर्नमैंट का भी अनुदान आता है। अलग–अलग स्कीम्ज का भी अनुदान आता है और उनकी अपनी इन्कम भी होती है। उन्होंने साल भर का अपना बजट बनाना है कि उनकी टोटल इन्कम कितनी होगी, कितनी सैलरीज देनी हैं और कितना विकास करना है ? अगर शुरू–शुरू में कुछ बजट की कमी पड़ेगी तो ऑन डिमांड देंगे। इसके लिए हमारे पास 1–2 अकाउंट्स हैं। जैसे हमने एक दिव्य नगर योजना बना रखी है और इसके लिए पैसे का फंड रखा है ताकि अगर कहीं पर कमी रहती है और विकास के कार्य नहीं हुए तो वहां से प्रबन्ध करेंगे। जैसे सीवरेज सिस्टम और दूसरे कार्य अमरुत–1 और अमरुत–2 में आ रहे हैं। इसके लिए सैंट्रल गवर्नमैंट से पैसा आता है। हम भी स्कीम्ज के हिसाब से पैसे देंगे। अगर कोई डिमांड करेगा कि उसको 20 करोड़ रुपये दे दें या 50 करोड़ रुपये दे दें तो यह नहीं होगा। दूसरा एक पहलू यह ध्यान में आया है कि जितनी इस प्रकार की बॉडीज हैं उनके पास कितने पैसे हैं और कितने बैंक्स में पड़े हुए हैं और कहां–कहां पर एफ.डी. पड़ी हैं? इनके बारे में कुरेद–कुरेद कर निकाल रहे हैं तब इनके बारे में पता चल रहा है। मैं इसमें 2 जगहों का उदाहरण बताता हूं। फरीदाबाद में लगभग 350 करोड़ रुपये की तो एफ.डीज. हैं और वो यह बात कहते है कि एफ.डीज. उन गांवों की है, जो गांव उन्होंने उसमें मिलाये थे। चलो यह बात ठीक है। इसके अलावा दूसरे बैंकों में 300 करोड़ रुपये जमा हैं जबकि फरीदाबाद के बारे में कहा जाता है कि पैसा नहीं है लेकिन यह बात हमारे माननीय सदस्य जो सामने के बैंचों पर बैठे हुए हैं, हमने इनके

सामने भी करवा दी थी। अभी हमारे मंत्री जी पंचकुला में गये थे तो इनको पंचकुला के कारपोरेशन के अकाउंट्स में 238 करोड़ रुपये मिले हैं। वहां पर उस दिन शायद स्पीकर साहब भी थे। हमें सारे कारपोरेशंज/नगरीय इकाइयों को ऑनलाइन लाना पड़ेगा। जहां पर बजट कम रहेगा, हम वहां पर बजट देने के लिए तैयार हैं लेकिन इसके लिए उनको स्वयं योजना बनानी पड़ेगी और उनको बजट भी बनाना पड़ेगा। अगर बजट की कमी पडती है तो इनको बजट की डिमांड भी करनी पड़ेगी। उनको अपने पास पैसा रखने का अधिकार नहीं है। उनको अकाउंट्स में पारदर्शिता रखनी ही पड़ेगी।

श्री भारत भूषण बतरा : मुख्यमंत्री जी, ऐसे तो आप हर बार अमैंडमैंट करते रहोगे। आपका एक अधिकारिक ब्यान आया था कि पिछले साल में सड़कें बनाने के लिए या इन सड़कों को रिपयेर करने के लिए सिर्फ 3 करोड़ रुपये ही मिलेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, मैंने यह बात नहीं कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतरा : मुख्यमंत्री जी, यह आपका अधिकारिक ब्यान नहीं है, यह रोहतक का अधिकारिक ब्यान है। वहां के मेयर ने कहा कि इसके लिए हमें 3 करोड़ रुपये ही मिले हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, अगर आज भी उनका कोई बकाया है या इस वर्ष का कोई बकाया है तो उनके पास कल ही बकाया राशि पहुंच जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Bharat Bhushan Batra : Sir. this system will not work**.** आप इसका एक्सपेरीमैंट करोगे तो आपको अर्बन लोकल बॉडीज डिपार्टमैंट को अच्छे पैसे देने पड़ेंगे। उसके बाद इस सिस्टम को साथ में अडॉप्ट कर लो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, आप मेरी बात सुनिये। अच्छे होने के बाद भी पैसे दिये जा सकते हैं लेकिन हमें दिक्कत नहीं है। हमको काम करने के लिए पारदर्शी सिस्टम हर इकाई में चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

शहरी स्थानीय निकाय एवं आवासीय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता) : अध्यक्ष महोदय, मैं चार जिलों में जा चुका हूं। चार जिलों की जो लोकल बॉडीज हैं, मैंने उनका भी बजट देखा है। मुझे एक भी लोकल बॉडी नगर परिषद् या निगम ऐसा नहीं मिला, जिसके पास पैसा न हो। मुझे यमुनानगर में 375 करोड़ रुपये, रादौर में 17 करोड़ रुपये और सढौरा में 8 करोड़ रुपये मिले हैं। (शोर एवं व्यवधान) इसके अलावा मैं जब फरीदाबाद जाऊंगा तो इनको इसकी जानकारी दे दी जायेगी लेकिन मैं अभी पंचकुला, यमुनानगर, दादरी और गुरूग्राम में गया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नीरज शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हम सारे विधायक कमिश्नर के पास गये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको फरीदाबाद के बारे में बताना चाहूंगा कि वहां पर 350 करोड़ रुपये एफ.डी. के हैं और बैंकों में भी 300 करोड़ रुपये की राशि जमा पड़ी है। अध्यक्ष महोदय, इसमें क्या कहानी है मैं इस बारे में बताना चाहूंगा कि एक–एक जगह पर कई–कई अकाउंट खुले हुए हैं। एक जगह पर अकाउंट अर्बन लोकल बॉडीज का नहीं है। हमें किसी और संस्था के नाम का पता लगा है कि इन्होंने वह पैसा जमा करवाया है और देखिये वहां पर खेल क्या हो रहा है कि जिस अकाउंट में पैसा जमा है वह अकाउंट बंद हो गया है। अभी यह अकांउट रिकॉर्ड में ऑपरेट नहीं है। हमें यह बात ऑडिट होने के बाद पता लगी थी कि इस बैंक अकाउंट में इतना रुपये जमा करवाया गया था और यह बैंक अकाउंट बंद हो गया है। इसलिए मेरा इसमें यह कहना है कि हमने जो लोकल ऑडिट सिस्टम बनाया है, हम इसको प्रभावी बनाने का काम करेंगे और लोकल ऑडिट सिस्टम के माध्यम से ही स्टेट का एक भी पैसा अगर कहीं गया होगा तो वह उस दायरे में आ जायेगा। इसी प्रकार से सोनीपत में इन 6 सालों में 841 करोड़ रुपये गया है। वर्ष 2017 में 124 करोड़ रुपये गया है, उसके बाद फिर 127 करोड़ रुपये गया है, उसके बाद फिर 115 करोड़ रुपये गया है, उसके बाद 129 करोड़ रुपये गया है, उसके बाद वर्ष

2021–22 में 164 करोड़ रुपये गया है और इस साल 179 करोड़ रुपये गया है। मेरे कहने का मतलब यही है कि सोनीपत में यह पैसा जा चुका है और अगर जितना पैसा बचा हुआ होगा तो उसको 31 मार्च के जो चार–पांच दिन बचे हुए है अगर उनका शेयर है तो उनको तुरन्त पैसा जायेगा। बाकी उनके बजट का अप्रैल के अंदर टोटल विकास के नाते committed expenses हर महीने जायेगा लेकिन विकास के नाते उनको 30 परसैंट पहला क्वार्टर, 30 परसैंट दूसरा क्र्वाटर, 20 परसैंट तीसरा क्वार्टर और 20 परसैंट चौथा क्वार्टर, इस प्रकार उनको क्वार्टर वाइज पैसा जायेगा। कोई यह बात कहे कि अप्रैल में सारा पैसा दे दो तो यह बात संभव नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से एक पंचायती राज का विषय भी आया था। वैसे तो मैंने यह बात बता ही दी है कि हम उसको 7 परसैंट बांटकर देंगे। हमने एस्टीमेट 2422 करोड़ रुपये लगाया भी था और उसमें से 801 करोड़ रुपये खर्च भी हुआ है। मैं इनकी जानकारी के लिए इतना ही बताना चाहूंगा कि पंचायती राज में मैं इसलिए नहीं जा पाया क्योंकि बीच में काफी समय चुनी हुई पंचायतें नहीं थी और अधिकारियों को इसमें इतना बड़ा इन्ट्रस्ट नहीं होता कि कितना पैसा लें और कितना पैसा निकालें। अब उसके बाद जैसे ही पंचायतें चुनी गई थी तो हमने जिला परिषद्, पंचायत समिति और पंचायतों को 1100 करोड़ रुपये एडवांस में दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि हमने केवल पंचायतों को 850 करोड़ रुपये एस. एन.ए. अकाउंट में दिया हुआ है। इसमें से जितने प्रस्ताव पारित करके 31 मार्च तक अपने–अपने काम करवा लेंगे, वह सारा पैसा निकालने के हकदार होंगे। इस बात का 31 मार्च को पता लग जायेगा कि 1100 करोड़ रुपये में से उन्होंने कितना पैसा निकाल लिया है और कितना नहीं। हमने तो उनको एडवांस में पैसा दे दिया है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरपंचों के खातों में कुछ नहीं गया।

श्री मनोहर लालः कादियान जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पंचायत के खाते में पैसा नहीं जाएगा जो एस.एन.ए. अकाउन्ट होता है उसमें अपना टैंडर भरो और जिस टाइम जो पैसा जाना है, वह सीधा उसके अकाउन्ट में ही जाएगा।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मुख्यमंत्री जी, यह ई–टैंडरिंग वाला सिस्टम बन्द कर दो और उसका ऑडिट बढ़ा दो।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कादियान साहब को बताना चाहॅूंगा कि हम दोनों ही काम करेंगे, 5 करोड़ रुपये तक ऑडिट भी करेंगे।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर सर, जैसे सी.एम. अनाउंसमैंट का पैसा है वह चार पांच गांव का इक्ट्ठा करके जैसे एक करोड़ बन गया तो उनका ई–टैंडरिंग के जरिये टैंडर करवा दो। आज टैंडर के लिए ठेकेदार पोर्टल के लिए घूम रहा है लेकिन पोर्टल खुला हुआ नहीं है। वह पोर्टल एक स्पेशल टाइम पर खुलता है जिसमें खास आदमी टैंडर भरते हैं। उसके बाद वह पोर्टल फिर बंद हो जाता है। स्पीकर सर, जो फील्ड की प्रोब्लम्स हैं वे मैं आपको बता रहा हूं। इसका मतलब यह हुआ कि टैंडर खास–खास ठेकेदार ही भरेंगे।

श्री मनोहर लालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ऐसा नहीं है। कोई भी शिकायत आएगी तो एक–एक शिकायत को दूर करेंगे।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहॅूंगा कि सर्वर डाउन है तथा पोर्टल बन्द है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि सर्वर हम चलवाएंगे। कादियान साहब कोई पर्टिकुलर शिकायत लाकर हमें दे दें कि फलां टाइम पर पोर्टल बन्द था। उसकी यहां अपने आप चैकिंग कर ली जाएगी।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को कहना चाहॅूंगा कि जो 5 गांव का एक टैंडर एक करोड़ का दिया है, मुझे उसकी डिटेल दी जाए।

श्री मनोहर लालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि माननीय सदस्य को इसकी डिटेल दे देंगे। इसके अलावा मैं इनको यह भी बताना चाहूंगा कि जिसने भी पोर्टल में शरारत की है उसके खिलाफ कार्यवाही भी करेंगे और कोई टैक्निकल कमी होगी तो उसे दूर भी करेंगे।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूंगा कि सरंपचिज तो ये एलिगेशन भी लगा रहे थे कि जिन ठेकेदारों ने ई–टैंडरिंग का ठेका भरा है, वे एक खास इलाके से आते हैं।

श्री मनोहर लालः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कादियान साहब को बताना चाहूँगा कि अब टैंडर भरना सबके लिए ओपन है, बल्कि ऐसा पहले था कि किसी खास को बुलाकर के ही टैंडर देते थे। अब खास को बुलाकर के टैंडर नहीं मिलेगा। अब तो पोर्टल सबके लिए ओपन है, जो चाहे अपने संबंध के किसी आदमी को कहकर टैंडर भरवा सकता है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः सर, मेरे पास एक उदाहरण भी है कि एक एक्सियन की बदली हो गई। एक्सियन को दूसरा चार्ज दे दिया गया। उसके पास ठेकेदार गया कि मैं तो ये काम नहीं करता। हांसी से एक्सियन बदलकर वापिस वहां लगाया और फिर उसको ठेका दिया गया।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यही कहना यही है कि कोई शिकायत हो तो माननीय सदस्य मुझे दे दें।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं यह बात रिकॉर्ड में कह रहा हूं।

श्री मनोहर लालः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य शिकायत लिखकर के दे दें।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूँगा कि रोहतक में एक एक्सियन था जिसकी बदली कर दी गई। हांसी से कौन एक्सियन लगाया गया जिसने उसी ठेकेदार को ठेका दिया ? Question is this.

श्री दुष्यंत चौटाला: कादियान साहब, आप उसका रिकॉर्ड तो दीजिए।

श्री मनोहर लाल: कादियान साहब, अगर आपके पास कोई शिकायत है तो उसे लिखित में दे दीजिए।

श्री जगबीर सिंह मलिक: मुख्यमंत्री जी, आप उसकी इंक्वायरी करवा लीजिए।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इंक्वायरी तब होती है जब कोई शिकायत हमारे पास लिखित में आए। हम ऐसे ही सारी चीजों की इंक्वायरी थोड़ी करेंगे। कोई एक टैंडर नहीं हैं, लाखों टैंडर हैं।

श्री दुष्यंत चौटाला: अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य यह कह रहे हैं कि कोई एक स्पेसिफिक केस में एक स्पेसिफिक ऑफिसर का ट्रांसफर किया गया। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि दिनांक 28 अगस्त, 2022 के बाद किसी एक डिपार्टमैंट में नहीं बल्कि 28 डिपार्टमैंट के अन्दर टैंडर प्रोसैस हुआ है तो हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल जो कि पब्लिक हैल्थ द्वारा चलाया जाता है और उसके रूल्स फ्रेम पी.डब्ल्यू.डी. ने किये हैं। अगर दिनांक 28 अगस्त, 2022 से लेकर आज तक ऑनलाईन के सिवाय इस प्रोसैस से बाहर जाकर कोई टैंडर दिया गया है तो आप लिखित में शिकायत कीजिए। सरकार उस पर सख्त से सख्त से कार्यवाही करेगी पर हाऊस को मिसगाईड मत कीजिए। एक प्रथा बन चुकी है कि खड़े होकर कह दिया जाता है कि हम देंगे, हम देंगे, हम देंगे मगर आज तक कोई कागज सदन में नहीं आया है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय उप मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि अगर मैं गलत बोल रहा हूँ तो मेरे खिलाफ ब्रीच ऑफ प्रिविलेज आएगा और मेरे खिलाफ उप मुख्यमंत्री ब्रीच ऑफ प्रिविलेज लाएं या उप मुख्यमंत्री जी रिजाइन करें, नहीं तो मैं रिजाइन करूंगा जिससे यहीं सदन में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मैं आपको कागज दूंगा। इस तरह से ये कहना कि मिसगाईड करते हैं ये थोथे

चणे बाजै घणे वाली बात है। उप मुख्यमंत्री जी, इस तरह की बात न करें। मैं ये ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा है कि थोथे चणे बाजे घणे, ये तो इनकी हालत है। खड़े होकर बाज तो लेते हैं निकलते थोथे हैं। माननीय सदस्य ने ही कहा है कि थोथे चणे बाजै घणे। मैं तो फैक्चुअल पोजीशन बता रहा हूँ।

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, जो तथ्य हैं आप उप मुख्यमंत्री जी को लाकर के दीजिए ये इंक्वायरी करवा लेंगे।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः ठीक है अध्यक्ष जी। मैं कल हाऊस में ये सब डिटेल दे दूंगा कि कौन एक्सियन था, किसे बदला गया तथा किसको ठेका दिया गया। अध्यक्ष जी मैं कह रहा हूँ, मैं कल डिटेल दे दूंगा।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, हमारे जितने भी सुधार हैं, चाहे वे किसी भी प्रकार के हों उसको कोई शख्स रोक नहीं सकता है।

तुम रौंद सकते हो सभी फूलों को लेकिन
तुम बंसत को आने से नहीं रोक सकते,
बसंत आएगी जरूर आएगी, बसंत आएगी।

अध्यक्ष जी, इसलिए मेरा यही कहना है कि हम लोगों ने जितने भी बजट से सम्बंधित विषय सभी माननीय विधायकों ने उठाये थे वे लगभग सभी विषय पूरे हो चुके हैं। बहुत से विषय विधान सभा से जुड़े हुए नहीं थे या कुछ सुझाव थे उनको भी हमने नोट कर लिया है। अब मैं तो विपक्ष के मित्रों को यही कहूंगा कि नये वित्त वर्ष की शुरूआत हो चुकी है।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से यह बात जानना चाहता हूं कि क्या वैंगी (V.A.N.G.Y.) अगले साल भी कंटीन्यू रहेगी।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, इस सम्बन्ध में मेरा यही कहना है कि वैंगी (V.A.N.G.Y.) अगले साल भी कंटीन्यू रहेगी।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष जी, एक बात मैं और यह कहना चाहूंगा कि पिछली बार जो सी.एम. अनाउंसमैंट में 5 करोड़ थे वे पैसे अभी तक भी डिस्ट्रिक्ट लैवल पर डिस्बर्स नहीं हुए हैं। जिसकी वजह से टैण्डर की अलॉटमैंट के बाद ठेकेदार काम बीच में छोड़ गया है। उसका यही कहना है कि उसको तो पेमैंट ही नहीं हो रही है। मेरा तो यही कहना है कि 31 मार्च, 2023 तक सारे के सारे कामों का पैसा पहुंच जाये।

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, क्या आपने कामों की लिस्ट दे दी?

श्री भारत भूषण बतरा : जी सर।

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, कल मैं हाउस में बताउंगा कि कितने लोगों के पैसे रिलीज हो गये हैं। हमारे ओ.एस.डी. सुधांशू जी हैं वे इस विषय का पूरा हिसाब रखते हैं। अध्यक्ष जी, मेरा तो यही कहना है कि सामूहिक रूप से जनकल्याण के जो काम हम कर रहे हैं उसके लिए जो यह बजट है इस बजट को सर्वसम्मति से पारित करें ताकि हमारी सरकार अगले साल का पूरा काम कर सके।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, इसमें दो–तीन प्वायंट ऐसे रह गए हैं जिनके ऊपर सरकार को ध्यान देना चाहिए था। एक तो नशे के ऊपर हम सभी को जिस ढंग से कंट्रोल करना चाहिए वह नहीं हुआ है। हमारे प्रदेश का युवा इससे खराब हो रहा है।

श्री अध्यक्ष : यह बजट का विषय कहां है?

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, यह विषय बजट का ही है क्योंकि इस काम के लिए बजट में फण्ड की एलोकेशन होनी होती है।

श्री अध्यक्ष : यह नशे के लिए थोड़ी बजट एलोकेशन है।

श्री मनोहर लाल : आप कोई कार्यक्रम लिखकर दीजिए कि आपको यह कार्यक्रम लेना है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, जब बेरोजगारी पर चर्चा हो रही थी तो उस समय मैंने यह बात सदन में उठाई थी। वह तो एक डिबेटल प्वायंट है। मैंने यह कहा था कि हरियाणा प्रदेश का जो नार्दर्न रीजन है उसके हर गांव से 250 से 300 लड़के–लड़कियां बाहर जा रहे हैं। कनाडा में जा रहे हैं और मैक्सिको के रास्ते से पैदल चलकर अमेरिका में जा रहे हैं। पैदल यात्रा के दौरान बहुत से बच्चे मर भी जाते हैं। उनका कोई रिकार्ड नहीं है। मैं चाहता हूं कि इसके लिए सरकार एक ब्यूरो का गठन करे। जिसके द्वारा इस प्रकार का रिकार्ड रखा जाये कि कौन जा रहे हैं और कौन उनको भेज रहा है?

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, क्या ये सारा बजट का विषय है?

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, मेरा यही कहना है कि it is the duty of the Government. इसके लिए बजट में एलोकेशन होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, अब तो बजट पर चर्चा भी खत्म हो चुकी है और बजट की चर्चा पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपना जवाब भी दे दिया है। अब आप फिर से शुरू कर रहे हैं। आप कोई भी विषय कभी भी छेड़ देते हैं।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष जी, हरियाणा प्रदेश में एक भी वॉटर टैंक ऐसा नहीं है जिसकी सफाई हुई हो। एक भी फिल्टर साफ नहीं है।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, अब आप बैठ जायें। अब आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं होगी। (विघ्न) ऐसे विरोध नहीं होता। विरोध करने का भी कोई समय होता है। (विघ्न) मुख्यमंत्री जी ने बजट पर हुई समस्त चर्चा का जवाब दे दिया है, अब आप नये मुद्दे उठा रहे हैं। (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, मैं कादियान साहब से एक अपील करना चाहता हूं कि –

हम दोनों आज फुर्सत में हैं, चलो जनकल्याण की बात करें,
ना जोखिम इसमें, ना कोई खतरा, चलो भलाई की बात करें,
नेकी करना अगर गुनाह है, चलो एक बार नहीं सौ बार करें।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब अगला बिजनैस टेक–अप होगा।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह समझ रहा था कि आप बजट को पास करने के लिए कुछ और प्रोसैस करेंगे लेकिन आपने बजट पास कर दिया।

श्री अध्यक्ष : जी हां, माननीय मुख्यमंत्री जी बजट पास हो गया है।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, पूरे सदन ने वर्ष 2023–24 के बजट को सर्वसम्मति से पारित किया है इसके लिए मैं आप सभी का बहुत–बहुत आभारी हूं। धन्यवाद।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, बजट को with decency पास करवाया जाना चाहिए था लेकिन इस मामले में on the part of the Government लैप्स रहा है।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, ऐसी कोई बात नहीं है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने परज्यूम कर लिया कि सारे सदस्य बजट के पक्ष में हैं लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। फिर भी अगर आप कहते हैं तो हम हां भर लेते हैं।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, इसके लिए आपका धन्यवाद।

....

वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2023–24 के लिए बजट अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान होगा।

पिछली प्रथानुसार और सदन का समय बचाने के लिए सदन के पटल पर रखी गई सभी डिमांड्स (संख्या 1 से 7 तथा 10 से 20) एक साथ पढ़ी गई तथा पेश की गई समझी जाएंगी। माननीय सदस्यगण, किसी भी डिमांड पर चर्चा कर सकते हैं लेकिन बोलने से पहले वे अपनी डिमांड का नम्बर बता दें, जिस पर वे बोलना चाहते हैं।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹93,60,41,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹50,00,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **1-विधान सभा** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹186,78,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **2-राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए 1245,35,38,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹33,19,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **3-सामान्य प्रशासन/निर्वाचन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹2940,51,42,458/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹334,00,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **4-राजस्व और आपदा प्रबन्धन/अग्निशमन कार्यालय (अग्निशमन सेवाएं) /आबकारी एवं कराधान** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹7820,13,29,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹579,50,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **5-गृह(गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा/जेल (कारागार)/न्याय प्रशासन (उच्च न्यायालय/अभियोजन/एजीओटी/कानूनी सेवाएं प्राधिकरण)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹13676,89,14,200/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹317,32,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **6-वित्त तथा संस्थागत वित्त और ऋण नियंत्रण/आपूर्ति एवं निपटान/आयोजना तथा सांख्यिकी** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि पूंजीगत खर्च के लिए ₹1304,92,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **7-राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा पेशगियां** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹5917,20,30,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹1629,35,30,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **10-कृषि एवं किसान कल्याण/बागवानी/पशुपालन और डेयरी विकास/मत्स्य पालन/खान एवं भूविज्ञान/पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹2107,89,76,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹15359,05,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **11-सहकारिता/खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹21111,62,97,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹1398,40,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **12-शिक्षा (माध्यमिक/ प्राथमिक)/उच्च शिक्षा (उच्च/तकनीकी/विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी)/महिला एवं बाल विकास** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹570,85,20,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹299,50,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **13-खेल/विरासत तथा पर्यटन (पुरातत्व/संग्रहालय/पर्यटन)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹7057,77,17,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹2588,59,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **14-स्वास्थ्य/ चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान/आयुष/खाद्य एवं औषधि प्रशासन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹1639,94,26,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹331,90,10,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **15-श्रम/युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता (कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण/रोजगार/युवा मामले)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹10633,26,79,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹57,31,17,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **16-सामाजिक न्याय,सशक्तिकरण/अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों का कल्याण एवं अन्तोदय/भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹5514,07,00,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹4572,85,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **17-लोक निर्माण (भवन व सड़कें)/परिवहन/नागर विमानन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹473,49,12,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹192,03,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **18-सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति/मुद्रण तथा लेखन सामग्री** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹12099,88,99,500/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹4141,52,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **19-ऊर्जा विभाग (विद्युत/नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा)/उद्योग एवं वाणिज्य/ एमएसएमई/ सिंचाई एवं जल संसाधन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹12805,00,74,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹5136,72,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **20-नगर तथा ग्राम आयोजना/शहरी सम्पदा (शहरी विकास)/शहरी स्थानीय निकाय(स्थानीय सरकार)/विकास और पंचायत (ग्रामीण विकास)/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

श्री भारत भूषण बतरा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड नं. 3 पर बोलना चाहता हूं। यहां पर मुख्यमंत्री जी बैठे हुए हैं। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन का मजाक बना हुआ है। जो पेपर लीक होता है वह एक युवा के लिए कितना सैटबैक होता है उसको हम लोग इमैजिन नहीं कर सकते और कई बार यूथ की सुसाइड करने तक की नौबत आ जाती है। कभी परसेंटाइल का चक्कर, कभी सोशियो इकॉनोमिक्स मार्क्स तथा कभी सवाल ही गलत हो जाते हैं। ऐसा युवाओं के साथ हम कब तक करते रहेंगे? अब कहते हैं कि हम पैटर्न को और चेंज कर रहे हैं। पहले भी तो जब से स्टेट बना है तभी से स्टेट में इन कमीशन्ज के माध्यम से अप्वायंटमैंट होती रही हैं। आप इस वातावरण तथा प्रांत की रेपुटेशन को ठीक कीजिए। जो ये पेपर लीक होते हैं और ये सैटिंग होती है इनसे स्टेट की बदनामी होती है।

अब मैं डिमांड नं. 13–स्पोर्ट्स डिपार्टमैंट पर बोलना चाहता हूं जो कि मुख्यमंत्री जी के पास आ गया है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जी ये जो स्पोर्ट्स स्टेडियम्ज हैं इनको आउटस्टैंडिंग और बढ़िया बनाइये। आज का युवा बहुत अच्छी सुविधायें मांगता है। उसमें आप केवल बजट ऐलोकेशन ही न करें बल्कि दूसरी सुविधायें भी दीजिए। सत्ता पक्ष की तरफ से भी इस तरह की मांग उठ रही हैं कि स्पोर्ट्स का डिपार्टमैंट अलग बनाना चाहिए तथा जो स्टेडियम्ज हैं जिनमें पंचकुला का देवीलाल स्टेडियम, रोहतक का राजीव गांधी स्टेडियम तथा गुरूग्राम और फरीदाबाद में भी स्टेडियम हैं, आप उनको आउटस्टैंडिंग बनाइये। रोहतक के राजीव गांधी स्टेडियम का बहुत बुरा हाल है। वहां पर ट्रैक टूटा हुआ है और कबड्डी का हॉल भी नहीं है तथा वहां पर सफाई का भी बहुत बुरा हाल है। वहां पर स्टेडियम के अन्दर की सड़कें भी दयनीय स्थिति में हैं। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि आप इनकी हालत को सुधारिये। मुख्यमंत्री जी स्पोर्ट्स के बारे में तो बहुत कुछ कहते हैं कि हमारे खिलाड़ियों ने देश और देश से बाहर अपने प्रदेश का नाम बहुत ऊंचा किया है। इसलिए आप इन स्टेडियमों को बहुत अच्छा बनाइये।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिमांड नं. 20 अर्बन डिवैल्पमैंट पर बोलना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को रिमाइंड करवाना चाहता हूं कि पिछली बार मैंने सदन में सवाल उठाया था कि रोहतक में छोटू राम चौक पर पानी भर गया था साथ ही मैंने आपको सुझाव भी दिया था कि इसके साथ में लाड वाला जोहड़ है और लाड वाला जोहड़ में आप अप्पू घर बनाने का एक्सपैरिमेंट मत कीजिए। इम्मीडियेटली एक रिजर्व वर्क कीजिए, आप मशीनरी सिस्टम पर डिपैंड मत होईये। उसके बाद हाउस में भी यह मामला डिस्कस हुआ तथा आपने इन्कवायरी रिपोर्ट मंगवाई। रिपोर्ट में भी यही लिखा आया कि वहां पर मशीनरी की गड़बड़ के कारण तीन दिन तक 5 फुट तक पानी खड़ा हो गया। उसको ऐसे ना करें। मैं विद ऑल कन्विक्शन कह रहा हूं कि इस बारिश में वहां फिर पानी

इक्ट्ठा होगा क्योंकि उसके परमानैंट समाधान के बारे में आपके ऑफिसर्ज आपको फीड नहीं कर रहे हैं। वहां दो जगह पानी भरा हुआ है।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं स्वयं वहां जाकर देखकर आया हूं।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी कृष्णा कॉलोनी और गुरूनानक पुरा में टी.बी. अस्पताल के सामने गये हैं लेकिन मैं छोटूराम चौक की बात कर रहा हूं। उसके समाधान के लिए आपने क्या किया है? इस बार भी मैं बिल्कुल दावे के साथ कहता हूं कि अगर आप उसका समाधान नहीं करेंगे तो अबकी बार भी वहां जरूर पानी खड़ा होगा। आप उसको टेकअप कीजिए और साथ में लाडवाला जोहड़ पड़ता है। यह शुरू से ही नेचुरल सिस्टम था। इस वजह से वहां पर पानी रिजर्व करने में क्या दिक्कत है। बाद में वही मशीनरी उस पानी को उठाकर फैंक देगी। इसमें कोई दिक्कत वाली बात नहीं है। मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने टी.बी. अस्पताल के सामने वाली जगह के लिए 45 करोड रुपया सैंग्शन किया है। आप कॉलोनियों में आए लेकिन अभी तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ है। वह काम कब शुरू होगा? कल रात को भी मेरे पास वहां से फोटो आ रही थी। फिर वही बुरा हाल था। इस बात के लिए दो प्वायंट जरूरी हैं। हमारे रोहतक के अन्दर पीने के पानी की बहुत किल्लत है। आप हैरान होंगे कि पिछली बार चार दिन तक पानी नहीं आया था then I sought the intervention of the Chief Secretary of the State. बाद में ए.सी.एस. कहने लगे कि हमें तो पता ही नहीं था कि वहां पानी की इतनी दिक्कत है। वहां पांच–पांच दिन पानी नहीं आया और उसके बाद पानी आया। आप वहां नहर का, रॉ–वाटर का कुछ ऐसा सिस्टम निकालिये जिसमें कम से कम गैप कम हो। आप वहां ज्यादा गैप की बजाए गैप कम करवाइये। आप 24 दिन पानी देते हैं उसको आप बीच में दो बार डिवाईड करिये जिससे ऐसा सिस्टम बने कि कम से कम जनता को पीने का पानी तो मिले। यह बहुत ही जैनुअन डिमांड है। अगर लोगों को पानी नहीं मिलेगा तो

वे किसके आगे जाकर कहेंगे। इसी के साथ वहां गंदे पानी से भी निजात नहीं मिल रही है। इसकी भी निजात करवाइये। इसी के साथ तीसरा मैं कहना चाहूंगा कि Sewerage system is completely in shambles. बहुत बुरा हाल है। इसलिए मैं कहता हूं कि आप अर्बन लोकल बॉडीज को पैसे दें। इसी के लिए तो हम पैसे देने की बात करते हैं। इसी के लिए तो डिवैल्पमैंट की बात करते हैं। आप इसमें अमरूत–2 को जोड़ दें क्योंकि अमरूत–1 का तो इतना बड़ा स्कैंडल था अगर टाईम होगा तो मैं एप्रोप्रिएशन बिल में इसका डाटा बताउंगा कि आपके अमरूत–1 का अब तक क्या हाल है। कल जो एप्रोप्रिएशन बिल आएगा और अगर स्पीकर साहब हमें मौका देंगे तो हम उसके ऊपर बोलेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री वरूण चौधरी (मुलाना): अध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड नं. 20 पर बोलना चाहता हूं। इस पर लोकल गवर्नमैंट की बहुत चर्चा हुई है। चाहे वह अर्बन लोकल बोडीज है, चाहे रूरल लोकल बोडीज हैं लेकिन इनका कोई सैपरेट कैडर तो है नहीं फिर वहां वह इंडीपैंडेंस कैसे आएगी, जैसे माननीय मुख्यमंत्री जी कह रहे थे। सर, आज मैने दो सवाल लगाए हुए थे। आज ना तो ग्राम सचिव हैं, ना बी.डी.पी.ओ. हैं, ना जे.ई. हैं। आज ग्राम सचिव की 943, क्लर्क्स की 153, जे.ई. की 124, एस.डी.ओ. की 59 और बी.डी.पी.ओ. की 143 में से 73 पोस्टें खाली पड़ी हुई हैं। सर, काम कैसे होगा। उसी प्रकार से अगर मैं अर्बन लोकल बॉडीज में सिर्फ कॉरपोरेशन की बात करूं तो सैनेटरी इंस्पैक्टर की 49 पोस्टों में से 30 खाली हैं। एग्जिक्यूटिव ऑफिसर्स की 10 सैंग्शन पोस्टें हैं जो 10 की 10 पोस्टें खली पड़ी हुई हैं। क्लर्क्स की 670 पोस्टों में से 250 पोस्टें खाली पड़ी हुई हैं। इसी प्रकार से कमेटियों का हाल है। सर, बजट में इन सभी की तनख्वाओं का प्रावधान किया हुआ है लेकिन जब तक इन पोस्टों को भरेंगे नहीं तब तक ये काम कैसे करेंगे। अतः इन पोस्टों को जल्द से जल्द भरा जाए जिससे जनता को लाभ मिले। (विघ्न)

श्री अमित सिहाग : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय दिया जाए। मुझे भी अपनी बात रखनी है।

श्री अध्यक्ष : अमित सिहाग जी, ऐसे समय नहीं दिया जा सकता। अगर कोई स्पैसिफिक बात है तो बता दीजिए लेकिन यह जनरल डिस्कशन का विषय नहीं है। आप बैठ जाइये।(विघ्न)

श्री आफताब अहमद : अध्यक्ष महोदय,––– (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आफताब जी, प्लीज आप बैठ जाइये। (विघ्न)

श्री शमशेर सिंह गोगी : अध्यक्ष महोदय,––– (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गोगी जी, प्लीज आप बैठ जाइये। (विघ्न)

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड न. 17 पर बोलना चाहता हूँ । अध्यक्ष महोदय, तलवंडी राणा में हवाई अड्डे के बीच एक सड़क थी जोकि बीच में डिमोलिश कर दी गई थी। दुष्यंत चौटाला जी यहां सदन में मौजूद है। मुझे यहां के लोगों ने अपने पास बुलाया था। उन लोगों की डिमांड है कि एयरपोर्ट की दीवार के साथ–साथ 5 किलोमीटर लंबी परमानैंट सड़क बनाई जाये ताकि यह गांव तबाह होने से बच जायें क्योंकि यहां पर स्कूल हैं, कालेज हैं, 300 के करीब दुकाने हैं और दूसरी बहुत सारी प्रापर्टी हैं और पूर्व की सड़क के डिमोलिश होने के बाद यहां सारे गांव का एक तरह से सत्यानाश ही हो गया है। जब उन लोगों ने मुझे अपने पास बुलाया तो वे कहने लग गए कि उन्होंने *** दिया। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पार्लियामैंट के लिए वोट नहीं किया था बल्कि उन्होंने तो *** देने का काम किया था। अध्यक्ष महोदय, वे यह भी कह रहे थे

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।**

कि उनका गुर्जरों का गांव है और सरदार वल्लभ भाई पटेल का गांव है और ऐसा करके उनके साथ अन्याय ही हो रहा है जबकि उन्होंने *** को ** का काम किया है। यह जो पार्लियामैंट का चुनाव था इसमें भी उन्होंने *** जिताया और विधान सभा के चुनाव में भी उनके द्वारा ऐसा किया गया लेकिन बावजूद इसके उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

उप–मुख्यमंत्री (श्री दुष्यंत चौटाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही है, उसके परिपेक्ष्य में मैं बताना चाहूंगा कि एयरपोर्ट के रनवे के बीच में से यह सड़क जाती थी। यहां पर रनवे का एक्सपैंशन किया गया है तथा यह गवर्नमैंट की लैंड है। अतः माननीय सदस्य को सदन में फैक्चुअल बातें ही बोलनी चाहिएं क्योंकि माननीय सदस्य उम्र में मेरे से बहुत बड़े हैं। चूंकि यह सड़क रनवे के बीच में से जाती थी तो जब नए रनवे को पुराने रनवे से कनैक्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई तो इस सड़क को बंद कर दिया गया और कुछ समय के लिए हमने टैम्परेरी आल्टरनेट रूट बनाया। यहां के सारे ग्रामीणों को पहले दिन से इस बात का पता था। जोगी राम जी विधायक भी भी इस बारे में जानते हैं कि अब आल्टरनेट रूट को, जो वहां पर डीयर पार्क है, के साथ–साथ एक्नोलिज कर लिया गया है और जल्द ही सरकार इस बारे में फैसला करेगी। यह कहना कि वोट दिए थे, नहीं दिए थे और जिस प्रकार पार्टी का तथा व्यक्ति का नाम लेकर बात कहीं गई हैं, के संदर्भ में मेरा निवेदन है कि इन बातों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, राम कुमार गौतम जी ने जो पार्टी विशेष व व्यक्ति विशेष का नाम लेकर वोट देने वाली बातें कही हैं इनको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये।

*** चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।**

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो सदन में उन लोगों की सोच के बारे में ही बताया है ।

श्री दुष्यंत चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह सोच इस सदन में बोलने वाले लोगों की तो जरूर हो सकती है। सरकार का काम प्रदेश को प्रगति के पथ पर आगे लेकर जाने का है और इस दिशा में सरकार निरंतर काम भी कर रही है। अतः सदन में इस तरह की बातें यदि न की जायें तो ज्यादा बेहतर होगा।

श्री राम कुमार गौतमः अध्यक्ष महोदय, इन लोगों की सिर्फ सिंपल सी मांग है कि एयरपोर्ट की दीवार के साथ–साथ 5 किलोमीटर लंबी सड़क बनाकर उनके गांव को तबाह होने से बचाया जाये।

श्री अध्यक्षः गौतम जी, आप प्लीज बैठिए। आफताब जी अब आप जिस डिमांड पर बोलना चाहते हैं, उस डिमांड का नाम बताकर बोलना शुरू कीजिए।

श्री आफताब अहमद (नूंह): अध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड न. 20 पर बोलना चाहता हूँ। हमारा नूंह शहर जिला हैडक्र्वाटर है। यहां पर हुडा ने सैक्टर काटने के लिए जमीन एक्वायर करने का काम किया था। मेरी डिमांड हैं कि यहां पर हुडा का सैक्टर डिवेल्प किया जाये। अध्यक्ष महोदय, आज नूंह शहर में पिछले चार महीने से लगभग 300 एकड जमीन पर पानी खड़ा है। यहां गर्ल्स स्कूल में भी पानी खड़ा है। यहां पर कब्रिस्तान में भी पानी खड़ा है। यहां पर लोगों के घरों में भी पानी खड़ा है। तावडू रोड पर भी यही स्थिति है। अध्यक्ष महोदय, नूंह डिस्ट्रिक्ट हैडक्र्वाटर है अतः इस तरह का कुप्रबंधन चाहे वह अर्बन लोकल बाडीज डिपार्टमैंट की तरफ से हो रहा है या फिर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की तरफ से हो रहा है, इसके लिए इनकी रिस्पांसिबिलिटी फिक्स करने का काम किया जाये और ऐसे कार्य किए जाये ताकि यहां के लोगों को सभी मूलभूत चीजों की सुविधायें मिल सकें।

श्री अमित सिहाग (डबवाली): अध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड न. 20 पर बोलना चाहता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2020 में हड्डा रोडी की समस्या के संदर्भ में एक घोषणा की थी। उसके अंतर्गत जो मृत पशु हैं, उनके निस्तारण के लिए इलैक्ट्रिक क्रिमेटोरियम की घोषणा बजट के अंदर की गई थी। वह घोषणा अभी तक पूरी नहीं हुई है। मैं इसको रिमाइंड करवाते हुए कहना चाहूंगा कि इस काम को ब्लॉक स्तर पर जिला परिषद के माध्यम से पूरा करवाना था। इसके अलावा डिमांड न. 12 एजुकेशन से संबंधित है। म्युनिसिपल एरियाज में एक बहुत बड़ी समस्या है या यू कहें कि शहरी एरियाज में कई जगह स्कूलों की अपनी खुद की बिल्डिंग्ज नहीं हैं और इसका मेन कारण यह है कि जो सरकार है या शिक्षा विभाग है, वह खुद जमीन नहीं खरीद सकता है, तो इसके अंदर एक बदलाव करने की आवश्यकता है। किसी न किसी तरीके से सरकार शिक्षा विभाग के लिए जमीन खरीदकर दे या मुहैया करवाये ताकि स्कूल की बिल्डिंग्ज बनाई जा सकें। उदाहरण के तौर पर हमारे यहां पर चौहान नगर का एक स्कूल है जोकि स्टेडियम के एक कमरे में काफी समय से चल रहा है। अब एजुकेशन से संबंधित एक और बात कहना चाहूंगा। सरकार ने अभी ब्लॉक स्तर पर पी.एम. श्री स्कूल नाम की एक स्कीम की घोषणा की है, पर जो आरोही माडल स्कूल हैं, उनके हालात भी आज की तारीख में ठीक नहीं है। हमारे यहां कालवाना स्कूल है। मेरा यहां दो तीन बार जाना हुआ है। उसमें 21 टीचर्ज की आवश्यकता है जबकि अभी तक वहां पर 8 टीचर ही हैं। टी.जी.टी. का पिछले 5 सालों से एक भी टीचर नहीं है। जब तक हम पुराने स्कूलों में अध्यापकों की व अन्य कमियों को पूरा नहीं करेंगे, क्या नये स्कूल्ज ठीक चल पायेंगे? आज आंगनवाड़ी सैंटर्स भी उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। जैसे हमारे 291 आंगनवाड़ी सैंटर्ज हैं उनमें से 81 आंगनवाड़ी सैंटर्ज की खुद की बिल्डिंग्ज नहीं हैं, 147 आंगनवाड़ी सैंटर्ज में बिजली का कनैक्शन नहीं है और लगभग 54 आंगनवाड़ी सैंटर्ज में शौचालय आदि की सुविधाएं नहीं हैं। आज मिड–डे–मील

वर्कर्ज को तकरीबन 5—5 महीने की सैलरी नहीं मिल रही है। सरकार को इनको सैलरी देने का काम भी जरूर करना चाहिये।

श्री शमशेर सिंह गोगी (असंध): अध्यक्ष महोदय, डिमाण्ड नं0 20, नगर तथा ग्राम आयोजन/शहरी सम्पदा (शहरी विकास)/शहरी स्थानीय निकाय (स्थानीय सरकार)/विकास और पंचायत (ग्रामीण विकास)/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, 'वेगी' को शहर के साथ तो जोड़ दिया लेकिन पिछले दो वर्षों से पंचायतों का जो फंड पूरा खर्च नहीं हुआ उस शेष राशि को आगे 'विधायक आदर्श नगर एवं ग्राम योजना' के माध्यम से दिया जाना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इस योजना में शहर भी जोड़ दिया गया है तो कम से कम यह राशि 3 करोड़ रुपये तो जरूर होनी चाहिये। पिछले दो वर्षों से 'वेगी' का पैसा नहीं मिला, इसलिए उस राशि को भी इसके साथ जोड़ देना चाहिये।

श्री नीरज शर्मा (फरीदाबाद, एन.आई.टी.): अध्यक्ष महोदय, डिमाण्ड नं0 13, खेल/विरासत तथा पर्यटन (पुरातत्व/संग्रहालय/पर्यटन) से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर बोलना चाहता हूँ। इस डिमाण्ड के संबंध में श्री वरूण चौधरी जी का प्रश्न नं0 413 था। उसके रिप्लाई के अनुसार पूरे हरियाणा में 160 राजीव गांधी खेल परिसर और 245 मिनी ग्रामीण स्टेडियम उपलब्ध हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से इस महान सदन से अनुरोध है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में कम से कम एक खेल परिसर तो जरूर से जरूर बनाया जाये।

इसी प्रकार से डिमाण्ड नं0 14, स्वास्थ्य/चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान/आयुष/खाद्य एवं औषधि प्रशासन से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर भी बोलना चाहता हूँ। हमारी आयुष विभाग की 8 एकड़ जमीन भारत सरकार को गई हुई है। वह बिल्कुल खाली पड़ी हुई है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय इस संबंध में जल्दी से जल्दी केन्द्र सरकार से सम्पर्क करें। हालांकि इस संबंध में दो बार डी.ओ. लैटर भी लिख चुके हैं। हम चाहते हैं कि उस जमीन पर हमारे आयुष का कॉलेज या कुछ भी बने।

इसी प्रकार से डिमाण्ड नं0 17, लोक निर्माण (भवन व सड़कें)/परिवहन/नागर विमानन से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर भी बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा नम्बर 11148 काफी वर्ष पुरानी है। यह घोषणा मांगर गांव में बाईपास बनाने के बारे में थी। इस घोषणा पर भी आज तक कोई काम नहीं हुआ है।

इसी प्रकार से डिमाण्ड नं0 20, नगर तथा ग्राम आयोजन/शहरी सम्पदा (शहरी विकास)/शहरी स्थानीय निकाय (स्थानीय सरकार)/विकास और पंचायत (ग्रामीण विकास)/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर भी बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस महान सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि बाल कल्याण पॉकेट, वैध रोड, कुमाऊं रोड और दयाशंकर जी वाली सड़क बहुत खराब है। हमारे यहां पर बहन–बेटियां बहुत विचलित व्यवस्था में रहती हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी को इस बात का संज्ञान भी है। जो बार–बार पैसे की बात आती है, इस संबंध में प्रश्न भी मैंने ही लगाया था। मैं ही नगर निगम की ज्यादातर बातें हाउस में लेकर आता हूँ। फरीदाबाद में 646 करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिये बताये गये थे। अध्यक्ष महोदय, हम इस संबंध में संबंधित मंत्रीगण व विधायकगण संबंधित कमिश्नर के पास अपने हल्के के विकास कार्यों के लिये गये थे। सदन इस बात को सच माने कि उन्होंने 5 करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्यों के लिये 'हाँ' ही नहीं भरी। उन्होंने कहा कि यह पैसा इसके लिये ब्लोक है और यह पैसा इस चीज के लिये ब्लोक है। एक तरफ तो लोकल बॉडीज की इंडीपैंडैंसी की बात कही जाती है। अध्यक्ष महोदय, हमारा शहर इतना रेवेन्यू देता है कि हम अपने आप ही अपने शहर को उस रेवेन्यू से चला सकते हैं। हमारे फरीदाबाद के रेवेन्यू को अलग कर दीजिए। हम फरीदाबाद में विकास के कार्यों के लिये भी आगे से पैसों की डिमाण्ड भी नहीं करेंगे। रेवेन्यू का मतलब यह नहीं समझे कि यह लोकल बॉडीज का टैक्स है, फिर नगर निगम, फरीदाबाद को भी एक्साईज का सारा पैसा दीजिए और रजिस्ट्री का भी सारा पैसा नगर निगम को दीजिए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के बजट में आप खुद

देखिए कि फरीदाबाद के लोग कितना रेवेन्यू देते हैं। हम फरीदाबाद के लोग 'अमृत काल' के अंदर डिमाण्ड केवल यह कर रहे हैं कि हमारी बहन–बेटियां जो पक्की कॉलोनियों में रहती हैं अर्थात् जो कॉलोनियां नियमित हैं, उन कॉलोनियों में हमारी बहन–बेटियां सीवरेज के पानी में से चलकर ना जायें। मेरी इस महान सदन से यही विनती है।

श्री जगबीर सिंह मलिक (गोहाना): अध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय, डिमाण्ड नं0 19, ऊर्जा विभाग (विद्युत/नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा)/उद्योग एवं वाणिज्य/एम.एस.एम.ई. /सिंचाई एवं जल संसाधन से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके में पानी की प्रॉब्लम पीछे भी थी और अब भी है, यह बात सदन अच्छी तरह से जानता है। किसानों की लगातार चार–चार फसलें खराब हो चुकी हैं। जब किसान की फसल खराब हो जाती है तो, किसान की क्या हालत हो जाती है, यह सदन को पता ही है। सरकार को कम से कम ड्रेनों की सफाई जरूर से जरूर करवानी चाहिये क्योंकि पीछे काफी समय से ड्रेनों की सफाई प्रॉपर ढंग से नहीं हो पाई है। इसके कारण आधे से ज्यादा गांव पानी में डूब जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में ड्रेनों की सफाई का पूरा इंतजाम होना चाहिये ताकि हमारे किसान भाइयों को कोई दिक्कत न आये।

इसी प्रकार से डिमाण्ड नं0 20, नगर तथा ग्राम आयोजन/शहरी सम्पदा (शहरी विकास)/शहरी स्थानीय निकाय (स्थानीय सरकार)/विकास और पंचायत (ग्रामीण विकास)/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी से संबंधित है, मैं इस डिमाण्ड पर भी बोलना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, गांवों में जो तालाब हैं, उन तालाबों में बहुत खराब पानी है तथा उनका आउट्लेट कोई भी नहीं है। इसका सर्वे करवाकर गंदे पानी को निकालने का काम करना चाहिये क्योंकि इससे गांवों में गंदगी फैलती है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 44 गांव ऐसे हैं जहां पीने के पानी की पाइपलान न होने की वजह से वहां के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। गर्मी के मौसम में यह दिक्कत और भी ज्यादा आती है। सरकार को कम से कम उनको पीने का पानी जरूर मुहैया करवाना चाहिये। धन्यवाद।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने महेन्द्रगढ़ में लगभग साढे तीन करोड़ रुपये की लागत से एक स्विमिंग पूल बनवाया था और उसके सामने ही एक स्टेडियम है । ये दोनों ही बड़ी बिल्कुल खराब हालत में है । सदन में यह बात एक बार नहीं बल्कि अनेकों बार हो चुकी है ।

श्री अध्यक्ष : राव साहब, आप किस डिमाण्ड पर बोल रहे हो ?

राव दान सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं डिमाण्ड नं. 13 जोकि 'स्पोर्ट्स' से संबंधित है, पर बोल रहा हूं । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उस स्विमिंग पूल की लाइटों को तोड़ दिया गया है, टाइलों को तोड़ दिया गया है और बाथरूम के सिस्टम को भी तोड़ दिया गया है । यही हालत वहां के स्टेडियम की है । अतः इसके लिए उत्तरदायी लोगों के खिलाफ सरकार अवश्य कार्यवाही करे ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री राम कुमार गौतम द्वारा तलवण्डी राणा गांव के लोगों द्वारा की गई वोटिंग से संबंधित कुछ कहा गया था । उन शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब विभिन्न डिमाण्ड्ज को सदन में वोटिंग के लिए रखा जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि राजस्व खर्च के लिए ₹93,60,41,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹50,00,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **1-विधान सभा** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹186,78,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **2-राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए 1245,35,38,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹33,19,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **3-सामान्य प्रशासन/निर्वाचन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹2940,51,42,458/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹334,00,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **4-राजस्व और आपदा प्रबन्धन/अग्निशमन कार्यालय (अग्निशमन सेवाएं) /आबकारी एवं कराधान** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹7820,13,29,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹579,50,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **5-गृह(गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा/जेल (कारागार)/न्याय प्रशासन (उच्च न्यायालय/अभियोजन/एजीओटी/कानूनी सेवाएं प्राधिकरण)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹13676,89,14,200/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹317,32,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **6-वित्त तथा संस्थागत वित्त और ऋण नियंत्रण/आपूर्ति एवं निपटान/आयोजना तथा सांख्यिकी** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि पूंजीगत खर्च के लिए ₹1304,92,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **7-राज्य सरकार द्वारा कर्ज तथा पेशगियां** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि राजस्व खर्च के लिए ₹5917,20,30,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹1629,35,30,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **10-कृषि एवं किसान कल्याण/बागवानी/पशुपालन और डेयरी विकास/मत्स्य पालन/खान एवं भूविज्ञान/पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹2107,89,76,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹15359,05,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **11-सहकारिता/खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹21111,62,97,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹1398,40,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **12-शिक्षा (माध्यमिक/ प्राथमिक)/उच्च शिक्षा (उच्च/तकनीकी/विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी)/महिला एवं बाल विकास** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹570,85,20,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹299,50,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **13-खेल/विरासत तथा पर्यटन (पुरातत्व/संग्रहालय/पर्यटन)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹7057,77,17,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹2588,59,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **14-स्वास्थ्य/ चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान/आयुष/खाद्य एवं औषधि प्रशासन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹1639,94,26,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹331,90,10,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **15-श्रम/युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता (कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण/रोजगार/युवा मामले)** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹10633,26,79,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹57,31,17,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **16-सामाजिक न्याय,सशक्तिकरण/अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों का कल्याण एवं अन्तोदय/भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹5514,07,00,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹4572,85,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **17-लोक निर्माण (भवन व सड़कें)/परिवहन/नागर विमानन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹473,49,12,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹192,03,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **18-सूचना, लोक संपर्क, भाषा एवं संस्कृति/मुद्रण तथा लेखन सामग्री** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹12099,88,99,500/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹4141,52,60,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **19-ऊर्जा विभाग (विद्युत/नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा)/उद्योग एवं वाणिज्य/ एमएसएमई/ सिंचाई एवं जल संसाधन** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

कि राजस्व खर्च के लिए ₹12805,00,74,000/- तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹5136,72,00,000/- से अनधिक धनराशि राज्यपाल महोदय को उन खर्चों को चुकाने के लिए प्रदान की जाये जो मांग संख्या **20-नगर तथा ग्राम आयोजना/शहरी सम्पदा (शहरी विकास)/शहरी स्थानीय निकाय(स्थानीय सरकार)/विकास और पंचायत (ग्रामीण विकास)/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी** के अधीन व्ययों के बारे में वर्ष 2023-24 के भुगतान के क्रम में आयेंगी।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

नेवा पोर्टल के माध्यम से विधान सभा समितियों की रिपोट्र्स प्रस्तुत करना

(1) लोक लेखा समिति की 86वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब श्री वरूण चौधरी, विधायक, चेयरपर्सन, लोक लेखा समिति 31 मार्च, 2029 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लोक लेखा समिति की 86वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे ।

चेयरपर्सन, लोक लेखा समिति (श्री वरूण चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं 31 मार्च, 2029 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राजस्व क्षेत्र पर भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट पर वर्ष 2022–23 के लिए लोक लेखा समिति की 86वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करता हूं ।

(2) लोक लेखा समिति की 87वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब श्री वरूण चौधरी, विधायक, चेयरपर्सन, लोक लेखा समिति 31 मार्च, 2029 को समाप्त हुए वर्ष के लिए लोक लेखा समिति की 87वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे ।

चेयरपर्सन, लोक लेखा समिति (श्री वरूण चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं 31 मार्च, 2029 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राजस्व क्षेत्र पर भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की

रिपोर्ट पर वर्ष 2022–23 के लिए लोक लेखा समिति की 87वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि 31 मार्च, 2022 से पहले की विधान सभा में पेश हुई नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की कोई भी रिपोर्ट अब लम्बित नहीं है । आपके मार्गदर्शन में इस वर्ष लोक लेखा समिति द्वारा नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की 5 रिपोर्ट्स सदन में रखी गई हैं । इसके लिए मैं माननीय समिति के सभी माननीय सदस्यों डॉ. अभय सिंह यादव जी, श्री नरेन्द्र गुप्ता जी, श्रीमती निर्मल रानी जी, श्री अमित सिहाग जी, श्रीमती शैली जी, श्री जोगी राम सिहाग जी, श्री रणधीर सिंह गोलन जी और श्री भव्य बिश्नोई जी तथा सभी अधिकारीगण का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । इन सभी ने समिति का भरपूर सहयोग दिया है ।

श्री अध्यक्ष : वरूण जी, इसके लिए आपको बहुत–बहुत बधाई ।

(3) स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति की 18वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब श्री नरेन्द्र गुप्ता, विधायक, चेयरपर्सन, स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति, प्रधान महालेखाकार (लेखा) हरियाणा द्वारा परीक्षित वर्ष 2011–12 से 2018–19 के लिए पंचायती राज संस्थानों तथा शहरी स्थानीय निकायों पर वार्षिक तकनीकी निरीक्षण रिपोर्ट पर स्थानीय निकायों तथा पंयायती राज संस्थाओं की समिति तथा निदेशक, स्थानीय लेखा विभाग, हरियाणा द्वारा परीक्षित वर्ष 2015–16 के लिए शहरी स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थानों के खातों पर स्थानीय लेखा विभाग की वार्षिक लेखा परीक्षा की 18वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे ।

चेयरपर्सन, स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति (श्री नरेन्द्र गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 2022–23 के लिए स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं सम्बन्धी समिति की 18वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से सादर प्रस्तुत करता हूं ।

(4) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति की 46वीं रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब श्री ईश्वर सिंह, विधायक, चेयरपर्सन, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति, वर्ष 2022—23 के लिए अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति की 46वीं रिपोर्ट नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे ।

चेयरपर्सन, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति (श्री ईश्वर सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 2022—23 के लिए हरियाणा विधान सभा सचिवालय की अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति की 46वीं रिपोर्ट को ई—विधान तथा नेवा पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करता हूं ।

....

विधायी कार्य—

(क) विचार तथा पारित किये जाने वाले विधेयक

हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब माननीय शहरी स्थानीय निकाय मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ0 कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं—

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाए।

श्री वरुण चौधरी (मुलाना): अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में कल भी चर्चा हुई थी। इसके बारे में पहले माननीय मंत्री जी क्लैरीफाई करें कि अब क्या बदलाव किये हैं और क्या सोचा है?

श्री अध्यक्ष: वरुण जी, इसमें जब क्लॉज बाई क्लॉज विचार होगा तो क्लॉज में जो परिवर्तन किया है, उस टाईम पर बता देंगे। अभी तो इसको आगे चलने दें।

श्री भारत भूषण बत्तरा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी उसी बिल को दोबारा से ले आए हैं। इसमें कोई चेंज नहीं किया गया है।

श्री अध्यक्ष: बत्तरा जी, माननीय मंत्री जी दोबारा से उसी बिल को नहीं लाए हैं। इसमें परिवर्तन किया है।

श्री वरुण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी क्लैरीफाई कर दें कि इसमें क्या बदलाव किये गये हैं? हमें पहले जो विधेयक मिला था, उसके अनुसार जो था उस पर कल चर्चा हुई थी। उसके बाद इस बिल को डैफर किया गया था।

श्री भारत भूषण बत्तरा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने उसी बिल को इनीशिएट किया है। इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया है।

श्री अध्यक्ष: बत्तरा जी, इसमें माननीय मंत्री जी ने क्लॉज चेंज की है। जब क्लॉज बाई क्लॉज विचार होगा तब आप अपनी बात रखना।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है–

कि हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष: अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्ष: अब शहरी स्थानीय निकाय मंत्री इस विधेयक की क्लॉज 2 में संशोधन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ0 कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 के क्लॉज 2 में संशोधन के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

खण्ड 2 की धारा 6 में,–

(i) उप–धारा (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप–धारा प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :–

"(1) प्रत्येक शासकीय जनगणना के बाद, सरकार द्वारा नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर सीटों की कुल संख्या नियत की जाएगी। यदि निगम की सीमाओं में कोई क्षेत्र सम्मिलित किया जाता है या निकाला जाता है या जहां ग्रामीण क्षेत्रों से मिलकर बना कोई क्षेत्र या उसका भाग, इस अधिनियम की धारा 3 की उप–धारा (2) के अधीन नए निगम के रूप में घोषित किया जाता है, तो उस निगम की जनसंख्या, सम्पूर्ण या नए निगम के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, सीटों के पुनः नियतन के प्रयोजन के लिए अभिनिश्चित की जाएगी।"।

(ii) विद्यमान व्याख्या के स्थान पर, निम्नलिखित व्याख्या प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :–

"**व्याख्या.**– यहां "जनसंख्या" से अभिप्राय है, ऐसी तिथि, जो सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए, को हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 (2021 का 20) के उपबन्धों के अधीन स्थापित परिवार सूचना डाटा कोष से यथा प्राप्त की गई जनसंख्या।"।

श्री वरुण चौधरी (मुलाना): अध्यक्ष महोदय, सैक्शन 6 के (3)(4) और (5) की जो बात थी, उस पर क्या फैसला हुआ?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ0 कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, ये यथावत रहेंगे।

श्री वरुण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, अगर ये यथावत रहेंगे तो हमारे पास बिल की कॉपी आये ताकि हमें पता चले। यह बिल आया हुआ है, लेकिन उसके अन्दर तो इसके बारे में लिखा ही नहीं हुआ है।

डॉ0 कमल गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, हमने पहला पार्ट जो पढ़ा है, उसमें पहले भाग 6 था और अब वो सिर्फ 6 का (1) पार्ट है।

श्री भारत भूषण बत्तरा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, क्या माननीय मंत्री जी ने उसी में एडीशन कर दिया है?

डॉ0 कमल गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, कल जब विधेयक प्रैजैंट किया गया था तो उसमें भाग 6 था। इसमें माननीय सदस्य ने जो सैक्शन 6 के (2) (3) और (4) के बारे में कहा था, उसको मान लिया गया है। लेकिन आज सिर्फ सैक्शन 6 (1) चेंज किया है।

श्री वरुण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, इसमें क्लैरिटी नहीं आ रही है। हमें संबंधित बिल की कॉपी मिलनी चाहिए थी।

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, अभी कारपोरेशंज के चुनाव आने वाले हैं। इसमें थोड़ी सी महत्वपूर्ण क्लैरिफिकेशन देना चाहूंगा क्योंकि बाद में कोई कोर्ट में जायेगा तो दिक्कत आयेगी। अध्यक्ष महोदय, इसमें Section 6 के क्लॉज (2) and (3) में लिखा है कि–

> "(2) For the purpose of election of the members, the Municipal area shall be divided into wards in such manner, as may be prescribed.
> (3) Wards shall, as far as practicable, be geographically compact areas, and having regard to the physical features,...."

चलो, यह physical साथ में 'compact' हो गया। Population का each ward में 10 per cent का डिफरैंस होगा। Reserve ward भी होंगे। Explanation में लिखा है कि-

> "Here "population" means the population as ascertained locally by the staff, deputed by the Commissioner, after going from door to door in the Corporation."

क्या आप उसकी census करवायेंगे? क्या आप इस प्रोसीजर से करवायेंगे या आपने इसके लिए कोई और प्रोसीजर अडॉप्ट कर रखा है?

डॉ. कमल गुप्ता : बतरा जी, वह मैंने पढ़ा है। उसका census है, वह परिवार पहचान पत्र की जो सारी नोटिंग है.........................

श्री भारत भूषण बतरा : मंत्री जी, आपने इसमें "as may be prescribed" लिखा है। आप अमैंडमैंट में देखो क्या लिखा है? अमैंडमैंट में तो यही बात लिखी हुई है कि-

"(2) For the purpose of election of members, the Municipal area…."

आपने परिवार पहचान पत्र तो कहीं नहीं लिखा है।

डॉ. कमल गुप्ता : बतरा जी, मैं आपको पढ़कर सुना देता हूं इसमें लिखा हुआ है कि–

''जो सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए, को हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम''

इसका और क्या मतलब बनता है?

श्री भारत भूषण बतरा : मंत्री जी, हमारे पास इसकी कॉपी कहां से आयेगी और हमें इसके बारे में कहां से पता चलेगा?

डॉ. कमल गुप्ता : बतरा जी, आपने कहा है कि इसमें यह बात लिखी हुई नहीं है। इसमें यह बात तो लिखी हुई है।

श्री अध्यक्ष : बतरा जी, जो अमैंडमैंट किया है वही बात लिखी हुई है।

श्री वरुण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे यह कॉपी अभी दी गई है। इसके अंदर सैक्शन–6 में बदलाव हो रहा है यह कहीं लिखा ही नहीं है। इसमें सीधे लिखा है कि

"(i) उप–धारा (1) के स्थान पर,"

जो कल चर्चा हुई थी वह मान ली गई लेकिन कहीं सैक्शन–6 लिखा ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, उप–धारा (1) किसकी बदली। मैं बताना चाहूंगा कि सैक्शन–6 की उप–धारा बदली गई है।

श्री अध्यक्ष : वरुण जी, जो कल बिल प्रस्तुत हुआ था उस बिल में अमैंडमैंट की है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, पहले भी एक्ट में सैक्शन 6 की क्लॉज (1), (2), (3), (4) और (5) के बाद व्याख्या है। हमने यहां पर वह व्याख्या भी दी है और उसमें बिल्कुल क्लीयर कट लिखा हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतरा : अध्यक्ष महोदय, कोई हाउस के सामने और कोई हमारे सामने ऐसी अमैंडमैंट पेश नहीं की गई और न ही नेवा पोर्टल पर डाली गई है। हमें अभी इसकी कॉपी मिली है। इसके अंदर मंत्री जी explanation दे रहे हैं। इसमें हमारा मेन एतराज इस बात का है कि Right to Franchise एक democratic right है। आज के दिन में population को ascertain करने के लिए census होती है या door to door survey होता है। जिन लोगों का परिवार पहचान पत्र नहीं बना है तो क्या वह मैंडेटरी है? सरकार किस बात के लिए परिवार पहचान पत्र बनवा रही है? सरकार चाहे तो इसके लिए Municipal Committee के इम्पलॉइज से सर्वे करवा ले। सरकार परिवार पहचान पत्र की assistance ले ले that is a different matter. अब इसमें न तो हाउस के पास इतना टाईम है और न ही हमारे पास इतना टाईम है। जब आधार कार्ड आया था तो कहा गया था कि Aadhaar is also not mandatory and not compulsory. अब जिस व्यक्ति के पास परिवार पहचान पत्र नहीं होगा तो क्या उसका वोट नहीं बनेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, जैसे वोट बनवाना, यह भी व्यक्ति की अपनी मर्जी पर बनता है। आज अगर वह व्यक्ति वोट नहीं बनवाना चाहे तो उसके लिए कोई obligation नहीं है कि उसने वोट बनवाना ही बनवाना है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मुख्यमंत्री जी, अगर उस व्यक्ति के पास परिवार पहचान पत्र नहीं तो क्या वह वोट नहीं बनवा सकता? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, वह व्यक्ति वोट बनवा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मुख्यमंत्री जी, बिल की व्याख्या में यह नहीं लिखा हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, इस बिल में वोट का विषय नहीं है। इस बिल में तो केवल पापुलेशन का एक रेशो जो है......................... (शोर एवं व्यवधान)

Shri Bharat Bhushan Batra : C.M. Sahab, assistance of PPP पर that should not be the basis. बेसिस तो होनी चाहिए कि इम्पलॉइज डोर टू डोर जाये और जाकर सर्वे करे। अब इलैक्शन की बात है democratic rights की बात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि authentic population के लिए हमारा जो सर्वे हुआ है यह सर्वे होकर ही परिवार पहचान पत्र बना है। इसमें ऐसी बात नहीं है कि परिवार पहचान पत्र सर्वे करके नहीं बनाया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भारत भूषण बतरा : मुख्यमंत्री जी, जो परिवार पहचान पत्र का बिल आया था उस पर भी हमें बोलने का मौका नहीं दिया गया था। इस बिल में बहुत सारी खामियां हैं। परिवार पहचान पत्र को सरकार किस रूल के तहत census का पार्ट बना रही है और कौन से कानून के मुताबिक census को overtake कर रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : बतरा जी, यह कोई वोटिंग का विषय नहीं है। इसमें तो केवल उसकी वार्ड बंदी की fixation है। वह है कि वार्ड बंदी में एवरेज का 10 परसैंट प्लस माइनस तो वैसे भी होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, इस बिल में आपने जो लिखा है कि–

"(ii) विद्यमान व्याख्या के स्थान पर, निम्नलिखित व्याख्या प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :–

"व्याख्याः– यहां ''जनसंख्या'' से अभिप्राय है, ऐसी तिथि, जो सरकार द्वारा अधिसूचित की जाए, को हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 (2021 का 20) के उपबन्धों के अधीन स्थापित परिवार सूचना डाटा कोष से यथा प्राप्त की गई जनसंख्या।"।"

ये सिर्फ केवल आपने आई.डी. कार्ड है उससे लिखा है कि जो उससे प्राप्त होगी। उसके अलावा आप जो डोर टू डोर सर्वें करेंगे उसको भी इसके अन्दर शामिल किया जाना चाहिए, मुझे ये लगता है।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष जी, वो तो पहले है ही हम चेंज तो वही ला रहे है। डोर टू डोर उसमें पहले ही है।

श्री भारत भूषण बतराः आदरणीय मंत्री जी, कहां पर है ? उसे तो आपने चेंज कर दिया। सी.एम. साहब, मंत्री जी समझते हैं कि इन्होंने explanation को चेंज कर दिया। आप चेंज कर रहे हो, और आप कह रहे हो पहले ही है।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आपने धारा 6 की 2 के अन्दर लिखा है कि– "विद्यमान व्याख्या के स्थान पर", जो व्याख्या अब वहां धारा 6 की 2 के अन्दर है, "निम्नलिखित व्याख्या प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् उसकी जगह जो ये लिखा है यह होगा।

डॉ. कमल गुप्ताः हां, अध्यक्ष जी।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, इसके अन्दर कहीं भी डोर–टू–डोर सर्वे का जिक्र नहीं है।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष जी, यह हम नहीं चाहते इसीलिए हम ये लाए हैं।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, इसका मतलब तो फिर यही हुआ कि जिसके पास आई कार्ड होगा, जिसके पास परिवार पहचान पत्र होगा उसी की वोट बनेगी।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष जी, परिवार पहचान पत्र के ऊपर हमने इतनी चीजें..।(विघ्न)

श्री नरेन्द्र गुप्ताः अध्यक्ष जी, जो डोर टू डोर सर्वे होगा वह ठीक नहीं है उससे बैटर पहचान पत्र आज हरियाणा में है। यह अमैंडमैंट बहुत अच्छा है, मैं इस अमैंडमैंट का समर्थन करता हूं।

डॉ. कमल गुप्ताः अध्यक्ष जी, परिवार पहचान पत्र के ऊपर हमने इतनी चीजें बनाई इसके ऊपर हमने बी.पी.एल. कार्ड बनाए, इनको बी.पी.एल. कार्ड पर ऑब्जैक्शन नहीं है। हम इसके ऊपर पैंशन दे रहे हैं, इसके ऊपर हम इतनी सारी चीजें कर रहे हैं ये इन्हें मान ही नहीं रहे हैं।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, नहीं, नही, मैं आपको बता रहा हूं कि यह कोर्ट में चैलेंज होगा क्योंकि सिर्फ परिवार पहचान पत्र है उसको हम पूरी तरह से लागू नहीं कर सकते हैं जब मैंडेटरी नहीं है, कोई जरूरी नहीं है।

डॉ. कमल गुप्ताः मैं आदरणीय अध्यक्ष जी से प्रार्थना करता हूं कि हम इस बिल को दोबारा लेकर आएंगे।

....

हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 को वापिस लेना

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (डॉ. कमल गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2023 जिसे आज कार्यसूची में दर्शाया गया है, प्रशासनिक कारणों से इसको वापिस लेने की अनुमति चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, यदि हाऊस की अनुमति हो तो इस विधेयक को वापिस लेने की अनुमति दे दी जाए।

आवजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, इस विधेयक को वापिस लेने की अनुमति प्रदान की जाती है।

(विधेयक वापिस लिया गया।)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बताएं कि यह किस तरह का गुड गवर्नेंस है ?

श्री अध्यक्षः कादियान साहब, कोई बात नहीं, ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। ये कोई पहली बार नहीं हुआ है, ऐसा कई बार हुआ है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, इसमें किसी की जिम्मेवारी फिक्स होनी चाहिए। इस तरह से हाऊस का टाईम वेस्ट हो रहा है और बार–बार वही बातें हो रही हैं। The dignity and the caliber of the House is in question. ऐसे नहीं होता है।

श्री जय प्रकाश दलालः कादियान साहब, आपकी बात मान ली गई है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मंत्री जी, बिल दो–दो बार डैफर थोड़े ही होता है कहां गया गुड गवर्नेंस ?

श्री जय प्रकाश दलालः कादियान साहब, हम तो डेमोक्रेटिक है आपकी बात तीसरी बार भी मानेंगे।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः मंत्री जी, फिर तो गुड गवर्नेंस के ऊपर क्वैश्चन मार्क है।

श्री मनोहर लालः कादियान साहब, आपकी बात मान ली गई। इसके बाद आप बोलना शुरू हो गये। हम तो इसको as it is पास भी कर लेते, लेकिन हमने आपकी बात मान ली है।

....

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, यदि सदन की सहमति हो तो सदन की बैठक का समय 30 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सदन की बैठक का समय 30 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

_____

विधायी कार्य (पुनरारम्भ)

2. हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब स्कूल शिक्षा मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाये।

स्कूल शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं–

> कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाये।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) विधेयक, 2023 पर तुरंत विचार किया जाये।

(प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉजिज 2 से 10

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लॉजिज 2 से 10 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

क्लॉज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि इनैक्टिंग फॉर्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फॉर्मूला हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

टाईटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि टाईटल विधेयक का टाईटल हो।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब स्कूल शिक्षा मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

स्कूल शिक्षा मंत्री (श्री कंवर पाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।
(विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ।)

. . . . .

(ख) पुरःस्थापित किये जाने वाला विधेयक

हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक, 2023

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब माननीय संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक, 2023 को पुरःस्थापित करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री कंवर पाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक, 2023 को पुरःस्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक, 2023 पुरःस्थापित हुआ।

(विधेयक सर्वसम्मति से पुरःस्थापित हुआ।)

....

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सदन की कार्यवाही बुधवार, दिनांक

22 मार्च, 2023 प्रातः 11:00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

19:03 बजे

(तत्पश्चात् सभा बुधवार, दिनांक 22 मार्च, 2023 प्रातः 11:00 बजे तक के लिए *स्थगित हुई ।)